राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
वर्ष 7 अंक 291
मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, शनिवार, 30 मार्च, 2024
www.jagran.com
पृष्ठ 14

जब देश में कानून लागू होता है तो कुछ लोग सड़कों पर उतर आते हैं

>> 2

कांग्रेस को आयकर विभाग का 1,823 करोड़ का नोटिस

राहुल बोले ▸ सरकार बदली तो लोकतंत्र का चीरहरण करने वालों पर होगी कार्रवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के बीच आयकर विभाग की ओर से कांग्रेस को 1,823 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस भेजा गया है। पार्टी ने इसे भाजपा सरकार का 'कर आतंकवाद' करार देते हुए कहा है कि आम चुनाव में अब विपक्ष के लिए कोई समान अवसर (लेवल प्लेइंग फील्ड) नहीं रह गया है। आयकर नोटिस पर पार्टी नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी, 'जब सरकार बदलेगी तो लोकतंत्र का चीरहरण करने वालों पर कार्रवाई जरूर होगी। और ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी यह सब करने की। यह मेरी गारंटी है।'

आयकर विभाग के ताजा नोटिस पर कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन और महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कान्फ्रेंस कर कहा कि पिछले सात-आठ वर्षों के लिए जिन आधारों पर कांग्रेस को 1,823 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस दिया है, उस कसौटी पर भाजपा से 4,600 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की जाए। माकन ने कहा कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध भाजपा के रिटर्न के बीते सात वर्षों के ब्योरे का उन्होंने विश्लेषण किया है और इसमें से पिछले दो वर्ष के रिटर्न में ही पार्टी ने 1,297 लोगों के चंदे की स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। इसमें कुछ के नाम हैं, तो पते नहीं और 92 लोगों के तो नाम भी नहीं हैं जो जनप्रतिनिधित्व कानून की धाराओं का उल्लंघन है। माकन ने कहा कि 23 लोगों के 14 लाख रुपये का ब्योरा नहीं होने पर कांग्रेस से जबरन 135 करोड़ वसूले गए और एक महीने से ज्यादा समय तक पार्टी के खाते फ्रीज रहे, मगर भाजपा के मामले में आयकर विभाग आंख पर पट्टी बांधकर बैठा है। जयराम ने कहा कि यह आरोप नहीं बल्कि चुनाव आयोग के रिकार्ड से हासिल तथ्य हैं।

माकन ने कहा कि 1993-94 के मामले में 53 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस भेजा है। इससे साफ है कि कांग्रेस के चुनाव अभियान को अलोकतांत्रिक तरीके से पंगु बनाया जा रहा है, जिसमें आयकर विभाग भाजपा के फ्रंटल संगठन जैसी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चालानी डायरी के आधार पर येदियुरप्पा डायरी, जैन डायरी, सहारा व बिड़ला डायरी से लेकर बंडारू लक्ष्मण आदि मामले का संज्ञान लेकर भाजपा को दंडित क्यों नहीं किया?

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा अधिकारियों का गुंडों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके खिलाफ शनिवार और रविवार को देशव्यापी प्रदर्शन करेगी।

- राहुल ने कहा- यह 'कर आतंकवाद'; भाजपा से भी वसूले जाएं 4,600 करोड़
- बोली, आम चुनाव में विपक्ष के लिए नहीं रह गया है समान अवसर
- भाजपा के मामले में आंख पर पट्टी बांधकर बैठा है आयकर विभाग
- अलोकतांत्रिक और अवैध तरीके से पंगु बनाया जा रहा कांग्रेस का चुनाव अभियान

राहुल गांधी। फाइल

नई दिल्ली में शुक्रवार को एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, अजय माकन प्रेट्र

भाकपा को भी आयकर का नोटिस

पिछले कुछ वर्षों के दौरान टैक्स रिटर्न दाखिल करने में पुराने पैन कार्ड का इस्तेमाल को लेकर भाकपा को भी आयकर विभाग से नोटिस मिला है। इसमें पूछा है कि इसके लिए पेनाल्टी क्यों न लगा दी जाए। पार्टी इस मामले में वकीलों से परामर्श कर रही है। वहीं, टैक्स रिटर्न में बैंक खाते की घोषणा नहीं करने के लिए माकपा की 2016-17 के लिए कर छूट वापस लेकर 15.59 करोड़ रुपये का कर लगाया है।

तृणमूल सांसद साकेत गोखले को आयकर के 11 नोटिस

तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 72 घंटों में उन्हें आयकर विभाग से 11 नोटिस प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा, 'यह हास्यास्पद है कि मोदी सरकार यह दिखावा भी नहीं कर रही है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने देगी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले विपक्ष पर दबाव बनाने का हर प्रयास किया जा रहा है।'

एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है भाजपा: मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'सिर्फ विपक्ष के विरुद्ध इस अन्यायपूर्ण तरीके से काम करने के लिए आयकर विभाग पर कौन दबाव डाल रहा है? प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का उत्पीड़न करने के लिए आयकर विभाग को हथियार की तरह क्यों इस्तेमाल किया जा रहा है। वे लोकतंत्र को खत्म करने और संविधान को कमजोर करने के लिए आयकर विभाग, ईडी, सीबीआइ जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं।' 'हमारा सीधा सवाल है कि भाजपा को पेनाल्टी से छूट क्यों मिल रही है? क्या कई वर्ष पहले के ये आयकर नोटिस लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भेजे जाने से भाजपा की समान अवसर छीनने की साजिश साबित नहीं होती?' उन्होंने कहा कि आयकर विभाग द्वारा 1993-94 के लिए 54 करोड़, 2016-17 के लिए 182 करोड़, 2017-18 के लिए 179 करोड़, 2018-19 के लिए 918 करोड़ और 2019-20 के लिए 480 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। 'हम देश की संस्थाओं को भाजपा की तानाशाही से मुक्त कराएंगे।'

नियमों के तहत हो रही कांग्रेस के विरुद्ध कार्रवाई : आयकर विभाग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, कोर्ट ने भी माना कि कांग्रेस को पक्ष रखने के लिए दिया पर्याप्त समय
- कांग्रेस से बकाये कर की जो मांग रखी गई है, वह पूरी तरह न्यायसंगत

दिल्ली हाई कोर्ट ने जिस तरह आयकर की समय पर अदायगी नहीं करने के मामले में कांग्रेस को झटका दिया है उसे आयकर विभाग अपनी जीत के तौर पर देख रहा है। आयकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक कांग्रेस से आयकर वसूलने को लेकर जो भी कार्रवाई हुई है, वह पूरी तरह से नियमों के तहत ही हो रही है। दिल्ली हाई कोर्ट ने भी आयकर विभाग के इस पक्ष को स्वीकार किया है।

आयकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अदालत ने यह बात मानी है कि कांग्रेस को पूर्व में अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है और उससे बकाये कर की जो मांग रखी गई है, वह न्यायसंगत है। उक्त अधिकारी के दावे के मुताबिक हाई कोर्ट ने यह माना है कि आयकर विभाग के पास कांग्रेस के विरुद्ध पर्याप्त सुबूत हैं।

विभाग का तर्क है कि वर्ष 2018-19 में कांग्रेस ने धारा-13ए का उल्लंघन किया था, जिसकी वजह से बतौर राजनीतिक दल आयकर की जिन धाराओं से उसे छूट मिली हुई थी, उसे वापस ले लिया गया था। इस बारे में बकाये कर की मांग वर्ष 2021 में की गई थी और इस बारे में कई बार पार्टी को सूचना भेजी गई।

इस पर रोक लगाने का कांग्रेस का प्रस्ताव खारिज भी किया गया। बकाये कर की मांग के 33 महीने बीत जाने और आयकर आयुक्त के आदेश के 10 महीने बाद भी पार्टी की तरफ से संबंधित राशि का भुगतान नहीं किया गया।

आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल (आइटीएटी) में यह मामला लंबित है, जिसमें कांग्रेस को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया, लेकिन कांग्रेस ने मामले को लटकाने के लिए आइटीएटी में अपना पक्ष नहीं रखा। इसके बाद ही पार्टी से 135 करोड़ रुपये की रिकवरी की शुरुआत की गई। आइटीएटी के विरुद्ध कांग्रेस ने दिल्ली हाई कोर्ट में आवेदन किया था जिसे 13 मार्च को निरस्त कर दिया गया। इसके बाद ही संबंधित राशि की रिकवरी के लिए कदम उठाया।

यात्रा

उप्र के इस अनछुए वन की नैसर्गिक छटा मोह लेगी मन

बलरामपुर: समय के साथ पर्यटन का स्वरूप भी बदल रहा है। अब चिड़ियाघर की जगह जानवरों के प्राकृतिक आवास यानी जंगल की सैर लोगों को अधिक रोमांचित करती है। इसके लिए आप उप्र के बलरामपुर का रुख कर सकते हैं।

● पेज-7

संपादकीय

छात्रों के लिए बोझ बनी शिक्षा: यदि भारत को अपनी युवा आबादी का लाभ उठाना है तो शिक्षा के तौर-तरीकों और साथ ही युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। **सृजन पाल सिंह** का दृष्टिकोण।

विभूतियों के सम्मान का अद्भुत क्षण: एक साथ देश की पांच विभूतियों को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना एक अनूठा अवसर है। **केसी त्यागी** का आलेख।

● पेज-8

विमर्श

शोधकार्यों में नवाचार को मिले प्रोत्साहन: देश में अनुसंधान को बढ़ावा देने, परीक्षाओं से जुड़े छात्रों के तनाव को कम करने और प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए यूजीसी द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसे ही विश्लेषित कर रहे हैं, **कैलाश बिश्नोई**।

सभी तक पहुंचे विकास का लाभ: पिछले एक दशक से भारत में आर्थिक विकास की गति तेज हुई है। परंतु मानव विकास की गति में वह तेजी परिलक्षित नहीं हो रही है, लिहाजा इस दिशा में व्यापक प्रयास की आवश्यकता है। **प्रो. लल्लन प्रसाद** का आलेख।

● पेज-9

आइपीएल

आज का मैच

लखनऊ सुपरजायंट्स vs पंजाब किंग्स

शाम 7:30 बजे | स्थान: लखनऊ

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

दैनिक जागरण सप्तरंग

जोश नई राहों का

मनकी राह

आनलाइन करें स्मार्ट तैयारी और अभ्यास

● पेज-13

विधायक राजू पाल हत्याकांड में छह को उम्रकैद

लखनऊ : प्रयागराज के बहुचर्चित विधायक राजू पाल हत्याकांड में शुक्रवार को सीबीआइ की विशेष अदालत ने छह दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सातवें को चार वर्ष की सजा हुई है। इन सभी पर जुर्माना भी लगाया गया है। सीबीआइ कोर्ट की विशेष न्यायाधीश ने इनको सजा सुनाई है। बता दें, 25 जनवरी 2005 को प्रयागराज के धूमनगंज में तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल, उनके सहयोगी देवीदीन पाल और संदीप यादव की हत्या हुई थी। (पेज-6)

बिहार में 26 सीटों पर लड़ेगा राजद, कांग्रेस को मिलीं नौ सीटें

- सीट बंटवारे में राजद की चली, कांग्रेस को नहीं मिली औरंगाबाद और पूर्णिया सीट
- गठबंधन में शामिल भाकपा माले को तीन और माकपा व भाकपा को दी एक-एक सीट

पटना में शुक्रवार को महागठबंधन में लोस सीटों के बंटवारे के बाद सूची दिखाते, बाएं से, सीपीआइ के रामनरेश पांडेय, राजद के अब्दुल बारी, जगदानंद सिंह, कांग्रेस के अखिलेश प्रसाद व भाकपा माले के धीरेंद्र झा। जागरण

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार में राजद, कांग्रेस और वामदलों के सहयोग से बने महागठबंधन में लोकसभा सीटों का बंटवारा हो गया है। सीट बंटवारे में पूरी तरह से राजद की चली। कांग्रेस जिन दो सीटों पर औरंगाबाद और पूर्णिया पर अड़ी थी, वह सीट उसे नहीं मिलीं। इन दोनों सीटों पर राजद के प्रत्याशी ही मैदान में उतरेंगे। विकासशील इंसान पार्टी को लेकर भी संशय अब तक बरकरार है।

महागठबंधन का संयुक्त एलान : शुक्रवार को राजद कार्यालय में महागठबंधन की संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में सहयोगी दलों को आवंटित सीटों की घोषणा की गई। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अब्दुलबारी सिद्दिकी ने बताया कि राजद 26 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। जबकि कांग्रेस को नौ सीटें दी गई हैं। जबकि वामदलों के हिस्से पांच सीटें आई हैं।

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने कहा कि महागठबंधन के सभी सहयोगी दलों के साथ लगातार हुई समीक्षा बैठक के बाद सीटों का बंटवारा किया गया है। तेजस्वी यादव ने विकास और रोजगार की जो लंबी लकीर खींची है उसे ध्यान में रखते हुए सहयोगी दलों के साथ सीटें बांटी गई हैं। हमारे बीच सीटों को लेकर किसी प्रकार का विवाद नहीं।

पप्पू यादव और मुकेश सहनी से जुड़े सवाल पर मनोज झा ने कहा कि हमने व्यक्तिगत आधार पर सीटों का बंटवारा नहीं किया है। हमारा गठबंधन दलों के साथ है न कि किसी व्यक्ति के साथ।

राजद की 26 सीटें

गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद, बक्सर, पाटलिपुत्र, मुंगेर, जमुई, बांका, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली, सारण, सिवान, गोपालगंज, उजियारपुर, दरभंगा, मधुबनी, झंझारपुर, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया और हाजीपुर

कांग्रेस को मिलीं ये नौ सीट

किशनगंज, कटिहार, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पश्चिमी चंपारण, पटना साहिब, सासाराम और महाराजगंज।

वामदलों को मिली पांच सीटें

- भाकपा माले को मिली आरा, काराकाट और नालंदा की सीटें
- भाकपा को बेगूसराय
- माकपा को खगड़िया

रामलीला मैदान की महारैली में ताकत दिखाएगा आइएनडीआइए

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली

- विपक्षी गठबंधन की 31 मार्च को प्रस्तावित महारैली को दिल्ली पुलिस ने दी अनुमति
- राहुल, खरगे, उद्धव, तेजस्वी, अखिलेश, चम्पाई सोरेन, भगवंत मान रहेंगे मौजूद

आबकारी घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की रामलीला मैदान में 31 मार्च को प्रस्तावित महारैली को दिल्ली पुलिस से अनुमति मिल गई है। महारैली का नारा, तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओ, रहेगा। इस रैली में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार, शिवसेना (यूटीबी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव, झारखंड के सीएम चम्पाई सोरेन आदि मौजूद रहेंगे।

आप के दिल्ली संयोजक व कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) को इस महारैली में 20 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की अनुमति मिली है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रमुख राजनीतिक नेता और आइएनडीआइए के सदस्यों में नेशनल कान्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती, सीपीआइ-एम के सीताराम येचुरी, टीएमसी के डेरेक ओ'ब्रायन, डीएमके के तिरुचि शिवा, जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी रैली में शामिल होंगी।

आप के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार वे रविवार को रामलीला मैदान में महारैली के रूप में बड़े प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं, जहां से वे 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया जाएगा। राय ने कहा कि रैली में ज्यादा से ज्यादा लोग आएं, इसके लिए त्रिस्तरीय योजना बनाई गई है। राय ने दावा किया कि जब से केंद्र की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया है, तब से लोगों में भारी गुस्सा है।

जर्मनी व अमेरिका के बाद यूएन ने उठाया सीएम की गिरफ्तारी का मुद्दा पेज>>2

केजरीवाल की पत्नी शुरू कर सकती हैं सियासी पारी

जासं, नई दिल्ली : अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता उनका संदेश लेकर वह दो बार जनता के सामने आ चुकी हैं और इसी को देखते हुए उनके राजनीति में सक्रिय होने के कयास लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि महारैली में भी केजरीवाल का संदेश लेकर जनता के सामने वह आ सकती हैं। आप रणनीतिकारों का मानना है कि महारैली की सफलता का असर लोकसभा चुनाव पर भी पड़ेगा। (पेज-2)

हरदीप ने सुनीता की तुलना राबड़ी देवी से की

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केजरीवाल का राजनीतिक जीवन अब कुछ समय का रह गया है। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार होने पर बिहार के तत्कालीन सीएम लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया था। अब केजरीवाल भी पत्नी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपना चाहते हैं। दरअसल, अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में सुनीता केजरीवाल ही हैं, जिनके नाम पर पार्टी एकजुट है। पार्टी कार्यकर्ता चाहते हैं कि अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में वह अपनी सक्रियता बढ़ाएं। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी की रणनीति सीएम की गिरफ्तारी को मुद्दा बनाकर जनता से सहानुभूति लेना है। इसे सुनीता केजरीवाल के माध्यम से ही बेहतर ढंग से उठाया जा सकता है।

सत्येंद्र जैन के खिलाफ सीबीआइ जांच को दी मंजूरी

नई दिल्ली : गृह मंत्रालय ने दिल्ली के पूर्व जेल मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ सीबीआइ जांच की मंजूरी दे दी है। उगाही को लेकर सुकेश चंद्रशेखर की शिकायत मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गृह मंत्रालय ने जांच को स्वीकृति दी है। (पेज-2)

महासमर 2024

भरोसेमंद साथी बनकर उभरने का अवसर पेज>>3
बिहार में पप्पू नहीं छोड़ेंगे हाथ का साथ, चार को पूर्णिया से करेंगे नामांकन पेज>>4
तमिलनाडु में होगा चमत्कार, बड़ा परिवर्तन लाएंगे नवरत्न : मोदी पेज>>5

आडवाणी को आज भारत रत्न से सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति

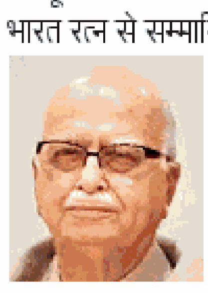

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करेंगी। देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों चौधरी चरण सिंह और नरसिंह राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, हरित क्रांति के माध्यम से खाद्यान्न में देश को आत्मनिर्भर बनाने वाले प्रख्यात विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इन विभूतियों को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की थी। भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

मुख्तार की मौत की न्यायिक और मजिस्ट्रियल जांच होगी

मुख्तार अंसारी। फाइल

बांदा स्थित मेडिकल कालेज के पोस्टमार्टम हाउस से पुलिस सुरक्षा के बीच माफिया मुख्तार अंसारी का शव लेकर जाते कर्मी। जागरण

जागरण संवाददाता, बांदा

- पोस्टमार्टम में पुष्टि- हृदय गति रुकने से हुई मौत, विसरा रखा सुरक्षित, बेटा-बहू को मिला शव

उप्र की बांदा जेल में बंद रहे माफिया मुख्तार अंसारी की मौत मामले में न्यायिक और मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। जिला कारागार बांदा के वरिष्ठ अधीक्षक की न्यायिक जांच की मांग पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भगवान दास गुप्ता ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए कोर्ट गरिमा सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त कर एक माह में रिपोर्ट मांगी है। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजेश कुमार को मजिस्ट्रीयल जांच सौंपकर 15 दिन में रिपोर्ट देने के लिए कहा है। वहीं मुख्तार के बेटे उमर ने जिलाधिकारी को पत्र लिख मौत को स्वाभाविक न मानकर सुनियोजित हत्या का आरोप लगाया है।

मुख्तार की गुरुवार रात मौत के बाद शुक्रवार दोपहर एक बजे तीन मजिस्ट्रेट, पांच सदस्यीय डाक्टरों के पैनल ने सीएमओ समेत वरिष्ठ अफसरों की निगरानी में पोस्टमार्टम शुरू किया। पांच डाक्टरों के पैनल ने हृदय गति रुकने से उसकी मौत होने की पुष्टि की। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर माफिया के गुर्गे जरूर दिखे पर अपनों में बेटा-बहू ही आए। मुख्तार का शव शाम को कड़ी सुरक्षा में सौ वाहनों के काफिले के साथ गाजीपुर रवाना किया गया। उसका शव शनिवार सुबह सिपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

गुरुवार रात बिगड़ी थी तबीयत पेज>>6

अखिलेश और मायावती ने की जांच की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा प्रमुख मायावती ने मुख्तार अंसारी की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। सपा मुखिया ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 'सरकारी अराजकता' के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। ये यूपी में 'कानून-व्यवस्था का शून्यकाल है।'

तकनीक

बिल गेट्स से बातचीत के दौरान डीपफेक में एआइ के इस्तेमाल पर चिंता जताई, माइक्रोसाफ्ट के सह- संस्थापक ने भारत में विकसित डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को सराहा

रोजमर्रा की जिंदगी आसान बनाने के लिए हो एआइ का प्रयोग : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन को आसान बनाने के लिए करने की जरूरत पर बल दिया है। माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने डीपफेक में एआइ के इस्तेमाल पर चिंता भी जताई और इसके गलत इस्तेमाल से लोगों को बचाने के लिए डीपफेक पर एआइ जनरेटेड जानकारी देने की जरूरत भी बताई। बिल गेट्स ने भारत में विकसित डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और इसके व्यापक इस्तेमाल की प्रशंसा की है। नमो एप पर एक सेल्फी के सहारे प्रधानमंत्री के साथ खींचे गए सभी फोटो को देखकर गेट्स आश्चर्यचकित थे।

एआइ के बेहतर इस्तेमाल का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि जी-20 सम्मेलन के दौरान इसका इस्तेमाल कर विदेशी मेहमानों और स्थानीय ड्राइवरों के बीच सुचारु संवाद सुनिश्चित किया गया था। इसी तरह से उन्होंने काशी तमिल संगमम में एआइ के सहारे अपने भाषण का रियल टाइम में तमिल में अनुवाद करने के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने नमो एप पर एआइ के इस्तेमाल को खुद देखने के लिए बिल गेट्स को अपनी सेल्फी लेने को कहा। सेल्फी लेते ही गेट्स की प्रधानमंत्री मोदी के साथ सभी तस्वीरें स्क्रीन पर आ गईं।

प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बताया कि डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के सहारे भारत डिजिटल विभाजन को खत्म करने में सफल रहा है। सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी लोग बिना किसी दिक्कत के इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने चौथी औद्योगिक क्रांति में डिजिटल की अहम भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि गुलामी के कारण भारत पहली और दूसरी औद्योगिक क्रांति में पिछड़ गया था। लेकिन चौथी औद्योगिक क्रांति में वह निश्चित रूप से अपना स्थान बनाने में सफल होगा।

नई दिल्ली में अपने आवास पर माइक्रोसाफ्ट सह-संस्थापक बिल गेट्स के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने जो हाफ जैकेट पहन रखी है, वह रिसाइकिल सामग्री से बनी है। प्रेट्र

महिलाओं को सर्विकल कैंसर से बचाना सरकार की प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिल गेट्स को बताया कि महिलाओं को सर्विकल कैंसर से बचाना उनकी पहली प्राथमिकता है और इस पर अनुसंधान के लिए आगामी बजट में विशेष प्रविधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कैंसर की वजह से छोटी-छोटी बच्चियों का जीवन खतरे में पड़ जाता है। इस पर भारत में विशेष अनुसंधान शुरू किया जाएगा, ताकि स्वदेशी और सस्ता टीका तैयार किया जा सके। भारत में बने कोरोना के स्वदेशी टीके और 200 करोड़ से अधिक डोज के सफल टीकाकरण अभियान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अपनी तीसरी पारी में वह देश की सभी बच्चियों का टीकाकरण सुनिश्चित कराना चाहते हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि में डिजिटल तकनीक के प्रयोग का काम शुरू हो गया है पेज>>7

****

2024 –25 शैक्षणिक सत्र के लिए राजधानी की सरकारी जमीन पर बने निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने से पहले शिक्षा निदेशालय की पूर्व मंजूरी लेनी होगी। निदेशालय की पूर्व मंजूरी के बिना स्कूल फीस नहीं बढ़ा सकते हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 30 मार्च, 2024

आज का मौसम

शनिवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा या बूंदाबांदी भी होने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
30 मार्च	36.0	20.0
31 मार्च	35.0	20.0
नोएडा		
30 मार्च	34.0	21.0
31 मार्च	33.0	20.0
गुरुग्राम		
30 मार्च	34.0	21.0
31 मार्च	32.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

एलएचएमसी में किडनी डायलिसिस की सुविधा शुरू

नई दिल्ली: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज (एलएचएमसी) के सुचेता कृपलानी अस्पताल में 29 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अब किडनी डायलिसिस यूनिट की शुरुआत की गई है। फिलहाल इस यूनिट में किडनी डायलिसिस की दो मशीनें लगाई गई हैं। बृहस्पतिवार को अस्पताल में पहली बार किडनी की बीमारी से पीड़ित करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग की डायलिसिस भी की गई। इस सुविधा से किडनी के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। (जासं)

कालिंदी कालेज की प्राचार्य को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

नई दिल्ली: साक्रेट्स सोशल रिसर्च यूनिवर्सिटी की ओर से कालिंदी कालेज की प्राचार्य प्रो. मीना चरांदा को अंतरराष्ट्रीय संस्कृति अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें पुरस्कार शिक्षा और समाज के क्षेत्र में काम करने के लिए दिया जा रहा है। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम शनिवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया जाएगा। (जासं)

नाबालिग ने युवक के पेट में चाकू घोंपा, मौत

बाहरी दिल्ली: जहांगीरपुरी इलाके में बुधवार को नाबालिग ने युवक के पेट में चाकू घोंप दिया। उसे गंभीर हालत में बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया। वहां से एलएनजेपी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। पुलिस हत्या व अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपितों का पता लगा रही है। बुधवार को पुलिस को जहांगीरपुरी के सी ब्लाक में चाकूबाजी के संबंध में जानकारी मिली। घायल को जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर घायल की पहचान 19 वर्षीय प्रकाश उर्फ कलवा के रूप में हुई। (जासं)

रामलीला मैदान से सुनीता कर सकती हैं अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत

तैयारी ▸ सहानुभूति पाने के लिए आप कार्यकर्ता दिल्ली के सीएम की पत्नी से लगा रहे उम्मीद

वी के शुक्ला, नई दिल्ली

सुनीता केजरीवाल। फाइल

आबकारी घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल पार्टी को एकजुट रखने के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। साथ ही 31 मार्च को आइएनडीआइ गठबंधन की रामलीला मैदान में आयोजित महारैली में वह पहली बार राजनीतिक मंच से भाषण देकर राजनीतिक पारी की शुरुआत कर सकती हैं। इसके लिए वह मंच से बोलने की पिछले कुछ दिनों से तैयारी कर रही हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री का संदेश लेकर वह दो बार जनता के सामने भी आ चुकी हैं। इसी रामलीला मैदान में अन्ना आंदोलन से वर्ष 2011 में अरविंद केजरीवाल को बड़ा मंच मिला था।

दरअसल, अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में सुनीता केजरीवाल ही हैं, जिनके नाम पर पार्टी एकजुट है। पार्टी कार्यकर्ता चाहते हैं कि अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में वह सक्रियता बढ़ाएं। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी की रणनीति सीएम की गिरफ्तारी को मुद्दा बनाकर जनता से सहानुभूति लेना है। इसे सुनीता केजरीवाल के माध्यम से ही बेहतर ढंग से उठाया जा सकता है। सूत्रों की माने तो सुनीता केजरीवाल को राजनीतिक तौर पर लांच करने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता है।

बताया जा रहा है कि महारैली में भी अरविंद केजरीवाल का संदेश लेकर जनता के सामने वह आ सकती हैं। आप रणनीतिकारों का मानना है कि इस महारैली की सफलता का असर इस लोकसभा चुनाव पर भी पड़ेगा। हालांकि, यह महारैली आइएनडीआइ गठबंधन के बैनर तले हो रही है, मगर आप इसे सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से अपनी जिम्मेदारी मान रही है।

केजरीवाल को आशीर्वाद कैंपेन शुरू: मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शुक्रवार को 'केजरीवाल को आशीर्वाद' वाट्सएप कैंपेन शुरू किया। उन्होंने कैंपेन के लिए दो वाट्सएप नंबर 8297324624, 9700297002 जारी किए। इन्हें जारी करते हुए उन्होंने दिल्ली और देशवासियों से अपील की कि आप इन वाट्सएप नंबरों पर अपना संदेश जरूर भेजें। आप शुभकामनाएं, दुआएं और प्रार्थना के साथ कोई भी संदेश भेज सकते हैं। कहा कि, मैं अरविंद केजरीवाल तक आपका हर संदेश पहुंचाउंगी। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को सीएम केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के सामने जो कुछ बोला, उसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए।

ईडी मांग रही सीएम के फोन का पासवर्ड : आतिशी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आप की वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को फिर आरोप लगाया कि ईडी भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में काम कर रही है और वह सीएम केजरीवाल के फोन तक पहुंच कर आप की लोकसभा चुनाव रणनीति के बारे में जानना चाहती है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा केजरीवाल के मोबाइल फोन की जांच करने की जिद यह साबित करती है कि एजेंसी भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में काम कर रही है। क्योंकि उनका यह फोन कुछ माह पुराना है, जिस समय आबकारी नीति को लेकर आरोप लगाए गए थे, उस समय सीएम के पास यह फोन नहीं था। मगर फिर भी ईडी सीएम से फोन का पासवर्ड मांग रही है। उन्होंने कहा कि दरअसल यह ईडी नहीं भाजपा है जो जानना चाहती है कि फोन में क्या है। उधर, एक अन्य प्रेसवार्ता में आप नेता जस्मिन शाह ने तंज कसा कि भारतीय जनता पार्टी की वाशिंग मशीन में धुलकर एयरक्राफ्ट लीज घोटाले में घिरे पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल भी अब साफ-सुथरे व बेदाग हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जुलाई 2023 में ही प्रफुल्ल पटेल, अजीत पवार गुट के साथ भाजपा से गठबंधन कर महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए हैं और आठ महीने बाद ही मार्च 2024 में सीबीआइ ने कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर सारा केस बंद कर दिया।

आतिशी। फाइल

जर्मनी व अमेरिका के बाद यूएन ने उठाया सीएम की गिरफ्तारी का मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र

▸ जताई उम्मीद, लोगों के राजनीतिक व नागरिक अधिकारों की होगी रक्षा

▸ हर व्यक्ति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में होगा सक्षम

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक। एएनआइ

जर्मनी और अमेरिका के बाद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भी आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस के प्रवक्ता ने कहा, विश्व निकाय उम्मीद करता है कि भारत और ऐसे किसी भी देश में, जहां चुनाव हो रहे हैं, वहां लोगों के राजनीतिक एवं नागरिक अधिकार सुरक्षित हैं और हर व्यक्ति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम होगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने ये टिप्पणियां गुरुवार को उस समय कीं जब उनसे आगामी आम चुनावों से पहले अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज करने के मद्देनजर भारत में 'राजनीतिक अशांति' को लेकर सवाल किया गया था। दैनिक प्रेसवार्ता में दुजारिक ने कहा, 'हमें बेहद उम्मीद है कि जैसा चुनाव वाले किसी भी देश में होता है, भारत में भी सभी के राजनीतिक और नागरिक अधिकार सुरक्षित हैं और हर व्यक्ति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम है।'

केजरीवाल और कांग्रेस से जुड़े इसी तरह के सवाल पर बुधवार को अमेरिका ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने भारत में पदस्थ वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक को तलब कर बयान पर कड़ी आपत्ति जताई थी। लेकिन इसके कुछ ही घंटों बाद जब अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से उनके राजनयिक को समन किए जाने के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने दोहराया था, 'हम निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए और यही बात हम व्यक्तिगत तौर पर भी साफ कर देंगे।' इसी तरह पिछले शुक्रवार को जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की थी, जिसके बाद पिछले शनिवार को भारत में जर्मनी के उप-राजदूत को विदेश मंत्रालय में समन कर नई दिल्ली ने विरोध दर्ज कराया था।

गृह मंत्रालय ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ सीबीआइ जांच को दी मंजूरी

▸ सुकेश चंद्रशेखर की शिकायत मामले में गृह मंत्रालय ने जांच को दी मंजूरी

▸ उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कार्रवाई के लिए फाइल मुख्य सचिव को भेजी

सत्येंद्र जैन। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र: गृह मंत्रालय ने दिल्ली के पूर्व जेल मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ सीबीआइ जांच की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उगाही को लेकर सुकेश चंद्रशेखर की शिकायत मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गृह मंत्रालय ने जांच को स्वीकृति दी है। चंद्रशेखर ने 10 करोड़ रुपये की उगाही करने का आरोप सत्येंद्र जैन पर लगाया है। सत्येंद्र जैन मनी लांड्रिंग मामले में इस समय जेल में हैं।

इस मामले में जैन के साथ ही तिहाड़ जेल के पूर्व महानिदेशक संदीप गोयल और तिहाड़ जेल के कुछ अन्य कर्मियों पर दिल्ली की जेलों में हाई-प्रोफाइल कैदियों से 'प्रोटेक्शन मनी'' मांगने और वसूली का आरोप लगाया गया है।

एक अधिकारी ने पुष्टि की कि मंत्रालय ने 22 मार्च को जैन के खिलाफ सीबीआइ जांच को मंजूरी दे दी, जिसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कार्रवाई के लिए फाइल मुख्य सचिव को भेज दी है। चंद्रशेखर ने शिकायत की थी, जिसके बाद सीबीआइ ने पूर्व मंत्री पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मांगी थी। तिहाड़ जेल में बंद चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि जैन ने 2018-21 के दौरान व्यक्तिगत रूप से या सहयोगियों के माध्यम से प्रोटेक्शन मनी के रूप में उनसे 10 करोड़ की उगाही की थी। यह भी आरोप लगाया कि कुछ जेल अधिकारियों ने 2019-22 के दौरान किस्तों में उनसे 12.50 करोड़ रुपये की उगाही की थी।

मुख्यमंत्री केजरीवाल को पद से हटाने के लिए हाई कोर्ट में फिर याचिका दायर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पद से हटाने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है।

याचिकाकर्ता हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अपनी याचिका में मांग की है कि अदालत केंद्रीय गृह मंत्रालय और दिल्ली के मुख्य सचिव को भारत के संविधान के प्रविधानों के अनुसार दिल्ली सरकार के कामकाज के लिए संविधान की योजना को लागू करने का आदेश जारी करे। उल्लेखनीय है कि हिंदू सेना समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने भी केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर जनहित याचिका दाखिल की थी। जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि इस मामले में अदालत के हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। हमें राष्ट्रपति या एलजी को कोई मार्गदर्शन नहीं देना है।

जब देश में कानून लागू होता है तो कुछ लोग सड़कों पर उतर आते हैं : जगदीप धनखड़

▸ आप की होने वाली रामलीला मैदान में रैली पर साधा निशाना

▸ पूछा, दोषी को बचाने का कोई मौसम कैसे हो सकता है

नई दिल्ली, प्रेट्र : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग सोचते थे कि वे सिस्टम से परे हैं, उन्हें अब जवाबदेह ठहराया जा रहा है। जब कानून लागू होता है तो कुछ लोग सड़कों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि कानून का उल्लंघन करने वाला कोई व्यक्ति कैसे विक्टिम कार्ड खेलता है। वह भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आइआइपीए) में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उनकी टिप्पणी केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग और दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में रविवार को होने वाली आप की रैली की पृष्ठभूमि में आई है। कांग्रेस ने केंद्र पर आयकर विभाग, ईडी और सीबीआइ जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

धनखड़ ने किसी व्यक्ति या मामले का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोगों ने सोचा कि वे कानून से ऊपर हैं, कानून से मुक्त हैं। कानून उनके पीछे है। केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर बयान देने के लिए अमेरिका और जर्मनी पर तंज कसते हुए धनखड़ ने कहा कि भारत एक मजबूत न्यायिक प्रणाली वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र है। उन्होंने कहा, यूरोप का एक विकसित लोकतंत्र है। उसे अपने भीतर झांकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्या आप कह सकते हैं कि भ्रष्टाचारियों से इसलिए नहीं निपटा जाना चाहिए, क्योंकि यह त्योहारों का मौसम है, यह खेती का मौसम है। जो दोषी हैं, उन्हें बचाने का कोई मौसम कैसे हो सकता है।

नई दिल्ली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आइआइपीए) के 70वें संस्थापक दिवस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अन्य लोगों के साथ शुक्रवार को प्रकाशन जारी करते हुए। प्रेट्र

न्यायपालिका को लेकर राष्ट्र विरोधी नैरेटिव को बेअसर करें

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को भारत की न्यायिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक ताने-बाने के बारे में राष्ट्र विरोधी नैरेटिव को बेअसर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा इससे समझौता नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि "उन लोगों" की तलाश करने की जरूरत है, जो निश्चित रूप से इस राष्ट्र के प्रति मित्रतापूर्ण नहीं हैं। उपराष्ट्रपति की यह टिप्पणी वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे सहित 600 से अधिक वकीलों द्वारा प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखने के बाद आई है।

एम्स से बिना सलाह लिए जाने वाले मरीजों को भी मिलेगी इलाज की समरी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ अस्पताल प्रशासन ने हाल ही में जारी किया है उक्त आदेश

▸ भर्ती कई मरीज चिकित्सकीय सलाह के बगैर ही मर्जी से चले जाते हैं

चिकित्सकीय सलाह के बगैर यदि कोई मरीज अस्पताल से चला जाता है,तब भी उस मरीज को एम्स में इलाज का सारांश (समरी) मिलेगा। इस बाबत एम्स प्रशासन ने हाल ही में एक आदेश जारी किया है, ताकि मरीजों को एम्स से वापस जाने के बाद किसी दूसरे अस्पताल में इलाज में परेशानी न हो। इससे चिकित्सकीय सलाह के बगैर एम्स से छुट्टी लेकर जाने वाले मरीजों को दूसरे अस्पतालों में इलाज में आसानी होगी।

असल में अस्पताल में भर्ती कई मरीज डाक्टरों के चिकित्सकीय सलाह के बगैर मर्जी से अस्पतालों से चले जाते हैं। ऐसे मामलों के कई कारण होते हैं। इमरजेंसी में ऐसे मामले अधिक होते हैं। एम्स जैसे अस्पताल में इलाज में देरी मरीजों के चिकित्सकीय सलाह के बगैर अस्पताल से जाने का एक बड़ा कारण है। एम्स की चिकित्सा अधीक्षक डा. निरूपम मदान द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि यह जानने में आया है, बगैर चिकित्सकीय सलाह के अस्पताल से जाने वाले मरीजों को डिस्चार्ज सारांश या उपचार का सारांश बनाकर नहीं दिया जाता। डाक्टर की सलाह के बगैर अस्पताल से जाने वाले मरीजों के स्वास्थ्य को खतरा रहता है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी हो सकती है। भले ही मरीज ने किसी कारण एम्स में इलाज जारी न रखने का फैसला लिया हो, लेकिन डाक्टर द्वारा डिस्चार्ज व इलाज का सारांश बनाकर दिया जाना चाहिए। जिस पर मरीज की बीमारी, जांच और इलाज के दौरान दी गई दवाओं इत्यादि का उल्लेख होता है, ताकि मरीज दूसरे अस्पताल में जाएं, तो इलाज से संबंधित जानकारी मिल सके। ऐसे इलाज के सारांश में मरीजों की इस बात की सहमति ली जाए कि उसे चिकित्सकीय सलाह के बगैर अस्पताल से जाने की स्थिति में स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई है।

प्लास्टिक प्रदूषण रोकने के लिए सीपीसीबी ने कंपनियों पर कसी नकेल

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली : प्लास्टिक उत्पादों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने देश की सभी प्लास्टिक कंपनियों को मार्च में ही अपना पंजीकरण कराने के निर्देश जारी किए हैं। ऐसा नहीं करने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनियों द्वारा ही प्लास्टिक पैकेजिंग वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

दरअसल, पहले चरण में सीपीसीबी द्वारा प्लास्टिक पैकेजिंग में उत्पादों को बेचने वाली और प्लास्टिक कचरे के निस्तारण में जुटी कंपनियों को पंजीकरण के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है। सीपीसीबी द्वारा पहले जारी निर्देशों के बाद अभी तक 36 हजार 230 ऐसी कंपनियों ने पंजीकरण कराया है जो प्लास्टिक के उत्पादन, आयात और ब्रांड ओनर (पीआइबीओ) से जुड़ी हुई हैं। दूसरी तरफ प्लास्टिक कचरे का निस्तारण करने वाली (प्लास्टिक वेस्ट प्रोसेसर) दो हजार 35 कंपनियों ने सीपीसीबी द्वारा तैयार पोर्टल पर पंजीकरण कराया है।

न्यूजक्लिक मामले में आज आरोप पत्र दायर कर सकती है स्पेशल सेल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को पुलिस ने बनाया है सरकारी गवाह

▸ न्यूज पोर्टल पर चीन के पक्ष में प्रायोजित खबरें चलाने का है आरोप

न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ। फाइल

चीनी कंपनियों से करोड़ों रुपये लेकर चीन के पक्ष में प्रायोजित खबरें चलाने के आरोप मामले में समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक व प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ समेत अन्य के खिलाफ दिल्ली पुलिस शनिवार को आरोप पत्र दायर कर सकती है। करीब छह माह से प्रबीर पुरकायस्थ जेल में बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक सेल कुछ चीनी नागरिकों व वरिष्ठ पत्रकारों को भी आरोपित बना सकती है।

बीते साल अक्टूबर में स्पेशल सेल ने प्रबीर पुरकायस्थ व न्यूजक्लिक के एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार करने के बाद स्पेशल सेल ने पोर्टल से जुड़े वर्तमान और पूर्व पत्रकारों समेत एचआर कर्मियों से कई बार पूछताछ की गई। गौतम नवलखा से भी सेल ने मुंबई स्थित उनके आवास पर जाकर दो दिनों तक पूछताछ की थी। जांच में चीनी कंपनियों के पांच छह नागरिकों द्वारा अवैध फंडिंग कर भारत में न्यूजक्लिक के जरिए चीन के पक्ष में प्रायोजित खबरें चलवाने का पता चला है। एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को पुलिस ने इसलिए सरकारी गवाह बनाया ताकि उनसे विदेश से मिलने वाले सभी तरह के वित्तीय लेनदेन व कंपनी की पालिसी आदि के बारे में जानकारी मिल सके। इस मामले में पहले ईडी ने मनी लांड्रिंग के तहत मामले की जांच शुरू की थी फिर स्पेशल सेल ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारियां कीं।

'अदालतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की याचिका पर विचार करे दिल्ली सरकार'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने राजधानी की सभी अदालतों में वाई-फाई पहुंच सहित निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी की मांग वाली याचिका पर दिल्ली सरकार से मांग पत्र के रूप में निर्णय लेने को कहा है। अधिवक्ता अर्पित भार्गव ने अपनी जनहित याचिका में कहा कि दिल्ली के सभी अदालत परिसरों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सीमित है या बिल्कुल नहीं है, जो न केवल अधिवक्ता बल्कि न्यायाधीश, मीडिया कर्मियों, वादियों, अदालत कर्मचारियों और अन्य हितधारकों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा कोई भी आदेश पारित करने से पहले इस मुद्दे की अधिकारियों द्वारा जांच की जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि याचिका को प्रतिवादी द्वारा एक मांग पत्र के रूप में माना जाए, जिस पर कानून के अनुसार निपटारा करने का निर्देश दिया जाता है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत से दिल्ली सरकार को याचिका पर निर्णय लेने का निर्देश देने का आग्रह किया। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा कि दिल्ली की अदालतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी अपर्याप्त या अनुपस्थित है, जिसमें पटियाला हाउस कोर्ट, राउज एवेन्यू कोर्ट के साथ-साथ हाई कोर्ट भी शामिल है। ये समस्या न्याय के सुचारु प्रशासन में बाधा है। उन्होंने दावा किया कि अधिकारी अदालतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं होने की समस्या से अवगत हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण दिल्ली की किसी अदालत से आनलाइन सुनवाई, ई-फाइलिंग जैसे विभिन्न कार्यों में बाधा आ रही है।

आठ साल में पहली बार मार्च में दिल्ली को मिली अधिकांश दिन साफ हवा

राहत

2017 से 2024 के दौरान शुक्रवार तक इस मार्च में 26 दिन 200 से नीचे दर्ज हुआ एक्यूआइ, मौसम की मेहरबानी से अगले दो दिन भी 'मध्यम' श्रेणी की हवा ही रहने के आसार

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

2017 से 2024 के बीच इस मार्च में पहली बार ऐसा हुआ है जब दिल्ली वासियों को माह के ज्यादातर दिन साफ हवा में सांस लेने का मौका मिला है। शुक्रवार (29 मार्च) तक 26 दिन दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 200 से भी नीचे रहा है। 'मध्यम' श्रेणी के दिन बढ़े हैं जबकि 'खराब' श्रेणी के दिन घटे हैं। यह बात अलग है कि पूरे माह एक भी दिन राजधानी का एक्यूआइ 100 से नीचे यानी 'संतोषजनक' श्रेणी में नहीं गया, जबकि पिछले साल तीन दिन और कोरोनाकाल में 10 दिन ऐसा हुआ था।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आठ साल के एक्यूआइ पर गौर करें तो अबकी बार आश्चर्यजनक रूप से मार्च में हवा की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिल रहा है। 29 दिनों में केवल तीन ही दिन 'खराब' जबकि 26 दिन 'मध्यम' श्रेणी की हवा दर्ज की गई है। शनिवार तथा रविवार को महीने के आखिरी दो दिन भी वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में भी दर्ज किए जाने का पूर्वानुमान है।

मार्च में दिल्ली की हवा रही साफ। फाइल

इस साल मार्च में यूं तो दिल्ली में सामान्य से 72 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। लेकिन हवा की रफ्तार अच्छी रहने से प्रदूषक कण जमने की बजाय छंटते चले गए। इसी का नतीजा है कि इस वर्ष दिल्ली वासियों को माह के अधिकांश दिन साफ हवा में सांस लेने का अवसर मिला।

– डा. दीपांकर साहा, पूर्व अपर निदेशक, सीपीसीबी

दिन में खिली धूप, शाम को तेज हवा के साथ हुई बूंदाबांदी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : शुक्रवार शाम दिल्ली के मौसम में बदलाव देखने को मिला। दिन भर खिली रही धूप के बाद शाम को तेज हवा के साथ कहीं- कहीं बूंदाबांदी देखने को मिली। इससे बढ़ती गर्मी पर तो रोक लगी ही, मौसम भी थोड़ा सुहाना हो गया। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह इस सीजन का सर्वाधिक अधिकतम तापमान रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री ज्यादा 20.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा में नमी का स्तर 79 से 35 प्रतिशत तक रहा। स्पोर्ट्स कांप्लेक्स और नजफगढ़ दिल्ली के सबसे गर्म इलाके रहे। यहां अधिकतम तापमान क्रमशः 38.5 और 38.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर दिल्ली के मौसम पर शनिवार को भी देखने को मिलेगा। इसके चलते अलग-अलग इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। दिन के समय भी बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इसी के चलते शनिवार के बाद अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। अधिकतम तापमान दोनों दिन 35 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री तक रह सकता है। स्काईमेट के अनुसार, दिल्ली में इस बार तापमान मार्च में दो बार 39 डिग्री के ऊपर गया है। 2014, 2020 और 2023 में मार्च में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से ऊपर नहीं गया। स्काईमेट के अनुसार अगले 10 दिनों तक तापमान 40 डिग्री के पार नहीं जाएगा। यह 35 से 39 डिग्री के बीच बना रह सकता है।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

****

2013 में वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) का सबसे पहले इस्तेमाल नगालैंड के विधानसभा चुनाव में किया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट मशीन बनाने और इसके लिए पैसा मुहैया कराने का आदेश केंद्र सरकार को दिया।

अतीत के आईने से

गठबंधन सरकार का सबसे छोटा कार्यकाल

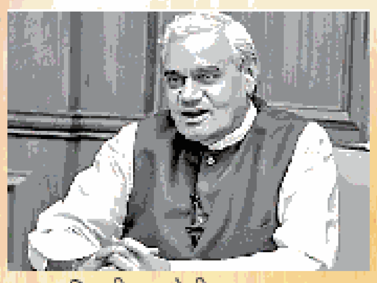

अटल बिहारी वाजपेयी

आजादी मिलने के बाद देश में पहली बार वर्ष 1951-52 में आम चुनाव हुए और लंबे समय तक कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनती रही। फिर एक ऐसा दौर आया, जब देश की राजनीति में कई उतार-चढ़ाव देखे गए। गठबंधन की सरकारें बनीं और गिरीं। ऐसी ही एक गठबंधन सरकार थी, जिसने सबसे कम समय सिर्फ 13 दिन तक शासन किया था। सरकार के मुखिया थे अटल बिहारी वाजपेयी, जिन्हें सदन में बहुमत न मिल पाने के कारण त्याग-पत्र देना पड़ा था।

11वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा

यह 1996 की बात है। अप्रैल-मई में 11वीं लोकसभा के गठन के लिए देश में चुनाव हुए। लोकसभा चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। लोकसभा की 161 सीटें जीतकर भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई। कांग्रेस को 140 सीटें मिली थीं।

13 दिनों में गिर गई थी वाजपेयी की सरकार

राष्ट्रपति ने सबसे बड़े दल के तौर पर भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में भाजपा ने सरकार बनाई और उन्होंने 16 मई 1996 को प्रधानमंत्री का पद संभाला। हालांकि, उनकी सरकार सिर्फ 13 दिनों में ही गिर गई।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

भरोसेमंद साथी बनकर उभरने का अवसर

उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत के बाद एकनाथ शिंदे ने खुद को एक सुलझे नेता के तौर पर किया स्थापित

ओमप्रकाश तिवारी • मुंबई

शिवसेना के सामने बगावत का झंडा उठाना आसान नहीं था। वह भी तब, जब खुद शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री हों। शरद पवार उनके मार्गदर्शक हों और कांग्रेस उनकी सहयोगी हो, लेकिन जून 2022 में एकनाथ शिंदे ने ऐसा करने की हिम्मत जुटाई और उद्धव ठाकरे के दो तिहाई से ज्यादा विधायकों को अपने साथ लेकर उन्हें चुनौती दे डाली। वह अपने प्रयास में सफल भी रहे और अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में दो वर्ष पूरे करने जा रहे हैं।

यदि वर्ष 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे ने भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस-राकांपा के साथ अपनी सरकार न बनाई होती, तो शायद शिंदे को ऐसी बगावत करने की नौबत ही नहीं आती। बगावत कर देने के बाद उनके सामने चुनौती है कि वह अपनी शिवसेना को बालासाहब ठाकरे के विचारों वाली शिवसेना के रूप में स्थापित कर सकें और भाजपा के साथ शिवसेना का वैसा ही गठबंधन चला सकें, जैसा कि बालासाहब ठाकरे के जीवनकाल में चलता आ रहा था। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही शिंदे बार-बार अपनी सभाओं में ऐसा करने की प्रतिबद्धता जताते हैं। वह एक ओर भाजपा के 400 पार के नारे को समर्थन देते नजर आते हैं, तो दूसरी ओर सीट समझौते के दौरान भाजपा से अपनी पार्टी के लिए अधिकतम लोकसभा सीटें भी हासिल कर ले जाते हैं। भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और राकांपा (अजीत गुट) में सीटों के बंटवारे के दौरान जब उनके कार्यकर्ता या साथी नाराज होते दिखाई देते हैं, वह उन्हें समझाने और संतुष्ट करने में भी सफल दिखाई देते हैं। इस तथ्य के बावजूद कि शिवसेना से बगावत के बाद उनके जो साथी उनके साथ सूरत और गुवाहाटी गए थे, उनमें से बहुत से लोगों को वह न तो मंत्री पद दिलवा पाए हैं, ना ही किसी निगम का अध्यक्ष बनवा पाए। इसके बावजूद क्षणभंगुर राजनीति वाले इस युग में उनके साथ आए विधायकों को अब भी उद्धव ठाकरे से ज्यादा भरोसा उन पर है, क्योंकि वह पार्टी और प्रदेश के लिए मेहनत करते नजर आते हैं।

सबके बीच रहना उनकी खूबी: सबसे मिलने और सबको समय देने की एकनाथ शिंदे की खूबी ही, उनकी कमजोरी भी मानी जाती है, क्योंकि इसी खूबी के कारण उनका पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमों में समय से पहुंचना मुश्किल हो जाता है। लेकिन, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के विपरीत उनका सार्वजनिक कार्यक्रमों में लोगों के बीच बने रहना लोगों का दिल जीत रहा है। शिवसेना से उनकी बगावत के बाद से ही उद्धव ठाकरे परिवार एवं उनके चुनिंदा समर्थक शिंदे के लिए अनेक प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग करते रहे हैं, लेकिन शिंदे के लोगों के बीच लगातार सक्रिय रहने के कारण अब वही अपशब्द उद्धव खेमे के प्रति सहानुभूति लगातार कम करते जा रहे हैं। पूरी संभावना है कि इसका असर आगामी लोकसभा चुनाव में दिखाई भी पड़ेगा।

भाजपा भी जता रही है भरोसा: निश्चित रूप से भाजपा ने वर्ष 2022 में उद्धव ठाकरे से वर्ष 2019 का बदला चुकाने के लिए ही एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की होगी, लेकिन अब भाजपा भी उन पर पूरा भरोसा करती दिख रही है। इसी के चलते महाराष्ट्र में अगला विधानसभा चुनाव भी उन्हीं के नेतृत्व में लड़ने की बात कह रही है।

दमदार चेहरा

- शिंदे न केवल शिवसेना के झंडाबरदार बनने में सफल रहे, बल्कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में वह दो वर्ष पूरे करने जा रहे हैं
- शिंदे ठाणे के कोपरी-पांच पाखड़ी निर्वाचन क्षेत्र से लगातार चौथी बार विधायक चुने गए हैं
- विधायक चुने जाने से पहले वह ठाणे महानगरपालिका में दो कार्यकाल तक नगरसेवक (पार्षद) रह चुके हैं
- 2014 में वह महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं

दिग्गज जुड़े साथ

मिलिंद देवड़ा

गोविंदा

एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवसेना (शिंदे गुट) से कई दिग्गज भी जुड़े हैं। इनमें कांग्रेसी नेता मुरली देवड़ा के बेटे मिलिंद देवड़ा और अभिनेता गोविंदा का नाम प्रमुख है। मिलिंद देवड़ा यूपीए सरकार में मंत्री रहे हैं।

आटोरिक्शा चालक से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने तक का सफर

शिवसैनिक बनने से पहले आटोरिक्शा चालक के रूप में अपनी रोजी-रोटी चलाने वाले शिंदे ने मुख्यमंत्री पद संभालते ही आटोरिक्शा चालकों पर लगने वाला फाइन कम करके उनका दिल जीत लिया था। अभी चुनाव घोषित होने से पहले भी उन्होंने पूरे महाराष्ट्र के आटो-टैक्सी चालकों के कल्याण के लिए एक योजना घोषित कर उनसे अपना जुड़ाव बरकरार रखा है। मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारियों के बीच भी वह सातारा स्थित अपने डेरे गांव पहुंचकर खेती का काम देखते हैं। अपनी कार्यशैली में वह अपने राजनीतिक गुरु स्वर्गीय आनंद दिघे से प्रेरणा लेते नजर आते हैं। फुर्सत के क्षणों में उनका सबसे बड़ा मनोरंजन का साधन अपने नन्हें पोते के साथ खेलना होता है।

शिंदे के सामने चुनौतियां भी कम नहीं

एकनाथ शिंदे के लिए सबसे बड़ी चुनौती उद्धव ठाकरे के सामने अपनी शिवसेना को टिकाए रख पाने की है। लोकसभा चुनाव के चलते यह चुनौती और बढ़ गई है। दूसरी चुनौती अपने साथ आए विधायकों और सांसदों को भाजपा के सहयोग से संतुष्ट रख पाने की है। ये तभी संभव होगा, जब भाजपा के प्रदेश नेतृत्व से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक से संबंध अच्छे और भरोसे वाले बने रहें। वर्तमान में तालमेल बेहतर नजर आ रहा है।

कल के अंक में पढ़ें

लोकसभा चुनाव में कुछ क्षेत्रीय चेहरे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान और प्रभाव बना रहे हैं। ऐसे ही चेहरों से आपको परिचित करती सीरीज 'दमदार चेहरा' में रविवार को पढ़िये तेलंगाना में हाल ही में बनी कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के बारे में।

उत्तराखंड में समीकरण बदल सकती है बसपा

विकास गुसाईं • देहरादून

पूर्व में बसपा ने चुनावों में बनाया है तीसरा कोण

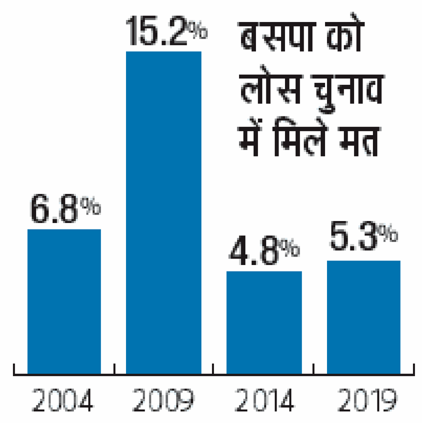

उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव की बिसात बिछ चुकी है। आगामी 19 अप्रैल को पहले चरण में प्रदेश की सभी पांचों सीटों पर मतदान होना है। बुधवार को नामांकन का अंतिम दिन था। मुख्य मुकाबला भले ही इस समय भाजपा व कांग्रेस के बीच माना जा रहा है, लेकिन बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने प्रदेश की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतार कर मुकाबले में तीसरा कोण बनने का प्रयास किया है।

प्रदेश में पूर्व में हुए लोकसभा चुनावों में बसपा भले ही कोई सीट नहीं जीत पाई, लेकिन उसके प्रत्याशी को मिले मतों ने प्रत्याशियों की जीत के समीकरण जरूर प्रभावित किए हैं। 2004 व 2009 में तो ऐसी स्थिति रही कि कुछ सीटों पर बसपा प्रत्याशी को जीत के अंतर से अधिक मत मिले।

तीसरा बड़ा दल है प्रदेश में : राज्य गठन के बाद से ही बसपा उत्तराखंड में मत प्रतिशत व सीटों के हिसाब से तीसरा बड़ा दल रहा है। वर्ष 2002 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के अलावा सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन बसपा ने किया था। पार्टी ने सात सीटों पर जीत दर्ज की और उसे कुल 10.79 प्रतिशत मत मिले थे।

किस चुनाव में क्या रही स्थिति

वर्ष 2004: लोकसभा चुनाव में बसपा को 6.77 प्रतिशत मत मिले। यद्यपि, उसके प्रत्याशी किसी सीट पर जीत दर्ज नहीं कर पाए, लेकिन दल के प्रत्याशी ने नैनीताल-ऊधम सिंह नगर में 50 हजार से अधिक मत प्राप्त किए। इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी ने 49 हजार मतों से जीत दर्ज की थी।

वर्ष 2009: लोकसभा चुनाव में बसपा ने पांचों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे। टिहरी गढ़वाल सीट पर कांग्रेस ने भाजपा पर 52 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की। इस सीट पर बसपा प्रत्याशी को 74 हजार मत मिले थे। गढ़वाल लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने भाजपा पर 17 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की। इस सीट पर बसपा प्रत्याशी को 34 हजार से अधिक मत मिले। हरिद्वार सीट पर कांग्रेस ने भाजपा पर 1.27 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की। यहां बसपा प्रत्याशी को 1.81 लाख मत प्राप्त हुए। नैनीताल-ऊधम सिंह नगर सीट पर कांग्रेस ने भाजपा को 88 हजार मतों से हराया। यहां बसपा प्रत्याशी को 1.43 लाख मत मिले। अल्मोड़ा सीट पर कांग्रेस ने भाजपा को लगभग सात हजार मतों से हराया। इस सीट पर बसपा प्रत्याशी को 44 हजार से अधिक मत मिले।

वर्ष 2014: लोकसभा चुनाव बसपा ने फिर से पांचों सीटों पर प्रत्याशी उतारे। पार्टी को 4.8 प्रतिशत मत मिले। यद्यपि नरेन्द्र मोदी लहर में बसपा का कोई भी प्रत्याशी मुकाबले का तीसरा कोण नहीं बन पाया, लेकिन हरिद्वार में पार्टी प्रत्याशी को एक लाख से अधिक मत मिले।

वर्ष 2019: लोस चुनाव में पार्टी ने चार सीटों पर प्रत्याशी उतारे, जिन्हें कुल 5.3 प्रतिशत मत मिले। हरिद्वार में पार्टी प्रत्याशी को 1.5 लाख से अधिक मत मिले, लेकिन मोदी मैजिक के सामने बसपा किसी भी सीट पर प्रभाव नहीं छोड़ पाई। इस बार के चुनाव में पार्टी ने पांचों सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी की नजर मत प्रतिशत बढ़ाने और मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने पर रहेगी।

हिमाचल में बड़ा झटका सहकर उबरने लगी कांग्रेस

रोहित नागपाल • शिमला

पार्टियों की रणनीति

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में अपने छह मोहरे (विधायक) गंवाने वाली कांग्रेस उस झटके से उबरने में जुट गई है, जिसने प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। छह पूर्व कांग्रेस विधायकों के साथ तीन निर्दलीय भी भाजपा के हो चुके हैं।

हिंदी पट्टी में एकमात्र राज्य हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस को 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। यहां कांग्रेस के 40 विधायक होने के बावजूद पार्टी को 25 विधायकों वाली भाजपा के प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के छह विधायकों ने क्रास वोटिंग की। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा के पक्ष में मतदान किया। दोनों प्रत्याशियों को 34-34 मत मिले। पर्ची डालने पर भाजपा के प्रत्याशी को जीत हासिल हुई। इसके अगले ही दिन कांग्रेस के छह विधायकों की सदस्यता विधानसभा सचिवालय ने रद कर दी। इस सदमे को झेल रही कांग्रेस पहले तो परेशान दिखी, पर लोस चुनाव की घोषणा के साथ ही मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सहित कांग्रेस सरकार के मंत्रियों व अन्य नेताओं ने नई ऊर्जा से चुनावी तैयारी शुरू कर दी। हिमाचल प्रदेश में सातवें और अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। इसकी तैयारी को लेकर संगठन और सरकार के बीच संबंध सुधारने के लिए समन्वय समिति का गठन किया गया, जिसकी पहली बैठक चंडीगढ़ में बुधवार को हुई। इसमें वरिष्ठ नेताओं को मनाकर न केवल चुनाव के लिए तैयार किया गया, बल्कि सरकार व संगठन के बीच बेहतर समन्वय से काम हो, इसकी योजना भी तैयार की गई है। राज्य के चार लोकसभा क्षेत्रों से लेकर छह विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए रणनीति बनाई जा रही है, लेकिन समन्वय समिति के अतिरिक्त एक और समिति का गठन चर्चा में रहा। इस समिति में न मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हैं और न पार्टी की प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह और न मंत्री विक्रमादित्य सिंह। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में बनी इस समिति में तीन और मंत्री हैं, जिन्हें निष्पक्ष समझा जा सकता है। दिलचस्प यह है कि समिति का काम प्रदेश के राजनीतिक एवं आर्थिक एवं राजनीतिक हालात ठीक करना है। कमान मुकेश के हाथ में आने के बाद से कांग्रेस कुछ स्थिर दिख रही है और यह शोर भी थम गया है कि कुछ और कांग्रेस विधायक भाजपा में जा सकते हैं। मुकेश अग्निहोत्री का यह बयान दिलचस्प रहा कि भाजपा ने जो किया सो किया, अब खेला हम करेंगे। राजनीति के जानकार संभावना जता रहे हैं कि कांग्रेस उन लोगों की वापसी करवा सकती है जो भाजपा में हैं और नाराज चल रहे हैं।

सुखविंदर सिंह सुक्खू व मुकेश अग्निहोत्री • जागरण आर्काइव

बेहतर समन्वय के लिए दो प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए

कांग्रेस ने समन्वय समिति की बैठक के बाद बेहतर समन्वय के लिए दो प्रदेश कार्यकारी अध्यक्षों की तैनाती की है। पार्टी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नजदीकी मुख्य संसदीय सचिव (सीपीएस) संजय अवस्थी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। वहीं, मंडी जिले से जीते एकमात्र कांग्रेस विधायक चंद्रशेखर को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर मंडी को ताकत दी है। इससे क्षेत्रीय संतुलन के साथ सरकार व संगठन के बीच के समन्वय को लेकर उठ रहे सवालों पर भी लगाम लगेगी।

प्रतिभा सिंह को मनाना बड़ी सफलता

मंडी संसदीय क्षेत्र से प्रतिभा सिंह को चुनाव लड़ने के लिए मनाना कांग्रेस की सबसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। पहले माना जा रहा था कि सरकार व संगठन में पूरी तरह तकरार की स्थिति है। प्रतिभा सिंह चुनावी समर में उतरेंगी तो पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का पूरा धड़ा सक्रिय होगा। वहीं, कांग्रेस चुनाव बेहतर तरीके से लड़ती दिखेगी। सर्वेक्षण में भी वही टक्कर देने की स्थिति में बताई जा रही हैं। इसके अलावा, अब सार्वजनिक मंचों पर भी नेता एक-दूसरे के विरुद्ध आग नहीं उगल रहे हैं।

लोकतंत्र के पर्व में अब वोटर ही 'भगवान'

लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इतना ही नहीं, नेता तरह-तरह के उपाय कर मतदाताओं को रिझा रहे हैं। इसी कड़ी में आंध्र प्रदेश के नंदयाल में 'मेमंथा सिद्धम' यात्रा के दौरान बुजुर्ग महिला का मस्तक चूमकर अपनत्व का अहसास कराते आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी। लोकसभा के साथ आंध्र में विधानसभा चुनाव के लिए भी मतदाता मतदान करेंगे। नई सरकार चुनने के लिए आंध्र प्रदेश में 13 मई को मतदान होगा • एएनआइ

'कमल' की साख बचाने को मैदान में उतरीं सास और बहू

धनंजय प्रताप सिंह • भोपाल

वीआइपी सीट छिंदवाड़ा

- बेटे नकुल नाथ को जिताने के लिए बहू प्रिया के साथ अलका नाथ ने संभाला मोर्चा
- सास-बहू की ये जोड़ी शहर से लेकर गांव तक लोगों को याद दिला रही 44 साल के रिश्ते
- कमल नाथ से दो चुनाव हार चुके बंटी साहू इस बार दे रहे कड़ी टक्कर

प्रचार के दौरान गेहूं की फसल काटतीं प्रिया नाथ

नकुल नामांकन करने पहुंचे तो कमल नाथ के अलावा प्रिया-अलका भी साथ रहीं • नईदुनिया आर्काइव

मध्य प्रदेश में पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया समाप्त होते ही प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। प्रदेश की हाट सीट छिंदवाड़ा पर कब्जा बरकरार रखने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का पूरा परिवार मैदान में उतर आया है। कांग्रेस प्रत्याशी नकुल नाथ को जिताने के लिए कमल नाथ की बहू प्रिया नाथ (नकुल नाथ की पत्नी) के साथ उनकी पत्नी अलका नाथ ने मोर्चा संभाला है। चुनाव प्रचार के मैदान में उतरी सास-बहू की ये जोड़ी शहर से गांव तक उन परिवारों में दस्तक देकर अपने 44 साल के रिश्तों की याद दिला रही हैं, जिनके घर के लोग कांग्रेस छोड़ सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के सबसे करीबी दीपक सक्सेना को भी भाजपा में जाने से रोकने में अलका ने ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चुनावी मैदान में भले ही नकुल नाथ हैं, लेकिन प्रतिष्ठा कमल नाथ की दांव पर लगी है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में एकमात्र छिंदवाड़ा सीट ही कांग्रेस के पास है, जिसे छीनने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। पहले चरण के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर और बालाघाट सीटें भी शामिल हैं, जहां 19 अप्रैल को मतदान होना है।

71 वर्ष से कांग्रेस का कब्जा: छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर कमल नाथ के परिवार का कब्जा पिछले 44 वर्ष से है। बीते वर्षों में एक उपचुनाव को छोड़ दिया जाए तो यह सीट पिछले 71 वर्ष से कांग्रेस के खाते में रही है। इसीलिए इसे कमल नाथ का गढ़ कहा जाता है। यहां जीत दर्ज करने की मंशा के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आए, गिरिराज सिंह को संसदीय सीट का प्रभारी बनाया गया और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई।

दीपक सक्सेना को मनाने में कामयाब रहीं अलका: कमल नाथ के भरोसेमंद पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना को लेकर बुधवार को अटकलें थीं कि वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं, लेकिन यह कयास ही साबित हुए। सक्सेना के एक बेटे अजय भाजपा में आ चुके हैं, इसलिए मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद सिंह पटेल समेत वरिष्ठ नेता सक्सेना को मनाने उनके घर भी पहुंचे। बात नहीं बनी तो इसे शिष्टाचार भेंट बताया। दीपक सक्सेना ने भी कहा कि वह भाजपा में नहीं गए हैं और कमल नाथ के साथ हैं। हालांकि, सक्सेना ने कांग्रेस के सभी पदों से त्याग-पत्र दे दिया है। बताया जाता है कि उन्हें अलका नाथ ने मनाया है।

गांव से शहर तक संपर्क : अलका नाथ और बहू प्रिया प्रमुख कार्यकर्ताओं के घर जाकर नाराजगी दूर कर रही हैं, तो गांव- गांव जाकर महिलाओं का समर्थन भी जुटा रही हैं। पिछले दिनों बहू प्रिया तो ग्रामीण महिलाओं से मिलने खेत जा पहुंचीं, जहां सिर पर घूंघट लिए प्रिया भी गेहूं की फसल काटने बैठ गईं। आदिवासी बहुल इस सीट पर सास-बहू की यह जोड़ी बेहद लोकप्रिय हो रही है। छिंदवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी बंटी साहू वर्ष 2019 में विधानसभा का उपचुनाव कमल नाथ से हार चुके हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भी कमल नाथ के विरुद्ध बंटी थे और पराजित हुए।

सीएम बोले- खेल रहे भावुकता का खेल: मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बुधवार को छिंदवाड़ा में कहा था कि जो लोग कहते हैं कि छिंदवाड़ा इसका या उसका गढ़ है, तो यह किसी का गढ़ नहीं है, गड़बड़ है। ये खुद को हनुमान भक्त बताते हैं, अगर वास्तव में हनुमान भक्त हैं, तो जाम सांवली के हनुमान मंदिर में एक भी ईंट क्यों नहीं लगाई? आप (कमल नाथ) केंद्र में मंत्री रहे, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, कौन सा पद आपको नहीं मिला, फिर भी चुनाव में भावुकता के आधार पर बेवकूफ बनाने का खेल चल रहा है। 44 सालों के बाद भी अगर वोट मांगने के लिए रोना पड़ रहा है, तो डूब मरो।

मुख्यमंत्री ने किया छिंदवाड़ा वासियों का अपमान: सीएम के बयान के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने भाजपा और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पर छिंदवाड़ावासियों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा आकर कहते हैं कि यहां सब गड़बड़ है। यह छिंदवाड़ा की अस्मिता के साथ खिलवाड़ है। मुख्यमंत्रीजी आप छिंदवाड़ा के आदिवासी समाज, मेहनतकश नौजवान, माताओं और बहनों, मजदूरों और किसानों को गड़बड़ कह रहे हैं। छिंदवाड़ा के इस अपमान के लिए आपको तत्काल जनता से माफी मांगनी चाहिए। हालांकि, इस कृत्य के लिए छिंदवाड़ा की जनता आपको कभी माफ नहीं करेगी।

चुनावी कानाफूसी

बस हमारे मंत्री जीत जाएं

पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस बार संसद में अपने ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवार पहुंचाने की तैयारी किस तरह की है, इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि पार्टी ने प्रदेश सरकार के पांच कैबिनेट मंत्रियों को भी मैदान में उतार दिया है। पंजाब की कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें लेकर दो वर्ष पहले सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी के मात्र सात-आठ विधायक ही ऐसे हैं, जो दूसरी बार जीते हैं। शेष सभी पहली बार ही विधानसभा में पहुंचे हैं और इनमें से कई मंत्री हैं। ऐसे में जिन विधायकों को मंत्री बनने का मौका नहीं मिला, वे ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि चाहे पार्टी के सभी संसदीय उम्मीदवार हार जाएं, लेकिन हमारे ये पांचों मंत्री जरूर जीत जाएं। एक विधायक ने कहा कि इनको (मंत्रियों) तो दो-दो वर्ष हो गए हैं झंडे वाली कार का आनंद लेते हुए। अगर ये नहीं जाएंगे तो हमारी तो बारी ही नहीं आएगी।

आखिर कौन है सुपारी किलर!

लोकसभा चुनाव के लिए धर्मनगरी हरिद्वार में रणभूमि सज चुकी है। रणभूमि में कांग्रेस के उम्मीदवार वीरेंद्र रावत के चुनावी रथ के सारथी उनके पिता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत हैं। पिता ने राजनीति में विरासत आगे बढ़ाने के लिए भी हरिद्वार को चुना है। हरिद्वार को चुनने का भी खास कारण है। उनकी दो बड़ी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हरिद्वार से हुई है। पहले केंद्र की यूपीए सरकार में मंत्री पद और फिर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद पर ताजपोशी। अब हरिद्वार पर विरासत को आगे बढ़ाने का जिम्मा भी आ गया है, लेकिन पुत्र की राह में कुछ बाधाएं पिता की चिंता बढ़ाए हुए हैं। प्रतिद्वंद्वियों की आंखों से नींद चुराने वाले राजनीति के इस धुरंधर को सुपारी किलर की चिंता सताए जा रही है। जी हां, राजनीति के सुपारी किलर। रावत ने इंटरनेट मीडिया में अपनी पोस्ट में यही नामकरण किया है। निशाने पर भाजपा है। कुछ-कुछ इशारा खनन की ओर किया गया है, लेकिन रावत के चाहने वाले ही नहीं, विरोधी भी जानना चाह रहे हैं कि आखिर ये सुपारी किलर कौन है। हरीश रावत को अब भी वर्ष 2016 के सरकार पर मंडराए संकट के दुःस्वप्न रह-रहकर आते हैं। हरदा जनता से गुहार लगा रहे हैं कि हरिद्वार को बचाएं।

****

242 आपराधिक मामले पंजीकृत हैं केरल की लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे भाजपा के के सुरेंद्रन के खिलाफ। के सुरेंद्रन राजग से प्रत्याशी हैं। वहीं एर्नाकुलम से भाजपा प्रत्याशी केएस राधाकृष्णन के विरुद्ध 211 मामले पंजीकृत हैं

बिहार में पप्पू नहीं छोड़ेंगे हाथ का साथ, चार को पूर्णिया से करेंगे नामांकन

दावेदारी ▸ कहा, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना उनका एक मात्र उद्देश्य

जागरण संवाददाता, पूर्णिया

महागठबंधन में बिहार में सीटों का बंटवारा हो जाने के बाद कांग्रेस नेता सह पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि पूर्णिया की जनता का आदेश है कि वे यहां से चुनाव लड़ें। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और जनता के आदेश का पालन हर हाल में होगा। वे केंद्रीय नेतृत्व के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। वैसे उन्होंने यह भी कहा कि चार अप्रैल को हर हाल में नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। एक सवाल के जवाब में कहा कि जिंदगी के अंतिम क्षण तक कांग्रेस को सीमांचल सहित बिहार में मजबूत करना ही उनका अब एक मात्र लक्ष्य है। बिहार की सभी 40 सीटों पर गठबंधन की जीत के लिए वे मेहनत करेंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना उनका एक मात्र उद्देश्य है। क्या लालू ने उनसे दगा किया? इसपर कहा कि उनका आशीर्वाद उन्हें हमेशा मिलता रहा है।

पप्पू यादव। फाइल

पूर्णिया सीट के लिए प्रदेश इकाई के प्रयास नहीं करने पर भी उन्होंने कुछ बोलने से इन्कार कर दिया। कहा कि उन्हें किसी से शिकवा शिकायत नहीं है। उन्हें जनता का आशीर्वाद है और आगामी 26 अप्रैल को ही यहां कांग्रेस का झंडा गड़ जाएगा। शुक्रवार दिनभर उनके कार्यालय में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं, कार्यकर्ताओं का जमघट लगा रहा। जब वह क्षेत्र भ्रमण के लिए निकले तो समर्थक उनकी गाड़ी के आगे आ गए। उन्होंने हर हाल में पूर्णिया से चुनाव लड़ने के प्रति सभी को आश्वस्त भी किया।

कांग्रेस ने भीलवाड़ा लोस क्षेत्र से सीपी जोशी को मैदान में उतारा

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पांच उम्मीदवारों की नौवीं सूची जारी की। इनमें राजस्थान से दो और कर्नाटक से तीन उम्मीदवार शामिल हैं। कांग्रेस ने राजस्थान में भीलवाड़ा से डा. दामोदर गुर्जर के स्थान पर वरिष्ठ नेता सीपी जोशी को मैदान में उतारा है। दामोदर गुर्जर को सुदर्शन रावत की जगह राजसमंद से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के बजाय अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के महासचिव रक्षा रमैया को टिकट दिया है। मोइली 2009 और 2014 में दो बार चिक्कबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य चुने गए लेकिन वह 2019 में हार गए थे। बल्लारी लोकसभा क्षेत्र से ई. तुकाराम को टिकट दिया गया है। कर्नाटक के समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा के बेटे सुनील बोस को चामराजनगर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार बनाया गया है।

महाराष्ट्र की छह सीटों पर मैत्री भिड़ंत करना चाहती है कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, मुंबई: शिवसेना (उद्धव गुट) द्वारा राज्य की 17 सीटों पर उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा से महाविकास आघाड़ी (मविआ) में आपसी टकराव शुरू हो गया है। एक दिन पहले वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर ने अपने आठ उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। अब कांग्रेस भी राज्य की कम से कम छह सीटों पर मैत्री भिड़ंत करना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आरिफ नसीम खान का कहना है कि शिवसेना (उद्धव गुट) द्वारा उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। हमने फैसला किया है कि हम अपने केंद्रीय नेतृत्व से राज्य की कुछ सीटों पर मैत्री भिड़ंत करने की अनुमति मांगेंगे। ये सीटें सांगली, भिवंडी, मुंबई दक्षिण-मध्य एवं मुंबई उत्तर-पश्चिम के अलावा कुछ और हो सकती हैं।

'खेल' बिगाड़ने में माहिर हैं प्रकाश आंबेडकर

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

▸ प्रकाश आंबेडकर चाहते थे मविआ में शामिल सभी दल 12-12 सीटों पर चुनाव लड़ें

▸ संजय राउत पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने महाविकास आघाड़ी से बातचीत बंद की

महाराष्ट्र

वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत पर पीठ में खंजर भोंकने का आरोप लगाते हुए महाविकास आघाड़ी (मविआ) से बातचीत बंद कर दी है। अब वह अपनी पार्टी के उम्मीदवार खड़े कर रहे हैं। उनका मविआ से समझौता न हो पाना विपक्षी गठबंधन के लिए कई सीटों पर मुसीबत खड़ी कर सकता है। यही नहीं, भाजपानीत महायुति को भी उनसे सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि वह खेल बिगाड़ने में माहिर माने जाते हैं।

बाबासाहब आंबेडकर के पौत्र एडवोकेट प्रकाश आंबेडकर ने जून 2022 में शिवसेना का विभाजन होने के ही दिनों बाद उद्धव ठाकरे से मिलकर उनसे अपनी पार्टी का गठबंधन कर लिया था। तब उद्धव ठाकरे को उनका साथ डूबते को तिनके का सहारा जैसा लग रहा था। उस समय माना गया था कि उद्धव ठाकरे वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) को अपने कोटे से सीटें देकर मविआ में शामिल करेंगे। क्योंकि मविआ में शिवसेना के अलावा राकांपा और कांग्रेस भी थे। लेकिन समय बीतता गया और उद्धव ने अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की। यहां तक कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों के गठबंधन आइएनडीआइए का गठन होने के बाद खुद प्रकाश आंबेडकर ने कई बार उसमें शामिल होने की इच्छा जताई, लेकिन उद्धव ठाकरे उसमें भी शामिल करने की कोई पहल नहीं की। हाल के दिनों में मविआ में सीट बंटवारे की बातचीत शुरू होने पर प्रकाश आंबेडकर ने प्रस्ताव रखा कि 12-12 सीटें बांटकर चुनाव लड़ना चाहिए। फिर 28 और उसके बाद 16 सीटों की मांग रखी। फिर भी बात नहीं बनी तो अंततः उन्होंने शिवसेना से अपना डेढ़ वर्ष पुराना गठबंधन तोड़ते हुए मविआ से बातचीत बंद कर दी।

प्रकाश आंबेडकर। फाइल

मविआ से प्रकाश आंबेडकर का रूठना शुभ संकेत नहीं

मविआ से प्रकाश आंबेडकर का इस तरह रूठना उसके लिए शुभ संकेत तो कतई नहीं है। क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में उनके कारण कांग्रेस-राकांपा को नौ सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। उनके उम्मीदवारों को 50,000 से डेढ़ लाख के बीच वोट मिले थे और कांग्रेस-राकांपा उम्मीदवारों की हार का अंतर इससे कम था। उनके कारण सुशील कुमार शिंदे और अशोक चव्हाण जैसे दिग्गजों को अपनी सीट गंवानी पड़ी थी। छह माह बाद हुए विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने राज्य की 236 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। तब कांग्रेस-राकांपा उनके कारण 22 सीटें गंवानी पड़ी थीं। इस बार भी अब तक वह अपनी पार्टी के आठ उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं। वह मराठा आंदोलन से चर्चा में आए मनोज जरांगे पाटिल और ओबीसी महासंघ के नेता प्रकाश शेंडगे से एक साथ बातचीत कर रहे हैं। आंबेडकर चुनिंदा सीटों पर दोनों के मजबूत उम्मीदवारों को अपना समर्थन देने की और कहीं समर्थन लेने की कोशिश कर रहे हैं। वह महाविकास आघाड़ी का तो बड़ा नुकसान करेंगे ही, कुछ सीटों पर महायुति को भी झटका दे सकते हैं।

टिकट की टिकटिक

तेदेपा ने नौ विधानसभा-चार लोस सीटों पर की उम्मीदवारों की घोषणा

अमरावती, एएनआइ: तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने शुक्रवार को नौ विधानसभा और चार संसदीय सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की अंतिम सूची की घोषणा कर दी। तेदेपा ने हाल ही में वाईएसआर कांग्रेस छोड़कर पार्टी में शामिल हुए सांसद एम. श्रीनिवासुलु रेड्डी को ओंगोल सीट से मैदान में उतारा है। गत 2019 में वह इसी संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। आंध्र प्रदेश में 13 मई को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने हैं। प्रदेश में 25 लोकसभा और 175 विधानसभा सीटें हैं।आंध्र प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने विजयनगरम संसदीय सीट से के. अप्पलानायडू, अनंतपुर से ए. लक्ष्मीनारायण और कडपा से सी. भूपेश को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही तेदेपा ने विधानसभा चुनाव के लिए पूर्व मंत्री किमिदी काला वेंकट राव को चीपुरुपल्ली को वाईएसआर कांग्रेस के बोचा सत्यनारायण के खिलाफ मैदान में उतारा है। वहीं एक अन्य मंत्री गंता श्रीनिवास राव भीमिली से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने पडेरू (एसटी) से किल्लू वेंकट रमेश, दारसी से डा. गोट्टीपति लक्ष्मी, राजमपेट से सुगावासी सुब्रमण्यम, अलुर से वीरभद्र गौड़, गुंतकल से गुम्मनुर जयराम, अनंतपुर शहरी से दग्गुपति वेंकटेश्वर प्रसाद और कादिरी से कांदिकुंटा वेंकट प्रसाद को चुनाव मैदान में उतारा है।

अरुणाचल में लोस की दो सीटों पर 14 उम्मीदवार

ईटानगर, प्रेट्र : अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा की दो सीटों के लिए 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। अरुणाचल पश्चिम लोकसभा क्षेत्र में आठ उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। इनमें केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नबाम तुकी शामिल हैं। अरुणाचल पूर्व संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या छह है। 60 विधानसभा सीटों के लिए 169 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें भाजपा के 59, कांग्रेस के 23, राकांपा के 16 और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के 23 उम्मीदवार शामिल हैं।

मध्य प्रदेश में कमल नाथ के गढ़ से विधायक भाजपा में शामिल

अमरवाड़ा विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने कांग्रेस के विधायक पद से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। शाह के साथ उनकी पत्नी हर्रई नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष माधवी शाह व बहन केसर नेताम ने भी सदस्यता ग्रहण की। – सौजन्य भाजपा

राज्य ब्यूरो, भोपाल

दल बदलू

मप्र में लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस को छिंदवाड़ा और दमोह में बड़ा झटका लगा। भाजपा ने कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह का दल बदल करवा कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। शाह ने कांग्रेस प्राथमिक सदस्यता और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा भी दे दिया है। शाह के साथ पत्नी हर्रई नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष माधवी शाह व बहन जिला पंचायत सदस्य केसर नेताम ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मप्र के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने सीएम निवास में उन्हें पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

विधायक कमलेश शाह ने कहा कि कांग्रेस में लगातार नकुल नाथ द्वारा आदिवासियों का अपमान किया जा रहा है। कांग्रेस में रहकर क्षेत्र का विकास करना संभव नहीं रह गया है। सांसद नकुल नाथ चुने हुए जनप्रतिनिधियों, आदिवासी समाज के नेताओं और कार्यकर्ताओं का अपमान करते हैं। उधर, कांग्रेस की दमोह जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल सहित दमोह एवं कटनी जिले के 150 से अधिक सरपंच, जनपद सदस्य, पूर्व सरपंच व कांग्रेस के पदाधिकारियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। दमोह संसदीय सीट पर कांग्रेस के पैनल में रंजीता गौरव पटेल का नाम था, लेकिन कांग्रेस ने यहां से तरवर लोधी को प्रत्याशी बना दिया है।

अब छिंदवाड़ा में कांग्रेस के छह विधायक: छिंदवाड़ा जिले में ये कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि बीते विधानसभा चुनाव में सात विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के विधायक जीते थे। अमरवाड़ा विधायक के पाला बदलने के बाद कांग्रेस के छह विधायक रह गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ और विधायक पाला बदल सकते हैं।

कमल नाथ के करीबी रहे हैं कमलेश शाह : 51 वर्षीय कमलेश शाह छिंदवाड़ा के हर्रई राजघराने के ताल्लुक रखते हैं। वह अब भी आदिवासी राजाओं की विरासत को संभाले हुए हैं। शाह दस वर्ष तक जनपद पंचायत हर्रई के अध्यक्ष रहे। कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष रहे और वर्ष 2013 में पहली बार विधानसभा चुनाव में विधायक चुनकर आए। 2018 और 2023 के विधानसभा चुनाव में अमरवाड़ा विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए। पत्नी माधवी शाह नगर पंचायत अध्यक्ष रह चुकी है।

इंदौर में भी झटका : इंदौर में भी कमल नाथ खेमे के नेता और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष स्वप्निल कोठारी ने अपने समर्थकों के साथ शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता ले ली। भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में स्वागत किया।

शिवराज पाटिल की बहू भाजपा में आने की इच्छुक

राज्य ब्यूरो, मुंबई: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकुरकर ने शुक्रवार को मुंबई में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। पता चला है कि वह शनिवार को भाजपा में शामिल हो जाएंगी। शिवराज पाटिल सात बार लातूर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह लोकसभा अध्यक्ष रहने के अलावा केंद्र सरकार में रक्षा राज्यमंत्री और गृह मंत्री की जिम्मेदारियां भी निभा चुके हैं। मुंबई में हुए 26 नवंबर, 2008 के आतंकी हमले के बाद उन्हें गृह मंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। बाद में वह पंजाब के राज्यपाल भी रहे हैं। वह महाराष्ट्र के बड़े लिंगायत नेता के रूप में भी जाने जाते हैं।

यदुवीर वाडियार की उम्मीदवारी से कांग्रेस बचाव की मुद्रा में

बेंगलुरु, आइएएनएस : कर्नाटक की मैसुरु-कोडागु लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर वहां के राजपरिवार के वंशज यदुवीर वाडियार चुनाव मैदान में हैं। यदुवीर को उम्मीदवार बनाने के भाजपा के कदम ने राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस को बचाव की मुद्रा में ला दिया है। इसका मुख्य कारण मैसुरु के शासक रहे वाडियार परिवार का वहां पर सैकड़ों वर्षों से बना प्रभाव है।

पार्टियों में असंतोष

कर्नाटक के इतिहास में मैसुरु रियासत में वाडियार परिवार के शासन का स्वर्णिम काल के तौर पर उल्लेख है। विकास और सद्भाव की दृष्टि से वाडियार शासनकाल में सब खुश थे। इसी के चलते इस शाही परिवार के प्रति लोगों में आदर का भाव है। यही जनभावना कांग्रेस को परेशान कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया जानते हैं कि क्षेत्र में भाजपा के खिलाफ बोला गया एक भी शब्द वाडियार राजघराने के खिलाफ वक्तव्य के रूप में प्रचारित होगा। इसके चलते कांग्रेस के नेताओं से कहा गया है कि चुनाव में वे यदुवीर वाडियार के खिलाफ कुछ भी बोलने से बचें। वाडियार पर किया गया सीधा हमला उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी एम लक्ष्मण के खिलाफ जा सकता है। इतना ही नहीं आसपास की सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति भी उससे प्रभावित हो सकती है। मैसुरु रियासत में वाडियार द्वारा लिए गए जनहितकारी फैसलों की अभी तक चर्चा होती है। 23 अगस्त, 1918 को महाराजा नलवाडी कृष्णाराजा वाडियार ने सरकारी सेवाओं में सभी समुदायों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण नीति बनाने का फैसला किया था। यह देश में सरकारी सेवाओं में जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था लागू करने का पहला कदम था। हालांकि उनके इस कदम का उस समय विरोध भी हुआ था। लेकिन दक्षिण कर्नाटक की बहुत बड़ी आबादी इस आरक्षण व्यवस्था के लिए आज भी खुद को महाराजा वाडियार का ऋणी मानती है। इसी प्रकार से मैसुरु महाराजा के शासन में ही देश की पहली पनबिजली परियोजना 1902 में सिवनासमुद्रा में स्थापित हुई थी। इससे बनी बिजली की आपूर्ति 26 सितंबर, 1908 से शुरू हुई थी। तब देश में बहुत कम शहरों में बिजली थी। इसी प्रकार से कृष्णा राजा सागर बांध के निर्माण के लिए भी वाडियार शासकों को याद किया जाता है। इतना ही नहीं स्वतंत्रता के बाद मैसुरु के महाराजा ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को दौरे के लिए अपना निजी विमान उपहार में दिया था।

▸ मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने कांग्रेस नेताओं को भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ बोलने से रोका

▸ मैसुरु के वाडियार राजघराने का क्षेत्र में है बड़ा प्रभाव, किए थे बहुत से विकास कार्य

गुजरात में केंद्रीय मंत्री रूपाला के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद: राजपूत समाज व राजे-रजवाड़ों को लेकर की गई टिप्पणी के चलते केंद्रीय मंत्री परसोत्तम रूपाला के खिलाफ कांग्रेस के नेता ने राजकोट में मानहानि का मामला दर्ज कराया है। मामला शांत कराने के लिए पूर्व विधायक जयराजसिंह जाडेजा ने गोंडल में क्षत्रिय समाज की बैठक बुलाई। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में केंद्रीय डेयरी एवं पशुपालन मंत्री रूपाला के बयान को लेकर राजनीति गरमा गई है। हालांकि, रूपाला ने अपने बयान को लेकर राजपूत समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है, लेकिन गुजरात समस्त राजपूत समाज उनकी राजकोट संसदीय सीट से दावेदारी खारिज कराने पर अड़ा है। सुरेंद्रनगर में राजपूत समाज के युवाओं ने रूपाला का पुतला जलाया, वहीं विवाद के चलते राज्य सरकार ने केंद्रीय मंत्री के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी है। कांग्रेस नेता आदित्य सिंह गोहिल ने राजकोट चीफ ज्युडिशियल कोर्ट में रूपाला के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है।

परसोत्तम रूपाला

गुरु-चेला मिले तो फिर 'फूल' खिले...

जागरण संवाददाता, हमीरपुर

▸ राजेंद्र राणा ने धूमल के घर पहुंचकर लिया आशीर्वाद, 12 साल बाद हुई दोनों नेताओं की मुलाकात

राजनीति में कोई किसी का स्थायी दुश्मन नहीं होता, कब कौन कहां किस राह पर मिल जाए यह कोई नहीं जानता। हिमाचल की राजनीति में शुक्रवार को इसी तरह का दृश्य देखने को मिला। कभी पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के खास सिपहसालार रहे सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में सुजानपुर से भाजपा प्रत्याशी प्रेम कुमार धूमल को हराया था। इस वजह से धूमल बतौर मुख्यमंत्री घोषित होने के बावजूद सीएम नहीं बन पाए थे। अब बदली परिस्थितियों में राणा फिर भाजपा में शामिल हुए हैं और भाजपा ने उन्हें उपचुनाव में सुजानपुर से प्रत्याशी बनाया है। वीरवार को स्वागत समारोह के बाद शुक्रवार को राणा ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के घर जाकर उन्हें फूल भेंट कर आशीर्वाद लिया। भाजपा में रहने के दौरान राणा पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को अपना राजनीतिक गुरु मानते रहे हैं, यह किसी से छिपा नहीं है।

करीब 12 वर्ष पहले राणा ने भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस पार्टी का हाथ थाम लिया था। 2012 में राणा को भाजपा का टिकट नहीं मिलने पर वह निर्दलीय के रूप में जीते और पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के खास चहेते बन गए। 2017 के विधानसभा चुनाव में राजेंद्र राणा कांग्रेस से प्रत्याशी थे और धूमल को हमीरपुर से बदल कर सुजानपुर से भाजपा का प्रत्याशी बनाया था। कड़े मुकाबले में राणा ने 1919 मतों से जीत हासिल की थी। उस दौरान प्रदेश की राजनीति में बड़ा फेरबदल हुआ था और जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद 2022 में उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी रणजीत सिंह राणा से मुकाबला किया और 399 मतों से जीत गए। शुक्रवार को राणा फिर धूमल का आशीर्वाद लेने पहुंचे तो पिछली राजनीतिक तस्वीर की लोग चर्चा करते रहे। यह बात राणा भी जानते हैं कि सुजानपुर का किला धूमल के बिना फतह नहीं किया जा सकता है। पिछले दिनों दिल्ली में राजेंद्र राणा की भाजपा में वापसी के समय केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे थे। अब लोकसभा के साथ विधानसभा उपचुनाव के लिए राणा भी अनुराग के साथ दिखेंगे।

राजेंद्र राणा के साथ ही बड़सर से प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल ने भी शुक्रवार को समीरपुर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से आशीर्वाद लिया। धूमल के आवास पर पहले इंद्रदत्त लखनपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री के पांव छुए और आशीर्वाद लिया और उसके बाद राजेंद्र राणा ने पुष्पगुच्छ भेंट करके धूमल के पांव छुए। इसके बाद दोनों प्रत्याशियों की धूमल के साथ लंबी मंत्रणा हुई। दोनों नेताओं के पहुंचने से पहले ही काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता वहां पहुंच गए थे।

भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र राणा समीरपुर में पूर्व सीएम प्रो प्रेम कुमार धूमल को पुष्पगुच्छ देते हुए। जागरण

'देश के बढ़ते कद से जुड़ी हैं लोगों की आकांक्षाएं'

नई दिल्ली, प्रेट्र: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि लोकसभा चुनाव में राजग 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य हासिल कर लेगा। कहा कि लोगों की आकांक्षाएं किसी पार्टी या व्यक्ति से नहीं, देश के बढ़ते कद से जुड़ी हैं। लोग राजनीतिक दलों को नहीं भारत के बढ़ते कद को देख रहे हैं। उन्हें भरोसा है कि अगर कोई देश को आगे ले जा सकता है तो वह पीएम मोदी हैं।

एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में रक्षामंत्री ने कहा कि आगामी चुनावों में राजग को बिहार में एकतरफा जीत मिलेगी। महाराष्ट्र में चौंकाने वाले परिणाम आएंगे। रक्षा मंत्री से पूछा गया था कि लोकसभा चुनावों में राजग 400 के आंकड़े को कैसे हासिल करेगा। राजनाथ ने कहा, लोगों को अहसास है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत का कद बढ़ा है। उत्तर प्रदेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम वहां सभी सीटें जीतेंगे,हालांकि एक या दो सीटें ऐसी हो सकती हैं जहां परिणाम भिन्न हो सकते हैं। उन्होंने कहा, बंगाल में हम पिछले चुनाव में जितनी सीटें जीती थीं, उससे डेढ़ गुना सीटें जीतेंगे।

लाल सिंह के लिए चुनाव प्रचार करने कठुआ नहीं आएंगी महबूबा

जागरण संवाददाता, कठुआ

कठुआ दुष्कर्म मामले में लाल सिंह की कट्टरविरोधी रही महबूबा मुफ्ती के लिए समर्थन कर चुनाव प्रचार करवाना मजबूरी बन गया है। दरअसल पीडीपी, नेकां ने कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा कर रखी है। उन्होंने इस संसदीय क्षेत्र से अपना उम्मीदवार भी मैदान में नहीं उतारा है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के निर्देश पर जिला कठुआ में पार्टी कार्यकर्ता कांग्रेस प्रत्याशी लाल सिंह का प्रचार कर रहे हैं। जबकि महबूबा का खुद कठुआ में लाल सिंह के लिए चुनावी सभाओं में आकर प्रचार करने का कार्यक्रम नहीं है। इसकी जानकारी पीडीपी के जिला कोआर्डिनेटर गुरप्रसाद वर्मा ने दैनिक जागरण को दी। बता दें कि कठुआ में खुद महबूबा का लाल सिंह के लिए प्रचार नहीं करने का मुख्य कारण कश्मीर के विशेष वर्ग के कट्टरपंथी लोगों को नाराज नहीं करना है। क्योंकि 2018 में कठुआ में बच्ची के दुष्कर्म और हत्या के मामले में लाल सिंह पर आरोपितों को बचाने के आरोप लगे थे। इस पर खूब राजनीति हुई थी। विवाद परिणामस्वरूप लाल सिंह ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए लाल सिंह सीबीआइ जांच की अपनी मांग पर अड़े रहे और रैलियां निकालीं। आगे उन्होंने खुद की पार्टी बनाई, जिसे डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी नाम दिया।

जम्मू कश्मीर

कठुआ दुष्कर्म मामले में कट्टरविरोधी रही हैं पीडीपी अध्यक्ष

‹‹ लाल सिंह। फाइल

अंतर्कलह की आग बस्तर से सरगुजा तक फैली

राज्य ब्यूरो, रायपुर

प्रदेश में कांग्रेस के भीतर अंतर्कलह की आग राजनांदगांव से लेकर बस्तर व बिलासपुर से लेकर सरगुजा तक फैल चुकी है। राजनांदगांव में भूपेश बघेल के विरोध के बाद बस्तर में कवासी लखमा, बिलासपुर में देवेंद्र यादव और अब सरगुजा में कांग्रेसी की महिला प्रत्याशी शशि सिंह का विरोध प्रारंभ हो गया है। लोकसभा चुनाव के पहले ही कांग्रेस बैकफुट पर आती नजर आ रही है। दरअसल, कांग्रेस में अंतर्कलह की शुरूआत विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद ही शुरू हो गई थी, जो लोकसभा चुनाव और प्रत्याशियों की घोषणा के बाद और तीव्र हो गई है। प्रदेश की 11 में से पांच लोकसभा सीटों पर अंतर्कलह सामने आ चुका है। प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होने के 24 घंटे के भीतर ही चार में से दो उम्मीदवारों का खुलकर विरोध शुरू हो गया। दरअसल, कांग्रेस ने बिलासपुर लोकसभा सीट से भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को उम्मीदवार बनाया है। इसपर बिलासपुर के कुछ स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। देवेंद्र यादव के नाम की घोषणा होते ही इंटरनेट मीडिया पर बाहरी बताकर सवाल उठाए जाने लगे। बोदरी नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जगदीश कौशिक तो कांग्रेस भवन के बाहर आमरण अनशन पर बैठ गए।

छत्तीसगढ़

कवासी लखमा। फाइल

देवेंद्र यादव। फाइल

शशि सिंह। फाइल

विरोध का सुर पड़ा धीमा

महासमुंद लोकसभा क्षेत्र से पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू को उम्मीदवार बनाया गया है। यह साहू बहुल सीट है। पहले चर्चा था कि महासमुंद से धनेंद्र साहू और दुर्ग से ताम्रध्वज को टिकट मिलेगा। ताम्रध्वज साहू के नाम के ऐलान के बाद स्थानीय नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया था, हालांकि धीरे-धीरे थम गया।

कांग्रेस से कार्यकर्ताओं का मोहभंग हो गया है। बिलासपुर में नगरपालिका अध्यक्ष कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ आमरण अनशन कर रहे हैं। सरगुजा क्षेत्र में हजारों कार्यकर्ता कांग्रेस से इस्तीफा देने तैयार बैठे हैं। राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मंच से विरोध का सामना करना पड़ा था।

किरण सिंह देव, प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा

कन्नौज लोकसभा सीट पर सपा के प्रत्याशी को लेकर असमंजस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

1998 से 2014 तक सपा के पास रही है सीट, पिछले चुनाव में मिली थी हार

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन हो चुके हैं व दूसरे चरण की चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद भी मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी में कन्नौज लोकसभा सीट के प्रत्याशी को लेकर असमंजस खत्म नहीं हो रहा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कन्नौज को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। यहां चुनाव चौथे चरण में होना है। कन्नौज क्षेत्र पहले फर्रुखाबाद लोकसभा सीट का हिस्सा हुआ करता था। कन्नौज लोकसभा सीट के लिए पहली बार 1967 में चुनाव हुआ और यहां से संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के डा. राम मनोहर लोहिया पहले सांसद बने। सीट 1998 से 2014 तक लगातार समाजवादी पार्टी के पास रही है। अखिलेश यादव खुद यहां से तीन बार सांसद रह चुके हैं। उन्होंने यहां 2000, 2004 व 2009 का लोकसभा चुनाव जीता था। इससे पहले 1999 में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव यहां से सांसद थे। 1998 में यहां सपा के प्रदीप यादव जीते थे। वर्ष 2012 में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद कन्नौज लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी डिंपल यादव यहां निर्विरोध निर्वाचित हुईं थीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भी डिंपल यहां से जीती थीं। वर्ष 2019 के चुनाव में वह भाजपा के सुब्रत पाठक से चुनाव हार गईं थीं। कन्नौज पर फिर से कब्जा जमाने के लिए अखिलेश यादव ने पूरे पांच वर्ष मेहनत की है।

उत्तर प्रदेश

372 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किए गए हैं जम्मू-रियासी लोकसभा क्षेत्र में। जम्मू जिले में 53, सांबा में 107, रियासी में 16 और सुंदरबनी-कालाकोट में 102 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित हैं। मतदान के लिए के पांच हजार जवान व सेंट्रल आर्म्ड पुलिस की 60 कंपनियां तैनात होंगी।

आपरेशन लोटस पर विधायकों से बुलवाया गया था झूठ : अंगुराल

जागरण संवाददाता, जालंधर

पंजाब

शीतल अंगुराल। फाइल

कहा- चंडीगढ़ बुलाकर एक मंत्री के आवास पर हुई थी बैठक

डीजीपी को शिकायत देने के लिए कहा गया था सभी को

मैं जल्द ही सुबूतों के साथ सभी षड्यंत्रों का राजफाश करूंगा

आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए जालंधर के विधानसभा क्षेत्र पश्चिम के विधायक शीतल अंगुराल ने आप पर तीखे जुबानी तीर छोड़े हैं। अंगुराल ने कहा कि आपरेशन लोटस को लेकर आप के बड़े नेताओं ने विधायकों से झूठ बुलवाया था। एक नवंबर को उन्हें और 13 अन्य विधायकों को चंडीगढ़ बुलाया गया था। एक मंत्री के आवास पर इसको लेकर बैठक रखी गई थी। फोन केवल तीन विधायकों को आए थे, लेकिन डीजीपी को शिकायत देने के लिए वहां मौजूद सभी विधायकों को कहा गया था।

हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए अंगुराल ने बताया कि विधायकों से कहा गया था कि आपरेशन लोटस को लेकर शिकायत के बाद आप लोगों को कुछ नहीं करना है। आगे का काम सरकार के मंत्री खुद संभाल लेंगे। शिकायत करने के लिए दस विधायक तैयार हो गए थे, लेकिन अन्य ने मना कर दिया था। इसके बाद सभी को चंडीगढ़ में मीडिया के सामने लाया गया और आपरेशन लोटस को लेकर झूठ बुलवाया गया। आप के कई राज मेरे पास हैं। मैं जल्द ही सुबूतों के साथ सभी षड्यंत्रों का राजफाश करूंगा। अंगुराल ने कहा कि मैं कोई पैसा लेकर भाजपा में शामिल नहीं हुआ हूं। भाजपा में तो मेरी घर वापसी हुई है। मैं 19 वर्ष भाजपा में रहा हूं। मैंने एक कार्यकर्ता के तौर पर सेवा की है और पार्टी ने मुझे पूरा सम्मान दिया है। आगे पार्टी के लिए काम करूंगा।

कर्नाटक के सीएम के बेटे ने अमित शाह पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

बेंगलुरु, एएनआइ : कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के बेटे यतींद्र सिद्दरमैया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके विवादों में घिर गए हैं। कांग्रेस नेता यतींद्र ने अमित शाह पर निशाना साधा और गुंडा और उपद्रवी होने का आरोप लगाया है। इसकी भाजपा ने तीखी आलोचना की और कहा कि उपद्रवी संस्कृति कांग्रेस में है। भाजपा ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की है और कहा कि यतींद्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री शाह के विरुद्ध अपशब्दों का प्रयोग कर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

पूर्व विधायक यतींद्र ने गुरुवार को कहा, "उन्होंने (अमित शाह) गुजरात में हत्या के आरोपों का सामना किया। उनकी आपराधिक गतिविधियों की पृष्ठभूमि रही है। लेकिन अब वह देश में एक उच्च पद पर हैं। पीएम मोदी ने ऐसे लोगों को अपने साथ रखकर राजनीति की।" यतींद्र के बयान पर भाजपा नेताओं की कड़ी प्रतिक्रिया आई है। भाजपा नेता चलवादी नारायणस्वामी ने कहा, 'यह उपद्रवी संस्कृति भाजपा में नहीं है। यह केवल कांग्रेस में मौजूद है।' भाजपा सांसद एस मुनिस्वामी ने यतींद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह निराश हैं, क्योंकि उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए मैसूरु से टिकट नहीं दिया गया। सिद्दरमैया ने यतींद्र को टिकट दिलाने का प्रयास किया था, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया। यही कारण है कि वह यह सब कह रहे हैं। वह एक छोटा बच्चा है और उन्हें राजनीति में कोई अनुभव नहीं है। इस तरह की बातों से भाजपा और मजबूत होगी। भाजपा नेता सीटी रवि ने पूर्व कांग्रेस विधायक की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग अपने पिता के नाम पर सत्ता में आते हैं, वे ऐसा ही व्यवहार करते हैं। वे राजनीतिक शुचिता को नहीं समझते हैं।

भाजपा ने की तीखी आलोचना, कहा-कांग्रेस में उपद्रवी संस्कृति

सिद्दरमैया के बेटे यतींद्र की चुनाव आयोग से की गई शिकायत

यतींद्र सिद्दरमैया।

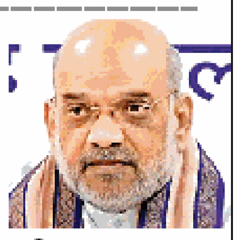
अमित शाह। फाइल

जस्टिस गंगोपाध्याय की ममता पर की गई टिप्पणी से विवाद

तृणमूल का दावा-भाजपा उम्मीदवार ने मुख्यमंत्री की मृत्यु की कामना की

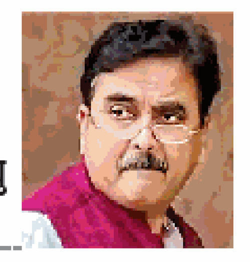

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : न्यायाधीश के पद से इस्तीफा देकर लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार बने अभिजीत गंगोपाध्याय तब विवादों में आ गए जब उन्हें एक कथित वीडियो क्लिप में यह कहते सुना गया कि ममता बनर्जी की मौत की घंटी बजनी शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि तमलुक सीट से भाजपा उम्मीदवार ने टीएमसी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री ममता की मृत्यु की कामना की, जबकि भाजपा ने कहा कि गंगोपाध्याय का मतलब टीएमसी की राजनीतिक मृत्यु था। जागरण इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने कहा कि अभिजीत को माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि मुझे लगता है यह टीएमसी पार्टी की राजनीतिक मृत्यु की ओर इशारा करने वाला बयान था। 1992 में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में तृणमूल ने वाम मोर्चा सरकार की मौत की घंटी बजने का जिक्र किया था। तो क्या वह ज्योति बसु की मौत की कामना कर रही थीं।

तृणमूल ने की पीएम के आर्थिक सलाहकार के बयान की आलोचना

कहा- संजीव सान्याल ने बंगाल की संस्कृति की आलोचना कर खुद को मूर्ख बनाया

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल के बंगालियों को लेकर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना की है। सान्याल ने हाल में एक पोडकास्ट इंटरव्यू में कहा था कि बंगालियों में महत्वाकांक्षा का अभाव है। अगर (बंगाली) समाज यह सोचता है कि केंद्रीय मंत्री बनना, बातचीत करने के लिए जमावड़ा लगाना अथवा बुद्धिजीवी होना जीवन की सफलता है, तो कुछ नहीं किया जा सकता। यदि मृणाल सेन की फिल्म आपकी सामाजिक आकांक्षा बन जाती है तो शिकायत करने का कोई मतलब नहीं है। तृणमूल ने इसपर पलटवार करते हुए अपने एक्स हैंडल पर लिखा- बंगाली विरोधी भाजपा अपनी हद से आगे निकल गई है। संजीव सांन्याल ने बंगाल की गौरवशाली संस्कृति की खुलेआम आलोचना करके खुद को मूर्ख बनाया है। बंगाली विरोधी भाजपा नेताओं के नक्शेकदम पर चलते हुए उन्होंने हमारे सांस्कृतिक प्रतीक मृणाल सेन और आनंद वाले शहर कोलकाता की संस्कृति का मजाक उड़ाया है। वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा- अब बंगाल का मतलब ही भ्रष्टाचार हो गया है लेकिन अगर किसी की टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंचती है तो इससे परहेज करना चाहिए।

तमिलनाडु में होगा चमत्कार, बड़ा परिवर्तन लाएंगे नवरत्न : मोदी

चुनावी रण ▶ पीएम ने बूथ कार्यकर्ताओं से किया संवाद, समझाई रणनीति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तमिलनाडु के बूथ कार्यकर्ताओं से दो घंटे के संवाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका मन टटोलते हुए न सिर्फ राज्य में चुनावी माहौल को भांपने का प्रयास किया, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाया। पीएम ने कार्यकर्ताओं को एक-एक बूथ जीतने की रणनीति समझाई।

उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ताधीन द्रमुक सरकार के कथित भ्रष्टाचार और परिवारवाद को मुद्दा बनाकर मतदाताओं के बीच उठाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मोदी सरकार की योजनाओं से जन-जन को जोड़ने का दायित्व सौंपा। विश्वास जताया कि इस बार तमिलनाडु में चमत्कार होगा। राजग गठबंधन में शामिल नौ दल 'नवरत्न' के रूप में बड़ा परिवर्तन लाएंगे। कहा कि किला जीतने के लिए बूथ की एक-एक चौकी जीतनी होगी। संकल्प लें कि अपने बूथ पर भाजपा का झंडा झुकने नहीं देंगे।

पीएम मोदी ने शुक्रवार शाम नमो एप के माध्यम से राज्य के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद किया। बूथ अध्यक्षों से फीडबैक लिया कि महिला उन्मुखी योजनाओं, अर्थव्यवस्था, काशी-तमिल संगमम सहित अन्य प्रयासों को जनता किस रूप में देख रही है? मोदी सरकार से लाभार्थियों की क्या अपेक्षाएं हैं? पीएम ने चुनावी तैयारियों पर भी जानकारी ली।

नमक्कल क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष एस. मोहन के साथ जय श्रीराम के परस्पर अभिवादन के बाद पीएम ने पूछा- लोग भाजपा या अन्य दलों के बारे में क्या बोलते हैं? बूथ अध्यक्ष ने बताया कि राजग में शामिल नौ दलों को लोग मजबूत समझ रहे हैं। माहौल हमारे पक्ष में है। पीएम ने संदेश दिया कि राजग किन मुद्दों को मुखरता से उठाएगा। कहा- आपके बूथ के लोगों को भी पता है कि ड्रग्स जिंदगी बर्बाद कर देगा। पिछले दिनों जो जखीरा पकड़ा गया है, उसके आका का तमिलनाडु से लिंक मिल रहा है। जब से द्रमुक की सरकार आई है, गवर्नेंस की स्थिति खराब है। जब कन्याकुमारी क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष शिव कुमार ने कहा कि सत्ताधारी दल के खिलाफ बहुत गुस्सा है तो पीएम मोदी ने कहा, मैं अनुभव कर रहा हूं कि सामान्य तौर पर सरकारों के खिलाफ नाराजगी होती है, लेकिन तमिलनाडु में द्रमुक सरकार और परिवारवादी पार्टी के खिलाफ नाराजगी ही नहीं, भयंकर गुस्सा और नफरत है। बूथ अध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या में बने राम मंदिर का प्रभाव हर बूथ पर है। इस पर पीएम बोले- परिवारवादी पार्टियों का मतलब आफ द फैमिली, बाई द फैमिली, फार द फैमिली। मैं देख रहा हूं कि द्रमुक जैसी पार्टियां केंद्र सरकार से अच्छे कामों से इतनी डरी हुई हैं कि मोदी सरकार के काम का पता लोगों को चल गया तो लोग उनसे हिसाब मांगेंगे।

नरेन्द्र मोदी। फाइल

मेरे लिए एक-एक कार्यकर्ता अन्नामलाई : प्रधानमंत्री

दक्षिण कोयंबटूर के बूथ अध्यक्ष वीटी मुरुगेसन से बातचीत में प्रधानमंत्री ने वहां के प्रत्याशी का नाम पूछा। अध्यक्ष ने जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई का नाम लिया, पीएम ने कहा कि अन्नामलाई को मैंने पूरे राज्य का काम दिया है। चुनाव में वह कोयंबटूर को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। मेरे लिए हर कार्यकर्ता अन्नामलाई है। अन्नामलाई से कहिए कि आप पूरे राज्य में घूमिए। कार्यकर्ता मिलकर कोयंबटूर को जीतेंगे।

किला जीतने के लिए जीतनी होगी बूथ की एक-एक चौकी

बूथ कार्यकर्ताओं को मोदी मंत्र

- हर तीन दिन में कोई न कोई बड़ा कार्यक्रम बूथ स्तर पर करें। जैसे महिला सम्मेलन, मछुआरों के लिए सम्मेलन, लाभार्थी सम्मेलन, किसान सम्मेलन।
- हर बूथ पर एक महिला सहित तीन कार्यकर्ताओं की टीम बनाएं। हर टीम को दस-दस परिवारों का जिम्मा सौंपें। प्रत्येक टीम प्रतिदिन 10 परिवारों का दिल जीते, मतदान कराए।
- हर पोलिंग बूथ का एक इंटरनेट मीडिया इंचार्ज हो, हर कार्यकर्ता के मोबाइल पर नमो एप हो ताकि सभी जानकारियां मिल सकें।
- नमो इन तमिल हैंडल की जानकारी सभी को होनी चाहिए। लोगों से आग्रह करें कि मोदी जी तमिल भाषा में अपनी बात आप तक पहुंचा रहे हैं, उसे सुनें।

योगी बोले-मोदी ने तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण का काम किया

जागरण टीम, मेरठ

बिजनौर और अमरोहा में यूपी के सीएम ने प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में गिनाई सरकार की उपलब्धियां

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिजनौर और अमरोहा में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्षी पार्टियों पर कड़ा प्रहार किया। कांग्रेस-सपा-बसपा का नाम लेते हुए कहा कि वह तुष्टीकरण की नीति अपनाती थीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण का काम किया है। अब चुनाव में यह सोचने का समय है कि हमें किधर जाना है।

बिजनौर में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रबुद्ध जन प्राचीन काल के साधु-संतों की भांति हैं। उस समय साधु समाज को रास्ता दिखाते थे और आज आप लोग। महाभारतकाल में महात्मा विदुर ने सही राह दिखाई। बिजनौर उन्हीं महात्मा विदुर की भूमि है। आज विदुर भूमि के प्रबुद्ध लोग देश को सही राह दिखाएंगे। कहा, 2014 में नरेन्द्र मोदी को वोट न देते तो क्या आज राम मंदिर बनता? आपको अपने वोट की कीमत को पहचानना होगा। सही हाथों में दिया गया वोट देश की तकदीर और तस्वीर बदल देता है। गलत हाथों में वोट दिया तो दुर्गति करा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह भारत की नब्ज को पहचानते थे। भारत रत्न का सम्मान उन्हें बहुत पहले ही मिल जाना चाहिए था। चौधरी चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री बनकर पश्चिमी यूपी का गौरव बढ़ाया। सपा-बसपा और कांग्रेस के लिए फैमिली फर्स्ट है लेकिन, पीएम मोदी के लिए नेशन फर्स्ट है।

बिजनौर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जागरण

कांग्रेस का सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण का वादा

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने सरकारी नौकरियों में महिला आरक्षण का दांव चला है। पार्टी ने सत्ता में आने पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस 50 प्रतिशत सरकारी नौकरियां महिलाओं के लिए आरक्षित करेगी। इससे सशक्त महिलाएं भारत की तकदीर बदल देंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा कि आज भी तीन में से केवल एक महिला के हाथ में रोजगार क्यों है? 10 सरकारी नौकरियों में से सिर्फ एक पद पर महिला क्यों हैं? उन्होंने सवाल किया, 'क्या भारत में महिलाओं की आबादी 50 प्रतिशत नहीं है? क्या उच्च माध्यमिक और उच्च शिक्षा तक महिलाओं की मौजूदगी 50 प्रतिशत नहीं है? अगर है तो फिर सिस्टम में उनकी हिस्सेदारी इतनी कम क्यों?' कांग्रेस चाहती है, 'आधी आबादी, पूरा हक'। हम समझते हैं कि महिलाओं की क्षमता का पूरा उपयोग तभी होगा जब देश को चलाने वाली सरकार में महिलाओं का बराबर योगदान होगा।' राहुल ने कहा, इसलिए कांग्रेस ने फैसला किया है कि सभी नई सरकारी नौकरियों में आधी भर्तियां महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी जाएं। हम संसद और विधानसभा में भी इसे तुरंत लागू करने के पक्ष में हैं।

'द्रमुक व अन्नाद्रमुक का अभियान स्थानीय चुनाव जैसा'

तमिलनाडु

के अन्नामलाई।

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक का चुनाव अभियान राज्य स्तरीय चुनाव जैसा और मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक का चुनावी कवायद स्थानीय निकाय चुनाव जैसी दिखाई देती है। श्रीपेरंबुदुर में चुनाव अभियान के दौरान अन्नामलाई ने कहा कि आम चुनाव इसलिए होते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होना चाहिए और विकास सुनिश्चित करने के लिए रोडमैप बनाया जाना चाहिए। द्रमुक अभी भी पिछली सदी के नौवें दशक की संस्कृत और हिंदी जैसी बहस में पड़ी है और अन्नाद्रमुक के लोग पार्षद चुनाव की तरह कस्बे-कस्बे जा रहे हैं, जबकि राजग देश के विकास का उद्देश्य के साथ चुनाव लड़ रहा है।

'मोदी सरकार में अल्पसंख्यकों को कोई खतरा नहीं'

केरल

वी मुरलीधरन। फाइल

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन ने शुक्रवार को कहा कि देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को किसी खतरे का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वह देश में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा के मामलों में उचित सरकारी हस्तक्षेप की कमी को लेकर लैटिन कैथोलिक आर्चडायोसिस द्वारा आलोचना किए जाने के सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। देश में विशेष तौर पर मणिपुर में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को कांग्रेस और वामपंथियों द्वारा भाजपा को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। केरल की अट्टिंगल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने कहा कि वह शनिवार को नामांकन दाखिल करेंगे।

'मोदी, शाह के पास है राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान'

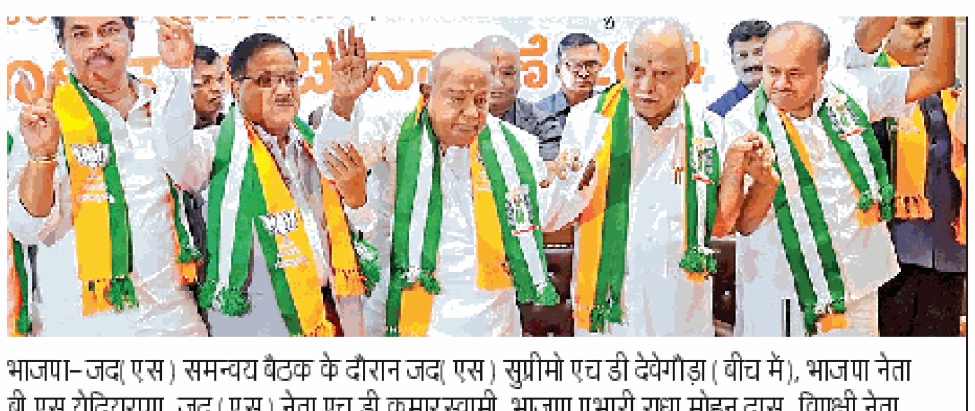
भाजपा-जद (एस) समन्वय बैठक के दौरान जद (एस) सुप्रीमो एच डी देवेगौड़ा (बीच में), भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा, जद (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी, भाजपा प्रभारी राधा मोहन दास, विपक्षी नेता आर अशोक और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र। प्रेट्र

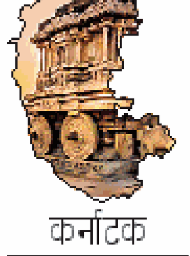
कर्नाटक

बेंगलुरु, प्रेट्र : पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा कोई नेता नहीं है जो राष्ट्रीय स्तर पर सभी समस्याओं का समाधान कर सके। जदएस संरक्षक ने कर्नाटक में सभी 28 लोकसभा सीटें जीतने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी पार्टी और भाजपा के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत जताई। जदएस पिछले साल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई है। दोनों दलों की समन्वय बैठक में देवेगौड़ा ने कहा, केवल नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ही ऐसे दो नेता हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर सभी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। देवेगौड़ा ने भाजपा और जदएस नेताओं को कांग्रेस को हल्के में नहीं लेने की चेतावनी दी। देवेगौड़ा के अनुसार कोई नहीं जानता कि मांड्या में कांग्रेस ने कितना पैसा लगाया है, जहां से पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं। उन्होंने कहा, फंडिंग कर्नाटक से की जानी है। चुनाव जीतना उतना आसान नहीं है।

कर्नाटक में कांग्रेस इस बार डरी हुई है : भाजपा

बेंगलुरु, एएनआइ : कर्नाटक में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता आर. अशोक ने बेंगलुरु क्षेत्र की चारों संसदीय सीटों को जीतने का दावा करते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस डरी हुई है। पिछली बार उन्होंने कुछ भी नहीं बांटा था और इस बार कुकर और अन्य चीजें बांटी जा रही हैं। यह बात उन्होंने बेंगलुरु-ग्रामीण संसदीय सीट से कांग्रेस उम्मीदवार डीके सुरेश के नामांकन करने के बाद कही। 28 लोकसभा सीटों वाले कर्नाटक में 26 अप्रैल और सात मई को दो चरण में मतदान होना है। उन्होंने कहा कि नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरमैया स्वयं मौजूद रहे। ऐसे में साफ है कि उनके लिए चीजें आसान नहीं हैं और दावा किया कि इस बार बेंगलुरु ग्रामीण सीट भाजपा जीत रही है। इससे पहले उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि बैठक में चुनावी रणनीति और रैलियों के आयोजन के संबंध में चर्चा की।

मंडी की लड़कियों का भाव पूछने वालों को वोट से दें जवाब : कंगना

हिमाचल प्रदेश

मंडी क्षेत्र से चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की। इस दौरान मंडी-बिलासपुर की सीमा पर स्थित बनोहा चौक पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जागरण

जागरण संवाददाता, मंडी

हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े संसदीय क्षेत्र मंडी में भाजपा की प्रत्याशी कंगना रनोट ने प्रचार का आरंभ हिमाचली बेटियों के अपमान का जवाब देते हुए शुक्रवार को किया। कंगना ने कहा कि कांग्रेस ने मंडी की लड़कियों का भाव पूछकर यहां की महिलाओं के मान सम्मान को ठेस पहुंचाई है। जनता इसका जवाब एक जून को मतदान से दे। राहुल गांधी को हिंदू और शक्ति विरोधी और कांग्रेस को महिला विरोधी बताते हुए कंगना ने कहा कि अब केंद्र और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। बकौल कंगना, जो श्रीराम के नहीं हुए, वे और किसी के नहीं हो सकते। कंगना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के सबसे प्रसिद्ध नेता हैं। कंगना ने उन्हें अवतार भी बताया। कंगना ने कहा कि वह शक्ति की पूजा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कार्य करेंगी। बिलासपुर व मंडी जिले की सीमा पर स्थित बनोहा से अपने घर भांबला तक 10 किमी का सफर खुली जीप में तय करते हुए कंगना ने जगह-जगह लोगों को संबोधित किया।

तृणमूल-भाजपा में अब कार्टून पर जंग ... बंगाल के द्वार पर पहरा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

तृणमूल ने कार्टून साझा कर भाजपा नेताओं पर बोला तीखा हमला

भाजपा ने पीएम के अपमान का लगाया आरोप, आयोग से शिकायत

बंगाल

लोकसभा चुनाव को लेकर बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी भाजपा के बीच वीडियो वार के बाद अब एक कार्टून को लेकर जंग छिड़ गई है। तृणमूल ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक कार्टून साझा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व बंगाल भाजपा के नेताओं पर तीखा हमला बोला, जिसपर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है। तृणमूल ने कार्टून के साथ लिखा- 'बंगाल के द्वार किलेबंद हैं और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहरा दे रही हैं। बहिरागत (बाहरी) भाजपा जमींदार, जो रेंगकर अंदर जाने की कोशिश कर रहे हैं, खुद को लड़खड़ाते हुए पाएंगे। जिनके पैरों के नीचे जमीन नहीं, उनका सीट जीतने का सपना हास्यास्पद है!' दरअसल, इस कार्टून में एक मकान के ऊपर मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी खड़ी हैं। दूसरी तरफ इस मकान में लगी एक बांस की सीढ़ी के सहारे पीएम मोदी, बंगाल में पार्टी के वरिष्ठ नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी (बीच में) और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ऊपर चढ़ने की कोशिश करते दिखाया गया है।

भाजपा आइटी सेल के प्रमुख व बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने इसे पीएम का अपमान बताया है।

'प्रचार में भारतीय क्रिकेट टीम की तस्वीर का इस्तेमाल न करें युसूफ'

युसूफ पठान

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : चुनाव आयोग ने बहरमपुर से तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान को चुनाव प्रचार में भारतीय क्रिकेट टीम की किसी भी तस्वीर या वीडियो का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया है। उनके खिलाफ कांग्रेस ने आयोग से शिकायत की थी, जिस पर यह कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को आयोग की ओर से युसूफ को लिखित तौर पर सूचित किया गया कि वह चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय टीम की तस्वीर का इस्तेमाल नहीं कर सकते। तस्वीरों को भी तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। भारत ने 2011 में जब 50 ओवर का क्रिकेट विश्व कप जीता था, तब युसूफ टीम के सदस्य थे।

चुनाव में गड़बड़ी करने वालों को जनता सिखा रही सबक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह एक अच्छा संकेत है कि जनता खुद ही चुनाव में भ्रष्ट आचरण और गड़बड़ी करने वालों को सबक सीखने के लिए आगे आ रही है। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक चुनाव आयोग के पास जनता की ओर से पहुंची 79 हजार से अधिक शिकायतों से उनकी जागरूकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह स्थिति तब है, जब अभी मतदान शुरू नहीं हुआ है। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान की शुरुआत 19 अप्रैल से होगी। चुनाव में जनता के इस जुड़ाव को बढ़ाने के पीछे आयोग की पहल है। जिसने चुनाव आयोग को निष्पक्ष व प्रलोभन मुक्त कराने के लिए जनता को जिम्मेदार बनाते हुए सी-विजिल नाम से एक एप तैयार किया है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति फोटो के साथ अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है। शिकायत के साथ ही उस स्थान का जियो-टैगिंग भी हो जाती है। इससे उस स्थान तक पहुंचने में आसानी होती है। खास बात यह है कि इन शिकायतों पर सौ मिनट के भीतर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाती है। आयोग के अनुसार, जनता से मिलने वाली शिकायतों पर वह 24 घंटे नजर रख रही है। तय समय में कार्रवाई कर उन्हें निष्पक्ष चुनाव का भरोसा भी दे रही है।

89% शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर कर दिया गया। कुछ पर जवाब मांगे गए हैं

73% यानी 58,500 शिकायतें अवैध होर्डिंग, पोस्टर व बैनरों से जुड़ी हुई थी

535 शिकायतें हथियारों के प्रदर्शन व धमकी देने से जुड़ी हुई है

1400 शिकायतें पैसे, उपहार और शराब बांटने से जुड़ी थी

पैसे, उपहार और शराब बांटने, हथियारों को प्रदर्शन करने से जुड़ी भी ढेरों शिकायतें

79 हजार शिकायतें कराई दर्ज

1000 शिकायतें तय समय के बाद भी यानी देर रात तक प्रचार करने और स्पीकर का उपयोग करने आदि से जुड़ी थी

99% शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है चुनाव आयोग द्वारा

सी-विजिल के जरिए इस तरह होती है कार्रवाई

पहला पड़ाव: शिकायत के पांच मिनट के भीतर जिला चुनाव अधिकारी तुरंत मैदानी अमले को जांच के लिए निर्देशित करता है।

दूसरा पड़ाव: अगले 15 मिनट में मैदानी अमला मौके पर पहुंचेगा।

तीसरा पड़ाव: इसके अगले 30 मिनट में मैदानी अमला कार्रवाई करके उसकी रिपोर्ट देगा।

चौथा पड़ाव: अगले 50 मिनट में जिला चुनाव अधिकारी रिपोर्ट को देखने के बाद उसे या तो बंद करेगा, फिर उसे कार्रवाई के आगे भेजेगा। दोनों ही स्थितियों में शिकायतकर्ता को सूचित किया जाएगा।

27 मार्च को जालंधर से आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील रिंकू भाजपा में शामिल हुए और 28 मार्च को पंजाब में सत्तारूढ़ भगवंत मान सरकार ने उनकी सुरक्षा घटा दी। रिंकू की सुरक्षा में आठ पुलिस कर्मी तैनात थे। सरकार ने चार को वापस बुला लिया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 30 मार्च, 2024

रामबन में 300 मीटर गहरी खाई में गिरा वाहन, 10 की मौत

प्रवासी मजदूरों को लेकर जा रहे वाहन से जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर हादसा, तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग माना जा रहा कारण

मृतकों में आठ बिहार, एक जम्मू और एक उत्तर प्रदेश का श्रमिक, पीएम, राष्ट्रपति ने जताया दुख

जागरण संवाददाता, ऊधमपुर

जम्मू-कश्मीर के रामबन में तेज गति और ओवरलोडिंग फिर बड़े सड़क हादसे का कारण बनी। प्रवासी मजदूरों को लेकर जम्मू से श्रीनगर जा रहा वाहन रामबन में राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन चालक समेत 10 की मौत हो गई। दुर्गम क्षेत्र में बारिश के बीच करीब आठ घंटे चले अभियान के बाद शवों को खाई से बाहर निकाला जा सका। मृतकों में आठ बिहार, एक उत्तर प्रदेश और एक जम्मू निवासी चालक हैं। मृतकों में अधिकतर आपस में रिश्तेदार हैं, जो मजदूरी के लिए श्रीनगर जा रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व केंद्रीय राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम राहत कोष से मृतकों के स्वजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी गई है।

रामबन जिला के बैटरी चश्मा इलाके में इसी जगह से टवेरा वाहन नीचे गिरा था। जागरण

तेज रफ्तार भी हादसे की वजह हो सकती है। यदि रफ्तार नियंत्रित होती तो शायद वाहन पैराफिट से टकरा कर रुक जाता। हादसे के वास्तविक कारणों पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।
–रोहित बसकोत्रा, एसएसपी ट्रैफिक रामबन

आठ की थी क्षमता, बैठे थे दस : जानकारी के अनुसार, जम्मू से वाहन गुरुवार रात श्रमिकों को लेकर श्रीनगर के लिए निकला। इसमें चालक सहित आठ लोगों के बैठने की क्षमता थी, लेकिन 10 लोग सवार थे। मध्यरात्रि करीब दो बजे जब वाहन रामबन पहुंचा तो बारिश हो रही थी। बैटरी चश्मा क्षेत्र में चालक नियंत्रण नहीं रख सका और वाहन सड़क किनारे पैराफिट को तोड़कर खाई में गिर गया। खाई में ड्राइविंग लाइसेंस व एक अन्य पहचान पत्र के आधार पर वाहन चालक तथा एक श्रमिक की शुरू में पहचान संभव हो पाई। शाम को अन्य मृतकों की पहचान हो पाई।

सोनमर्ग में हिमस्खलन में दबे वाहन, सभी सात सवार बचाए

जागरण संवाददाता, श्रीनगर

- श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर पहाड़ी से सड़क पर खिसक आई थी बर्फ
- गुलमर्ग, सोनमर्ग समेत कश्मीर के अधिकांश ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात

कश्मीर के सोनमर्ग इलाके में शुक्रवार दोपहर को बर्फबारी के बीच भारी हिमस्खलन हुआ। इसकी चपेट में आने से दो वाहन बर्फ में दब गए, जिनमें सात लोग सवार थे। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। बता दें कि इस मार्ग के दोनों ओर और आसपास की पहाड़ियों पर दो से चार फीट बर्फ जमी है। इधर, शुक्रवार को गुलमर्ग, सोनमर्ग समेत कश्मीर के अधिकांश ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात हुआ। इससे हिमस्खलन की आशंका और भी बढ़ गई है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने तथा पर्यटकों को भी उच्च इलाकों में न जाने की सलाह दी है। श्रीनगर समेत निचले क्षेत्रों में भारी वर्षा हुई। जम्मू में सुबह हल्के बादल छाए थे, किंतु दोपहर तक आसमान साफ हो गया। मौसम विभाग ने शनिवार को कश्मीर के अधिकांश इलाकों में बर्फबारी व बारिश की संभावना जताई है।

हिमस्खलन की घटना श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर दोपहर करीब ढाई बजे हुआ। उस दौरान हिमपात भी हो रहा था। पहाड़ी से बर्फ का विशाल तौंदा (बर्फ का बड़ा हिस्सा) खिसकने लगा। देखते ही देखते यह सड़क पर आ गिरा। उस समय वहां से वाहनों की आवाजाही जारी थी, जिससे दो वाहन बर्फ के तौंदे की चपेट में आ गए। इस दौरान वाहनों में फंसे लोगों को बचाने के लिए आसपास के लोग दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई और सभी को सुरक्षित निकाल लिया है।

जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में शुक्रवार को हिमस्खलन के कारण बर्फ में वाहन के दबने के बाद राहत-बचाव में जुटे कर्मी। एएनआइ

राष्ट्रपति के नाम संपत्ति गिरवी करने पर रेलवे देगी हाउस बिल्डिंग एडवांस

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : यदि किसी रेल कर्मचारी को फ्लैट या जमीन खरीदनी है और वे चाहते हैं कि उन्हें रेलवे से हाउस बिल्डिंग एडवांस (एचबीए) मिले तो ऐसी स्थिति में उन्हें देश के राष्ट्रपति के नाम अपनी खरीदी जा रही संपत्ति को गिरवी रखना होगा। रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक (फाइनांस, इस्टेबलिसमेंट) संजय परासर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि यदि संबधित रेल कर्मचारी के बेटा-बेटी (आश्रित, पत्नी छोड़कर) रेलवे या सरकारी कर्मचारी नहीं हैं, किसी निजी कंपनी में कार्यरत हैं और नई संपत्ति खरीदने के लिए ऋण चाहते हैं तो उन्हें एक शपथ पत्र (अंडर टेकिंग) लिखकर देना होगा कि वे मिलकर हाउस बिल्डिंग एडवांस के तहत ली गई ऋण की राशि चुकाएंगे। तब तक परिसंपत्ति राष्ट्रपति के नाम पर रेलवे के पास गिरवी रहेगी।

हाउस बिल्डिंग एडवांस के तहत रेलवे अपने संबधित कर्मचारी की बेसिक व नौकरी की बची हुई कार्यावधि देखती है। संबधित कर्मचारी के कुल वेतन का 50 प्रतिशत ऋण अदायगी, 10 प्रतिशत आपात स्थिति पर खर्च करने व 40 प्रतिशत शेष राशि घर खर्च के आधार पर गणना कर अधिकतम 50 लाख रुपये तक ऋण देने का प्रविधान किया गया है। ब्याज की दर छह प्रतिशत निर्धारित है।

गुरुवार रात बिगड़ी थी तबीयत

प्रथम पृष्ठ से आगे

बांदा जेल में सात अप्रैल, 2021 से बंद माफिया मुख्तार अंसारी की तबीयत गुरुवार रात बिगड़ी थी। 8:25 बजे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। कड़ी सुरक्षा में उसका शव देर रात 12:24 बजे पोस्टमार्टम हाउस लाया गया। प्रशासन ने शुक्रवार आठ बजे से पोस्टमार्टम कराना तय किया, लेकिन डाक्टरों के पांच सदस्यीय पैनल में एसजीपीजीआइ लखनऊ के एक चिकित्सक के पहुंचने में विलंब हो गया।

सीएमओ एके श्रीवास्तव निगरानी में जिला अस्पताल बांदा के डा. एसडी त्रिपाठी, डा. महेश गुप्ता, डा. विकासदीप बिलाटिया और मेडिकल कालेज के डा. मुकेश बंसल ने पोस्टमार्टम किया। 3:52 बजे पोस्टमार्टम से बाहर निकले डाक्टरों ने हृदयगति रुकने से मृत्यु की पुष्टि की। इसके साथ ही असल वजह जानने के लिए हृदय व शरीर के अहम अंगों का विसरा सुरक्षित कर लिया। 4:40 बजे मुख्तार का शव बेटे उमर को सौंपा गया।

बेटे का आरोप, सुनियोजित हत्या : मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी की ओर से जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को दिए गए पत्र में कहा गया है कि उन्होंने पहले ही कोर्ट को बताया था कि पिता को जेल में जहर दिया जा रहा है। दिल्ली एम्स के डाक्टरों से पोस्टमार्टम कराएं। उसने आरोप लगाया कि दबाव के चलते इलाज सही नहीं हुआ।

उमर अंसारी ने पत्र में ये भी बताया कि 21 मार्च को ही बाराबंकी और मऊ एमपी-एमएलए कोर्ट में पेशी के दौरान अधिवक्ता ने जहर दिए जाने की जानकारी दी थी। 40 दिन पहले भी उन्हें जहर दिया गया था। 26 मार्च को हालत बिगड़ने पर अस्पताल पहुंचा पर पिता से मिलने नहीं दिया गया। अधिकारी इस संबंध में चुप्पी साधे रहे।

मुख्तार के बेटों ने रूपनगर में लीज पर ले रखी वक्फ बोर्ड की जमीन

जागरण संवाददाता, रूपनगर

गैंगस्टर और उत्तर प्रदेश के मऊ से पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी का रूपनगर से खास नाता रहा। अंसारी के बेटों अब्बास और उमर ने जिले के गांव सनाना में वक्फ बोर्ड की जमीन लीज पर ले रखी है। अंसारी को फिरौती मांगने के मामले में दो वर्ष ढाई माह जिला जेल रूपनगर में रखा गया था।

अंसारी जब रूपनगर जेल में थे तो लीज पर ली गई जमीन का मामला खूब उछला था। वक्फ बोर्ड के अधिकारियों ने तब अपना पक्ष यह दिया था कि जमीन नीलामी का समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया गया था और सबसे ज्यादा बोली देने पर अब्बास और उमर को यह जमीन आवंटित की गई थी। यह जमीन रूपनगर शहर से छह-सात किलोमीटर दूर है। जमीन वर्ष 2019 में लीज पर अलाट की गई थी। इस जमीन का इस्तेमाल रूपनगर जेल में अंसारी के न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान अंसारी के परिवार और उसके करीबी रिहायश के तौर पर कर रहे थे। वर्ष 2022 में इस जमीन की लीज रिन्यू भी की गई है।

अपने बेटों के साथ मुख्तार अंसारी। फाइल

मोरिंडा में हुई हत्या मामले में भी आरोपित था अंसारी : उल्लेखनीय है कि रूपनगर पुलिस ने मोरिंडा के एक गांव में हुए मजदूर की हत्या के आठ साल पुराने मामले में मुख्तार अंसारी को आरोपित बनाया था, लेकिन उस मजदूर की मां ने मीडिया के सामने बयान दिया था कि उनका अंसारी से कोई संबंध नहीं है। वह उसे जानती भी नहीं है। बाद में इस केस का क्या हुआ, पता नहीं चला।

विधायक राजू पाल हत्याकांड में छह को उम्रकैद

जागरण संवाददाता, लखनऊ

- बहुचर्चित हत्याकांड में सीबीआइ की विशेष अदालत ने सुनाई सजा
- प्रयागराज के धूमनगंज में वर्ष 2005 में हुई थी दिनदहाड़े हत्या

प्रयागराज के बहुचर्चित विधायक राजू पाल हत्याकांड में शुक्रवार को सीबीआइ की विशेष अदालत ने छह दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सातवें को चार वर्ष की सजा हुई है। इन सभी पर जुर्माना भी लगाया गया है। सीबीआइ कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कविता मिश्रा ने इनको सजा सुनाई है। बता दें, 25 जनवरी 2005 को प्रयागराज के धूमनगंज में तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल, उनके सहयोगी देवीदीन पाल और संदीप यादव की हत्या हुई थी। राजू की पत्नी पूजा ने आरोप लगाया गया था कि हत्या माफिया एवं तत्कालीन सांसद अतीक अहमद के इशारे पर हुई थी। हत्याकांड में अतीक और भाई अशरफ भी नामजद था, लेकिन 15 अप्रैल, 2023 को दोनों की पुलिस अभिरक्षा में हत्या कर दी गई थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट में उपस्थित छह दोषियों में आबिद, फरहान अहमद, जावेद, गुल हसन, रंजीत पाल व अब्दुल कवि को आजीवन कारावास की सजा हुई है। इन पर 11.65 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर इनको साजिश, बलवा, सशस्त्र बलवा, हत्या और जानलेवा हमले का दोषी माना है। सातवें दोषी इसरार अहमद को आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत दोषी ठहराते हुए चार वर्ष की सजा सुनाई और 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। केस की सुनवाई के दौरान फरहान चित्रकूट जेल से हाजिर हुआ, जबकि अब्दुल कवि वीडियो कान्फ्रेंस से पेश हुआ। इसरार कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ तो उसका गैर जमानती वारंट जारी किया गया।

राजू पाल बसपा विधायक थे। जागरण

राजू पाल की पत्नी ने भी हराया अशरफ को : राजू पाल 2004 में इलाहाबाद पश्चिमी सीट के लिए हुए विधानसभा उपचुनाव में बसपा के टिकट पर मैदान में थे। राजू पाल के सामने माफिया अतीक अहमद का छोटा भाई अशरफ सपा के टिकट से मैदान में था, जबकि अतीक सपा से फूलपुर का सांसद था। इस चुनाव में राजू पाल ने अशरफ को हरा दिया था। राजू की हत्या के बाद बसपा ने उनकी पत्नी पूजा पाल को 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में इलाहाबाद पश्चिमी सीट से ही टिकट दिया था। इस सीट पर पूजा के मुकाबले सपा ने अतीक के भाई अशरफ को टिकट दिया था। पूजा ने भी अशरफ को उस चुनाव में हरा दिया था।

सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं : पूजा: चायल से समाजवादी पार्टी की विधायक पूजा पाल सीबीआइ कोर्ट के फैसले को लेकर भावुक दिखीं। उनके विवाह को दस दिन भी नहीं हुए थे कि उनकी मांग उजड़ गई थी। सीबीआइ के फैसले पर विधायक पूजा पाल ने संतोष जताया और कहा कि सीबीआइ कोर्ट के आज के निर्णय से यह साबित हो गया कि सत्य परेशान हो सकता है, मगर पराजित नहीं। मैंने यह लड़ाई खुद के साथ ही प्रयागराज में शहर पश्चिमी के उन लोगों के लिए भी लड़ी, जो माफिया अतीक अहमद एवं उनके गुर्गों से पीड़ित थे। ईश्वर ने हम सभी का साथ दिया और कोर्ट से न्याय मिला।

प्रयागराज के धूमनगंज में वाहन को रोककर किया गया था हमला

25 जनवरी, 2005 को प्रयागराज के धूमनगंज में अमित दीप मारुति एजेंसी के पास तत्कालीन विधायक राजू पाल, उनके सहयोगी देवीदीन पाल और संदीप यादव की हत्या हुई थी। राजू पाल अपने सहयोगी देवीदीन पाल और संदीप यादव के साथ करीब तीन बजे पोस्टमार्टम हाउस से घर लौट रहे थे। एजेंसी के पास सात से आठ लोगों ने उनके वाहन को रोका। अशरफ और अन्य ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। विधायक राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने धूमनगंज थाने में अशरफ व माफिया अतीक अहमद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कराया था।

मुख्तार अंसारी की मौत से ध्रुवीकरण की कोशिशों को लेकर भाजपा सतर्क

राजीव दीक्षित, लखनऊ

- कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर अब और आक्रामक होगी पार्टी
- संगठित अपराध पर नकेल कसने का मतदाताओं के बीच लेगी श्रेय

लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के बाद जहां विपक्षी दलों ने सियासी पैंतरे दिखाते हुए सत्ताधारी दल पर हमले शुरू कर दिए हैं तो भाजपा भी कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर आक्रामक तरीके से मुखर होकर पलटवार करेगी। उत्तर प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था को देश में नजीर बताने का कोई मौका नहीं चूकने वाली भाजपा मुख्तार की मौत से उपजी परिस्थितियों में प्रदेश में संगठित अपराध के खात्मे का श्रेय चुनावी मंचों से जरूर लेगी।

लोकसभा चुनाव की तपिश के दौरान मुख्तार की मौत से पैदा हुए हालात और पिछले वर्ष निकाय चुनाव के दौरान प्रयागराज में माफिया अतीक-अशरफ की हत्या से उपजी परिस्थितियों में भाजपा बनाम विपक्षी दलों के बीच जो राजनीतिक द्वंद्व दिख रहा है, उनमें काफी हद तक समानता है। फर्क इतना है कि तब पुलिस अभिरक्षा में अतीक-अशरफ की हत्या को लेकर हंगामा हुआ था और अब मुख्तार की मृत्यु को लेकर विपक्षी दल संदेह कर रहे हैं। तब भी भाजपा ने कानून-व्यवस्था पर नकेल कसने की अपनी प्रतिबद्धता को जनता के बीच मजबूती से रखते हुए विपक्षी दलों पर धारदार तरीके से पलटवार किया था।

संगठित अपराध के सूत्रधार के तौर पर मुख्तार उप्र का सबसे कुख्यात नाम था। योगी सरकार की मजबूत पैरवी की बदौलत ही पिछले डेढ़ वर्षों के दौरान कानून के मोर्चे पर मिली शिकस्त दर शिकस्त के कारण उसके आतंक का तंत्र लगातार बेबस और पंगु होता दिख रहा था। उसकी मौत से अपराध के एक अध्याय का अंत होने के साथ चुनावी सरगर्मी के बीच कानून-व्यवस्था का मुद्दा फिर जोरशोर से चर्चा में आ गया है।

भाजपा उत्तर प्रदेश में माफियाराज पर नकेल कसने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताती रही है। मुख्तार की मौत के मुद्दे को तूल देकर राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव में ध्रुवीकरण की कोशिशों का भाजपा को भली-भांति आभास है। आने वाले दिनों में पूर्वांचल के गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, वाराणसी जिलों में इसकी तपिश महसूस होगी। लिहाजा भाजपा अब चुनाव प्रचार के दौरान कानून-व्यवस्था के मुद्दे को लेकर मतदाताओं के बीच और मुखर होगी।

ऐसी घटनाओं पर नहीं करनी चाहिए राजनीति : अनुराग ठाकुर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मुख्तार अंसारी की मौत पर विपक्ष को राजनीति न करने की नसीहत दी है।

लखनऊ में अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस प्रकरण में मेडिकल जांच हो चुकी है। न्यायिक जांच भी हो रही है। सच जानने का हक हर किसी को है। उन्होंने कहा कि आज कल 25 साल के युवा या 35 साल के लोगों को भी आर्ट अटैक आ जाता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस प्रकरण में सवाल उठा रहे विपक्षी नेताओं से पूछा है कि राजनीतिक रोटियां सेंकने वालों को यह भी तो बताना चाहिए कि आखिर इतने वर्षों तक जेल में किस अपराध के चलते थे और कौन संरक्षण देते थे। सपा, बसपा और कांग्रेस बताएं। आज राजनीतिक लाभ लेने के लिए इन सबके होंठ सिल गए। मुंह में दही जम गया है। कम से कम ऐसी घटनाओं पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

एसजीपीसी का 12.60 अरब का बजट पास

जासं, अमृतसर : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 का 12.60 अरब रुपये से अधिक का बजट सर्वसम्मति से पारित किया। उक्त बजट पिछले वर्ष की तुलना में 1.22 अरब रुपये अधिक है। एसजीपीसी के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने इसे अब तक का सबसे बड़ा बजट करार देते हुए कहा,उक्त बजट सिखों के धर्म प्रचार-प्रसार एवं शिक्षा पर आधारित है। धर्म प्रचार के लिए रिकार्ड एक अरब रुपये और शिक्षा के लिए 67 करोड़ रुपये से अधिक रखे गए हैं। एसजीपीसी के कर्मचारियों व अधिकारियों के वेतन के लिए भी 5.33 अरब रुपये निर्धारित किए गए हैं। दो घंटे तक चले बजट इजलास में पहली बार महासचिव मनोनीत हुए भाई रजिंदर सिंह मेहता ने बजट पढ़ा।

भोजशाला के गर्भगृह में हो सकती है खोदाई

धार स्थित भोजशाला के इस भीतरी भाग का हुआ सर्वे। फाइल फोटो

नईदुनिया, धार

मप्र के धार की ऐतिहासिक भोजशाला के गर्भगृह में एएसआइ टीम खोदाई करवा सकती है। सर्वे के आठवें दिन शुक्रवार को टीम ने ग्राउंट पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक का उपयोग किया। दो नए विशेषज्ञ फोटोग्राफर भी टीम के साथ जुड़े। उन्होंने पुरातन आकृति और शिलालेखों की फोटोग्राफी की, जिसकी प्राचीनता का सटीक विश्लेषण किया जाएगा। बता दें, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर 22 मार्च से भोजशाला में एएसआइ की टीम सर्वे कर रही है। हिंदुओं के मुताबिक, भोजशाला सरस्वती देवी का मंदिर है। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बनाई थी और अंग्रेज अधिकारी वहां लगी वाग्देवी की मूर्ति को लंदन ले गए थे।

भोजशाला के बाहरी परिसर में तीन स्थानों पर खोदाई का काम शुक्रवार को भी जारी रहा। यहां 10 से 12 फीट के गड्ढे खोदे जा चुके हैं। खोदाई के दौरान टीम को कुछ अवशेष प्राप्त हुए हैं। इनकी फोटोग्राफी करने के साथ ही प्राचीनता का पता भी लगाया जा रहा है। शनिवार को रंगपंचमी पर भी सर्वे का काम जारी रहेगा।

सर्वे के बाद पढ़ी गई नमाज : शुक्रवार सुबह छह से दोपहर 12 बजे तक छह घंटे का सर्वे कर टीम बाहर निकली। इसके बाद मुस्लिम समाज के लोगों को नमाज पढ़ने के लिए भोजशाला में प्रवेश दिया गया। सर्वे के तहत भोजशाला परिसर के 50 मीटर के दायरे में खोदाई का काम किया जाना है। करीब आधे घंटे तक पिछले क्षेत्र में सफाई का काम किया गया। अनुमान है कि अब 50 मीटर के दायरे में व्यापक खोदाई वाले कार्य शुरू होंगे।

जीपीआर तकनीक

जीपीआर तकनीक का उपयोग भूमिक के नीचे मौजूद आकृतियों का पता लगाने के लिए किया जाता है। जीपीआर का उपयोग चट्टान, मिट्टी, बर्फ, ताजा पानी सहित विभिन्न प्रकार के माध्यमों में किया जा सकता है। आधुनिक मशीन 15 मीटर (49 फीट) गहराई तक झांक सकती है।

जश्न

चीता पुनर्वास परियोजना में देश में जन्मे पहले शावक की प्रथम वर्षगांठ पर कूनो में उत्सव, परियोजना की सफलता का प्रतीक है मादा शावक, साल भर काफी संघर्ष किया

कूनो के आंगन में खेलकर एक वर्ष की हुई 'मुखी'

सुरेश वैष्णव, श्योपुर

देश में विलुप्त हो चुके चीतों को फिर से बसाने के लिए शुरू किए गए चीता पुनर्वास परियोजना के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास रहा। पुनर्वास परियोजना के बाद देश की धरती पर जन्मी पहली मादा शावक 'मुखी' की पहली वर्षगांठ का उत्सव शुक्रवार को कूनो नेशनल पार्क में देखने लायक रहा। केक काटा गया। लोगों ने हैप्पी बर्थ डे.... मुखी गाया।

29 मार्च, 2023 को दक्षिण अफ्रीकी देश नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। भीषण गर्मी और प्रतिकूल मौसम के कारण इनमें से तीन शावकों को बचाया नहीं जा सका। इस मादा शावक को वन्य जीव विशेषज्ञों व पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी से बचाया जा सका। इसे ज्वाला से भी अलग रखा गया। शुक्रवार को प्रथम जन्म दिवस पर इसका नाम 'मुखी' रखा गया। कूनो प्रबंधन ने इस मौके पर शार्ट वीडियो भी जारी किया है, जिसमें मुखी की जीवन यात्रा का वर्णन है।

मादा चीता ज्वाला से जन्मी शावक 'मुखी' एक वर्ष की हो गई है। सौ. कूनो प्रबंधन

बता दें कि चीता पुनर्वास परियोजना के तहत नामीबिया से आठ चीते लाए गए थे। पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने जन्म दिवस 17 सितंबर, 2022 को इन चीतों को कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटाइन बाड़े में छोड़ा था। दूसरे चरण में दक्षिण अफ्रीका से चीते और लाए गए थे। 29 मार्च, 2023 को जन्मी मुखी की हालत जन्म के समय बेहद नाजुक थी। तमाम इंतजाम और डाक्टरों की ओर से किए गए बेहतर देखरेख व उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार होता चला गया। नतीजा यह हुआ कि मुखी मौत को हराकर शुक्रवार को पूरे एक साल की हो गई है। वह पूरी तरह से स्वस्थ है। डीएफओ (कूनो) थिरूकुराल आर बताते हैं कि मादा शावक मुखी तबीयत बिगड़ने के बाद उसे मां से अलग रखा गया इसलिए छोटी सी उम्र से ही मुखी को एकाकी जीवन जीना पड़ा। मुखी को छोटा बोमा (50 गुणा 30 मीटर) में रखा गया। मुखी ने भारतीय परिस्थितियों को अनुकूलित किया। पिछले वर्ष नवंबर में खुद को घायल कर लिया था, उस समय तत्काल चिकित्सा के कारण, वह कुछ दिनों में अपनी चोटों से पूरी तरह से ठीक हो गई।

चीता परियोजना की ये खास बातें

- **08** चीते लाए थे 17 सितंबर, 2022 को नामीबिया से
- **12** चीते लाए गए 18 फरवरी, 2023 को दक्षिण अफ्रीका से
- **07** चीतों की मौत हो गई है अब तक इन 20 में से
- **13** वयस्क चीते हैं अभी, इनमें से छह नर व सात मादा
- **14** शावक है अभी कूनो नेशनल पार्क में

****

2022 में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के हिन्दी व्याख्याता पद की भर्ती में फर्जी डिग्री मामले की जांच कर रही एसओजी की टीम ने गुरुवार को चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय में छापा मारा।

डाटा सुरक्षा के लिए भारत में कानूनी ढांचा मौजूद : मोदी

पीएम ने कहा, लोगों के जीवन से सरकारी हस्तक्षेप समाप्त करना चाहता हूं

बोले, मैं विशेषज्ञ नहीं, लेकिन मुझमें प्रौद्योगिकी के प्रति बच्चों जैसी जिज्ञासा

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि डाटा सुरक्षा की चिंता अहम मुद्दा है और भारत में इसके लिए कानूनी ढांचा मौजूद है। हालांकि, इसके लिए सार्वजनिक जागरूकता भी उतनी ही अहम है। माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स के साथ बातचीत में पीएम ने कहा, वह ऐसी सरकार का नेतृत्व करना चाहते हैं, जिसमें लोगों के जीवन से किसी भी अनावश्यक सरकारी दखल को समाप्त कर दिया जाए। गेट्स के एक सवाल पर मोदी ने कहा, मैं प्रौद्योगिकी के प्रति आकर्षित हूं, पर इसका गुलाम नहीं हूं। मैं विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन प्रौद्योगिकी के प्रति मुझमें बच्चों जैसी जिज्ञासा है।

पीएम ने कहा,जिन गरीबों को वास्तव में सरकारी मदद की जरूरत है, उन्हें आसानी से मदद उपलब्ध होनी चाहिए। भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। मोदी ने भारत में डिजिटल क्षेत्र में किसी भी एकाधिकार को खत्म करने का श्रेय 'प्रौद्योगिकी के लोकतंत्र' को दिया और कहा कि यह सभी को समान अवसर देता है। यह जनता के द्वारा और जनता के लिए है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि समुदाय के भीतर से उभरती प्रतिभाएं लगातार योगदान दे सकें। मेरा मानना है कि प्रौद्योगिकी पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए।

मोदी ने कहा,वह दुनिया में डिजिटल विभाजन के बारे में सुनते थे। तभी उन्होंने फैसला किया था कि वह भारत में ऐसा नहीं होने देंगे। पीएम ने कहा, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर अपने आप में बड़ी जरूरत है। आज मैं गांवों में डिजिटल सुविधाएं लाना चाहता हूं। ''डिजिटल सरकार'' की सराहना करते हुए गेट्स ने कहा कि भारत न केवल प्रौद्योगिकी को अपना रहा है, बल्कि वास्तव में आगे बढ़ रहा है। कुछ डिजिटल प्रणालियां बिचौलियों से छुटकारा दिला रही हैं। यह बहुत फायदेमंद है।

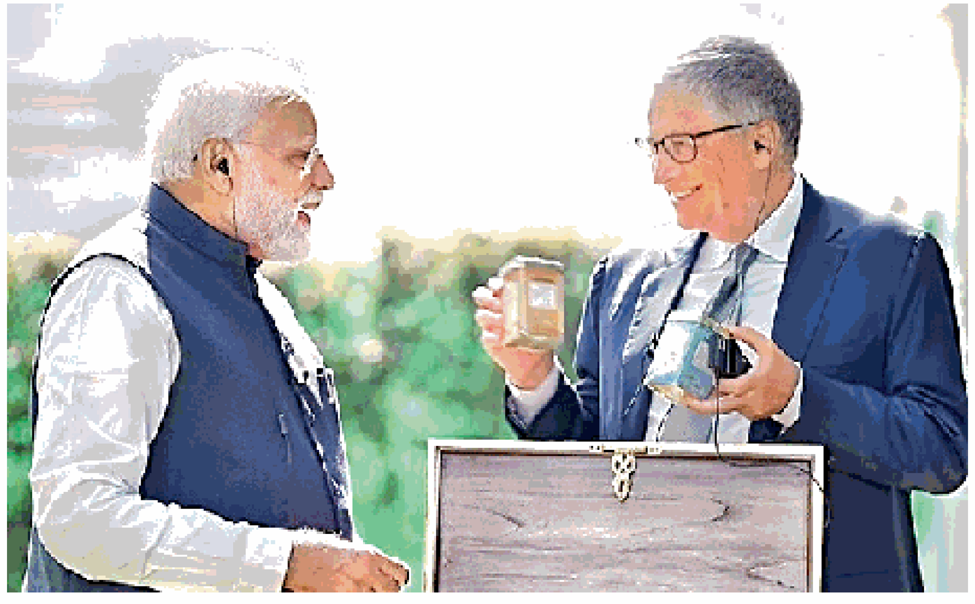
बिल गेट्स के साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

स्वास्थ्य, शिक्षा व कृषि में डिजिटल तकनीक के प्रयोग का काम शुरू हो गया है : पीएम

प्रथम पृष्ट से आगे

बिल गेट्स द्वारा भविष्य में डिजिटल के इस्तेमाल के आयाम के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा, वह स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि में डिजिटल तकनीक के बड़े पैमाने पर प्रयोग के लिए प्रयास कर रहे हैं और यह काम शुरू भी हो गया है। उनके अनुसार, दो लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर को बड़े अस्पतालों से जोड़कर सुदूर क्षेत्रों में भी महानगरों जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का काम शुरू हो गया है। शिक्षा क्षेत्र में आडियो, वीडियो कंटेंट के सहारे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षकों की कमी को दूर करने का काम किया जा रहा है और बच्चे इसे पसंद भी कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में ड्रोन के प्रयोग और दो लाख ड्रोन दीदी बनाने की योजना के बारे में बताते हुए पीएम ने कहा, इससे कृषि को अत्याधुनिक बनाने के साथ-साथ महिलाओं के प्रति पुरानी मानसिकता खत्म करने में भी मदद मिल रही है। मोदी और बिल गेट्स के बीच जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से निपटने के उपायों पर भी चर्चा हुई। पीएम ने गेट्स को भारत के लाइफ मिशन के बारे में बताया, जिसके तहत पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को बढ़ावा दिया जा रहा है। कहा, पर्यावरण सुरक्षा के लिए जीवन शैली को इसके अनुकूल बनाना जरूरी है। गत वर्ष सितंबर में भारत में जी20 शिखर सम्मेलन के बाद से जलवायु कार्रवाई में तेजी आई है।

उपहार देने में रखा वोकल फार लोकल का ध्यान: एएनआइ के अनुसार, बैठक के बाद मोदी ने बिल गेट्स को कई तरह के उपहार दिए और इसमें वोकल फार लोकल का विशेष रूप से ध्यान रखा। मोदी ने गेट्स को गिफ्ट हैंपर भेंट किया। इसमें तमिलनाडु की मोती व टेराकोटा की मूर्तियां, कश्मीर के केसर व पश्मीना शाल व दार्जिलिंग और नीलगिरी चाय थी।

पीएम ने पहनी रिसाइकिल सामग्री से बनी जैकेट: बिल गेट्स के साथ बातचीत के दौरान पीएम ने गेट्स को बताया कि उन्होंने जो हाफ जैकेट पहन रखी है, वह रिसाइकिल सामग्री से बनी है। इसे दर्जी के पास उपलब्ध अतिरिक्त कपड़े के टुकड़ों का उपयोग करके बनाया गया है। इसमें प्लास्टिक की रिसाइकिल बोतलों का भी उपयोग किया गया है।

काम, मिशन के प्रति भावनात्मक जुड़ाव से मिलती है ऊर्जा : मोदी

नई दिल्ली, एएनआइ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया के सबसे मेहनती नेताओं में से एक बताते हुए बिल गेट्स ने उनसे पूछा कि वह आराम के लिए क्या करते हैं? इस पर मोदी ने जवाब दिया कि मुझे आराम करने के लिए अतिरिक्त प्रयास नहीं करना पड़ता है। यह आटोपायलट मोड में हो जाता है। पीएम ने कहा, मुझे अपने शिक्षकों द्वारा मेरे भीतर उत्पन्न की गई आध्यात्मिक अभ्यास के माध्यम से आंतरिक शांति मिलती है। यह मुझे बहुत ऊर्जावान बनाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें आगे बढ़ाती रहती है। उन्होंने कहा, यह ऊर्जा शारीरिक शक्ति से नहीं आती है, बल्कि मेरे समर्पण और मौजूदा मिशन के प्रति भावनात्मक जुड़ाव से आती है। मेरा शरीर अब इस बात के लिए प्रशिक्षित है कि मैं क्या करता हूं। उदाहरण के लिए मैं देर रात तक काम कर सकता हूं और सुबह जल्दी उठ सकता हूं। हिमालय में बिताए गए अपने दिनों को याद करते हुए मोदी ने कहा कि वह "ब्रह्म मुहूर्त" में स्नान किया करते थे। उन्होंने कहा, इन चीजों ने समय के साथ मेरे शरीर को अनुकूलित किया है। हालांकि, इसका मतलब यह भी है कि मेरे पास अपने काम के अलावा अन्य गतिविधियों में व्यस्तता की कमी है।

सीपीआइ के आधार पर हुई मनरेगा मजदूरी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत मजदूरी में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, वृद्धि की कम दर को लेकर सरकार आलोचकों के निशाने पर है। इसी बीच सूत्रों ने बताया है कि कृषि श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) के आधार पर मजदूरी बढ़ाने का फैसला लिया गया है। सरकार के अनुसार, पिछले साल की तुलना में मजदूरी 7.7 प्रतिशत बढ़ी है। आलोचना के बीच मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि केंद्र सरकार ने मुद्रास्फीति को देखते हुए मनरेगा के तहत काम करने वाले श्रमिकों को उचित मजदूरी देने का प्रयास किया है। सूत्रों ने बताया कि सीपीआई-एएल पर प्रासंगिक डेटा श्रम ब्यूरो, शिमला से लिया गया है। मनरेगा कानून, 2005 की धारा 6 (1) के तहत आंकड़ों में संशोधन करने के बाद मनरेगा वेतन वृद्धि की अधिसूचना जारी की गई। ज्ञात हो, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बुधवार को मजदूरी की नई दरों की अधिसूचना जारी की थी। इसमें मजदूरी दरों को चार से 10 प्रतिशत के बीच बढ़ाया गया है।

न्यूज गैलरी

गुड फ्राइडे पर मोदी ने ईसा मसीह को याद किया

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुड फ्राइडे के अवसर पर ईसा मसीह के महान बलिदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह लोगों को करुणा और क्षमा की शिक्षा देता है। एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा है कि आज गुड फ्राइडे के अवसर पर हम ईसा मसीह के महान बलिदान को याद कर रहे हैं। हर कोई करुणा और क्षमा की दी गई शिक्षा से शक्ति पा सकता है। पूरे विश्व के ईसाई ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने की स्मृति में गुड फ्राइडे मनाते हैं। (प्रेट्र)

नवी मुंबई में जूते चटाने वाले छह गिरफ्तार

ठाणे: नवी मुंबई में चोरी के संदेह में एक व्यक्ति की पिटाई करने और उसे जूता चाटने के लिए बाध्य करने के आरोपित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एपीएमसी थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम में हुई। एक दुकान में काम करने वाले पीड़ित पर इलायची चुराने का आरोप था। उसकी पिटाई की गई, नग्न किया गया और दुकान के मालिक का जूता चटवाया गया। इस पूरी घटना का उन लोगों ने वीडियो भी बनाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। (प्रेट्र)

केरल में जंगली सूअर के हमले में बुजुर्ग महिला घायल

पलक्कड़: पलक्कड़ जिले के कुझालमन्नम के समीप एक जंगली सूअर ने बुजुर्ग महिला पर उसके घर में हमला किया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, सुबह महिला जिस समय कुछ काम कर रही थी, तभी सूअर ने हमला बोला। सूअर ने महिला का पैर काट लिया। उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन सूअर ने उसे नहीं छोड़ा। महिला अस्पताल में भर्ती है। (प्रेट्र)

स्वयं को सीआइएसएफ अधिकारी बताने वाले पर केस

ठाणे: नवी मुंबई पुलिस स्वयं को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) का अधिकारी बता प्रभाव जमाने वाले अज्ञात व्यक्ति का पता लगाने में जुट गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपित ने वाट्सएप डिस्प्ले इमेज के रूप में सीआइएसएफ के डीजी की तस्वीर का प्रयोग किया था। गुरुवार को सीआइएसएफ नियंत्रण कक्ष को संदेश भेज उसने स्वयं को वरिष्ठ अधिकारी बताया और सामान्य पूछताछ की। स्थिति भांपने के बाद खरघर थाना ने मामला पंजीकृत कर लिया। (प्रेट्र)

औजार की तरह इस्तेमाल नहीं कर सकते मीडिया प्लेटफार्म : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- कहा, बहुलतावादी समाज में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना गलत
- पीएम और सीएम पर अभद्र टिप्पणी करने वाले को जमानत से इन्कार

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि किसी को मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल औजार की तरह करने की छूट नहीं दी जा सकती। समाज का लोकतांत्रिक ताना-बाना दुरुस्त रखने के लिए जवाबदेही जरूरी है। पत्रकार नैतिक मूल्यों का पालन करें। पत्रकारिता पर जन विश्वास कायम रखना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की आधारशिला है। कोर्ट ने पीएम और यूपी के सीएम के खिलाफ इंटरनेट मीडिया में अभद्र टिप्पणी, हेट स्पीच तथा पत्रकार बनकर गलत रिपोर्ट करने के आरोपित को जमानत देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा, 'याची नैतिक मूल्यों के मानक की कसौटी पर विफल रहा। जबरन वसूली की खबर देना शक्ति का दुरुपयोग है। वह जमानत पाने का अधिकारी नहीं।'

कोर्ट ने पत्रकारों व प्रकाशकों को नसीहत देते हुए कहा, 'पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों की सही जानकारी सार्वजनिक करना उचित है पर मीडिया मंच का व्यक्तिगत लाभ व धनउगाही के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता कमजोर होती है और जनविश्वास खत्म होता है।'

पीएम व सीएम पर अशोभनीय टिप्पणी सही नहीं: कोर्ट ने इंटरनेट मीडिया में पीएम व सीएम पर अशोभनीय टिप्पणी को सही नहीं माना। हालांकि कहा कि सरकार के कार्यों से असहमति व आलोचना करने की सभी को आजादी है। यह मजबूत शासनतंत्र का घटक है, किंतु अभिव्यक्ति गरिमा के अनुरूप होनी चाहिए। अपमानजनक भाषा कभी भी रचनात्मक उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर सकती। आलोचना करने का अधिकार है किंतु उसमें पारदर्शिता व सार्वजनिक सहभागिता की संस्कृति हो। जिम्मेदारी व शालीनता होनी चाहिए। किसी का चरित्रहनन मूल उद्देश्य से भटकाना है। लोकतंत्र में सरकारी नीति व कार्यों की रचनात्मक आलोचना होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि असहमति का अधिकार जिम्मेदारी के साथ आता है।

बिहार में पति ने पत्नी और तीन बेटियों की गला रेत कर दी हत्या

जाटी, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) : बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में गुरुवार की रात पति ने धारदार हथियार से गला रेतकर पत्नी व तीन पुत्रियों की हत्या कर दी। इसके बाद चारों के शव को कमरे से निकालकर आंगन में रख दिया। इसके बाद फरार हो गया। घटनास्थल से कई साक्ष्य मिले हैं। शुक्रवार सुबह सूचना पर पुलिस ने एफएसएल व श्वान दस्ते को बुलाकर जांच कराई। घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने आरोपित पर 15 हजार के इनाम की घोषणा की है।

बताया जाता है कि आरोपित 50 वर्षीय ईदू मियां ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। आशंका है कि भोजन में नशे की दवा देकर पहले पूरे परिवार को बेहोश किया। इसके बाद गला रेतकर हत्या की। ईदू ने पहली पत्नी की मौत के बाद अफरीना से दूसरी शादी की। ईदू को दूसरी पत्नी से पांच बेटियां थीं। 2017 में उसने उत्तर प्रदेश के सीतापुर में चलती ट्रेन से बेटियों को फेंक दिया था। इसमें एक की मौत हो गई। हत्या के आरोप में वह जेल चला गया। सात महीने पहले वह जेल से बाहर आया है। मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहा था।

आरोप लगाने के बजाय टैक्स जमा करे कांग्रेस : भाजपा

- भाजपा नेता जफर इस्लाम ने कांग्रेस के आरोपों पर किया पलटवार
- कांग्रेस का एक परिवार चाहता है उन्हें नियमों में छूट दी जानी चाहिए

नई दिल्ली, प्रेट्र: भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस को आयकर विभाग और न्यायपालिका पर आरोप लगाने के बजाय कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए टैक्स जमा करना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जफर इस्लाम ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक परिवार मानता है कि उन्हें नियमों से छूट दी जानी चाहिए और उन पर विशेष कानून लागू होना चाहिए, लेकिन आधुनिक भारत में यह संभव नहीं है। भाजपा की यह प्रतिक्रिया तब सामने आई जब कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उसे आयकर विभाग से नए नोटिस मिले हैं, जिसमें उसे 1,823.08 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया है। कांग्रेस ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा, टैक्स कानूनों का गंभीर उल्लंघन कर रही है।

जफर इस्लाम ने कहा कि कांग्रेस नेता आयकर विभाग और न्यायपालिका के खिलाफ आरोप लगाकर अपनी हताशा जाहिर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए मजबूर था क्योंकि कांग्रेस ने न केवल आयकर रिटर्न दाखिल करने में देरी की बल्कि आय भी कम बताई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस टैक्स जमा करने और अपील करने के लिए सही प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रही। आयकर आयुक्त (सीआइटी), आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आइटीएटी) और दिल्ली हाई कोर्ट सहित विभिन्न न्यायिक निकायों ने लगातार आयकर के फैसलों को बरकरार रखा है और कांग्रेस के तर्कों को खारिज किया है।

जफर इस्लाम

तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में पूर्व डीसीपी समेत दो से पूछताछ

हैदराबाद, प्रेट्र: तेलंगाना में फोन टैपिंग मामले में हैदराबाद पुलिस ने कमिश्नर टास्क फोर्स के पूर्व डीसीपी और एक अन्य पुलिस अधिकारी से गुरुवार को कंप्यूटर सिस्टम और आधिकारिक डेटा नष्ट करने को लेकर पूछताछ की। विशेष जांच शाखा (एसआइबी) के निलंबित पुलिस उपाधीक्षक प्रणीत राव के साथ मिलीभगत के आरोपित दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों को 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान विपक्षी नेताओं की निगरानी के लिए उनके फोन टैप किए गए थे।

प्रणीत राव पर बीआरएस की सरकार के दौरान फोन टैपिंग करने के साथ ही विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरणों से खुफिया सूचना मिटाने का आरोप है। उन पर कई व्यक्तियों का प्रोफाइल बनाने और उनकी निगरानी करने का आरोप है। राव को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच के तहत पुलिस ने पूर्व एसआइबी प्रमुख टी प्रभाकर राव, आयुक्त के कार्य बल के तत्कालीन उपायुक्त पी राधाकृष्ण तथा एक टीवी चैनल के वरिष्ठ कार्यकारी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

असम के चार जिलों में अफस्पा छह महीने के लिए बढ़ाया गया

गुवाहाटी, प्रेट्र: असम सरकार ने चार जिलों तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, चराइदेव और शिवसागर में छह माह के लिए सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम-1958 (अफस्पा) बढ़ा दिया है। राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर कहा, अफस्पा एक अप्रैल से छह माह के लिए प्रभावी रहेगा। यह अधिनियम सशस्त्र बलों को कहीं भी आपरेशन चलाने और बिना वारंट किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। यह गलत संचालन पर सुरक्षा बलों को निश्चित स्तर की प्रतिरक्षा भी प्रदान करता है।

एक अधिकारी ने कहा, हाल ही में असम पुलिस ने इन चार जिलों में एक उग्रवादी संगठन के सक्रिय होने की रिपोर्ट दी थी। इस पर राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर गृह मंत्रालय ने अशांत क्षेत्रों में छह माह के लिए यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया। केंद्र के निर्देश पर राज्य सरकार ने अफस्पा को 30 सितंबर 2024 तक बढ़ा दिया। पिछली बार यह अधिनियम गत एक अक्टूबर को छह माह के लिए बढ़ाया गया था।

शाहजहां से पूछताछ के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी ईडी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- संदेशखाली कांड का मास्टरमाइंड है टीएमसी का निलंबित नेता
- पीएमएलए की एक विशेष अदालत का भी दरवाजा खटखटाएगी

संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के मास्टरमाइंड शाहजहां शेख से पूछताछ करने की अनुमति के लिए ईडी बंगाल की जिला अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। बता दें कि टीएमसी का निलंबित नेता शाहजहां छह मार्च से ही सीबीआइ की हिरासत में है और उसको बशीरहाट की निचली अदालत ने नौ अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ईडी और उनके साथ आए सीएपीएफ कर्मियों पर बीती पांच जनवरी को शाहजहां के सहयोगियों द्वारा हमला कर दिया गया था, उस समय केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने राशन-वितरण मामले में शाहजहां के आवास पर छापेमारी और तलाशी की कोशिश की थी। ईडी शाहजहां की 13 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक ईडी बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण मामले में शाहजहां से पूछताछ की अनुमति के लिए शनिवार को जिला अदालत का रुख करेगी। ईडी अधिकारी शाहजहां से अधिक विस्तृत पूछताछ के लिए अगले सप्ताह कोलकाता में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत का भी दरवाजा खटखटाएंगे। ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के सिलसिले में सीबीआइ के अधिकारी शाहजहां से लंबे समय से पूछताछ कर रहे थे। हालांकि, ईडी के अधिकारियों को राशन वितरण मामले में उनसे पूछताछ करने का एक बार भी मौका नहीं मिला।

शाहजहां शेख। फाइल

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्री कुलेबा ने शांति प्रस्ताव पर भारत से मांगा सहयोग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- जयशंकर ने कहा, यूक्रेन के विदेश मंत्री से हर मुद्दे पर हुई खुल कर बात

भारत और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों के बीच शुक्रवार को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और रूस-यूक्रेन मुद्दे पर खुल कर बात हुई है। भारत दौरे पर आये यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्री कुलेबा व विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच दो चरणों में चर्चा हुई। यूक्रेन-रूस के बीच फरवरी, 2022 से युद्ध चल रहा है और इससे पूरी दुनिया को ऊर्जा, खाद्य संकट का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन की तरफ से युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति प्रस्ताव लाया गया है और कुलेबा ने भारतीय विदेश मंत्री के समक्ष इस प्रस्ताव के लिए सहयोग मांगा है। इस प्रस्ताव पर यूक्रेन की तरफ से एक अंतरराष्ट्रीय बैठक बुलाने की कोशिश की जा रही है। रूस के साथ बेहद करीबी संबंध होने के बावजूद भारत यूक्रेन के साथ रिश्तों में सामंजस्य बनाने में जुटा है। शुक्रवार को हुई बैठक में दोनों देशों के बीच नई परियोजनाओं के शुरू करने के विकल्प पर भी बात हुई है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को बैठक दौरान यूक्रेनी समकक्ष दिमित्री कुलेबा संग एस जयशंकर। प्रेट्र

कुलेबा गुरुवार को दो दिनी दौरे पर भारत पहुंचे हैं। हैदराबाद हाउस में दोनों पक्षों के बीच हुई भेंट के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा-दोपहर में यूक्रेनी विदेश मंत्री के साथ क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर खुल कर व विस्तार बातचीत हुई। हमारे बीच मौजूदा विवाद और इसके असर पर भी चर्चा हुई। हमने यूक्रेन संग समग्र मित्रवत रिश्ते व सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रतिनिधि स्तर की बैठक में भाषण देते हुए जयशंकर ने इस बात पर खुशी जताई है कि दोनों देशों के रिश्ते आगे बढ़ रहे हैं। कुलेबा की यात्रा ने क्षेत्र की स्थिति को समझने का एक और अवसर दिया है।

अंतर-सरकारी आयोग की भी हुई बैठक: ज्ञात हो दोनों देशों के बीच कई स्तरों पर बात हो रही है। गत वर्ष जब पीएम नरेन्द्र मोदी ने जापान में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भेंट की थी तब द्विपक्षीय संबंधों को दिशा देने के लिए अंतर-सरकारी आयोग के गठन का फैसला किया गया था। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा,दोनों विदेश मंत्रियों के नेतृत्व में द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। हमारी तरफ से शांति फार्मूला की जानकारी दी गई है। अंतर-सरकारी आयोग की भी बैठक हुई, जिसमें सहमति बनी है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले भारत-यूक्रेन के जो रिश्ते थे, उसे शीघ्रता से बहाल किया जाए। हम नई परियोजनाओं को चिन्हित करने पर भी बात कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के इस अनछुए वन की मोहक नैसर्गिक छटा मोह लेगी मन

यात्रा

जैव विविधता संग वन्यजीव पर्यटन की असीम संभावनाएं संजोए है लखनऊ से करीब 200 किमी दूर स्थित सोहेलवा जंगल

अमित श्रीवास्तव ● बलरामपुर

समय के साथ पर्यटन का स्वरूप भी बदल रहा है। चिड़ियाघर में कैद जानवरों को मूंगफली खिलाकर उत्साहित होने वालों को जंगल की सैर अधिक रोमांचित करती है। ऐसा ही रोमांच पाने के लिए लिए आपको उत्तर प्रदेश में नेपाल सीमा से सटे बलरामपुर जिले तक आना होगा। यहां जैव विविधता को संजोए सोहेलवा जंगल की वादियां आपके मन को छू लेंगी। 452 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैले सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग की प्राकृतिक आबोहवा, हरियाली और खूबसूरती सभी को लुभाती है। यहां बाघ की दहाड़ है और पक्षियों का कलरव भी। जंगल के साथ ही 51 शक्तिपीठों में से एक देवी पाटन मंदिर तुलसीपुर में मां पाटेश्वरी के पावन धाम में अभिभूत होने और पुण्यार्जन का लाभ भी मिलता है।

बंगाल टाइगर का प्राकृत वास: ब्रिटिश काल में बंगाल टाइगर के प्राकृत वास के रूप में विख्यात सोहेलवा एक बार फिर पर्यटन के क्षेत्र में पांव पसार रहा है। यहां लोग हिरन, तेंदुआ, बाघ, भालू समेत अन्य कई प्रजातियों के वन्यजीवों का दीदार कर सकते हैं। साथ ही नेपाल में हिमालय की पर्वत शृंखला का अलग ही रोमांच मिलता है। सोहेलवा पक्षियों की दृष्टि से काफी समृद्ध जंगल है। यहां बड़े पैमाने पर विदेशी परिंदे आशियाना बनाते हैं। गत वर्ष देश ही नहीं दुनिया के तमाम पक्षी विशेषज्ञों ने सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग में एकत्र होकर पक्षियों का सर्वे किया था। सोहेलवा में पक्षियों की करीब 400 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें कुछ दुर्लभ पक्षी भी शामिल हैं। प्रभागीय वनाधिकारी डा. एम सेम्मारन का कहना है कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पर्यटन के क्षेत्र में कई योजनाओं की स्वीकृति के लिए प्रयास चल रहा है।

सोहेलवा जंगल की वादियां छू लेंगी आपका मन ● जागरण

ऐसे पहुंच सकते हैं

लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डा से श्रावस्ती के लिए सीधी उड़ान है। यहां उतरने के बाद बस या निजी टैक्सी से 18 किमी की दूरी तय कर बलरामपुर पहुंचा जा सकता है। यहां से देवीधाम तुलसीपुर व सोहेलवा पहुंचने के लिए ट्रेन, रोडवेज व निजी बस समेत टैक्सी की सुविधा है। तुलसीपुर से सोहेलवा जंगल तक पहुंचने के लिए निजी वाहन का सहारा लेना पड़ता है। ट्रेन या सड़क मार्ग से लखनऊ से सोहेलवा जंगल पहुंचने के लिए पहले तुलसीपुर आना होगा। लखनऊ से तुलसीपुर की दूरी करीब 190 किलोमीटर है। तुलसीपुर तक सफर करने के लिए ट्रेन हैं।

गेस्ट हाउस के साथ बने हैं इको-फ्रेंडली काटेज

भांभर, वीरपुर, जनकपुर, जरवा, नंदमहरा, पिपरा व श्रावस्ती के पूर्वी सोहेलवा में गेस्ट हाउस हैं। इनमें ठहरने के लिए वन विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है। जंगल के बीच बने इन गेस्ट हाउस में रुककर सोहेलवा की वादियों का पर्यटक आनंद लेते हैं। वहीं बरहवा रेंज का जलजलवा फार्म पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण की इबारत लिख रहा है। हिरनों के झुंड को यहां पानी पीते आसानी से देखा जा सकता है। वन विभाग ने यहां इको- फ्रेंडली काटेज का निर्माण भी कराया है।

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

त्यागपत्र नहीं स्वीकारा तो विस के बाहर धरना देंगे निर्दलीय विधायक

राज्य ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार न करने का मामला गर्मा गया है। एक दिन पहले राज्यपाल ने इस मामले में गेंद विधानसभा अध्यक्ष के पाले में डालते हुए उन्हें ही इसके लिए अधिकृत माना था। अब तीनों निर्दलीय विधायक शनिवार को विधानसभा जाएंगे और विस अध्यक्ष की अनुपस्थिति में विधानसभा सचिव से मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है कि विस अध्यक्ष कुलदीप पठानिया विदेश दौरे पर हैं और मंगलवार को हिमाचल लौटेंगे। ऐसे में तीनों विधायकों का कहना है कि शनिवार तक उनके इस्तीफे स्वाकीर न हुए तो वे विधानसभा के बाहर धरना देंगे।

तीनों निर्दलीय विधायक हमीरपुर से आशीष शर्मा, देहरा से होशियार सिंह व नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र से केएल ठाकुर ने 22 मार्च को विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दिया था। तीनों 23 मार्च को दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। विधायकों ने पहले विधानसभा सचिव को त्यागपत्र सौंपा। इसके बाद वह राज्यपाल से मिले। फिर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात कर उन्हें भी त्यागपत्र सौंपा था।

नेगी व रोहित ने की थी शिकायत: विधायकों का त्यागपत्र स्वीकृत होने से पहले ही राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी व शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विस अध्यक्ष को शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया कि लगता है कि विधायक दबाव में है। विस अध्यक्ष ने निर्दलीय विधायकों को नोटिस भेज कर 10 अप्रैल को पक्ष रखने को कहा है।

****

दैनिक जागरण

अपनी क्षमताओं के साथ सीमाओं का भी भान होना चाहिए

आयकर विभाग की सक्रियता

आयकर विभाग की ओर से 1823 करोड़ रुपये का नया नोटिस भेजे जाने से कांग्रेस का परेशान होना स्वाभाविक है। आयकर विभाग ने कांग्रेस को यह नोटिस वर्ष 2017-18 से लेकर 2020-21 के लिए भेजा है। इसमें जुर्माने के साथ ब्याज की राशि भी शामिल है। कांग्रेस को यह नोटिस एक ऐसे समय भेजा गया है, जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने उसकी वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने वर्ष 2014 से 2017 के बीच करों के पुनर्मूल्यांकन की मांग की थी। साफ है कि कांग्रेस एक झटके से उबरी नहीं कि उसे दूसरे झटका लग गया। निःसंदेह जैसे यह सवाल उठता है कि आखिर आयकर विभाग को एक ऐसे समय सक्रियता दिखाने की क्या आवश्यकता थी, जब लोकसभा चुनाव के चलते पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का दौर पहले से जारी है और इस क्रम में कांग्रेस यह प्रचार कर रही कि मोदी सरकार विपक्ष को परेशान करने के लिए अपनी एजेंसियों का इस्तेमाल करने में लगी हुई है, वैसे ही यह प्रश्न भी खड़ा होता है कि कांग्रेस ने टैक्स संबंधी नियमों का समय रहते पालन करना आवश्यक क्यों नहीं समझा? कांग्रेस यह आरोप तो लगा रही है कि मोदी सरकार आयकर विभाग का इस्तेमाल कर और उसके खाते फ्रीज कर ठीक उस समय उसे आर्थिक रूप से पंगु कर रही है, जब लोकसभा चुनाव हो रहे हैं, लेकिन उसके पास इसका कोई सीधा जवाब नहीं कि क्या आयकर विभाग ने टैक्स संबंधी जिन विसंगतियों का उल्लेख किया है, वे निराधार हैं?

आखिर यह कहां तक उचित है कि कांग्रेस टैक्स संबंधी नियम-कानूनों का पालन भी न करे और खुद को पीड़ित भी बताए? क्या आयकर के मामले में कांग्रेस नियम-कानूनों से ऊपर है या फिर खुद को किसी विशेष छूट का हकदार मान रही है? जो भी हो, इतना तो है ही कि आयकर विभाग को चुनाव के मौके पर कांग्रेस की टैक्स संबंधी विसंगतियों को लेकर उसके खिलाफ सक्रियता दिखाने से बचना चाहिए था। यह काम वह चुनाव के पहले और बाद में भी कर सकता था। प्रश्न उसकी कार्रवाई का नहीं, बल्कि समय का है। चूंकि उसने चुनाव के मौके पर अपनी सक्रियता दिखाई, इसलिए कांग्रेस को अपने इस पुराने आरोप को नए सिरे से धार देने का अवसर मिल गया कि मोदी के भारत में लोकतंत्र खतरे में है। आखिर टैक्स संबंधी नियमों की अनदेखी करने वाले किसी दल को आयकर विभाग का नोटिस मिलने से लोकतंत्र की सेहत पर कैसे असर पड़ सकता है? प्रश्न यह भी है कि राहुल गांधी यह धमकी देकर क्या साबित करना चाहते हैं कि यदि सरकार बदली तो ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा किसी को यह सब करने की हिम्मत नहीं पड़ेगी? क्या इसका यही अर्थ नहीं कि वह सत्ता में आए तो सरकारी एजेंसियों का वैसा ही इस्तेमाल करेंगे, जैसा करने का आरोप वह मोदी सरकार पर लगा रहे हैं?

चुनाव में धनबल

सांविधानिक संस्थाएं यदि किसी विषय पर गंभीर चिंता जताती हैं तो इसके व्यापक निहितार्थ होते हैं। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही आयोग ने चुनाव में धनबल के प्रयोग पर चिंता जताई थी और यह भी आश्वस्त किया था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान के लिए इस पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा, लेकिन पहले चरण का नामांकन खत्म होने तक उत्तर प्रदेश में 13.67 करोड़ रुपये नकदी और 85.90 करोड़ की शराब का बरामद होना यह साबित करता है कि फिलहाल ऐसी कोशिशें जारी हैं। यह अलग बात है कि आयोग की सख्ती के कारण से ऐसा करने वालों का उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो रहा है। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धनबल का प्रयोग करने की कोशिशें किया जाना न केवल चिंता की बात है, बल्कि लोकतंत्र के लिए भी घातक है। कोई उम्मीदवार यदि मतदाताओं को धन या कोई वस्तु देकर प्रभावित करने का प्रयास करता है तो इसका मतलब है कि या तो उसका स्वयं पर विश्वास नहीं है या फिर उसकी छवि ठीक नहीं है। राज्य में चुनाव आयोग की सख्ती का ही असर है कि अब तक आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नारकोटिक्स समेत 21 विभागों ने 85.90 करोड़ की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं, मुफ्त उपहार व नकदी जब्त की है जो 2019 के चुनाव में हुई बरामदगी का लगभग 44 प्रतिशत है। इसका आशय यह है कि इस बार धनबल के उपयोग की कोशिशें अधिक हो रही हैं, क्योंकि अभी तो चुनाव की शुरुआत ही हुई है। उम्मीदवार और उनके समर्थक मतदाताओं को प्रभाव में लेने के लिए शराब और नशीले सामानों को वितरित करते हैं और इसीलिए सीमावर्ती राज्यों से इनकी तस्करी भी की जाती है। मतदाताओं को लालच देना या डराना आइपीसी की धारा 171 ख और 172 ग के तहत अपराध है। इसके अलावा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 के तहत भी इन गतिविधियों को भ्रष्ट आचरण माना गया है। इसलिए यह मतदाताओं की जिम्मेदारी है कि किसी के बहकावे में न आएं और स्वतंत्र होकर मतदान करें।

छात्रों के लिए बोझ बनी शिक्षा

सृजन पाल सिंह

यदि भारत को अपनी युवा आबादी का लाभ उठाना है तो शिक्षा के तौर-तरीकों और साथ ही युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा

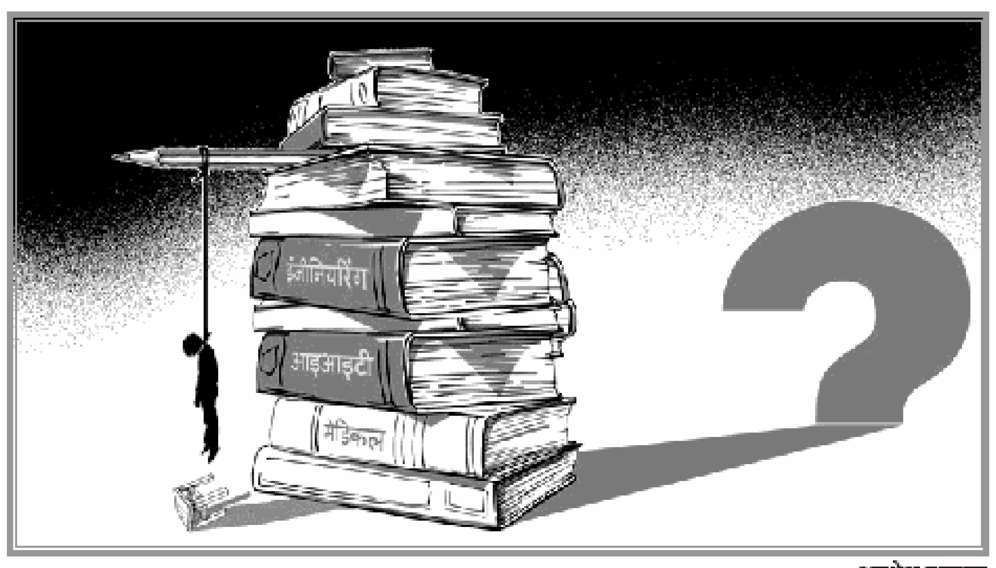

अवधेश राजपूत

राजस्थान के कोटा शहर में मेडिकल और इंजीनियरिंग परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें थम नहीं रहीं। पिछले दिनों एक दिन के अंतराल से दो छात्रों के आत्महत्या करने की खबर आई। कोटा में इस वर्ष अब तक आठ विद्यार्थी अपनी जान दे चुके हैं। 16 साल के ऐसे ही एक लड़के ने आत्महत्या करने के पहले एक नोट छोड़ा, जिसमें लिखा था, 'सारी पापा, आइआइटी नहीं हो पाएगा।' हम नियमित रूप से स्कूली बच्चों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों और यहां तक कि आइआइटी जैसे शिक्षण संस्थानों में ऐसी घटनाओं के विषय में सुनते रहते हैं, जहां दबाव से निपटने में मुश्किलों का सामना करने के कारण छात्र अपनी जीवनलीला समाप्त कर लेते हैं। नए भारत में बुझते इन युवा दीपकों से अधिक निराशाजनक और कुछ नहीं हो सकता।

हालिया आंकड़ों के अनुसार एक साल में 1,70,000 से अधिक भारतीयों ने आत्महत्या की। वर्ष 2022 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर आत्महत्या की दर बढ़कर 12.4 हो गई है। आत्महत्या के मामले में यह अभी तक की सबसे ऊंची दर है। भारत की आत्महत्या दर वैश्विक दर से 20 प्रतिशत अधिक है। भारत में आत्महत्याएं अस्वाभाविक मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं। आत्महत्या से होने वाली जनहानि सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों से भी छह गुना अधिक है। और भी चिंताजनक बात यह है कि भारत की युवा पीढ़ी जीवन के दबाव को सहने में भारी कठिनाई महसूस कर रही है। हर वर्ष आत्महत्या की मनोवृत्ति ने 10,000 से अधिक ऐसे लोगों को अपनी चपेट में लिया, जिनकी आयु 18 वर्ष से कम रही। यह भी उल्लेखनीय है कि देश में आत्महत्या करने वालों में लगभग 70,000 की आयु 30 वर्ष से कम थी।

भारतीय युवाओं को आत्महत्या करने के लिए आखिर क्या मजबूर करता है? इसे समझना और इसका निवारण उस देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि भारतीय युवा विशेषकर किशोर भारी शैक्षणिक दबाव से गुजरते हैं। हम एक ऐसी शिक्षा प्रणाली में विकसित हो गए हैं, जहां 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करना भी किसी छात्र को श्रेष्ठ कालेजों में प्रवेश दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता। हाल में मैंने छठी कक्षा के छात्रों के लिए सिविल सेवा परीक्षा की कोचिंग के विज्ञापन देखे। जिस उम्र में बच्चों को सपने देखने चाहिए, हम उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की राह पर धकेल दे रहे हैं। नौवीं कक्षा का बच्चा अक्सर इस बात से परेशान रहता है कि हर रिश्तेदार और परिचित उसे मिलते ही यह कहकर एक प्रकार से डराएगा कि 'अगले साल बोर्ड परीक्षा है!' ऐसी व्यवस्था में शिक्षा कभी न खत्म होने वाला बोझ बन जाती है और इस प्रक्रिया में ज्ञान अर्जित करने की यात्रा का स्वाभाविक आनंद भी समाप्त हो जाता है। यह सब तब है जब यह सत्य किसी से छिपा नहीं कि जीवन की सफलता किसी एक परीक्षा पर निर्भर नहीं करती। इस विकराल होती समस्या का समाधान खोजें तो हमें अपनी उस व्यवस्था को बदलना होगा, जहां दो-तीन घंटे की परीक्षा किसी युवा की क्षमता को आंकने का इकलौता पैमाना है। हमें एक ऐसी संस्कृति पोषित करने की आवश्यकता है, जहां ज्ञान को समझना, आनंद लेना और जीवन में उसे उपयोग में लाना अधिक महत्वपूर्ण है, न कि तथ्यों और आंकड़ों को याद रखना। हमें भारत के टीयर-2 कालेजों को बेहतर बनाने में निवेश करने की जरूरत है, ताकि हमेशा 'टाप' करने का दबाव कम हो। हम एक ऐसे परीक्षण तंत्र का पोषण करें, जहां शैक्षणिक अंकों के अलावा, खेल, नेतृत्व, सामाजिक कार्य, संगीत, नवाचार और कला भी कालेजों और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए मूल्यांकन-चयन सूची को अंतिम रूप देने में एक कारक बनें।

समस्या का एक नया उभरता पहलू है इंटरनेट मीडिया का बेलगाम विस्तार। इंटरनेट मीडिया निरंतर युवाओं को महंगी वस्तुओं का उपभोग और नवीनतम गैजेट रखने के लिए उकसा रहा है। विडंबना यह है कि माता-पिता ही इस प्रवृत्ति को पनपने दे रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के माध्यमों से युवाओं में अजीब तरह की होड़ उत्पन्न हुई है। वे अपनी तथाकथित उपलब्धियों का दिखावा करने में लग जाते हैं। वे वस्तुओं से लेकर अपने सैर-सपाटे की गतिविधियों का बखान करते हैं, जिससे कई दूसरों बच्चों में हीन भावना उत्पन्न होती है। कई बच्चे तो अनैतिक साधनों का सहारा भी लेने लगते हैं। कुछ महीने पहले की बात है कि एक स्कूल के पुरस्कार वितरण में मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मंच पर पुरस्कार लेने आने वाला लगभग हर बच्चा 40-50 हजार रुपये मूल्य वाली स्मार्टवाच पहने हुए था। इसने मुझे लखनऊ में मेरी स्कूली शिक्षा की याद दिला दी, जहां मेरी प्रधानाध्यापिका ने समानता एवं विनम्रता को बढ़ावा देने के लिए महंगे और फैंसी स्कूल बैग पर प्रतिबंध लगा दिया था। बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि सच्चा धन ज्ञान में है। छात्रों के बीच इस तरह के गैजेट एवं आराम की वस्तुओं की होड़ को घटाने के सक्रिय प्रयास करने होंगे।

भारत में मानसिक परामर्श के लिए उचित ढांचे का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। न केवल हमारे पास प्रशिक्षित और प्रमाणित मनोवैज्ञानिकों की कमी है, बल्कि हम स्वघोषित परामर्शदाताओं का चलन भी देख रहे हैं, जो नुकसान पहुंचाते हैं। हम मानसिक समस्याओं और अवसाद को समझ नहीं पाते और फिर ऐसी स्थिति के लिए मदद मांगने में संकोच भी करते हैं। पुरुषों के मामले में यह विशेष रूप से प्रत्यक्ष दिखता है। भारत में पुरुषों की आत्महत्याएं महिलाओं की तुलना में दोगुनी हैं। यदि युवा आबादी से लाभ उठाना है तो युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या के मुद्दे को परिवारों, स्कूलों, कालेजों और नीतिगत स्तर पर उठाकर उन पर तत्काल ध्यान देना होगा। ठोस कदम उठाकर, शोध और अंतरराष्ट्रीय मिसालों से प्रेरित होकर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों से लड़ना होगा और युद्धस्तर पर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों को मिटाना होगा। जहां शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हम बजट में प्रविधान करते हैं, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी एकाग्रता से प्रयास करना होगा।

(पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के सलाहकार रहे लेखक कलाम सेंटर के सीईओ हैं)

response@jagran.com

विभूतियों के सम्मान का अद्भुत क्षण

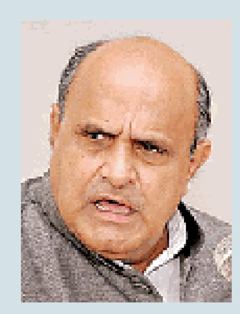

केसी त्यागी

एक साथ देश की पांच विभूतियों को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना एक अनूठा अवसर है

सर्वोच्च सम्मान के सुयोग्य पात्र। प्रतीकात्मक

आज देश की पांच विभूतियों को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जा रहा है। परंपरा रही है कि महापुरुषों को दिए गए इस सम्मान का सभी दलों, समूहों द्वारा स्वागत किया जाता है, लेकिन अब इस परंपरा की भी अनदेखी हो रही है और वह भी तब जब मोदी सरकार ने वैचारिक मान्यताओं से इतर जाकर भारत रत्न विजेताओं का चयन किया। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, नरसिंह राव, डा. एमएस स्वामीनाथन, लालकृष्ण आडवाणी के साथ-साथ सामाजिक न्याय के नायक कर्पूरी ठाकुर एक साथ भारत रत्न से सम्मानित होने जा रहे हैं। यह एक दुर्लभ अवसर है, जब एक साथ पांच विभूतियां भारत रत्न से सम्मानित होंगी। लालकृष्ण आडवाणी संघ प्रचारक के साथ-साथ, जनसंघ, जनता पार्टी, भाजपा और एनडीए के संस्थापक के साथ देश के गृहमंत्री एवं उप-प्रधानमंत्री पद को सुशोभित कर चुके हैं। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने उच्च आदर्शों का पालन करते हुए लोगों को कभी निराश नहीं किया। जैन हवाला कांड में नाम आने के बाद उन्होंने उच्च आदर्शों का पालन कर स्वच्छ राजनीतिक परंपरा को नई ऊंचाई दी। राजनीतिक शुचिता का पालन करने वाले उनके जैसे नेता दुर्लभ हैं। आज देश आर्थिक नीतियों में बदलाव कर विकास की जिन ऊंचाइयों को छू रहा है, उसका श्रेय नरसिंह राव को जाता है। वे दिन याद करें, जब हमारे खजाने का सोना भी कर्ज चुकाने में प्रयोग हो चुका था। तब राव ने कांग्रेस की परंपरागत नीतियों को तिलांजलि देकर नव-उदारवाद की व्यवस्था स्थापित की। उसके चलते ही आज हम विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था हैं और वह दिन दूर नहीं जब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। यद्यपि नरसिंह राव का प्रधानमंत्री कार्यकाल कई चुनौतियों से भरा रहा। उनके गांधी परिवार से मतभेद जगजाहिर थे। इन मतभेदों से उपजी मुश्किलों के बाद भी एक स्वावलंबी राष्ट्र के निर्माण के लिए उन्होंने साहसिक फैसले लिए। अफसोस कि कांग्रेस उन्हें यथोचित सम्मान नहीं दे सकी।

डा. एमएस स्वामीनाथन को हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। मुझे वह दौर स्मरण आता है, जब गेहूं, चावल, चीनी आदि आयात करने पड़ते थे। कई अवसरों पर तो मालवाहक जहाजों की देरी भुखमरी का अंदेशा पैदा कर देती थी। ऐसे समय फसलों की नई प्रजातियों को विकसित कर कृषि को स्वावलंबी बनाने में स्वामीनाथन ने बड़ी भूमिका निभाई। आज भारत गेहूं, धान, चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक है। उनके नेतृत्व में गठित स्वामीनाथन आयोग ने किसानों की किस्मत बदलने का ऐतिहासिक कार्य किया। फसलों के लाभकारी मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया उनके द्वारा ही प्रारंभ की गई। इसमें कृषि भूमि के किराए से लेकर मजदूरी के आकलन को लेकर मूल्य तय करने का प्रविधान है।

कुछ लोग चौधरी चरण सिंह एवं कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने के फैसले को इसलिए राजनीति से प्रेरित मान रहे हैं, क्योंकि इसके बाद आइएनडीआइए का विघटन हुआ, लेकिन राजनीति के सरोकारों से अनभिज्ञ लोग ही नकारात्मक प्रतिक्रिया कर रहे हैं। वे इसकी अनदेखी कर रहे हैं कि नीतीश कुमार पिछले तीन दशकों से कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग कर रहे थे। डा. आंबेडकर के बाद कर्पूरी ठाकुर सामाजिक बराबरी के आंदोलन के पर्याय बने। 24 जनवरी को जब उनका जन्मदिन समता और स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया जाता है, तब उसमें वे नेता भी शामिल होते हैं, जो उनके जीवन काल में उनके विचारों के विरोधी रहे। समता की स्थापना और स्वाभिमान से जीने के सपने को सच में बदलने का काम कर्पूरी ठाकुर ने ही किया। उन्होंने दुर्बल एवं साधनहीन लोगों में चेतना लाने का काम किया। कर्पूरी जी जिन विचारों को जमीन पर उतारने के लिए समर्पित रहे, वे डा. लोहिया द्वारा प्रतिपादित थे। लोहिया ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया था कि योग्यता अवसर से आती है। चूंकि जाति भेद के चलते सैकड़ों वर्षों तक शूद्रों और पिछड़ों को आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिला, इसलिए उनकी योग्यता एवं क्षमता का विकास नहीं हो पाया। इसीलिए कर्पूरी जी इन वर्गों को विशेष अवसर देना चाहते थे। कुछ लोग अभी भी अज्ञानतावश बहस चलाते हैं कि 75 वर्ष बाद भी आरक्षण और विशेष अवसर की क्या आवश्यकता है? उन्हें वे आंकड़े देखने चाहिए, जो यह बताते हैं कि इन वर्गों का कोटा न सिर्फ अधूरा है, बल्कि उच्च पदों पर उनकी नियुक्तियां भी न के बराबर हैं। केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण पद अभी भी उनकी पहुंच से बाहर हैं। ऐसी स्थितियों को देखते हुए कर्पूरी ठाकुर नवंबर 1978 में बिहार विधानसभा में पिछड़ी जातियों के आरक्षण का प्रस्ताव लाए थे। इस पर बिहार समेत देश के अन्य हिस्सों में भूचाल सा आ गया और जनता पार्टी दोफाड़ हो गई। इस प्रस्ताव में अति पिछड़ी जातियों के लिए 12, सामान्य पिछड़ों के लिए आठ, महिलाओं व सामान्य क्षेत्र के दुर्बल वर्गों के लिए 3-3 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान था। महिला व सामान्य वर्ग के आरक्षण का यह पहला प्रयास था। सामाजिक न्याय के इस संघर्ष में कर्पूरी ठाकुर को सीएम पद खोना पड़ा, पर आज उनके ही आरक्षण फार्मूले पर अमल हो रहा है। जस्टिस रोहिणी कमीशन का गठन इसका प्रमाण है।

चौधरी चरण सिंह भी भारत रत्न सम्मान के सच्चे हकदार थे। उनका लंबा समय कांग्रेस में गुजरा, लेकिन जनहित के प्रश्नों पर उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। 1935 में कांग्रेस के अधिवेशन में उन्होंने कृषि पुत्रों के लिए सरकारी सेवाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर सभी को चकित कर दिया था। 1952 में उनके द्वारा किए गए भूमि सुधार समूचे भारत के लिए नजीर बने। उन्होंने किसान हितों को राजनीति के केंद्र में लाने का काम किया और गैर-कांग्रेसवाद की राजनीति को बल दिया।

(लेखक जनता दल-यू के महासचिव हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

शांति की राह

जिस प्रकार हम भिन्न-भिन्न प्रकार की भौतिक वस्तुओं को देखकर आनंदित होते हैं, उसी प्रकार से हमें ईश्वर की रची हुई इस सृष्टि में मनुष्यों के रूप, रंग, भाव-स्वभाव की भिन्नता को देखकर भी उतना ही आनंदित होना चाहिए। हालांकि अनुभव यही कहता है कि हम लोगों की छोटी-छोटी बातों पर भी कुपित हो जाते हैं। जबकि अन्य स्थितियों में ऐसा नहीं होता। जैसे हम किसी कमरे में बैठे हों और छत का छोटा सा टुकड़ा ऊपर से गिर पड़े तो हम किस पर क्रोधित होंगे? छत पर? कतई नहीं। संभव है कि उसे बनाने वाले व्यक्ति पर ही। इसी प्रकार हमारी गाड़ी से कोई पशु टकराने को हो तो हम उसे दुत्कार कर आगे बढ़ जाएंगे, लेकिन यदि किसी दूसरे व्यक्ति का वाहन आकर जरा सा टकरा जाए तो उससे एक बड़े टकराव और हाथापाई की नौबत तक आ जाती है।

इसका यही अर्थ यह हुआ कि हम जड़ चीजों या पशुओं के प्रति तो सहनशील हैं, लेकिन मनुष्यों के प्रति नहीं। जबकि होना यह चाहिए कि जिनके साथ हम अपना अधिकांश समय गुजारते हैं, उन मनुष्यों के जाने-अनजाने में किए गए व्यवहार को हमें सह लेना चाहिए और उनकी बातों को भूलना सीखना चाहिए। ऐसा करने से हम प्रसन्नचित्त रह सकेंगे। हालांकि कई लोग यह कहते हैं कि किसी के गलत व्यवहार को भला कब तक सहन किया जा सकता है? इसका उत्तर यही है कि सहन करना ही वास्तव में उस व्यवहार पर विराम लगाना है, क्योंकि यदि हम सहन नहीं करेंगे तो गलत व्यवहार वाला खेल हमें ही निरंतर परेशान करता रहेगा। यदि हम जीवन व्यवहार में किसी की कही गई बात को मन से लगाकर रखें ही नहीं और बदले में अपनी तरफ से कुछ कहें भी नहीं तो कोई कलह-क्लेश ही नहीं होगा। अब इसका निर्णय हमें ही करना है कि हम जीवन में शांति चाहते हैं या उलझन। इसका चयन जितनी आसानी से करेंगे, हमारे जीवन की राह भी उतनी ही सुगम होगी।

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी

जन चेतना से बचेंगे प्रकृति के रंग

डा. मोनिका शर्मा

शून्य अपशिष्ट दिवस के अवसर पर हमें कचरे के समुचित प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए

कचरे से अटती धरती, नदियां और पहाड़, प्रकृति के रंग ही नहीं छीन रहे, मनुष्यों के लिए खतरा भी बन गए हैं। हर ओर फैलते अपशिष्ट पदार्थों से प्रदूषित होता पर्यावरण गंभीर व्याधियों का भी कारण बन रहा है। प्रकृति का हर हिस्सा बढ़ते अपशिष्ट पदार्थों का दबाव झेल रहा है। यही कारण है कि न केवल अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व को समझना, बल्कि उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति पर लगाम लगाना भी आवश्यक है। ज्ञात हो कि आज अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस है, जिसके तहत वैश्विक स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने का प्रभावी संदेश दिया जाता है। साथ ही उपभोग की व्यावहारिक आदतों को बढ़ावा देने पर भी प्रकाश डाला जाता है।

आज दुनिया के हर देश के लिए कचरे के पहाड़ और नदियों के जल में घुलता जहर चिंता का विषय बन गया है। महानगरों से लेकर दूर-दराज के इलाके तक, बढ़ते अपशिष्ट पदार्थों का बोझ ढो रहे हैं। चिंतनीय है कि हमारा देश दुनिया के सबसे बड़े कचरा उत्पादक देशों में से एक है। दिल्ली में तो कई जगह कूड़े के बड़े पहाड़ बन गए हैं। भारत में हर साल 1250 हेक्टेयर से अधिक जमीन कचरे तले ढक जाती है। ऐसे में अपशिष्ट प्रबंधन का अभियान स्वयं मनुष्यों का जीवन सहेजने के लिए भी आवश्यक है। प्रकृति के रंग छीनने वाला अपशिष्ट प्रदूषण जन स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन व जैव विविधता के लिए नुकसानदायक है। जिसके चलते इसे प्रदूषण के एक बड़े संकट के रूप में देखा जा रहा है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जैव विविधता की हानि, प्रकृति के इन पक्षों के लिए जोखिम बने अपशिष्ट पदार्थों का उचित प्रबंधन ही इसका हल है। इसके लिए उपभोक्तावादी सोच को बदलना और रिसाइकलिंग को बढ़ावा देना आवश्यक है।

आज की उपभोक्तावादी जीवनशैली भी धरती पर अपशिष्ट पदार्थों के बोझ का पहाड़ बढ़ा रही है। इस दिखावटी-बनावटी संस्कृति के कारण पुनः उपयोग की जा सकने वाली चीजें भी कचरा बना दी जाती हैं। सामाजिक समारोहों के दौरान खाद्य अपशिष्ट और प्लास्टिक की वस्तुओं से की जाने वाली सजावट इसी श्रेणी में आती हैं। ऐसे में इन वस्तुओं के उपयोग को नियंत्रित करना और चीजों की बर्बादी रोकना इस अभियान से जुड़े अहम पहलू हैं। यही वजह है कि शून्य अपशिष्ट अभियान की सफलता प्रशासनिक प्रयासों के साथ आम नागरिकों की भागीदारी पर भी निर्भर है। जनचेतना ही जल, जमीन और वायु प्रदूषण पर रोक लगा सकती है। ऐसी साझी सहभागिता के बल पर ही भारत में दो अक्टूबर 2014 को व्यापक तौर पर शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने देश में बड़ा बदलाव लाने का काम किया है। इस अभियान ने जनमानस में अपने परिवेश की स्वच्छता को लेकर उत्तरदायित्व भाव की अनुभूति जगाई है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आदत से मजबूर अमेरिका

'अमेरिका की बुरी आदत' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय पढ़ा। अमेरिका जैसे देशों को समझना चाहिए कि वे अनावश्यक ही दूसरे देशों के मामले में हस्तक्षेप करते रहते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस के खातों को फ्रीज करने के मामले पर सभी के अपने अपने विचार हो सकते हैं, लेकिन हमारे देश की कानून व्यवस्था और न्यायपालिका के बीच अमेरिका को दखल देने की कोई जरूरत नहीं। हमारे देश की न्यायपालिका और कानून किसी के हाथ की कठपुतली नहीं हैं। यहां सुबूतों के आधार पर पूरी कानूनी प्रक्रिया के उपरांत ही निर्णय किए जाते हैं। अमेरिका को आत्ममंथन करना चाहिए कि वह स्वयं तमाम मसलों पर दोहरा रवैया रखता है। वह पारंपरिक रूप से दुनिया का सबसे बड़ा प्रदूषक रहा है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अपने कर्तव्यों के पालन में अपने दायित्व की अपेक्षित पूर्ति से हिचकता रहा है। जबकि दूसरे देशों को उपदेश देने की अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा।

raju09023693142@gmail.com

संगीन अपराधों में हो कठोर सजा

समाचार पत्र के 29 मार्च के अंक में प्रकाशित दुष्कर्म और हत्या के समाचार हृदय विदारक और जनमानस को आक्रोशित करने वाले हैं। पिछले दिनों दुष्कर्म और उसके बाद हत्याओं की कई घटनाएं हुई हैं और अधिकांश में आरोपी गिरफ्तार भी हुए हैं। लिहाजा दुष्कर्म और हत्या जैसे मामलों में न्यायपालिका को शीघ्र निर्णय देने के साथ ही अधिकतम सजा देने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल पुलिस-प्रशासन अपने आप में समाज को अपराध मुक्त करने में सक्षम नहीं हैं, जब तक दोषी को शीघ्रातिशीघ्र सजा न मिले। पीड़िता समाज में लज्जा और बदला लिए जाने की आशंका के कारण खुलकर सामने नहीं आती और अपराधी के पैरोकार न्यायालय में इतनी मानसिक पीड़ा देते हैं कि कुछ पीड़िताएं तो आत्महत्या तक करने के लिए विवश हो जाती हैं। ऐसे समाचार भी आए दिन समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं। यह कैसी न्याय प्रणाली और व्यवस्था है? दुष्कर्म और हत्या के अपराधियों को विशेष अदालतों का गठन करके शीघ्र और कठोर दंड दिया जाना चाहिए।

विनोद जौहरी, दिल्ली

मेलबाक्स

नेतृत्वहीन विपक्ष मैदान में नहीं

कोई पार्टी चुनाव कैसे जीतती है। उसके पास मतदाताओं के लिए अच्छी नीतियां होनी चाहिए। वोटरों का उस पर भरोसा होना चाहिए। लोगों में यह विश्वास होना चाहिए कि अगर वह पार्टी सरकार बनाती है तो जनहित के तमाम काम होंगे। उस दल के पास ऐसा बड़ा चेहरा होना चाहिए, जिसकी जनता के बीच स्वीकार्यता हो और सबसे बड़ी बात कि मतदाताओं को उस दल की गारंटी पर भरोसा हो। क्या इन सभी पैमानों पर आज आपको विपक्ष टिकता हुआ दिख रहा है? निष्पक्ष आकलन करें तो यही दिखता है कि इस चुनाव में आइएनडीआइए कहीं भी मुकाबले में है ही नहीं। हर जगह भारतीय जनता पार्टी की लहर चल रही है और मोदी की गारंटी पर सब भरोसा कर रहे हैं। विपक्ष पर आखिर लोग क्यों विश्वास करें। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस सिमटती जा रही है।

नवीनचंद्र तिवारी, रोहिणी, दिल्ली

चीन से सचेत रहने की जरूरत

हिंद महासागर में नई चुनौती शीर्षक आलेख में हर्ष वी. पंत ने हिंद महासागर में बढ़ रही हलचल से केंद्र सरकार को चौकन्ना रहने की सलाह दी है। हिंद महासागर के शीर्ष पर भारत का केंद्रीय स्थान इसके रणनीतिक लाभ के कारण महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंद महासागर में चीन जिस रणनीति को विकसित करता दिख रहा है, उसे स्ट्रिंग आफ पर्ल्स नाम से जाना जाता है। इसके मुताबिक हिंद महासागर के आसपास के देशों में रणनीतिक बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे का निर्माण व सुरक्षा शामिल है, जिसका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। लिहाजा चीन से हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

636 अरब डालर के ऊपर पहुंच गया है भारत में विदेशी मुद्रा भंडार, जबकि मार्च 2014 में यह 304 अरब डालर ही था।

कैलाश बिश्नोई
उच्च शिक्षा मामलों के जानकार

आजकल

शोधकार्यों में नवाचार को मिले प्रोत्साहन

देश में अनुसंधान को बढ़ावा देने, परीक्षाओं से जुड़े छात्रों के तनाव को कम करने और प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए यूजीसी द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत पीएचडी में नामांकन की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा 'नेट' के स्कोर को पीएचडी में प्रवेश के लिए मान्य करने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय स्वागतयोग्य है। इससे देश में अनुसंधान की राह सुगम होगी जिससे विकसित भारत की राह भी आसान होगी

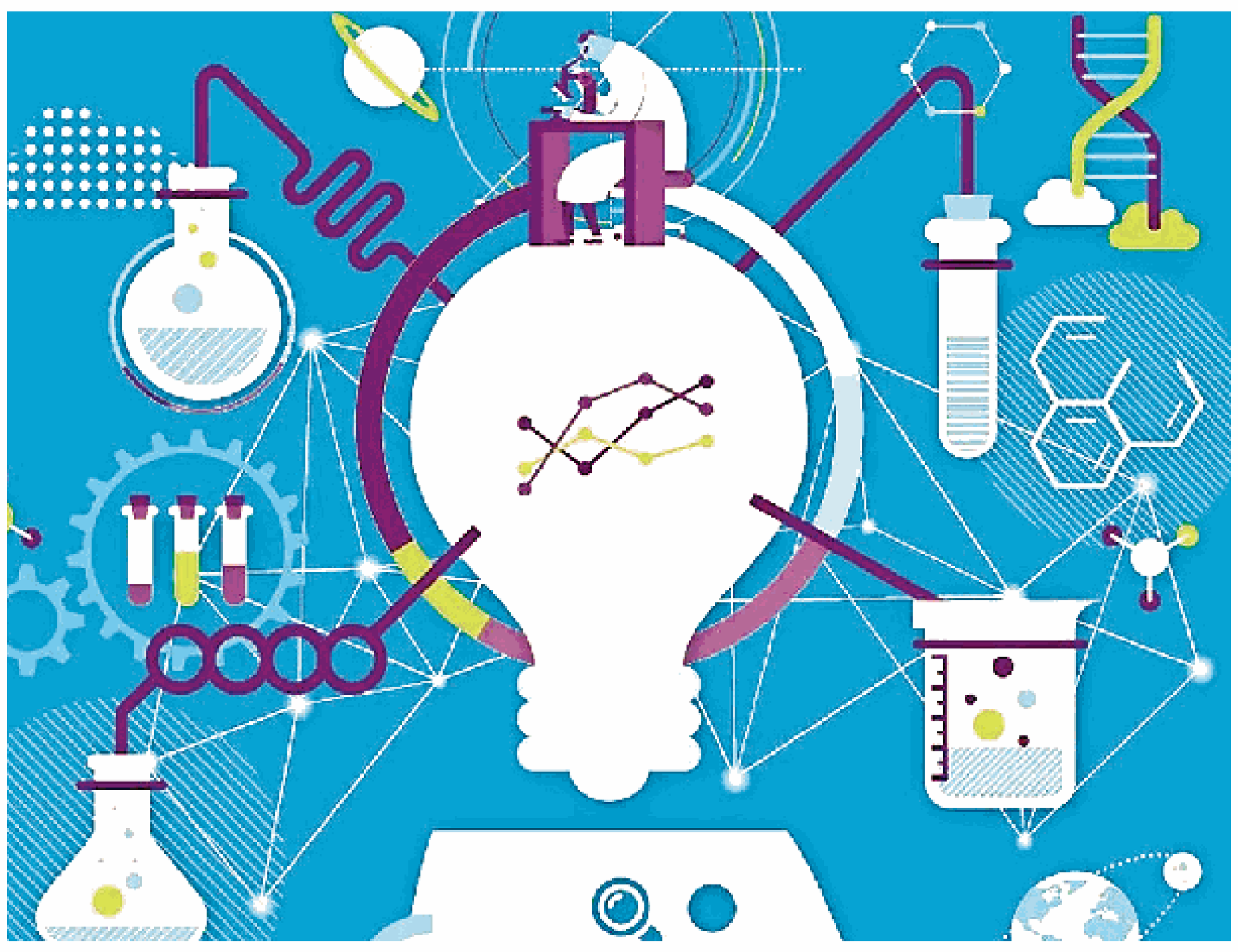

किसी भी विषय या क्षेत्र में किए जाने वाले शोध कार्य की साख तब कायम होती है, जब वह विश्वसनीय और सुसंगत हो। प्रतीकात्मक

पीएचडी में नामांकन के लिए छात्रों को अब अलग-अलग विश्वविद्यालयों की प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी, बल्कि उन्हें नेट के स्कोर के आधार पर भी प्रवेश मिल जाएगा। वस्तुतः शैक्षिक जगत में लंबे समय से यह सवाल उठ रहा था कि साल में दो बार यूजीसी-नेट परीक्षा होने के बावजूद विश्वविद्यालयों द्वारा अलग-अलग पीएचडी प्रवेश परीक्षा कराना कितना उचित है? ध्यान देने वाली बात यह है कि यूजीसी की विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित किए जाने वाले यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा के प्रारूप में भी बदलाव का निर्णय लिया गया है।

देखा जाए तो किसी भी देश का विकास वहां के लोगों के विकास से जुड़ा होता है और इसमें शोध की अहम भूमिका होती है। शिक्षा और शोध के हालात सुधारने की आकांक्षा से प्रेरित केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (एनआरएफ) की स्थापना को भी मंजूरी दी है। यह फाउंडेशन अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा देशभर के विश्वविद्यालयों, कालेजों, अनुसंधान संस्थानों एवं अनुसंधान व विकास प्रयोगशालाओं में अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देगा। एनआरएफ एक क्रांतिकारी बदलाव है। यदि यह ठीक ढंग से काम करे तो हमारी उच्चतर शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में बड़ा सुधार हो सकता है। इसके साथ ही वैज्ञानिक शोध से आवश्यक नतीजे भी सामने आ सकते हैं। एनआरएफ में निहित क्षमता का पूर्ण लाभ उठाने के लिए हमें पर्याप्त एवं तेजी से बढ़ती सार्वजनिक वित्त की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। निश्चित रूप से यह पहल भारत में अनुसंधान-वृत्ति को बढ़ावा देने, नवाचार पैदा करने और शिक्षा के स्तर को उन्नत बनाने में योगदान देगी। यह कदम अनुसंधान के महत्व की स्वीकृति और वैज्ञानिक प्रगति की आवश्यकता के प्रति भारत की सजगता का प्रमाण है।

देश में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक तरफ जहां यूजीसी ने पीएचडी के लिए मास्टर डिग्री की अनिवार्यता खत्म कर दी है, तो दूसरी ओर आयोग ने नौकरी के चलते पीएचडी नहीं कर पाने वाले पेशेवरों को पार्ट टाइम पीएचडी करने का विकल्प उपलब्ध कराकर बड़ी राहत दी है। अब वर्किंग प्रोफेशनल नौकरी के साथ-साथ पार्ट टाइम पीएचडी भी कर सकेंगे। इसमें पीएचडी प्रोग्राम में छह महीने का कोर्स वर्क रेगुलर मोड से करना होगा, जबकि थीसिस समेत अन्य रिसर्च वर्क पार्ट टाइम मोड से कर सकेंगे। निश्चित रूप से यह पहल भारत में अनुसंधान-वृत्ति को बढ़ावा देने, नवाचार पैदा करने और शिक्षा के स्तर को उन्नत बनाने में योगदान देगी।

गुणवत्ता का सवाल : सीएसआइआर के एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में हर साल लगभग तीन हजार अनुसंधान/शोध-पत्र तैयार होते हैं, लेकिन इनमें कोई नया आइडिया या विचार नहीं होता। विश्वविद्यालयों तथा निजी और सरकारी क्षेत्र की प्रयोगशालाओं में सकल खर्च भी बहुत कम है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार यह कुल जीडीपी का एक प्रतिशत भी नहीं है। यह सीमा दो प्रतिशत तक बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन कोई भी सरकार इस दिशा में शायद ही कुछ कर पाई। यही नहीं, कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंचों पर भी यह मुद्दा चर्चा से गायब रहता है। ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अनुसंधान/ शोध पत्रों के नजरिये से भी विज्ञान के वैश्विक उत्थान में भारत का योगदान केवल दो से तीन प्रतिशत है। देश में लगभग एक हजार विश्वविद्यालयों के बावजूद चीन, यूरोप व अमेरिका की तुलना हमारे शोध-पत्रों की गुणवत्ता और संख्या सबसे कम है। आखिर क्यों भारत शोध कार्यों के मामले में चीन, जापान जैसे देशों से पीछे है? ऐसी कौन-सी चुनौतियां हैं जो अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारत की प्रगति के पहिये को रोक रही हैं? दरअसल देश में नियम इतने सख्त हैं कि उम्र निकल जाती है, जब तक आपको अच्छा शोधकर्ता माना जाता है।

आगे की राह : भारत एक ज्ञान आधारित समाज बने, इसके लिए भी भाषाई खाई को पाटना होगा। भाषा ही वह माध्यम है जो किसी भी देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय भाषाओं में शोध के पीछे का उद्देश्य यही है कि हम अपने ज्ञान को विस्तृत रूप से प्रसारित कर सकें। आदमी जिस भाषा में सोचता है, उसी में विचारों की अभिव्यक्ति सदैव ही उपयोगी साबित होती है। यदि दस विकसित देशों के नाम सामने रखें तो इनमें नौ ऐसे देश होंगे जो अपनी ही भाषा को अपनाकर आगे बढ़े हैं। ऐसे में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी सुबोध शैली में शोध कार्य को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए कुछ पहल हो रही है, पर वह पर्याप्त नहीं है। इस दिशा में गंभीर पहल होनी चाहिए।

शोध की गुणवत्ता के पैमानों पर गौर करें तो शोधकर्ताओं के बीच पांच प्रमुख आधार पर बल दिया जाता है। ये हैं : शोध कार्य की साख (क्रेडिबिलिटी), उसकी मौलिकता, शोध कार्य की संचार हेतु उपयुक्तता और प्रस्तुति, शोध कार्य का महत्व और शोध में ईमानदारी (इंटिग्रिटी) प्रमुख रूप से उपस्थित होते हैं। देश में शिक्षक का मूल कार्य शिक्षा देना है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए, जहां शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं का संवर्ग अलग-अलग हो, उनकी योग्यता नियुक्ति एवं उनके मूल्यांकन की विधि भी पृथक प्रकार की होनी चाहिए।

शोध को समाजोपयोगी बनाने के लिए यह जरूरी है कि छात्र और शिक्षक दोनों की अनुसंधान के प्रति सोच ईमानदार हो और वो विषय में कुछ नया जोड़ने के उद्देश्य से ही इस दिशा में आगे बढ़ें। शोध महज शोध की औपचारिकता के लिए न हो, बल्कि उससे वैश्विक स्तर पर अनुशासन को गति मिले। इन सबके लिए सबसे जरूरी है नीति नियंताओं की नीयत का साफ होना, ताकि शोध के प्रति सरकार की अवधारणा भी बदले। शोध केंद्र के रूप में विभिन्न विषयों के अध्ययन केंद्रों की पहचान कर उन्हें उदारतापूर्वक सक्षम बनाने की आवश्यकता है। उन्हें दायित्व के साथ स्वायत्तता भी मिलनी चाहिए, ताकि वे अपनी जरूरतों का आकलन कर उपयोगी शोध कार्यक्रमों की प्रभावी व्यवस्था चला सकें।

शोध को बढ़ावा देने का एक बेहतर तरीका यह भी हो सकता है कि उद्योग जगत और देश के विश्वविद्यालयों के बीच साझा गठजोड़ बने, ताकि प्रयोगशाला में हुए शोध को बाजार तक पहुंचाया जा सके। हमारे देश में आविष्कार और शोध की संस्कृति को भी बढ़ावा मिल सकता है, बशर्ते हम ऐसे कार्यों के लिए सकारात्मक माहौल बनाएं। शैक्षिक संस्थानों के गिरते स्तर को बचाने के लिए सरकार को अच्छी शोध के लिए शोध राशि बढ़ाने के साथ साथ विश्वविद्यालयों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित करना होगा।

देश के युवा विज्ञानियों को बनाएं रोल माडल

यह सच है कि देश में प्रतिभा का कभी अकाल नहीं रहा। नवाचार का गढ़ मानी जाने वाली अमेरिका की सिलिकन वैली और पश्चिम के विकसित राष्ट्रों में चिकित्सा से लेकर तकनीकी क्षेत्रों में भारतीयों की व्यापक उपस्थिति इसे पुष्ट करती है। परंतु यह विडंबना है कि भारत में लगभग 40 हजार उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम विज्ञानी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। हमारे यहां जो शोध होते भी हैं, उनकी गुणवत्ता को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते हैं। वर्षों से अध्यापकों की नियुक्ति न होने के कारण शोध कराने के लिए अनेक विश्वविद्यालयों में अनेक विभागों में अनुभवी प्राध्यापकों का भी अकाल है। शोध के पश्चात के छात्रों के कैरियर को लेकर भी इतना असमंजस बना हुआ है कि शोध अपनी चमक खोता जा रहा है। हमारे देश में शोध का परिवेश भी उत्साहजनक नहीं है।

अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में शोध की समाज में बहुत कद्र है, इसी वजह से वहां नोबेल पुरस्कार विजेताओं की भरमार होती है। भारत में प्रति दस हजार की आबादी पर केवल चार लोग ही शोध में लगे हुए हैं, वहीं अमेरिका तथा ब्रिटेन में यह आंकड़ा 79 तथा रूस में 58 है। भारत में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों में महज एक प्रतिशत छात्र ही शोध करते हैं। अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार देशभर में हर वर्ष लगभग सात हजार शोधार्थी ही विज्ञान विषयों में पीएचडी करते हैं, इनमें से अधिकतर शोधार्थियों की पीएचडी थीसिस से उस विषय में कोई नवाचारी पुट का समावेश नहीं होता है तथा अधिकांश शोध सतही होते हैं जिस कारण से शोधार्थियों के शोध अध्ययन से समाज तथा राष्ट्र को कोई खास लाभ नहीं मिल पाता है।

भारत में आज भी स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालय तक की प्रयोगशालाओं के स्वरूप में लंबे समय से बदलाव नहीं हुआ है। समय की मांग है कि प्रयोगशालाओं को नया स्वरूप दिया जाए तथा शोध संस्थानों में पनप रही 'साइंस ब्यूरोक्रेसी' पर लगाम लगाने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं, ताकि देश में शोधपरक संस्कृति विकसित की जा सके। भारत में चल रहे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया तथा स्किल इंडिया जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए भी जरूरी है कि विज्ञान की नींव को सशक्त किया जाए तथा विश्वस्तरीय शोध एवं विकास का माहौल भारत में निर्मित हो।

भारत में विज्ञान के क्षेत्र में शोध की स्थिति को सुधारने के लिए मेधावी छात्रों को शोध कार्य के लिए आकर्षित करने की भी जरूरत है। साथ ही विज्ञान के शोधार्थियों को रोजगार की गारंटी दी जाए। भारत में वैज्ञानिक शोध तथा आविष्कार को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ इस तरह का माहौल बनाना होगा कि देश में बच्चे तथा युवा अभिनेताओं एवं खिलाड़ियों की तरह विज्ञानियों को भी रोल माडल बनाएं।

(कैलाश बिश्नोई)

खरी-खरी

पहली अप्रैल का पुरस्कार

पूरन सरमा

वे सीधे-सादे थे और अक्ल के कच्चे थे। सदैव ख्यालों में सोया रहना उनकी आदत थी। साहित्य सेवा से सदैव लबरेज रहते थे। उम्रदराज होने से साहित्य जगत में उनकी पहचान 'महाकवि' के रूप में हो चुकी थी। पहली अप्रैल को मैंने उनके घर जरकर कहा, 'बधाई हो महाकवि जी। पहली अप्रैल आपको मुबारक हो।' वे लगभग लजाते हुए से बोले, 'धन्यवाद शर्मा। मुझे तो पता ही नहीं था कि आज पहली अप्रैल है।' मैं बोला, 'मिठाई तो मैं आपसे खाकर ही रहूंगा आज। इधर खबर है कि आपको अकादमी ने विशिष्ट साहित्यकार के रूप में सम्मानित करने का फैसला किया है। उसकी बधाई भी स्वीकार करें।' वे गद्गद हो गए और खुशी से पगलाये से बोले, 'मैं कहता नहीं था कि साहित्य सम्मान देर-सवेर मुझे मिलेगा जरूर। आज पहली तारीख को तुमने शुभ समाचार दिया है।'

वे मिठाई लेने चले गए। मिठाई देखते ही मुंह में पानी आ गया। ऊपरी तौर पर बोला, 'अरे, इतनी मिठाई क्यों ले आए? आपको तो सम्मानित होना ही था।' वे बोले, 'तुमने ऐसी खबर सुनाई है कि दिल बाग-बाग हो गया है।'

मैं मिठाई पर टूट पड़ा। मन में मिठाई खाते हुए ग्लानि का भाव जरूर आ रहा था कि यह मैंने ठीक नहीं किया है, परंतु मूर्ख दिवस का ख्याल आते ही मजाक करने का अधिकार याद हो आया। मन ने कहा- पहली अप्रैल को किसी को मूर्ख बनाने का अधिकार सभी को विधिवत मिला हुआ है। इसलिए महाकवि को आज विशिष्ट साहित्यकार सम्मान से नवाजने की खबर से खुशी दी है तो बुरा क्या किया है? मैं बोला, 'निर्णय तो सही हुआ है! लेकिन यह देर से हुआ है।'

वे बोले, 'देर आयद दुरूस्त आयद। कभी भी हुआ हो शर्मा पर यह निर्णय गलत नहीं है। आज मेरा सही मूल्यांकन हुआ है। मैं कहता हूं तुम भी लगे रहो। एक दिन तुम्हारा भी नंबर आ जाएगा। मानता हूं कि अकादमी में राजनीति है, परंतु कुछ निर्णय निष्पक्ष भी होते हैं। मेरे मामले में यही हुआ है।'

वैसे अब परेशान हूं कि 'कवि' को वास्तविकता कैसे बताऊं।

पोस्ट

जहां बोलना है, अगर वहां चुप रहोगे, तो कीमत चुकानी पड़ेगी। और जहां चुप रहना है, वहां बोलोगे तो और भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।
रजत शर्मा@RajatSharmaLive

कुछ लोगों ने मुख्तार अंसारी के महिमामंडन की मार्मिक कहानियां सुना-सुनाकर पका दिया है। ऐसे लोगों को उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से जाकर पूछना चाहिए कि 'गरीबों के मसीहा' मुख्तार ने उनके सामने ही उनके भाई को गोली क्यों मार दी थी?
अतुल कुमार राय@AuthorAtul

बनारस का बच्चा-बच्चा डीएसपी शैलेंद्र सिंह प्रकरण से परिचित है। गैंगस्टर मुख्तार के पास एलएमजी बरामद करने के बाद उन्हें नौकरी से इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि मुलायम सरकार को पुलिस से ज्यादा एक अपराधी से लगाव था।
रंगनाथ सिंह@rangnathsingh_

रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस प्रबंधन के साथ कप्तानी पर चर्चा करनी चाहिए। यदि उन्हें कप्तानी वापस न भी मिले तो तत्काल प्रभाव से यह जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह को दिलानी चाहिए। असल में मुंबई इंडियंस में बुमराह ही सही मायनों में रोहित के उत्तराधिकारी थे।
समीप राजगुरु@samiprajguru

जागरण जनमत कल का परिणाम

भारत को भी अमेरिका के आंतरिक मामलों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करनी चाहिए?

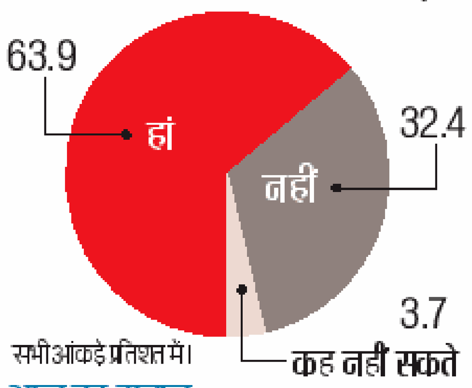

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या अग्निपथ योजना में बदलाव की आवश्यकता है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

अपने पांवों पर लिए स्वयं कुल्हाड़ी मार,
अब फुर्सत में खेलिए लूडो-कैरम यार।
लूडो-कैरम यार जुबां को बहुत चलाया,
आखिर टिकट कटाय आपने खुद भर पाया।
भरी जवानी बीच हो गए धूसर सपने,
बने वरुण जी आप स्वयं ही दुश्मन अपने!
- ओमप्रकाश तिवारी

आलोक मिश्र
स्थानीय संपादक, बिहार

बिहार डायरी

किसी की दाल गली तो कहीं पतीली ही नहीं चढ़ी

यह सही है कि बिहार में जाति की राजनीति का बोलबाला है। गठबंधन से लेकर सीटें तय करने में जाति को ध्यान में रखा जाता है। जातियों के महत्व को देखते हुए जातीय पार्टियां भी उभरने लगीं। बिहार में कई ऐसे दल हैं जो जाति विशेष का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। ये चुनाव में भागीदारी भी करते हैं और बड़े दलों से गठबंधन की आशा भी रखते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में ऐसे दलों में कुछ की दाल तो गली, लेकिन कुछ की पतीली ही नहीं चढ़ पाई। जिनकी गली भी तो वह पूरी नहीं गल पाई, अधपकी ही रह गई।

इस बार लोकसभा चुनाव आते ही सभी की महत्वाकांक्षाएं हिलोरें मारने लगीं। इसमें कोई संदेह नहीं कि राजग का भाव ज्यादा चढ़ा है, इसलिए वामदलों को छोड़ सभी की निगाहें उसी ओर थीं। सभी-अपने तरीके से संपर्क में जुटे मोलभाव कर रहे थे। चिराग पासवान, पशुपति कुमार पारस, उपेंद्र कुशवाहा, जीतनराम मांझी, मुकेश सहनी सभी के पास अपनी मांग थी। लोक जनशक्ति पार्टी के दो फाड़ करने वाले चाचा पशुपति कुमार पारस और भतीजे चिराग का झगड़ा जगजाहिर है। दोनों की अर्जी लगी थी भाजपा के पास। चाचा केंद्र में मंत्री थे और पांच सांसदों का साथ था, इसलिए उनकी मांग कम से कम पांच की थी। चिराग पासवान राजग से अघोषित रूप से अलग थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ाई करते हुए उन्होंने राजग से अलग होकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। वे इस बार राजग के साथ लड़ना चाहते थे। जमीन पर अपनी पहचान बनाने वाले चिराग पासवान को भाजपा ने तवज्जो दी और जनाधार में कमजोर पड़ रहे पारस को किनारे कर दिया गया। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में मिली छह के बजाए पांच सीटें ही चिराग पासवान के हाथ लगी, लेकिन उनके लिए चाचा पर जीत मायने रखती है।

बीते विधानसभा चुनाव में नुकसान पहुंचाने वाले चिराग पासवान (दाएं) से गुरुवार को मिलते नीतीश कुमार (बाएं)। एएनआइ

हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतन राम मांझी दो की चाह रखते थे। राज्यसभा की भी चाहत थी, लेकिन एक सीट से संतोष करना पड़ा। गया से स्वयं लड़ रहे हैं। पिछले चुनाव में महागठबंधन के साथ थे और तीन सीटों पर लड़े थे। यही हाल उपेंद्र कुशवाहा के साथ हुआ। जब नीतीश महागठबंधन में रहते हुए सरकार चला रहे थे तो उपेंद्र कुशवाहा ने उन्हें बीच में ही छोड़ दिया था और एनडीए के पाले में चले गए थे। समय पलटा, नीतीश एनडीए के हो गए। इस बार राष्ट्रीय लोक मोर्चा बनाने वाले उपेंद्र कुशवाहा पिछल चुनाव में महागठबंधन के साथ थे और पांच सीटों पर लड़े थे। हालांकि जीते एक भी नहीं थे। जब तक नीतीश साथ नहीं आए थे, तीन की उनकी मांग जोर पकड़े थी। नीतीश कुमार के आते ही राजग की सीटें कम हो गईं और उपेंद्र कुशवाहा का भाव भी गिर गया। उनको भी एक सीट काराकाट टिका दी गई। रह गए विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी, जो तीन से कम मानने को तैयार नहीं थे। प्रदेश में मंत्री पद से हटाकर विधानसभा का गठबंधन तोड़ने वाली भाजपा ने इस बार मुंह ही नहीं लगाया। वे किनारे लग गए। आशा थी कि महागठबंधन शायद समायोजित कर ले। छह-सात प्रतिशत वोट का वे दावा करते हैं, लेकिन वहां भी उनकी दाल नहीं गली।

अब दोनों ओर सीटों का बंटवारा हो गया है। एनडीए गठबंधन में तो कोई दिक्कत नहीं रही। 17 सीटों पर भाजपा, 16 पर जदयू, पांच पर लोजपा (रामविलास) और एक-एक पर हम व राष्ट्रीय लोकमोर्चा लड़ेगी। इधर महागठबंधन में काफी माथा-पच्ची के बाद सीट बंटवारा हो सका। अब 26 पर राजद, नौ पर कांग्रेस व पांच पर वामपंथी दल लड़ेंगे। जिसमें तीन पर भाकपा (माले), एक पर माकपा व एक पर भाकपा लड़ेगी। मुकेश सहनी व पारस अलग-थलग पड़े हैं। दोनों को कहीं जगह नहीं मिली है। सहनी अभी भी राजद से आस पाले हैं कि शायद वह अपने कोटे से दो सीट दे दे, क्योंकि सवाल साख का ही नहीं, वजूद का भी है। अगर चुनाव नहीं लड़े तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कोई पूछेगा ही नहीं। केवल बोलने से बात नहीं बनने वाली कि इतना प्रतिशत वोट हमारे पास भी है। सबसे बुरा तो हुआ राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के साथ। वे तो न घर के रहे, न घाट के। पूर्णिया से टिकट की आस में अपने दल 'जाप' का कांग्रेस में विलय करा बैठे, लेकिन कांग्रेस को घुटनों पर टिकाए लालू यादव ने सिंबल जदयू से आईं विधायक बीमा भारती को थमा दिया। अब पप्पू परेशान हैं। तय नहीं कर पा रहे कि लड़ें या न लड़ें।

बहरहाल, बिसात बिछ चुकी है। कहीं ठौर न पाने वालों के पास स्वयं के बूते लड़ने का ही अवसर बचा है। देखना है कि आगे क्या होता है?

मंथन

प्रो. लल्लन प्रसाद
पूर्व विभागाध्यक्ष, बिजनेस इकोनमिक्स विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

सभी तक पहुंचे विकास का लाभ

पिछले एक दशक से भारत में आर्थिक विकास की गति बहुत तेज हुई है। परंतु मानव विकास की गति में वह तेजी परिलक्षित नहीं हो रही है, लिहाजा इस दिशा में व्यापक प्रयास की आवश्यकता है

आर्थिक नीतियों में सामयिक सुधार हो ताकि विकास के लाभ से कोई भी वंचित न रहे। प्रतीकात्मक

भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में सर्वाधिक तेजी से बढ़ रही है। देश की सकल घरेलू आय (जीडीपी) पिछले 10 वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डालर की हो जाएगी जो अभी 3.75 लाख करोड़ डालर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत को दुनिया का स्टार परफार्मर बताया है। खाद्यान्नों का उत्पादन रिकार्ड स्तर पर हो रहा है। हाल के वर्षों में कई देशों को भारत ने खाद्य संकट से बचाया है। पूंजी बाजार में देशी और विदेशी निवेशकों का भारी निवेश अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हुआ है। विदेशी मुद्रा का भंडार 636 अरब डालर के ऊपर पहुंच गया है जो मार्च 2014 में 304 अरब डालर था। फरवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में बीएसआई सूचकांक 73 हजार और निफ्टी 22 हजार को पार कर गया जो अब तक का रिकार्ड है। हालांकि इसके बाद कीमतें कुछ नीचे आई हैं।

अमेरिकी थिंक टैंक 'ब्रोकिंग' के अनुसार भारत महागरीबी से मुक्त हो गया है। गरीबी उन्मूलन में पहले 30 वर्षों में जो प्रगति नहीं हुई, पिछले 11 वर्षों में उससे अधिक हुई। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू खपत में भारी वृद्धि हुई है। यह निष्पक्ष तरीके से योजनाओं को लागू करने की मजबूत नीति का परिणाम है। पिछले दशक में विशेष रूप से भारत में मजबूत समावेशी विकास हुआ है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं में लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंच रहा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन के अनुसार देश में परिवारों का प्रति व्यक्ति घरेलू मासिक खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना हो गया है। रक्षा उत्पादन में भारत धीरे-धीरे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर का उत्पादन भी आगामी तीन-चार वर्षों में प्रारंभ होने जा रहा है जो अब तक आयात होता रहा है। किंतु कुछ क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था अभी भी कमजोर है। महंगाई, विशेषकर खाद्य पदार्थों की और बेरोजगारी पर सरकार लगाम नहीं लग पा रही है। मुद्रास्फीति में 2023 में आठ प्रतिशत तक का उछाल आ गया था। इनका उपाय भी आवश्यक है।

मानव विकास सूचकांक में भारत : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार भारत मानव विकास के सूचकांक में 134वें स्थान पर है। इसके पहले 2009 से 2013 तक भारत की रैंकिंग छह पायदान सुधरी थी, जबकि 2014 से 2023 के बीच केवल चार पायदान आगे बढ़ी। रैंकिंग में भारत का सूचकांक 0.64 है, जबकि अमेरिका, इंग्लैंड, जापान और रूस के क्रमशः 0.927, 0.88, 0.878 और 0.821 हैं। मानव विकास के सूचकांक में सबसे ऊपर तीन यूरोपीय देश हैं- स्विट्जरलैंड, नार्वे और आइसलैंड एवं सबसे नीचे अफ्रीका के तीन देश हैं- सोमालिया, दक्षिण सूडान और मध्य अफ्रीका। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भारत अभी मध्य विकसित देशों की श्रेणी में है, यद्यपि वह विश्व की पांचवीं आर्थिक शक्ति बन चुका है। सूचकांक के प्रमुख आधार हैं- जन्म समय पर जीवन की प्रत्याशा, स्कूलिंग के अनुमानित और औसत वर्ष एवं सकल राष्ट्रीय आय। वर्ष 1990 के बाद से अब तक भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 9.1 वर्ष बढ़ी है। इस समय भारत के लोगों की औसत उम्र 67.7 वर्ष है। इतना ही नहीं, समूचे देश में स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष में 4.6 वर्षों की वृद्धि हुई है और औसत वर्ष में 3.8 वर्षों की वृद्धि हुई है।

आज देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। प्रति व्यक्ति आय 367 डालर से बढ़कर 2612 डालर पर आ गया है। लैंगिक असमानता की दृष्टि से भारत विश्व के 191 देशों में 108वें स्थान पर है।

संपत्ति और आय असमानता : अर्थव्यवस्था के आकार में वृद्धि होने के साथ सभी तबके के लोगों की आमदनी बढ़ी है, इसमें संदेह नहीं, किंतु यह भी सच है कि अमीर-गरीब के बीच संपत्ति व आय की असमानता सभी बढ़ी है। इसका एक बड़ा कारण आर्थिक मोर्चे की मजबूती के लिए बड़े इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, कारखाने, बड़े व्यवसायियों और निजीकरण पर सरकार की बढ़ती निर्भरता है जो विकास को गति देती है। आक्सफैम की सर्वाइवल आफ द रिचेस्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अरबपतियों की संख्या 2020 के 102 से बढ़कर 166 हो गई है। भारत में सबसे अमीर एक प्रतिशत के पास देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है और केवल पांच प्रतिशत भारतीयों के पास देश की 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है। किंतु इसके साथ विरोधाभास यह भी है कि जीएसटी में 64 प्रतिशत से अधिक योगदान नीचे के 50 प्रतिशत की आबादी का होता है। संपत्ति और आय की विषमता का कोई आधिकारिक डेटाबेस नहीं है, किंतु अधिकांश अनुमान इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पिछले कुछ दशकों में अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ी है। हालांकि यह भी सच है कि बड़ी संख्या में आबादी गरीबी रेखा के ऊपर आई है जिसके लिए संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भारत की सराहना हुई है। शिक्षा स्वास्थ्य और समाज कल्याण पर अधिक खर्च करके असमानता को कम किया जा सकता है और सामाजिक न्याय का रास्ता प्रशस्त किया जा सकता है।

****

अकासा एयर ने शुरू किया अंतरराष्ट्रीय परिचालन

मुंबई: विमानन कंपनी अकासा एयर ने मुंबई से दोहा (कतर) के लिए पहली उड़ान रवाना करने के साथ ही अपना अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा कि उसे तीन अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों कुवैत, जेद्दा और रियाद के लिए यातायात अधिकार मिल गए हैं। एयरलाइन के अनुसार, अहमदाबाद, गोवा, वाराणसी, लखनऊ, बेंगलुरु, कोच्चि और दिल्ली जैसे अन्य घरेलू शहरों के यात्रियों के पास मुंबई के रास्ते दोहा जाने के लिए कई संपर्क विकल्प होंगे। (प्रेट्र)

किआ की 2.0 रणनीति के तहत हम साल के अंत तक 700 से अधिक टचपाइंट नेटवर्क का लक्ष्य रख रहे हैं, जिससे कंपनी की सेवाएं हमारे ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ हो सकें।
–हरदीप सिंह बरार, नेशनल सेल्स हेड, किआ इंडिया

एक नजर में

एलआइसी के कार्यालय 30-31 मार्च को खुले रहेंगे

नई दिल्ली: एलआइसी करदाताओं को 2023-24 की समाप्ति से पहले कर बचाने की प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा देने के लिए 30 मार्च और 31 मार्च को अपने कार्यालय खुले रखेगी। एलआइसी का यह कदम बैंकों की उस घोषणा के बाद आया है जिसमें उनकी शाखाएं शनिवार और रविवार को खुली रखने की बात कही गई थी। आरबीआइ ने बैंकों को 30-31 मार्च को सरकारी लेनदेन के लिए अपनी शाखाएं खुली रखने को कहा है। (प्रेट्र)

अगले वित्त वर्ष में बैंकों के एनपीए में आएगी कमी

मुंबई: बैंकिंग प्रणाली की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) अगले वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक घटकर 2.1 प्रतिशत के स्तर पर आ सकती हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में जीएनपीए 2.5-2.7 प्रतिशत पर रहने की संभावना है। केयर रेटिंग्स के मुताबिक, 2024-25 के अंत तक इसमें सुधार होगा और बैंकों का कुल एनपीए घटकर 2.1-2.4 प्रतिशत रह जाएगा। (प्रेट्र)

फोर्स मोटर्स ने ट्रैक्टर बिजनेस बंद करने का एलान किया

बेंगलुरु: मल्टी सीटर यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी फोर्स मोटर्स ने ट्रैक्टर बिजनेस को बंद करने का एलान किया है। वित्त वर्ष 2022-2023 में कंपनी के कुल राजस्व में ट्रैक्टरों की बिक्री 3.66 प्रतिशत थी। कंपनी अपने राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत वाहन बिक्री से अर्जित करती है। जबकि 36 प्रतिशत राजस्व विभिन्न कार कंपनियों के लिए इंजन बनाकर अर्जित करती है। कंपनी बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज के लिए भारत में इंजन बनाती है। (रायटर)

जीईएम से अब तक चार लाख करोड़ की खरीद

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष में अभी तक सरकारी ई-मार्केट प्लेटफार्म जीईएम से खरीदारी चार लाख करोड़ के पार पहुंच गई है। सभी मंत्रालयों तथा विभागों द्वारा वस्तुओं व सेवाओं की आनलाइन खरीद के लिए सरकारी ई-मार्केट प्लेटफार्म जीईएम की शुरुआत नौ अगस्त 2016 को की गई थी। 2021-22 में खरीद मूल्य 1.06 लाख करोड़ रुपये था। (प्रेट्र)

मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने 2023-24 में 62 प्रतिशत रिटर्न दिया

चालू वित्त वर्ष में मिड कैप 15 हजार तो स्माल कैप सूचकांक 16 हजार अंक चढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र: बीएसई के मिड-कैप और स्माल-कैप सूचकांक में सूचीबद्ध मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने 2023-24 में करीब 62 प्रतिशत रिटर्न दिया है। मिड-कैप और स्मालकैप शेयरों का प्रदर्शन सेंसेक्स से बेहतर रहा है। यह देश में मजबूत वृहद आर्थिक परिस्थितियों और विभिन्न कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने के बीच निवेशकों की उत्साहपूर्ण भावना को दर्शाता है।

एक विश्लेषण के अनुसार, बीएसई मिड-कैप सूचकांक वित्त वर्ष 2023-24 में 15,013.95 अंक या 62.38 प्रतिशत उछल गया, जबकि स्माल-कैप 16,068.99 अंक या 59.60 प्रतिशत चढ़ा। इसकी तुलना में 30 शेयर वाले बीएसई सेंसेक्स ने 14,659.83 अंक या 24.85 प्रतिशत बढ़त हासिल की। व्यापक बाजार ने वित्त वर्ष 2023-24 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। 31 मार्च, 2023 को अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 23,881.79 अंक पर फिसलने के बाद बीएसई मिडकैप सूचकांक आठ फरवरी को 40,282.49 के अपने स्तर पर पहुंच गया। बीएसई स्माल-कैप सूचकांक सात फरवरी को अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 46,821.39 पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल 31 मार्च को यह 52-सप्ताह के निचले स्तर 26,692.09 अंक पर आ गया था। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स इस साल सात मार्च को 74,245.17 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। 2022-23 में बीएसई सेंसेक्स 423.01 अंक चढ़ा था। जबकि बीएसई स्माल कैप सूचकांक 1,258.64 अंक या 4.46 प्रतिशत गिरा था, जबकि मिडकैप में 42.38 अंक या 0.17 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई थी।

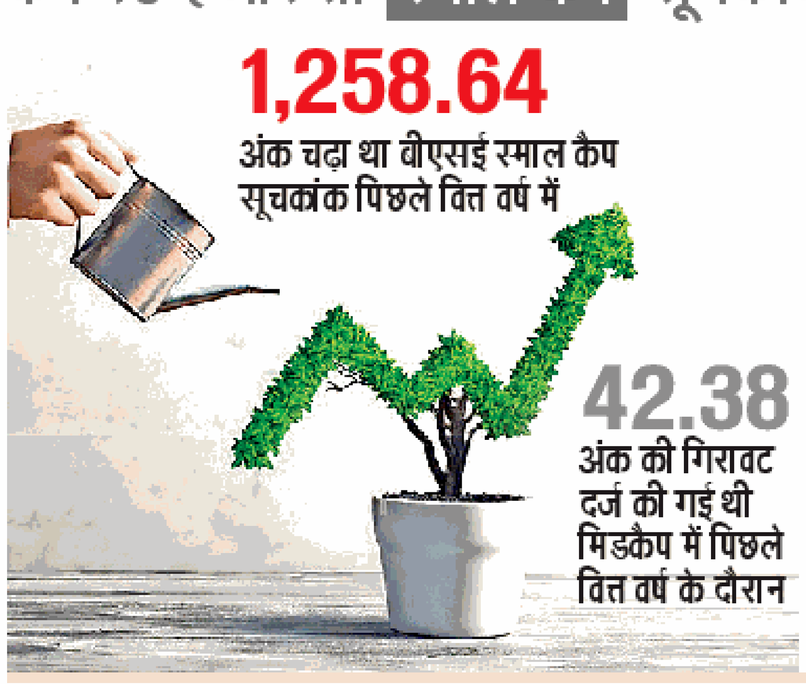

निवेशकों की भावना में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में त्वरित वृद्धि को बढ़ावा देता है।
–सुमन बनर्जी, सीईओ, हेज फंड हेडोनोवा

'चालू वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है।
–सुनील न्याति, प्रबंध निदेशक, स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड

एफपीआइ ने शेयरों में दो लाख करोड़ डाले

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान ऋण या बांड बाजार में 1.2 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया
- पिछले वित्त वर्ष में विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से 37,632 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली, प्रेट्र: चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद के चलते विदेशी निवेशकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय शेयर बाजार में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। मजार्स इन इंडिया के मैनेजिंग पार्टनर भारत धवन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्वानुमान सतर्कता के साथ आशावादी है। प्रगतिशील नीतिगत सुधारों, आर्थिक स्थिरता और आकर्षक निवेश अवसरों के चलते एफपीआइ प्रवाह जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, हम वैश्विक भू-राजनीतिक प्रभाव को लेकर सचेत हैं, जिसके चलते बीच-बीच में अस्थिरता आ सकती है, लेकिन हम बाजार के उतार-चढ़ाव से निपटने में रणनीतिक योजना और तत्परता के महत्व पर जोर देते हैं।' विंडमिल कैपिटल के स्मालकेस प्रबंधक और वरिष्ठ निदेशक नवीन केआर ने कहा कि एफपीआइ के नजरिये से 2024-25 की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।

डिपाजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2023-24 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने भारतीय इक्विटी बाजारों में लगभग 2.08 लाख करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार में 1.2 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। उन्होंने कुल मिलाकर पूंजी बाजार में 3.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। पिछले दो वित्त वर्षों में शेयरों से शुद्ध निकासी के बाद यह जोरदार वापसी देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2022-23 में एफपीआइ ने भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 37,632 करोड़ रुपये निकाले थे।

3.4 लाख करोड़ रुपये का कुल निवेश किया चालू वित्त वर्ष के दौरान एफपीआइ ने

37,632 करोड़ रुपये निकाले थे शेयर बाजार से एफपीआइ ने पिछले वित्त वर्ष में

अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित बाजारों में मुद्रास्फीति और ब्याज दर की दिशा, मुद्रा की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों, भू-राजनीतिक परिदृश्य और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती जैसे कारकों से एफपीआइ प्रवाह सकारात्मक रहा। वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत और स्थिर रही, जिससे विदेशी निवेशक आकर्षित हुए।
–हिमांशु श्रीवास्तव, एसोसिएट निदेशक, मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया

15 अप्रैल से बंद होगी यूएसएसडी आधारित काल फारवर्डिंग सुविधा

नई दिल्ली, प्रेट्र: दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दूरसंचार कंपनियों से 15 अप्रैल से यूएसएसडी-आधारित काल फारवर्डिंग को बंद करने के लिए कहा है। यह भी कहा गया कि वैकल्पिक तरीके से इन सेवाओं को फिर से चालू किया जा सकता है।

मोबाइल ग्राहक अपने फोन स्क्रीन पर कोई भी सक्रिय कोड डायल करके यूएसएसडी सेवा का उपयोग करते हैं। इस सेवा का उपयोग आइएमईआइ नंबर और मोबाइल फोन बैलेंस जानने में किया जाता है। विभाग ने 28 मार्च के एक आदेश में कहा, 'हमारे संज्ञान में आया है कि यूएसएसडी (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डाटा-*401#) आधारित काल फारवर्डिंग सुविधा का प्रयोग कुछ अनुचित गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। 15 अप्रैल से सुविधा बंद कर दी जाएगी।'

दूरसंचार विभाग का नाम लेकर काल करने वालों से सावधान रहें

सरकार ने लोगों को दूरसंचार विभाग का नाम लेकर मोबाइल नंबर बंद करने की धमकी देने वालों से आगाह किया है। एक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि खुद को दूरसंचार विभाग का अधिकारी बताकर काल करने वाले और कनेक्शन काटने की धमकी देने वाले फर्जी हैं और उनका मकसद लोगों की जानकारी चुराना और वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देना है। दूरसंचार विभाग ने विदेशी मूल के मोबाइल नंबरों (जैसे+92-xxxxxxxxxx) से आने वाली वाट्सएप काल को लेकर भी लोगों को सावधान किया।

एक अप्रैल से सरकारी पोर्टल पर देनी होगी गेहूं के स्टाक की जानकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्र सरकार ने गेहूं की जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए कारोबारियों को इसके स्टाक की जानकारी सरकारी पोर्टल पर देने का निर्देश दिया है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी राज्यों के कारोबारी/थोक कारोबारी/खुदरा विक्रेता, बड़ी रिटेल चेन वाले खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसर्स को एक अप्रैल से गेहूं के स्टाक की घोषणा करनी होगी। एक अप्रैल को स्टाक की स्थिति बताने के बाद उन्हें प्रत्येक शुक्रवार को यह काम करना होगा। व्यापारियों को पोर्टल पर चावल का स्टाक घोषित करने के लिए पहले ही निर्देश दिया जा चुका है। केंद्र सरकार ने पिछले साल गेहूं के दाम नियंत्रित करने के लिए स्टाक सीमा लगाई गई थी। यह स्टाक सीमा 31 मार्च को खत्म हो रही है।

गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का एजेंडा तैयार

जयप्रकाश रंजन • नई दिल्ली

- देश की इकोनमी में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की तैयारी
- ग्रामीण इलाकों में भी पीएनजी की होगी आपूर्ति, बढ़ाया जाएगा सीएनजी का नेटवर्क

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अगले पांच वर्षों के रोडमैप को तकरीबन अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत उसने गैस आधारित इकोनमी बनने का एजेंडा तैयार किया है। रोडमैप में देश की इकोनमी में प्राकृतिक गैस की मौजूदा हिस्सेदारी सात प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की है। इस रोडमैप का एक बड़ा उद्देश्य देश के रसोई घरों में मौजूदा एलपीजी को पीएनजी से स्थानांतरित करने का होगा। अभी देश में 1.2 करोड़ पीएनजी कनेक्शन हैं जिसकी संख्या वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 10 करोड़ और वर्ष 2032 तक 12.5 करोड़ करने की है। इसका एक बड़ा हिस्सा गैर शहरी क्षेत्रों में होगा।

मंत्रालय की योजना पीएनजी आपूर्ति के लिए आवश्यक नेटवर्क को वर्ष 2025 से वर्ष 2030 के दौरान बहुत तेजी से विस्तार करने की है। इसके अलावा देश में सीएनजी स्टेशनों की संख्या 18 हजार के करीब की जाएगी। अभी देशभर में सीएनजी स्टेशनों की संख्या 6,159 है। सीएनजी के अलावा देश में एलएनजी को ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करने की शुरुआत भी की जाएगी। योजना यह है कि एलएनजी ईंधन का इस्तेमाल लंबी दूरी के लिए माल ढुलाई करने वाले ट्रकों में किया जाए।

हाल ही में नीति आयोग ने इस संबंध में एक रिपोर्ट तैयार की है। देश की अर्थव्यवस्था में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए तकरीबन 65-70 अरब डालर के निवेश की जरूरत होगी। इसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी क्षेत्र की कंपनियां करेंगी। पीएम मोदी ने भी हाल ही में कहा था कि भारत में गैस सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए अगले छह सालों में 67 अरब डालर का निवेश करना होगा।

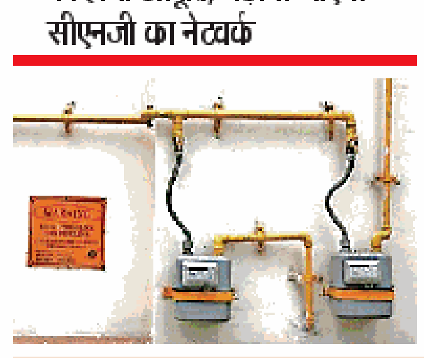

बढ़ानी होगी ढांचागत सुविधाएं

देश की इकोनमी में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए इससे जुड़ी ढांचागत सुविधाओं को भी उसी स्तर का बनाना होगा। देश में 25 हजार किलमीटर से ज्यादा लंबी गैस पाइपलाइन स्थापित है और 11 हजार किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने का काम जारी है। 300 भौगोलिक क्षेत्रों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क बिछाने का काम चल रहा है। एलएनजी टर्मिनल की मौजूदा क्षमता 4.8 करोड़ टन सालाना है जिसे बढ़ाकर तकरीबन 6.8 करोड़ टन सालाना किया जाएगा

आयातित कच्चे तेल पर कम होगी निर्भरता

देश में गैस की खपत बढ़ाने का एक बड़ा मकसद यह है कि आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी। भारत अपनी जरूरत का 86 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। जबकि घरेलू जरूरत का 50 प्रतिशत गैस बाहर से आयात की जाती है। आने वाले दिनों में घरेलू गैस फील्डों से उत्पादन बढ़ने की संभावना है।

राष्ट्रीय फलक

भाजपा को मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए : संजय राउत

राज्य ब्यूरो, मुंबई

संजय राउत। फाइल

एअर इंडिया-इंडियन एयरलाइंस विलय मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल होने पर राउत का बयान

एअर इंडिया-इंडियन एयरलाइंस विलय मामले में सीबीआइ द्वारा क्लोजर रिपोर्ट दायर किए जाने पर शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने कहा है कि भाजपा को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए।

सीबीआइ ने संप्रग काल के दौरान एअर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस के विलय से बनी कंपनी एनएसीआइएल द्वारा विमानों को पट्टे पर देने में कथित अनियमितताओं की जांच में एक क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। इस क्लोजर रिपोर्ट से राकांपा अजीत गुट के नेता प्रफुल पटेल को क्लीन चिट मिल गई है। इस विलय के समय वही नागरिक उड्डयन मंत्री थे। शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि भाजपा ने मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान नागरिक उड्डयन क्षेत्र में कथित भ्रष्टाचार पर बहुत हंगामा किया था। अब भाजपा को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव से पहले महाविकास आघाड़ी के सहयोगियों के बीच कथित कलह के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर सहयोगियों के बीच कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन अप्रैल को मविआ नेताओं की एक प्रेस कांफ्रेंस शिवसेना (उद्धव गुट) कार्यालय में आयोजित की जाएगी। जिसमें शिवसेना (उद्धव गुट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, राकांपा (शपा) अध्यक्ष शरद पवार और कांग्रेस नेता नाना पटोले, पृथ्वीराज चव्हाण एवं बालासाहेब थोरात उपस्थित रहेंगे। राउत ने कहा कि ठाकरे 31 मार्च को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में देश के हितों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आयोजित विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की रैली में भी शामिल होंगे।

एनसीपीसीआर ने दारुल उलूम को फिर घेरा, पाकिस्तानी फतवे पर सवाल

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

- आत्मघाती हमले पर पाकिस्तान के व्यक्ति ने किया था सवाल
- आयोग ने सहारनपुर के डीएम-एसएसपी को लिखा पत्र, जांच प्रारंभ

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने एक बार फिर सहारनपुर के डीएम-एसएसपी को पत्र लिखकर दारुल उलूम पर आपराधिक मामला दर्ज करने को कहा है। इस बार मामला पाकिस्तान के एक शख्स द्वारा आत्मघाती हमले को लेकर लिए गए फतवे का है। अधिकारियों ने देवबंद सीओ को जांच सौंप दी है।

सहारनपुर के डीएम डा. दिनेश चंद्र और एसएसपी डा. विपिन ताडा को भेजे पत्र में एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा है कि आयोग को दारुल उलूम की वेबसाइट पर आपत्तिजनक सामग्री मिली है। वेबसाइट पर फतवे में पाकिस्तान के एक व्यक्ति ने गैर मुस्लिम ताकतों पर आत्मघाती हमले के बारे में पूछा था। उत्तर में दारुल उलूम ने इस मामले को अमान्य और अवैध प्रकृति का बताने के बजाय कहा है कि वे अपने स्थानीय विद्वान से परामर्श लें। कानूनगो ने कहा कि इस तरह का जवाब उकसाता है कि गैर मुसलमानों के बीच अंतरराष्ट्रीय नरसंहार, आतंकी हमले वैध हैं। इस तरह के फतवे देश के लिए अत्यधिक आतंकित करने के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा का भी मामला हैं। इससे बच्चों पर बुरा असर पड़ता है। आयोग ने डीएम और एसएसपी से कार्रवाई कर इसकी रिपोर्ट तीन दिनों के भीतर आयोग को भेजने के लिए कहा है।

आयोग के चेयरमैन ने यह पत्र यूपी के मुख्य सचिव और राज्य गृह विभाग के सचिव को भी भेजा है।

दारुल उलूम देवबंद के प्रवक्ता अशरफ उस्मानी का कहना है कि दारुल उलूम की वेबसाइट पर इस तरह का कोई फतवा नहीं है। इस संबंध में आयोग का कोई नोटिस भी संस्था को प्राप्त नहीं हुआ है। सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया का कहना है कि मामले में जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

दारुल उलूम का सिंबोलिक फोटो।

गजवा-ए-हिंद पर जताई थी आपत्ति

एनसीपीसीआर पहले भी दारुल उलूम के फतवों पर आपत्ति जता चुका है। दो माह पूर्व आयोग ने दारुल उलूम द्वारा गजवा-ए-हिंद पर दिए फतवे को लेकर घोर आपत्ति जताते हुए मामले में डीएम और एसएसपी को पत्र भेजकर संस्था के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने को कहा था। मामले में अधिकारियों ने जांच कर रिपोर्ट आयोग को भेज दी थी। अभी उस मामले में जांच चल रही है।

देश में हाशिये पर पड़े लोग शीर्ष पदों पर पहुंच रहे : जस्टिस गवई

- संविधान की सकारात्मक कार्रवाई को दिया इसका श्रेय
- कहा, शीर्ष अदालत में मेरी पदोन्नति दो साल पहले हुई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा है कि संविधान की 'सकारात्मक कार्रवाई' के कारण हाशिये पर रहने वाले समुदायों के सदस्य शीर्ष सरकारी पदों तक पहुंचने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि शीर्ष अदालत में उनकी पदोन्नति दो साल पहले की गई थी, क्योंकि वहां अनुसूचित जाति से कोई न्यायाधीश नहीं था।

न्यूयार्क सिटी बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक अंतर-सांस्कृतिक परिचर्चा को संबोधित करते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि जब उन्हें 2003 में बांबे हाई कोर्ट में जज नियुक्त किया गया था, उस समय वह एक वरिष्ठ वकील थे। उस समय हाई कोर्ट में अनुसूचित जाति से कोई न्यायाधीश नहीं था। जस्टिस गवई ने कहा कि 2019 में सुप्रीम कोर्ट में उनकी नियुक्ति पूरी तरह से अनुसूचित जाति को प्रतिनिधित्व देने के लिए की गई थी, क्योंकि शीर्ष अदालत में लगभग एक दशक से इस समुदाय का कोई न्यायाधीश नहीं था। उन्होंने कहा, केवल भारतीय संविधान और इसकी सकारात्मक कार्रवाई के कारण वह सर्वोच्च न्यायिक कार्यालय में सेवा देने में सक्षम हुए। जस्टिस गवई मई 2025 में भारत के प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि अनुसूचित जाति को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया होता, तो शायद दो साल बाद मेरी पदोन्नति होती। अपनी पृष्ठभूमि के बारे में पूछे जाने पर जस्टिस गवई ने झुग्गी इलाके में पलने-बढ़ने, नगरपालिका के स्कूल में जाने, फिर कानूनी पेशा अपनाने और उसके बाद जज के रूप में पदोन्नत होने के बारे में बताया।

जस्टिस बीआर गवई। फाइल

तरसेम सिंह की हत्या में सेवानिवृत्त आइएएस समेत पांच पर केस

जागरण संवाददाता, ऊधम सिंह नगर

- सर्वजीत ने ली जिम्मेदारी, रामपुर गुरुद्वारे का प्रधान जत्थेदार व तराई महासभा का उपाध्यक्ष भी आरोपित

उत्तराखंड में गुरुवार को हुई नानकमत्ता के डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने पंजाब के सर्वजीत सिंह समेत पांच के विरुद्ध हत्या व हत्या की साजिश का मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपितों में बाइक पर पीछे बैठा अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टा निवासी ग्राम सिहौरा थाना बिलासपुर जिला रामपुर (उप्र), सेवानिवृत्त आइएएस व नानकमत्ता गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान हरबंस सिंह चुघ, रामपुर के नवाबगंज गुरुद्वारा का मुख्य जत्थेदार बाबा अनूप सिंह और तराई महासभा के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह संधू का भी नाम है। सर्वजीत ने फेसबुक पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए बाबा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि बाद में फेसबुक पोस्ट हटा ली गई। पुलिस जांच कर रही है कि यह पोस्ट उसी ने लिखी या कोई और साजिश है। कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा कि चार टीमें उत्तर प्रदेश और पंजाब में दबिश दे रही हैं। वहां की पुलिस से भी संपर्क बना हुआ है। इस बीच शुक्रवार को बाबा तरसेम सिंह के अंतिम संस्कार कर दिया गया। 28 मार्च को नानकमत्ता के डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह परिसर में ही कुर्सी पर बैठे थे। तभी बाइक सवार दो हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। हमलावरों ने सेवादार जसपाल सिंह पर भी फायर किया था।

पीलीभीत के रास्ते बीसलपुर शाहजहांपुर की ओर भागे हैं हत्यारोपित

पुलिस को जगह-जगह मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों के पीलीभीत के रास्ते से बीसलपुर, शाहजहांपुर की ओर भागने की जानकारी मिली है। फुटेज के बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें उनका पीछा कर रही हैं।

12 वर्ष पहले अपराध से जुड़ गया था सरबजीत

धर्मबीर सिंह मल्हार, तरनतारन : उत्तराखंड के गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब के डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोलियां मारकर हत्या करने का आरोपित सरबजीत सिंह 12 वर्ष पहले ही अपराध से जुड़ गया था। उसके खिलाफ तरनतारन जिले में कई केस दर्ज हैं। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपित के घर भी छापामारी की। इस दौरान आरोपित के दोनों बच्चे और पत्नी घर पर मौजूद थे। पुलिस ने तलाशी के दौरान घर से कुछ दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार सरबजीत सिंह दस दिन पहले गांव में घूमता दिखाई दिया था। उधर, डीएसपी (सिटी) तरसेम मसीह का कहना है कि आरोपित पर दर्ज सभी मामलों की जांच की जाएगी और उसे पूछताछ के लिए तरनतारन लाया जाएगा। आरोपित सरबजीत के पिता सरूप सिंह भी नशा तस्करी के मामले में सजा काट चुके हैं। वर्ष 2012 में सरबजीत के विरुद्ध चोरी का पहला केस दर्ज हुआ था।

आरोपित सरबजीत सिंह। सौ. पंजाब पुलिस

प्रापर्टी डीलर पर कार चढ़ाने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, देहरादून

- 26 मार्च को कहासुनी के बाद आरोपित ने युवक के ऊपर चढ़ाई कार, अस्पताल में हुई थी मौत

उत्तराखंड के देहरादून में गत मंगलवार को प्रापर्टी डीलर पर कार चढ़ाने वाले दो आरोपितों को राजपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गंभीर रूप से घायल प्रापर्टी डीलर ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था, जबकि आरोपित फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपित नकुल यादव निवासी गुरुग्राम हरियाणा, वर्तमान निवासी बीमा विहार राजपुर और नीरज शर्मा निवासी जनकपुरी साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश वर्तमान निवासी आइटी पार्क को आइटी पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, उदित सिंह निवासी जीएमएस रोड ने तहरीर दी कि वह कार से गुजराड़ा मानसिंह से सहस्रधारा क्रासिंग की तरफ जा रहे थे। कार में उनके दोस्त आशु व आशीष शर्मा भी बैठे थे। गुजराड़ा मानसिंह के पास उनकी कार के पीछे से अन्य कार ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाली कार दिल्ली में पंजीकृत है। पीछे बैठा आशीष शर्मा बाहर आया अपनी कार को देखने लगा। तभी पीछे की कार में सवार कुछ युवक ने धमकी दी कि चुपचाप चले जाओ नहीं तो तुम्हें गोली मार देंगे। कुछ देर बाद उदित भी कार से उतरा और पुलिस बुलाने का प्रयास करने लगा। इसी बीच आरोपितों ने उदित व आशीष पर कार चढ़ा दी। आरोपित कार सहित फरार हो गए। आशीष को सिनर्जी अस्पताल लेकर आए जहां उसकी मृत्यु हो गई।

इकबाल मिर्ची मामले में रियल एस्टेट ब्रोकर बिंद्रा की याचिका खारिज

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने गैंगस्टर इकबाल मिर्ची से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में रियल एस्टेट ब्रोकर रंजीत बिंद्रा की आरोपमुक्त किए जाने की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि अपराध की आय छिपाने में बिंद्रा की सक्रिय भागीदारी थी।

ईडी ने कहा कि बिंद्रा ने सनब्लिंक रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मिर्ची के साथ बातचीत की और सौदे को अंतिम रूप दिया। इसमें 30 करोड़ रुपये दलाली प्राप्त की। बिंद्रा ने तीन संपत्तियों से जुड़े सौदों में भूमिका निभाई। विशेष पीएमएलए न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने यह देखते हुए कि आरोपित को उन संपत्तियों के बारे में ठोस जानकारी थी, बिंद्रा के आवेदन को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि उसके खिलाफ आरोप तय किए जाने चाहिए।

****

14 और 15 अप्रैल को पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब वाशिंगटन में आइएमएफ के साथ नए बेलआउट पैकेज पर वार्ता करेंगे। नकदी संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) से आर्थिक मदद मांगी है।

बाल्टीमोर में पुल पुनर्निर्माण को बाइडन प्रशासन ने जारी किए छह करोड़ डालर

वाशिंगटन, एएनआइ: बाइडन प्रशासन ने मैरीलैंड के बाल्टीमोर में क्षतिग्रस्त 'फ्रांसिस स्काट पुल' के मलबे की सफाई और दोबारा निर्माण में मदद के लिए आपातकालीन निधि से छह करोड़ डालर (तकरीबन 499 करोड़ रुपये) की मंजूरी दी है। यह मंजूरी हादसे के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा सरकार को जमीन आसमान एक कर पुल दोबारा बनाने के निर्देश देने के बाद दी गई है। । ज्ञात हो, गत मंगलवार को सिंगापुर के ध्वज वाला मालवाहक जहाज 'डाली' 'पावर फेल' होने के कारण पटाप्सको नदी पर स्थित पुल से टकरा गया था। हादसे के बाद कुछ ही सेकेंड में 2.6 किलोमीटर लंबा पुल टूट गया था और छह लोग लापता हो गए थे, जिनमें से दो के शव बरामद कर लिए गए हैं।

अमेरिका के परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग ने कहा, मैरीलैंड को काम जल्द शुरू करने में मदद करने के लिए हम आपातकालीन निधि जारी कर रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडन पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सरकार पुल को दोबारा बनाने और बाल्टीमोर बंदरगाह को दोबारा खोलने में मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। इससे पहले, मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर ने कहा, पुल दोबारा बनाने में लंबा समय लगेगा। उन्होंने कहा, यह देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा मामला है न कि महज मैरीलैंड से। इस बंदरगाह से अमेरिका के किसी भी अन्य बंदरगाह की तुलना में अधिक कारें और कृषि उपकरण निर्यात किए जाते हैं। पुल टूटने के बाद कम से कम आठ हजार लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं।

नए पुल के निर्माण में लगेंगे कई साल, खर्च होंगे 40 करोड़ डालर : विशेषज्ञों का कहना है कि पुल दोबारा बनाने में 18 माह से कई साल तक का समय लग सकता है और इसकी लागत 40 करोड़ डालर अथवा दोगुने से अधिक हो सकती है। यह सब उन कारकों पर निर्भर है जो अभी तक अज्ञात हैं। इन कारकों में नए पुल के डिजाइन से लेकर सरकारी अधिकारी परमिट की मंजूरी और अनुबंध देने की नौकरशाही को तेजी शामिल हैं। जान होपकिन्स यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग प्रोफेसर बेन शेफर ने कहा कि इस परियोजना में पांच से साल साल लग सकते हैं।

▸ अमेरिकी राष्ट्रपति ने हादसे के बाद जताई थी प्रतिबद्धता

बाल्टीमोर में पुल से टकराने वाला जहाज 'डाली'। फाइल फोटो

पर्यावरण पर पड़े संभावित प्रभाव पर रखी जा रही नजर

पुल टूटने से नदी में बिखरे मलबे को हटाने का काम शुरू कर दिया है। पानी में हुए प्रदूषण के लिए नमूनों का परीक्षण और तेल व अन्य खतरनाक रिसाव के लिए जांच की जा रही है। राज्य एजेंसियों व तटरक्षक बलों की संयुक्त कमांड ने बताया कि ऐसी घटना होने पर पानी में किसी खतरनाक पदार्थ के मिलने का खतरा रहता है। ऐसे पदार्थों का प्रसार रोकने के लिए यथासंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

दुर्घटना पर अमेरिकी कामिक्स ने बनाया नस्ली कार्टून, भारतीयों ने बताया शर्मनाक

जेएनएन, नई दिल्ली

▸ एक्स पर साझा किया गया कार्टून, भारतीयों को किया अपमानित

▸ इस कार्टून में लंगोटी पहने लोगों को दुर्घटना की तैयारी करते दिखाया

बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्काट पुल से टकराने वाले मालवाहक जहाज 'डाली' के 22 सदस्यीय चालक दल की त्वरित कार्रवाई की अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी तारीफ की थी, पर फाक्सफोर्ड कामिक्स ने शर्मनाक हरकत करते हुए दुर्घटना को लेकर 'नस्लवादी' कार्टून बनाकर जहाज के भारतीय चालक दल पर निशाना साधा है। इस कार्टून को एक्स पर साझा किया गया। भारतीयों ने इस कार्टून लेकर गहरी नाराजगी जताई है।

बाल्टीमोर में हादसे का शिकार हुए मालवाहक जहाज 'डाली' के के चालक दल में से अधिकांश भारतीय थे। चालक दल ने हादसे से पहले मैरीलैंड परिवहन विभाग को जहाज से नियंत्रण खोने की सूचना दे दी थी। सूचना के महज 90 सेकेंड बाद ही पुलिस अधिकारियों ने पुल पर आवाजाही को रोक दिया था जिससे कई लोगों की जान बचाई गई।

वहीं, चालक दल के भारतीय सदस्यों की सराहना के बजाय अमेरिकी वेबकामिक ने इस दुर्घटना को दर्शाने वाला एक नस्लवादी कार्टून साझा किया। एनिमेटेड वीडियो में जहाज के चालक दल पर निशाना साधते हुए केवल लंगोटी पहने हुए लोगों को आसन्न दुर्घटना की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। फाक्सफोर्ड कामिक्स ने वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, डाली के अंदर से अंतिम ज्ञात रिकार्डिंग। कार्टून में अपमानजनक आडियो भी है। यह कार्टून प्रसारित हो गया है। इसमें न केवल भारतीयों का नस्लवादी चित्रण किया गया है, बल्कि जहाज के चालक दल की क्षमता को कम करके दिखाया गया है।

भारतीय अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने कार्टून शेयर करते हुए लिखा कि दुर्घटना के समय जहाज को संभवतः स्थानीय पायलट चला रहा था। चालक दल ने अधिकारियों को हादसे को लेकर चेतावनी दी थी, यही कारण है कि हताहतों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी। मेयर ने भी भारतीय चालक दल को नायक बताते हुए उनकी तारीफ की। एक अन्य एक्स यूजर ने कहा, यह शर्मनाक है कि लोग इस दुखद घटना के लिए भारतीय दल का मजाक उड़ा रहे हैं। जबकि गर्वनर ने चालक दल की प्रशंसा की है।

ब्रिटेन में भारतीयों से जुड़ने के लिए लेबर पार्टी ने लिया होली संदेश का सहारा

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में इस वर्ष होने वाले चुनाव में भारतीयों की भूमिका अहम मानी जा रही है। इसे देखते हुए उन तक पहुंचने के लिए विपक्षी लेबर पार्टी ने होली कार्यक्रमों का सहारा लिया। लंदन में होली के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी नेता कीर स्टार्मर, लंदन के मेयर सादिक खान व अन्य नेता शामिल हुए। इस मौके स्टार्मर ने कहा,यह अवसर पार्टी को राष्ट्रीय नवीनीकरण का संदेश देने के लिए आदर्श अवसर प्रदान करता है, क्योंकि देश इस वर्ष के अंत में होने वाले आम चुनाव की तैयारी कर रहा है। जैसा कि हम आने वाले वसंत का स्वागत करते हैं, यह नई शुरुआत का जश्न मनाने का समय है। यह हिंदुओं के योगदान और हमारे साझा मूल्यों की ताकत और एक-दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता को पहचानने का समय है।

लंदन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते कीर स्टार्मर। प्रेट्र

पाकिस्तान में अपने नागरिकों की मौत की जांच करने पहुंचे चीनी जांचकर्ता

खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों समेत हुई थी छह की मौत

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान में गत मंगलवार को हुए आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों की मौत की जांच करने के लिए शुक्रवार को चीन के जांचकर्ता पहुंच गए। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने चीनी दूतावास में जांचकर्ताओं से भेंट की और अब तक की जांच की जानकारी दी। इससे पहले चीन के दबाव में बुधवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की संयुक्त जांच के आदेश दिए थे। इधर, चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू क्यान ने कहा कि चीन की सेना क्षेत्र में स्थायित्व और शांति के लिए आतंकवाद समेत विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए पाकिस्तान की मदद के लिए तैयार हैं।

बता दें कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले के बिशम इलाके में गत मंगलवार को दासू जलविद्युत परियोजना की साइट पर जाते समय चीनी नागरिकों के वाहन में आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से लदी कार से टक्कर मार दी थी। हमले मे पांच चीनी नागरिकों समेत छह लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान में संचालित परियोजनाओं में काम करने वाले चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चीन ने विरोध दर्ज कराया था। उसने चीनी नागरिकों पर हमला करने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई का दबाव बनाया है।

▸ चीन के दवाव में पाकिस्तानी पीएम ने संयुक्त जांच के दिए थे आदेश

चीन की कंपनियों ने दो और परियोजनाओं पर काम रोका

पेशावर, आइएनएस : पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों की मौत के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए चीनी निर्माण कंपनी ने दासू और डायमर-भाषा जल विद्युत परियोजनाओं पर भी काम बंद कर दिया। दासू बांध और डायमर-भाषा जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले स्थानीय कर्मचारियों को अगले आदेश तक घर पर रहने को कहा गया है। हालांकि, खैबर-पख्तूनख्वा के ही मोहमंद बांध पर चीनी इंजीनियरों ने काम जारी रखा है।

विदेशी शक्ति को खुश करने के लिए इमरान खान को दी गई सजा

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह मोहम्मद कुरैशी को साइफर केस में विदेशी शक्ति को खुश करने के लिए सजा दी गई। इस्लामाबाद हाई कोर्ट में गुरुवार को यह बात कही गई।

न्यायमूर्ति आमेर फारूक और मियांगुल हसन औरंगजेब की पीठ ने साइफर केस में पीटीआइ नेताओं की अपील पर फिर से सुनवाई शुरू की है। अप्रैल 2022 में इमरान ने इस्लामाबाद की रैली में कागज का टुकड़ा लहराते हुए उसे राजनयिक साइफर की प्रति बताया था। दावा किया था कि एक विदेशी शक्ति द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ साजिश रची गई है। न्यायमूर्ति ने गुरुवार को खान के वकील सलमान सफदर से पूछा, पूर्व पीएम ने मार्च 2022 में रैली में क्या लहराया था,तो वकील ने कहा कि यह बताना अभियोजन पक्ष का काम है। अमेरिका में पाक के पूर्व राजदूत असद मजीद ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू के साथ बैठक के बाद साइफर भेजा था। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें साइफर टेलीग्राम भेजने के लिए किस बात ने प्रेरित किया। सफदर ने कहा, कोर्ट ने न तो पूर्व अमेरिकी चार्ज डी'एफेयर एंजेला एग्गेलर को तलब किया और न ही पाकिस्तानी अफसर के साथ उनकी वाट्सएप वार्ता का रिकार्ड मांगा। पूर्व अमेरिकी चार्ज डी'एफेयर और लू के निर्देश पर पूर्व पीएम को सलाखों के पीछे डाल दिया गया।

इमरान के वकील ने साइफर मामले में सुनवाई के दौरान दी दलील

अमेरिकी सेना ने हाउती आतंकियों के चार ड्रोन मार गिराए

सना, एएनआइ : अमेरिकी सेना ने यमन समर्थित हाउती आतंकियों के हमले को विफल कर दिया है। हाउती ने अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान की ओर चार ड्रोन लांच किए थे, जिन्हें सेना ने नष्ट कर दिया। ये अरब सागर में मौजूद युद्धपोत को निशाना बनाने के लिए लांच किए गए थे।

अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि 28 मार्च को शाम छह बजे से रात 10.56 के बीच हाउती की ओर से चार ड्रोन अरब सागर में तैनात संयुक्त सेना के जहाज और अमेरिकी युद्धपोत को निशाना बनाने के लिए भेजे गए थे। हमले में न तो कोई घायल हुआ, न ही किसी जहाज को नुकसान पहुंचा है।

केंद्रीय कमान ने कहा कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय समुद्री जल क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना और अन्य व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया। एक दिन पहले भी देर रात ड्रोन से किए हमले को सेना ने नाकाम कर दिया था और चार ड्रोन मार गिराए थे। गाजा पट्टी में इजरायली हमलों के जवाब में नवंबर 2023 से ही हाउती लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन और मिसाइल से हमला बोलता आ रहा है।

सीरिया में इजरायल के हवाई हमलों में 36 सैन्यकर्मी मरे

▸ लेबनान में इजरायली हमलों में हिजबुल्ला कमांडर समेत सात मारे गए

इजरायली सेना ने गाजा पट्टी के रफाह में रातभर बमबारी की, जिसमें दर्जनों घर और इमारतें मलबे के ढेर में तब्दील हो गईं। ध्वस्त इमारतों को देखते फलस्तीनी। एएफपी

यरुशलम, रायटर: गाजा युद्ध के साढ़े पांच माह के युद्ध के दौरान शुक्रवार को इजरायल ने सीरिया व लेबनान में बड़े हवाई हमले किए। सीरिया की राजधानी दमिश्क और अलेप्पो प्रांत में किए गए हवाई हमलों में 36 सीरियाई सैन्यकर्मियों के मारे जाने की सूचना है। वहीं लेबनान के बाजौरिया क्षेत्र में लेबनानी हिजबुल्ला का वरिष्ठ कमांडर मारा गया।

इजरायली सेना ने कहा है कि हिजबुल्ला की राकेट और मिसाइल यूनिट का उप प्रमुख अली आबेद अख्सान हवाई हमले में मारा गया है। बताया है कि अली आबेद घातक राकेटों को संचालित करने का कार्य करता था और इजरायली क्षेत्र में हमलों के लिए जिम्मेदार था। इजरायली हमले में छह अन्य लोगों के मारे जाने की भी सूचना है। बीते साढ़े पांच माह में हिजबुल्ला के हमलों में 12 इजरायली सैनिक व छह इजरायली नागरिक मारे जा चुके हैं। जबकि इजरायल के हमलों में हिजबुल्ला के 270 लड़ाके व 50 नागरिक मारे गए हैं। ज्ञात हो, हिजबुल्ला को ईरान का समर्थन प्राप्त है जबकि ईरान सीरिया के जरिये गाजा में हमास के लड़ाकों की मदद करता है।

गाजा पट्टी में भी कई स्थानों पर इजरायली विमानों ने बमबारी की, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए हैं। गाजा सिटी और मध्य गाजा में इजरायली सेना की जमीनी कार्रवाई जारी है। गाजा सिटी के पूर्वी भाग में 17 लोगों के मारे जाने की सूचना है। एक अन्य स्थान पर 10 पुलिसकर्मी मारे गए हैं। ताजा हमलों में मारे गए लोगों समेत गाजा में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 32,623 हो गई है।

बाइडन, ओबामा और क्लिंटन के कार्यक्रम में फलस्तीन समर्थकों ने किया हंगामा

न्यूयार्क, रायटर: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व उनकी पार्टी के दो पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन चंदा एकत्र करने के लिए न्यूयार्क में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में साथ नजर आए। मैनहट्टन के विशाल सभागार में फलस्तीन समर्थकों ने रंग में भंग डाल दिया। उन्होंने बाइडन प्रशासन पर गाजा संकट से निपटने में विफलता का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इससे बाइडन का चुनावी अभियान बाधित हुआ। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होना है। इसमें डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से बाइडन फिर से मैदान में हैं। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उनके सामने फिर डोनाल्ड ट्रंप हैं। मैनहटन के रेडियो सिटी म्यूजिक हाल में आयोजित कार्यक्रम का संचालन पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने किया। बाइडन को फिर से राष्ट्रपति चुने जाने के लिए चलाए गए अभियान में रिकार्ड 2.5 करोड़ डालर का चुनावी चंदा एकत्र हुआ, लेकिन विशाल सभागार में उस समय खलबली मच गई जब प्रदर्शनकारी जो बाइडन शर्म करो का नारा लगाते हुए हंगामा करने लगे। प्रदर्शनकारी आरोप लगा रहे थे कि बाइडन प्रशासन द्वारा गाजा संकट से ठीक से न निपट पाने कारण अब तक 30 हजार से अधिक फलस्तीनियों को जान गंवानी पड़ी है। ओबामा व क्लिंटन ने गाजा संकट पर राष्ट्रपति बाइडन का दृष्टिकोण पेश किया और कहा,यह राजनीतिक वास्तविकताओं पर आधारित है।

^ अमेरिका में मैनहट्टन स्थित रेडियो सिटी म्यूजिक हाल के बाहर हंगामा करते फलस्तीनी समर्थक। चुनाव अभियान के दौरान चंदा एकत्र करने के लिए इस सभागार में राष्ट्रपति जो बाइडन के अलावा पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन भी उपस्थित थे। रायटर

मैनहट्टन स्थित रेडियो सिटी म्यूजिक हाल में चुनाव अभियान के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन। साथ में हैं बाएं पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन। रायटर

जापान में हेल्थ सप्लीमेंट लेने से पांच की मौत, 114 अस्पताल में भर्ती

टोक्यो, एपी: जापान में हेल्थ सप्लीमेंट लेने से पांच की मौत हो गई, जबकि 114 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोबायासी फार्मास्युटिकल ने गत सप्ताह अपने प्रोडक्ट को बाजार से वापस लेने की घोषणा की थी। आरोप है कि कंपनी ने इस मामले में देरी की है। इस हेल्थ सप्लीमेंट को खाकर कुछ लोगों में किडनी संबंधी समस्याएं पैदा हो गई हैं। हालांकि, इसके पीछे के कारण का पता अभी तक पता नहीं चला है।

कोबायाशी फार्मास्युटिकल ने गत तीन वर्षों में बेनिकोजी उत्पाद के दस लाख पैकेज बेचे गए हैं, पर 2023 में उत्पादित प्रोडक्ट के साथ यह समस्या सामने आई है। कंपनी ने कहा,उसने पिछले साल 18.5 टन बेनिकोजी का उत्पादन किया था। कंपनी ने सप्लीमेंट सहित सभी उत्पादों को वापस लिया है। उन्हें आशंका है कि वापसी से पहले इसे कुछ अन्य लोगों और विदेशी पर्यटकों ने खरीदा हो। कंपनी के अध्यक्ष अधिकारी अकिहिरो कोबायाशी ने लोगों से माफी मांगी है।

हिंदुओं ने ट्रूडो से कहा, कनाडा में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते

टोरंटो, आइएएनएस: कनाडा के एक प्रमुख हिंदू समूह ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को पत्र लिखकर आतंकवाद का महिमामंडन बंद करने की अपील की है। हिंदू फोरम कनाडा (एचएफसी) ने कहा है कि समुदाय के सकारात्मक योगदान के बावजूद वे देश में सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। कनाडा में भारत के कथित दखल के संबंध में ओटावा का वर्तमान राजनीतिक कदम चरमपंथी तत्वों को और अधिक प्रोत्साहित करता है। हे राजनीतिक विवादों के बीच हिंदू समुदाय सुरक्षा के बारे में गहरी चिंता व्यक्त करता है। एचएफसी ने कनाडाई सरकार को गैर जिम्मेदाराना बयान देकर भारतीय लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने से बचने की भी सलाह दी है।

पत्र में लिखा है कि हम कनाडाई हिंदू होने के नाते सिख फार जस्टिस जैसे संगठनों और उसके नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की टिप्पणियों से बेहद परेशान हैं। अफसोस की बात यह है कि अधिकारियों ने हमारी चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया है। पन्नू ने पिछले साल सरे में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बाद भारत विरोधी बयानबाजी तेज कर दी है। उसने हिंदुओं को कनाडा छोड़ने को कहा है।

समूह ने कहा,हिंदू समुदाय सांसद सुख धालीवाल द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव एम-112 की गलत व्याख्या से निराश है। धालीवाल की हरकतें शांति को बढ़ावा देने की तुलना में हिंदू व भारत विरोधी समुदायों के भीतर समर्थन हासिल करने के उद्देश्य से की गई राजनीतिक रणनीति से अधिक प्रेरित लगती हैं।

▸ ट्रूडो को लिखा पत्र, आतंकवाद का महिमामंडन बंद करने की अपील की

▸ कहा, सिख फार जस्टिस जैसे संगठनों और पन्नू की टिप्पणियों से परेशान हैं

जस्टिन ट्रूडो। फाइल

अपहृत ईरानी जहाज को बचाने में जुटी भारतीय नौसेना

नई दिल्ली, एएनआइ : अरब सागर में ईरान के मछली पकड़ने वाले जहाज अल-कंबार पर संदिग्ध हथियारबंद लोगों के हमले को विफल करने के प्रयास में भारतीय नौसेना सक्रिय हो गई है। पता चला है कि शुक्रवार को नौ हथियारबंद लोगों ने ईरानी जहाज का अपहरण कर लिया है। माना जा रहा है कि समुद्री डाकुओं के दल ने ईरानी जहाज का अपहरण किया है। जहाज को बचाने के लिए भारतीय नौसेना ने अपने दो युद्धपोतों को घटना वाले समुद्री क्षेत्र के लिए रवाना कर दिया है। अगले कुछ घंटों में दोनों युद्धपोतों के ईरानी जहाज के नजदीक पहुंचने और कार्रवाई शुरू करने की संभावना है। विदित हो कि बीते महीनों में भारतीय नौसेना ने अरब सागर और लाल सागर में कई देशों के जहाजों को बचाने के लिए कार्रवाई की हैं और उन्हें सफलतापूर्वक बचाया भी है।

द. अफ्रीका में ईस्टर मनाने आए 46 लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत

जोहानिसबर्ग, रायटर : दक्षिण अफ्रीका में ईस्टर मनाने आए लोगों से भरी बस खाई में गिर गई जिससे 46 लोगों की मौत हो गई है। ये लोग बोत्सवाना से ईस्टर मनाने के लिए गुरुवार को आ रहे थे तभी यह दुर्घटना हुई। मरने वालों में 31 महिलाएं और 15 पुरुष हैं। बस में सवार आठ वर्षीय एक बच्ची ही घायल अवस्था में मिली है। उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। बस जब मामतलाकला के नजदीक थी तभी किसी कारणवश चालक उस पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस बेरिकेडिंग को तोड़ते हुए खाई में जा गिरी।

बस के जमीन से टकराते ही उसमें आग लग गई और उसमें सवार ज्यादातर लोग झुलसकर मर गए। बाद में लोगों के बचे-खुचे सामान से उनकी पहचान की गई। मरने वाले पड़ोसी देश बोत्सवाना की राजधानी गैबेरोन के नजदीक स्थित एक गांव के थे। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने घटना पर दुख जाहिर किया है।

मास्को कन्सर्ट हाल पर हुए हमले में ताजिकिस्तान ने नौ को पकड़ा गया

▸ इस आपरेशन में रूसी सुरक्षा वलों की भी भागीदारी थी

▸ संदिग्ध वंदूकधारियों के परिवारों को भी हिरासत में

▸ आइएस के एक गुट ने इस नरसंहार की जिम्मेदारी ली है

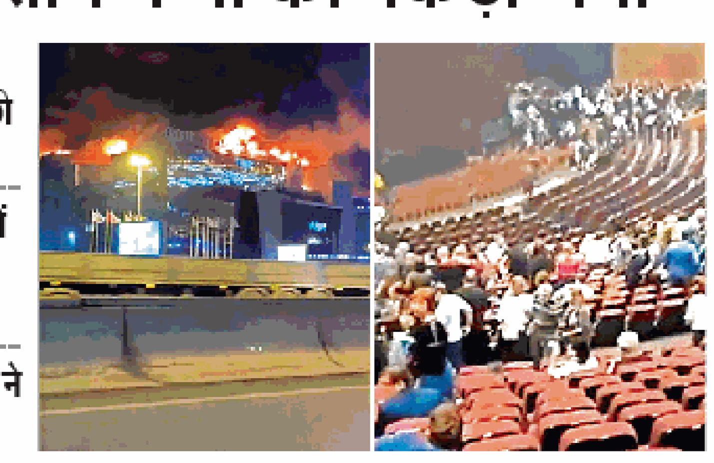

मास्को कन्सर्ट हाल में 22 मार्च को हुआ था हमला। फाइल फोटो

मास्को, एपी : मास्को कन्सर्ट हाल पर हमलों में शामिल आतंकियों से संबंध के शक में ताजिकिस्तान राज्य सुरक्षा सेवा ने रूसी सुरक्षा बलों के साथ अभियान चलाकर नौ लोगों को पकड़ा है। सभी वखदत जिले के रहने वाले हैं। पकड़े गए संदिग्धों के तार आइएस से भी जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है।

इस हमले में 144 लोगों की मौत हो गई थी। ताजिकिस्तान ने संदिग्ध बंदूकधारियों के परिवारों को भी हिरासत में लिया है, ताकि रूसी जांचकर्ता दुशांबे में उनसे पूछताछ कर सकें। आइएस के एक गुट ने इस नरसंहार की जिम्मेदारी ली है पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन हमले में यूक्रेन और पश्चिम की भूमिका का दावा कर रहे हैं।

एएनआइ के अनुसार, सीएनएन ने रूसी खुफिया दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा है कि रूसी सुरक्षा सेवाओं को मास्को के पास कन्सर्ट हाल पर आइएस के हमले के खतरे के बारे में पता था। इस बीच मास्को की एक अदालत ने शुक्रवार को नौवें संदिग्ध लुत्फुल्लोई नाजरीमद को 22 मई तक कस्टडी में भेज दिया है।

हैती को गैंग हिंसा से निपटने के लिए पांच हजार पुलिसकर्मियों की जरूरत

संयुक्त राष्ट्र, एपी: हैती को गिरोह हिंसा से निपटने के लिए 5,000 अंतरराष्ट्रीय पुलिसकर्मियों की जरूरत है। ये गिरोह प्रमुख व्यक्तियों, स्कूलों, अस्पतालों, बैंकों व अन्य अहम संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। संघर्षग्रस्त कैरेबियाई राष्ट्र के लिए संयुक्त राष्ट्र अधिकार विशेषज्ञ ओ नील ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जारी करते हुए हैती के हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने हालात से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरोह लोगों पर नियंत्रण के लिए यौन हिंसा का इस्तेमाल कर रहे हैं। 2023 में सामूहिक हिंसा में 4,451 लोग मारे गए और 1,668 घायल हुए थे। इस साल 22 मार्च तक मरने वालों की संख्या 1,554 हो गई है। बढ़ती हिंसा के परिणामस्वरूप, तथाकथित आत्मरक्षा ब्रिगेड ने न्याय अपने हाथों में ले लिया है। गिरोहों ने नेशनल पैलेस पर कब्जा करने के दो प्रयास किए हैं और वे मानवाधिकार से जुड़े अफसरों, पत्रकारों और उन लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिन्हें वे खतरा मानते हैं।

****

रूस की सेना ने यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर 99 ड्रोन व मिसाइलों से किया हमला

कीव, एपी: यूक्रेन के विरुद्ध रूसी आक्रमकता बढ़ती जा रही है। उसने शुक्रवार को यूक्रेन की बिजली परियोजनाओं को निशाना बनाते हुए 99 ड्रोन और मिसाइल हमलों की झड़ी लगा दी। इससे कई क्षेत्रों में लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने कहा है कि यह हमला पूरे देश में किया गया। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, हमले से बिजली संयंत्रों को नुकसान हुआ है। वहीं, वायुसेना ने दावा किया कि उसने रूस के 84 ड्रोन व मिसाइलों को नष्ट कर दिया।

यूक्रेन के आंतरिक मंत्री इहोर क्लीमेंका ने कहा, पूरे देश में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई थी, इसमें से 10 रीजन रूसी हमले की जद में आ गए। यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले ग्रिड आपरेटर उक्रनेर्गो ने कहा कि शुक्रवार के हमले में जानबूझकर मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों में तापीय और पनबिजली संयंत्रों को निशाना बनाया गया। यूक्रेन के सबसे बड़े निजी बिजली आपरेटर डीटीईके ने भी कहा कि हमले में उसके तीन तापीय बिजली संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसने ओडेसा शहर में आपातकालीन बिजली बंद करने की घोषणा की, जिससे कई इलाकों में बिजली नहीं रही। निप्रोपेट्रोस क्षेत्र के स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने कहा कि क्षेत्र में हमले से पांच लोग घायल हुए हैं, जिसमें एक पांच साल की बच्ची शामिल है। वहीं, रूस ने शुक्रवार को कहा कि बेलगोरोद क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।

रोमानिया ने कहा, उसके क्षेत्र में मिले ड्रोन के टुकड़े: नाटो गठबंधन के सदस्य रोमानिया ने कहा है कि उसने गुरुवार रात यूक्रेनी सीमा पर और डेन्यूब नदी के पास खेत में ड्रोन के टुकड़े पाए हैं। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 28 मार्च को भी उसे ड्रोन के टुकड़े मिले थे। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वह घटना की जांच कर रहा है। हालांकि रोमानिया ने यह भी कहा कि पूर्व के हमलों से रोमानिया पर हमले का संकेत नहीं मिला था।

▸ देश के 10 रीजन में हमले से कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रही बाधित

▸ यूक्रेन ने रूस के 84 ड्रोन व मिसाइलों को नष्ट करने का किया दावा

▸ रूस ने कहा, बेलगोरोद क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक की मौत

जेलेंस्की का अमेरिकी स्पीकर से सैन्य पैकेज पास कराने का अनुरोध

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गुरुवार को एक्स पर डाले पोस्ट में अमेरिका के प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जानसन से यूक्रेन के लिए नए सैन्य पैकेज को जल्द से जल्द पास कराने का अनुरोध किया। कहा, रूस संघर्ष के बीच यह अंतरराष्ट्रीय एकता के लिए जरूरी है। रिपब्लिकन स्पीकर ने महीनों से यूक्रेन को 60 अरब डालर के सैन्य व वित्तीय पैकेज विधेयक को रोक रखा है।

टी-20 आइपीएल

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
मुस्तफिजुर	सीएसके	06
हर्षित राणा	केकेआर	05
आंद्रे रसेल	केकेआर	04

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	181
क्लासेन	हैदराबाद	143
रियान पराग	राजस्थान	127

'घर' पर जीतने का सिलसिला समाप्त

चिन्नास्वामी स्टेडियम में केकेआर ने आरसीबी को सात विकेट से हराया इस सत्र में पहली बार घरेलू मैदान पर हारी कोई टीम

शाट लगाते सुनील नरेन • प्रेट्र

500 टी-20 मैच खेलने वाले चौथे खिलाड़ी नरेन

आरसीबी के विरुद्ध मुकाबले में उतरने के साथ ही केकेआर के कैरेबियाई आलराउंडर सुनील नरेन करियर में 500 टी-20 मुकाबले खेलने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बन गए। सुनील वेस्टइंडीज के तीसरे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यह विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की है। उनसे पहले कीरोन पोलार्ड, शोएब मलिक और ड्वेन ब्रावो ये उपलब्धि प्राप्त कर चुके हैं।

चिन्नास्वामी में केकेआर से लगातार छठी हार

2016	आरसीबी हारी
2017	आरसीबी हारी
2018	आरसीबी हारी
2019	आरसीबी हारी
2023	आरसीबी हारी
2024	आरसीबी हारी

आइपीएल में आरसीबी के लिए सर्वाधिक छक्के

छक्के	बल्लेबाज
240	विराट कोहली
239	क्रिस गेल
238	एबी डिविलियर्स
67	ग्लेन मैक्सवेल
50	फाफ डु प्लेसिस

आइपीएल में 1000 रन व 100 विकेट

खिलाड़ी	रन	विकेट
रवींद्र जडेजा	2724	152
आंद्रे रसेल	2326	100
ड्वेन ब्रावो	1560	183
अक्षर पटेल	1454	113
सुनील नरेन	1048	165

गिले-शिकवे भुलाकर विराट से गले मिले गौतम गंभीर

नई दिल्ली, जेएनएन : आरसीबी और केकेआर के बीच मुकाबले के दौरान गौतम गंभीर और विराट कोहली पर भी सभी की नजरें थी कि एक साल पहले हुए विवाद के बाद ये दोनों कैसे मिलते हैं। लेकिन इस बार उन्हें देखना काफी सुखद था। आरसीबी की पारी के दौरान स्ट्रेटेजिक टाइम आउट के दौरान गंभीर मैदान पर पहुंचे। इस दौरान वह विराट कोहली के गले मिले और दोनों के बीच बातचीत भी हुई। विराट भी मुस्कुराकर उनकी बात का जवाब देते दिखे। इस पर कमेंट्री कर रहे सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने भी प्रतिक्रिया दी। शास्त्री ने कहा, इसके लिए उन्हें फेयरप्ले पुरस्कार दिया जाना चाहिए। वहीं गावस्कर

ने कहा कि सिर्फ फेयरप्ले पुरस्कार ही नहीं, शायद आस्कर भी मिलना चाहिए।

गंभीर बोले, सपने में भी आरसीबी को हराना चाहता हूं: गौतम गंभीर और विराट कोहली एक वर्ष बाद फिर आमने-सामने हैं। इस सत्र में गौतम गंभीर कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटर बन गए हैं, परंतु विराट कोहली और आरसीबी के प्रति उनका कड़ा रुख अब तक नहीं बदला है। गत वर्ष लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटर रहे गौतम और विराट के बीच मैच के बाद हुई बहस ने दोनों के बीच की तल्खी बढ़ा दी थी। यह तल्खी अब भी जारी है। शनिवार को मैच से पूर्व उन्होंने एक कार्यक्रम में फिर से कोहली और आरसीबी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर एक टीम जिसे वह सपने में भी हराने चाहते हैं, वह आरसीबी है।

गौतम गंभीर ने आरसीबी के विरुद्ध मुकाबले से पहले कहा, 'एक टीम जिसे मैं हर बार हराना चाहता हूं, यहां तक कि अपने सपने में भी, वो है आरसीबी।' पिछले वर्ष गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर थे और तब भी उनकी विराट से बहुत अधिक गहमागहमी हो गई थी।

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : आरसीबी की टीम अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में केकेआर से हारने का तिलिस्म नहीं तोड़ पाई। विराट कोहली के अर्धशतक के दम पर आरसीबी ने केकेआर के सामने 183 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने सात विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। यह छठा अवसर है, जब अपने घरेलू मैदान पर आरसीबी को केकेआर के विरुद्ध हार मिली है। 2016 से चिन्नास्वामी पर केकेआर अजेय है। आरसीबी की इस हार के साथ ही आइपीएल 2024 में लगातार नौ मैच के बाद घरेलू टीम के जीतने का सिलसिला भी थम गया। ये पहली बार था, जब शुरुआती नौ मैच मेजबान टीम ने जीते थे।

500वें टी-20 मुकाबले में चमके नरेन : अपना 500वां टी-20 मुकाबला खेल रहे कैरेबियाई आलराउंडर सुनील नरेन ने केकेआर की जीत की पटकथा लिखी। नरेन ने केवल 22 गेंदों में पांच छक्के और दो चौके लगाते हुए 42 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। पहले विकेट के लिए फिल साल्ट के साथ 82 रनों की साझेदारी कर टीम को ठोस शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में ही केकेआर 85 रन बना चुकी थी, जो शुरुआती छह ओवर में उसका दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। नरेन ने एक विकेट भी चटकाया। नरेन के अलावा वेंकटेश अय्यर (50) ने अर्धशतकीय पारी खेली। नरेन को उनके आलराउंड खेल के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

अकेले डटे कोहली : आरसीबी की टीम के लिए उसके सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर संकटमोचक बनकर उभरे। जहां आरसीबी के बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए, वहीं विराट अंत तक अकेले डटे रहे और लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक जड़ा। कोहली के 84 रन बनाए। कोहली ने मिशेल स्टार्क का स्वागत चौके से किया। दूसरे ओवर में कप्तान प्लेसिस का विकेट गिरने के बाद विराट ने कैमरन ग्रीन के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी की। दोनों ने पावरप्ले में ताबड़तोड़ शाट लगाते हुए 61 रन जोड़ डाले थे। कोहली ने अपनी पारी में चार छक्के लगाए और इसके साथ ही वह आरसीबी की ओर से सबसे ज्याद छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल से आगे निकल गए। विराट 240 छक्कों के साथ आरसीबी की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

रसेल का कमाल : आरसीबी की पारी में दो विकेट चटकाने वाले आंद्रे रसेल आइपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। रसेल ने कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार को आउट किया। रसेल से पहले रवींद्र जडेजा, ड्वेन ब्रावो, अक्षर पटेल और सुनील नरेन ये उपलब्धि प्राप्त कर चुके हैं।

सबसे महंगे स्टार्क फिर खाली हाथ : आइपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क के हाथ एक बार फिर खाली रहे। स्टार्क अपने कोटे के चार ओवर में 47 रन लुटाकर एक भी विकेट नहीं ले पाए। पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध स्टार्क ने चार ओवर में 53 रन दिए थे और एक भी बल्लेबाज को आउट नहीं कर पाए थे। देखा जाए तो स्टार्क दो मैचों में आठ ओवर में 100 रन लुटा चुके हैं। नाइटराइडर्स ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपये की रिकार्ड राशि में खरीदा था। इस गेंदबाज का ऐसा निराशाजनक प्रदर्शन केकेआर के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

स्कोर बोर्ड

आरसीबी : 182/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली अविजित	83	59	4/4
डुप्लेसिस का. स्टार्क बो. हर्षित	08	06	0/1
कैमरन ग्रीन बो. रसेल	33	21	4/2
ग्लेन मैक्सवेल का. रिंकू बो. नरेन	28	19	3/1
रजत पाटीदार का. रिंकू बो. रसेल	03	04	0/0
अनुज रावत का. साल्ट बो. हर्षित	03	03	0/0
दिनेश कार्तिक रन आउट	20	08	0/3

अतिरिक्त : 4 (लेबा-1, वा-3), कुल : 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन, विकेटपतन : 1-17 (फाफ, 1.6), 2-82 (ग्रीन, 8.6), 3-124 (मैक्सवेल, 14.1), 4-144 (रजत, 16.3), 5-151 (अनुज, 17.3), 6-182 (कार्तिक, 20)
गेंदबाजी : मिशेल स्टार्क 4-0-47-0, हर्षित राणा 4-0-39-2, अनुकुल राय 2-0-6-0, सुनील नरेन 4-0-40-1, आंद्रे रसेल 4-0-29-2, वरुण चक्रवर्ती 2-0-20-0

केकेआर : 186/3 (16.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
फिलिप साल्ट का. ग्रीन बो. विजय	30	20	2/2
सुनील नरेन बो. मयंक	47	22	2/5
वेंकटेश का. कोहली बो. यश	50	30	3/4
श्रेयस अय्यर अविजित	39	24	2/2
रिंकू सिंह अविजित	05	05	0/0

अतिरिक्त : 15 (लेबा-7, वा-8), कुल : 16.5 ओवर में तीन विकेट पर 186 रन, विकेट पतन : 1-86 (नरेन, 6.3), 2-92 (साल्ट, 7.5), 3-167 (वेंकटेश, 15.1)
गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 3-0-46-0, यश दयाल 4-0-46-1, अल्जारी जोसेफ 2-0-34-0, मयंक डागर 2.5-0-23-1, विजयकुमार विशाख 4-0-23-1, कैमरन ग्रीन 1-0-7-0

अंक तालिका

		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	सीएसके	2	2	0	0	+1.979	4
2	केकेआर	2	2	0	0	+1.047	4
3	राजस्थान	2	2	0	0	+0.800	4
4	हैदराबाद	2	1	1	0	+0.675	2
5	पंजाब	2	1	1	0	+0.025	2
6	आरसीबी	3	1	2	0	-0.711	2
7	गुजरात	2	1	1	0	-1.425	2
8	दिल्ली	2	0	2	0	-0.528	0
9	मुंबई	2	0	2	0	-0.925	0
10	लखनऊ	1	0	1	0	-1.000	0

नोर्त्जे को लय पाने में समय लगेगा : होप्स

जयपुर, प्रेट्र : दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स का मानना है कि टीम के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे समय के साथ बेहतर होते जाएंगे क्योंकि उन्होंने छह महीने के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है। राजस्थान के विरुद्ध अंतिम ओवर में नोर्त्जे ने 25 रन दिए थे और कुल चार ओवर में 48 रन लुटाए थे। नोर्त्जे सितंबर 2022 के बाद से ही क्रिकेट से बाहर थे और इस महीने के शुरुआत में तीन घरेलू टी-20 मैच खेलने के बाद आइपीएल में खेलने लगे, लेकिन वह अभी तक यार्कर और 'हार्ड लेंथ' गेंद डालने में विफल रहे हैं।

होप्स ने कहा कि मैं गेंदबाजों के बारे में ज्यादा बुरा नहीं कहूंगा। उन्होंने योजनाओं पर लागू करने की कोशिश की। पहले 10 ओवर अच्छे रहे लेकिन अंतिम पांच ओवर में उन्होंने काफी रन लुटा दिए। नोर्त्जे काफी समय से खेल से दूर रहा और काफी समय बाद इस स्तर पर खेल रहा है। लेकिन अगर आप उसका रिकार्ड देखो तो वह खेल के अंतिम ओवरों के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। हमें भरोसा है कि वह बेहतर से बेहतर होता रहेगा।

आवेश बोले, दिल्ली के विरुद्ध अंतिम ओवर में संभवत: मेरा सर्वश्रेष्ठ : राजस्थान रायल्स के तेज गेंदबाज आवेश खान को लगता है कि आइपीएल के मौजूदा चरण में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जो अंतिम ओवर डाला था, वह 'डेथ ओवरों' में संभवतः उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास था।

एलएसजी के सामने पंजाब किंग्स की चुनौती

विकास मिश्र • लखनऊ

राजस्थान रायल्स के विरुद्ध पहला मैच गंवाने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स शनिवार को अब अपने घर पर पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। मेजबान घरेलू मैदान पर धमाकेदार प्रदर्शन कर जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगे। पंजाब दो मुकाबले खेल चुका है। एक जीत और एक में हार मिली है। दोनों टीमों के बीच रोचक टक्कर देखने को मिल सकती है। आइपीएल के आंकड़ों पर गौर करें तो लखनऊ और पंजाब के बीच अभी तक कुल तीन मैच खेले गए हैं, जिनमें दो मुकाबले एलएसजी और एक पंजाब ने जीते हैं। मोहाली के आइएस बिंद्रा स्टेडियम में दोनों टीमें अभी तक एक बार आमने-सामने हुईं, जिसमें एलएसजी ने बाजी मारी है। इसके अलावा इकाना में हुए एकमात्र मैच में पंजाब ने दो विकेट से जीत दर्ज की थी, जबकि पुणे में लखनऊ ने 20 रन से विजय हासिल की। इस बार मुकाबला इकाना क्रिकेट स्टेडियम में है। ऐसे में यहां शिखर धवन के मुकाबले केएल राहुल का पलड़ा भारी लग रहा है। दोनों टीमें पिछला मुकाबला हारकर लखनऊ पहुंची हैं।

अभ्यास के दौरान केएल राहुल • एलएसजी

राहुल पर होगा दारोमदार : लखनऊ को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। एलएसजी को जयपुर में राजस्थान रायल्स ने 20 रन से शिकस्त दी। वहीं, पंजाब अभी तक दो मैच खेल चुका है, जिसमें पहले मुकाबले में उसने दिल्ली कैपिटल्स को चार विकेट से हराया, जबकि दूसरे में आरसीबी ने गब्बर की टीम को चार विकेट से शिकस्त दी। पहले मैच में लखनऊ को भले ही हार का सामना करना पड़ा, लेकिन कप्तान केएल राहुल और कैरेबियाई खिलाड़ी निकोलस पूरन ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर मजबूत फार्म का संदेश दे दिया है। हालांकि, क्विंटन डिकाक फ्लाप रहे। लखनऊ की बल्लेबाजी का दारोमदार एक बार फिर राहुल के साथ डिकाक, मार्कस स्टोइनिस और पूरन होगा। काइल मेयर्स भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। गेंदबाजी में नवीन उल हक, यश ठाकुर, शिवम मावी, शमर जोसेफ के साथ रवि बिश्नोई टीम की जीत की पटकथा लिखेंगे। अगर पंजाब को जीत दर्ज करना है तो कप्तान शिखर धवन, सैम करन, लियाम लिविंगस्टन और प्रभसिमरन सिंह को बड़ी पारी खेलनी होगी। टीम की गेंदबाजी आक्रमण को भी लाइन-लेंथ पर ध्यान देना होगा। खासकर, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत ब्रार को बागडोर संभालना होगी।

पिच रिपोर्ट : इकाना स्टेडियम की सतह बल्लेबाजों के अनुकूल मानी जाती है, लेकिन यहां स्पिनर को भी मदद मिलेगी। इकाना पिछले साल सबसे कम स्कोर वाला मैदान रहा है, जहां पहली पारी का औसत स्कोर 147 के आसपास रहा है। यहां तीन मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं। हालांकि, इस बार पिच शानदार दिख रही है। दरअसल, पिछले वर्ष आइपीएल के बाद पूरे स्क्वायर को नए सिरे से तैयार किया गया है। आउटफील्ड बेहतर नजर आ रही है।

हार्दिक पांड्या पर कोलकाता पुलिस की अजीबोगरीब पोस्ट

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कोलकाता पुलिस ने क्यूआर कोड से ठगी के बचाव के लिए इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है, जिसमें उसने मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पांड्या को धोखा देने वाले के तौर पर दिखाया है। कोलकाता पुलिस ने इस बाबत मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या का उदाहरण दिया है। पुलिस द्वारा साझा की गई तस्वीर में एक क्यूआर कोड नजर आ रहा है। उसके साथ लिखा है-जब कोई ठग की बात सुनकर पैसे पाने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करता है तो... क्यूआर कोड के नीचे रोहित शर्मा की तस्वीर है, जिसपर लिखा है, उनका बैंक खाता, जबकि हार्दिक के फोटो पर लिखा है-'धोखा'।

हार्दिक पांड्या ने लसिथ मलिंगा से किया दुर्व्यवहार, मारा धक्का: हाल ही में एक वीडियो प्रसारित हुआहै, जिसमें हार्दिक मलिंगा को धक्का मारते नजर आ रहे हैं। हैदराबाद के विरुद्ध मैच खत्म होने के बाद जब सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ एक-दूसरे से हाथ मिला रहे थे, तभी मलिंगा हार्दिक के पास पहुंचे और उन्हें गले लगाना चाहा, लेकिन हार्दिक ने उन्हें दूर हटा दिया।

बोपन्ना-एब्डेन मियामी ओपन के फाइनल में

खेल डायरी

मियामी, प्रेट्र : भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने यहां मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस पर सीधे सेट में जीत से मियामी ओपन के पुरुष डबल्स फाइनल में प्रवेश किया। आस्ट्रेलियन ओपन के विजेता बोपन्ना और एब्डेन को गुरुवार रात सेमीफाइनल में स्पेन के ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के जेबालोस की जोड़ी पर 6-1, 6-4 की जीत के दौरान जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। फाइनल में बोपन्ना और एब्डेन का सामना क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के आस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के केविन क्राबेट्ज और टिम पुट्ज की जोड़ी को 6-4 6-7(7) 10-7 से मात दी।

बोपन्ना और एब्डेन • एएफपी

बोपन्ना दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मिली हार और इंडियन वेल्स मास्टर्स के अंतिम 32 से बाहर होने से डबल्स रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए थे, लेकिन इस जीत से उन्हें सोमवार को अपडेट होने वाली रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंचने में मदद मिलेगी। आस्ट्रेलियन ओपन की जीत के बाद 44 वर्षीय बोपन्ना एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए थे। बोपन्ना के लिए यह उनका 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल और मियामी का पहला फाइनल होगा। यह उनका एटीपी टूर स्तर का 63वां फाइनल होगा। वह अभी तक 25 डबल्स खिताब जीत चुके हैं। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का यह एटीपी मास्टर्स 1000 का पांचवां फाइनल होगा। बोपन्ना ने साथ ही एक और उपलब्धि भी अपने नाम की, वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

दिमित्रोव ने क्वार्टर फाइनल में अलकराज को हराया: आठवें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव ने मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय कार्लोस अलकराज के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-2, 6-4 से जीत प्राप्त की। दिमित्रोव की यह करीब पांच वर्ष में शीर्ष पांच रैंकिंग के खिलाड़ी पर पहली जीत है।

पंकज आडवाणी और कोजियर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मुंबई, प्रेट्र : भारत के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी और इंग्लैंड के डेविड कोजियर ने लगातार तीसरी जीत के साथ शुक्रवार को यहां अखिल भारतीय सीसीआइ बिलियर्ड्स क्लासिक 2024 के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बेंगलुरु के आडवाणी ने मुंबई के रेयान राजमी को ग्रुप ए मुकाबले में 603-418 से हराया। आडवाणी ने 235 के ब्रेक के साथ शुरुआत की और फिर 90 के ब्रेक के साथ जीत दर्ज की। राजमी ने 93 और 124 के ब्रेक बनाए। राजमी भी दो जीत के साथ अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रहे। मुंबई के रोहन जंबुसरिया ने प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सिंधू हारी, सिक्की-सुमित स्पेन मास्टर्स के सेमीफाइनल में

मैड्रिड, प्रेट्र : भारत की पीवी सिंधु कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद शुक्रवार को यहां मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में थाइलैंड की सुपानिदा केटथोंग के विरुद्ध शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। पिछले वर्ष इस टूर्नामेंट की उपविजेता रहीं सिंधु ने पहले गेम में कई गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें थाइलैंड की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 24-26, 21-17, 22-20 से हरा दिया।

एन सिक्की रेड्डी और बी सुमित रेड्डी की दंपती जोड़ी ने रेहान नोफल कुशारजंतो और लिसा आयु कुसुमावती की इंडोनेशिया की चौथी वरीय जोड़ी को कड़े मुकाबले में 14-21, 21-11, 21-17 से हराकर मिक्स्ड डबल्स सेमीफाइनल में जगह बनाई।

तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की तीसरी वरीय महिला डबल्स जोड़ी को हालांकि क्वार्टर फाइनल में ली चिया सिन और टेंग चुन सुन की चीनी ताइपे की छठी वरीय जोड़ी के विरुद्ध 13-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

फ्रांस ने ओलिंपिक में सुरक्षा के लिए 46 देशों से मांगी मदद

पेरिस, एपी : फ्रांस ने इस वर्ष जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 46 देशों से सुरक्षा में मदद मांगी है। आयोजक संभावित हमलों के विरुद्ध सतर्कता बरतते हुए खेलों के लिए सुरक्षा योजना को अंतिम रूप दे रहे हैं।

फ्रांस के गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि विदेशी सुरक्षा सहायता के लिए अनुरोध जनवरी में किया गया था, जिसमें लगभग दो हजार 185 सुरक्षाकर्मियों की मांग की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि अधिकारियों से खेलों की सुरक्षा और दर्शकों के अनुभव तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में मदद मांगी गई है। यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मेजबान देशों का एक सामान्य दृष्टिकोण है। फ्रांस ने 2022 में कतर में फुटबाल विश्व कप में अपने 200 जवानों को भेजा था और पिछले साल फ्रांस द्वारा आयोजित रग्बी विश्व कप की सुरक्षा के लिए यूरोपीय देशों के 160 सुरक्षाबल आए थे।

नाकाजिमा ने बनाई दो शाट की बढ़त, अहलावत छठे स्थान पर

इंडियन ओपन गोल्फ

- वर्षा के कारण कई गोल्फर पूरा नहीं कर पाए दूसरा दौर
- नाकाजिमा ने कुल 14 अंडर 14 का स्कोर बनाया

गुरुग्राम, प्रेट्र : वीर अहलावत शुक्रवार को मौसम से प्रभावित इंडिया ओपन के दूसरे दौर के बाद छठे स्थान के साथ भारतीय गोल्फरों के बीच शीर्ष पर चल रहे हैं, जबकि जापान के केइता नाकाजिमा ने लगातार दूसरे दौर में सात अंडर 65 के स्कोर से दो शाट की बढ़त बना ली है। अहलावत (69-66) नौ अंडर के कुल स्कोर से नाकाजिमा से पांच शाट पीछे हैं। नाकाजिमा का कुल स्कोर 14 अंडर है। शुक्रवार को जब वर्षा के कारण खेल रोका गया तो नाकाजिमा ने फ्रांस के रोमेन लेंगास्क (66-66) और इटली के मातियो मनासेरो (65-68) पर दो शाट की बढ़त बना ली है। अभी 46 खिलाड़ी दूसरे दौर का खेल पूरा नहीं कर पाए हैं जिसमें भारत के अमन राज भी शामिल हैं।

भारत के मनु गंदास (73-65) दूसरे दौर में सात अंडर 65 के स्कोर से छह अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर हैं। करणदीप कोचर (68-70) छह अंडर 136 के कुल स्कोर से संयुक्त 16वें स्थान पर हैं। गगनजीत भुल्लर (70-69) पांच अंडर 139 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर हैं और राशिद खान (71-69) और शुभंकर शर्मा (70 और 16 होल में दो अंडर) का कुल स्कोर चार अंडर है। नार्वे के एस्पेन कोफस्टेड ने दूसरे दौर में 10 अंडर 62 के शानदार स्कोर से डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में दो शाट से नया कोर्स रिकार्ड बनाया। उनका कुल स्कोर एक अंडर है। कोफस्टेड ने आठ अंडर 64 के शुभंकर शर्मा (2018 में) और अर्जुन पुरी (2022 में) के पिछले रिकार्ड में सुधार किया।

बायर्न के विरुद्ध म्यूनिख में गोल नहीं करने का क्रम तोड़ेंगे : करीम

जर्मनी के 22 वर्षीय युवा फुटबालर करीम अदयेमी बुंडिसलीगा के शीर्ष क्लबों में से एक डार्टमंड का प्रतिनिधित्व करते हैं। टीम के स्टार स्ट्राइकर शनिवार को डेर क्लासिकर (बायर्न म्यूनिख बनाम डार्टमंड) में डार्टमंड के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसका प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर रात्रि 11 बजे से होगा। इस ऐतिहासिक मुकाबले से पूर्व करीम ने बताया कि वह बायर्न में हुए पिछले मुकाबलों के परिणाम से प्रभावित नहीं होंगे। वह शून्य से मैच को प्रारंभ करेंगे और म्यूनिख में गोल नहीं दाग पाने के क्रम को तोड़ेंगे। सुकांत सौरभ ने करीम अदयेमी से विशेष बातचीत की, पेश हैं मुख्य अंश :

साक्षात्कार

- **डेर क्लासिकर मैचों का हालिया इतिहास बायर्न म्यूनिख के पक्ष में रहा है। ऐसे में डार्टमंड ने इस आगामी मैच के लिए क्या योजना बनाई है?**

-मेरे लिए हर मैच एक नया मैच होता है, इसलिए मैं हमेशा शून्य से प्रारंभ करता हूं। पिछले कुछ वर्ष के परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे थे, लेकिन जैसा कि मैंने कहा हर मैच मेरे लिए नया होता है। इसलिए मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि पिछले मैचों के परिणाम क्या रहे थे। हम इस मैच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हम जीतने की कोशिश करेंगे।

- **डार्टमंड के आक्रमण में आप एक प्रमुख खिलाड़ी हैं। पिछले मैच में गोल दागने का क्या प्रभाव पड़ा है?**

- हां, बिल्कुल गोल दागने से मनोबल काफी ऊंचा होता है। विशेषकर बायर्न के विरुद्ध मैच से पहले यह महत्वपूर्ण होता है कि हम अपनी रणनीति तैयार करें। हमारा अटैक बहुत बढ़िया है। जब वन-टू-वन मार्किंग होती है तो सबसे महत्वपूर्ण होता है कि आपकी गति कितनी अधिक है। मैं यही चाहूंगा कि मैं शुरुआती 11 में शामिल रहूं। अगर ऐसा नहीं हो सका तो जो भी समय मुझे मैदान पर मिलेगा मेरा प्रयास अपनी टीम के लिए गोल दागकर बढ़त बनाने का होगा। मैं अपनी गति का प्रयोग करते हुए बायर्न के डिफेंडरों को छकाने का प्रयत्न करूंगा और हर अवसर को भुनाने का प्रयास करूंगा।

- **पिछली भिड़ंतों से टीम ने क्या सीखा है?**

-जैसा कि मैंने पहले भी कहा कि पिछले कुछ वर्ष हमारे लिए अच्छे नहीं रहे। म्यूनिख में हम गोल करने में नाकाम रहे हैं। इसलिए हमारे लिए सर्वथा उचित यही है कि हम शून्य से खेल को प्रारंभ करें। अच्छा खेल दिखाएं और म्यूनिख में गोल नहीं करने का क्रम तोड़ें। हमारी टीम यह कर सकती है। मुझे पूरा भरोसा है।

- **डेर क्लासिकर जैसे उच्च दबाव वाले मैच के लिए आप कैसे तैयार होते हैं?**

-अगर मैं अपनी व्यक्तिगत रूप से बात करूं तो मैंने बायर्न म्यूनिख के विरुद्ध बहुत खेला है जब मैं अंटरहैकिंग (म्यूनिख का स्थानीय क्लब) के लिए खेलता था। मैं बायर्न के विरुद्ध मैच के लिए स्वयं कोई तैयारी नहीं करता कि क्योंकि अब बायर्न के विरुद्ध खेलने में मुझे अधिक आनंद आता है। इसका प्रमुख कारण यह भी है कि मैं म्यूनिख का रहने वाला हूं और यह मेरे लिए अतिरिक्त प्रेरणा का स्रोत है। बायर्न विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में से एक है। मुझे विश्वास है कि मैं इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा और टीम की जीत में अहम योगदान दे सकूंगा।

- **डार्टमंड और बायर्न के बीच प्रतिद्वंद्विता हमेशा बहुत तीव्र होती है। टीम इस ऊर्जा को पिच पर कैसे लगाएगी?**

-मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण यह होगा कि हम निडर होकर खेलें। अगर मैं पिछले वर्ष की भिड़ंत की बात करूं तो हमने अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेला था इसलिए हम हार गए थे और इसका प्रमुख कारण था कि हम डर गए थे। हमें अपने दिमाग को किसी भी विचार से मुक्त रखना होगा। अपनी टीम पर भरोसा दिखाना होगा। इस पर ध्यान देना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण होगा।

- **मैच का परिणाम टीम के अभियान को कितना प्रभावित करेगा? भारत में प्रशंसकों से क्या कहना चाहेंगे?**

-सबसे पहले तो हमें बायर्न म्यूनिख के विरुद्ध मैच जीतना होगा। जीत से हमारा मनोबल बढ़ेगा जो हमें आगे बुंडिसलीगा और चैंपियंस लीग में जीतने के लिए प्रेरित करेगा। आगे के लिए हमारा प्रयास यही होगा कि हम शेष मैचों में जीत प्राप्त करें। मैं भारत में अपने प्रशंसकों को धन्यवाद करना चाहता हूं। आपके सहयोग और समर्थन के लिए मैं आभारी हूं।

****

आनलाइन कोर्स

घर बैठे सीखें कौशल

यदि इस गर्मी की छुट्टी के दौरान अपने समय का सदुपयोग करते हुए अपनी पसंद का कोई विश्वस्तरीय आनलाइन कोर्स करना चाहते हैं, तो अब इस तरह के बहुत सारे प्लेटफार्म मौजूद हैं। वहां से न सिर्फ आप विश्वस्तरीय शार्ट टर्म आनलाइन कोर्स कर सकते हैं, बल्कि अपनी स्किल को सुधारने के लिए वहां उपलब्ध कंटेंट का भरपूर लाभ भी उठा सकते हैं। यहां दिए जा रहे प्लेटफार्म पढ़ाई कर रहे युवाओं के साथ कामकाजी लोगों के लिए भी बहुत उपयोगी लर्निंग प्लेटफार्म हो सकते हैं...

लिंक्डइन लर्निंग: जाब मार्केट के अनुसार कोई स्किल सीखकर अपने करियर को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो यह बहुत उपयोगी प्लेटफार्म हो सकता है। यह एक तरह से वीडियो लर्निंग प्लेटफार्म है। यहां अपनी जरूरत के अनुसार एनालिटिकल स्किल्स, मार्केटिंग, आपरेशंस, फाइनेंस, इंजीनियरिंग, कस्टमर सर्विसेज, डिजाइन, वेब डेवलपमेंट तथा डाटा एनालिटिक्स से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। कुल मिलाकर, शार्ट टर्म आनलाइन कोर्सों के लिए यह एक बेहतर प्लेटफार्म है। अपने कौशल को सुधारने के लिए इसका फायदा उठा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि यहां पर एक महीने का फ्री ट्रायल ले सकते हैं। कोर्स शुरू करने के लिए पहले यहां पर साइन अप करना होगा। https://www.linkedin.com/learning/

स्किल शेयर: यदि आप आनलाइन कुछ नया सीखना या फिर म्यूजिक, ड्राइंग एंड पेंटिंग, मार्केटिंग, एनिमेशन, इंटरनेट मीडिया, यूएक्स डिजाइन, क्रिएटिव राइटिंग, ग्राफिक डिजाइन आदि से जुड़ा कोई आनलाइन कोर्स करना चाहते हैं, तो यह भी एक उपयोगी प्लेटफार्म हो सकता है। नए यूजर के लिए यह शुरू में कुछ सप्ताह के लिए निश्शुल्क है यानी यहां के बहुत सारे शार्ट टर्म कोर्स को निश्शुल्क एक्सेस कर सकते हैं। इस प्लेटफार्म से कोर्स करने से आपको अन्य देशों में भी लाभ मिलेगा। इससे आपको अपनी स्किल सुधारने में मदद मिलेगी। इसकी खासियत है कि यहां पर आप खुद स्टडी कर सकते हैं या फिर कम्युनिटी के साथ जुड़कर भी नई चीजों को सीख सकते हैं। कोर्स को एप के जरिए भी एक्सेस किया जा सकता है। https://www.skillshare.com

कोर्सेरा: आनलाइन सीखने या कुछ नया कोर्स करने के लिहाज से यह भी एक जाना माना प्लेटफार्म है। यहां पर सात हजार से अधिक विश्वस्तरीय कोर्स उपलब्ध हैं, जिसमें से अपनी जरूरत और रुचि के अनुसार किसी भी कोर्स का चयन कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि इस प्लेटफार्म के सभी कोर्स व्यावहारिक और जाब रेडी सर्टिफिकेट प्रोग्राम हैं। यहां पर बहुत से कोर्स 275 से अधिक नामी विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर संचालित किए जा रहे हैं। नए यूजर्स के लिए यहां कुछ दिन निश्शुल्क ट्रायल की भी सुविधा है, ताकि आप यह देख सकें कि संबंधित कोर्स और उसका कंटेंट आपकी अपेक्षा के अनुसार है या नहीं।
https://www.coursera.org

धीरेंद्र पाठक

एक्स्ट्रा शाट

मन की राह

स्वजन या दोस्तों के दबाव में कोई कोर्स या करियर चुनकर भविष्य में असहज महसूस करने के बजाय पहले से ही अपने मन की सुनते हुए कदम बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। आखिर क्यों जरूरी है ऐसा, बता रहे हैं अरुण श्रीवास्तव...

काउंसिलिंग की प्रक्रिया में मेरे पास अक्सर ऐसे पत्र आते हैं, जिसमें यह कहा जाता है कि उन्होंने स्वजन या रिश्तेदारों, दोस्तों के कहने पर या उनके दबाव में कोर्स तो चुन लिया, पर अब एक या दो वर्ष बीतने के बाद उसमें उनका मन नहीं लग रहा है। पसंद न आने या मन न लगने पर तमाम युवा तो उस कोर्स को बीच में ही छोड़ देते हैं। फिर मन उचट जाने और शर्मिंदा महसूस करने के कारण लंबे समय तक वे निरुद्देश्य समय बिताते रहते हैं, क्योंकि उन्हें समझ में ही नहीं आता कि वे आगे क्या करें। उस पर उन्हें घरवालों की टीका टिप्पणियां और परेशान कर देती हैं।

बाहर नहीं, भीतर देखें: दरअसल, ज्यादातर युवा माता-पिता, रिश्तेदारों, दोस्तों के कहने पर या दूसरों की सफलता को देखकर उसी राह पर चलने का असफल प्रयास करने लगते हैं। कोर्स और करियर चुनने के लिए वे बाहर देखते हैं, जबकि ऐसा करने के बजाय उन्हें सबसे पहले अपने भीतर झांकना चाहिए कि आखिर उनका मन क्या कहता है, वे स्वयं क्या चाहते हैं। यही सही है कि अक्सर हमें समझ में नहीं आता कि वास्तव में सर्वाधिक रुचि किस क्षेत्र में है, लेकिन शायद ही कोई ऐसा होगा कि जिसकी अपनी कोई पसंद या नापसंद न हो। इसलिए यदि आप अब भी दुविधा में हैं, तो अभी भी देर नहीं हुई है। अभी से कुछ दिनों तक अपनी गतिविधियों, व्यवहार, आदतों, पसंद-नापसंद पर ध्यान देना शुरू कर दें। इससे आपको अपना लक्ष्य स्पष्ट होता हुआ दिख जाएगा।

माता-पिता न डालें दबाव: किसी भी किशोर-युवा के सुख-दुख, उनकी सेहत और बेहतर करियर को लेकर उनके माता-पिता ही सर्वाधिक चिंतित होते हैं और इसके लिए हर संभव प्रयास करने को तत्पर रहते हैं। पर इस चक्कर में कई बार वे दूसरों की सफलता से प्रभावित होकर अपनी ही संतान को कांटों भरी असहज राह पर चलने को मजबूर कर देते हैं। जब डर या लिहाज में बच्चा उनकी बताई राह पर चलते हुए आगे चलकर डगमगाने लगता है या भटक जाता है, तो सबसे अधिक हताशा भी उन्हें ही होती है और तब उन्हें अपने निर्णय पर पश्चाताप होने लगता है। लेकिन जब तक उन्हें अपनी भूल का अहसास होता है, तब तक अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है।

न करें भूल: किसी तरह के पछतावे या निर्णय की भूल से बचने के लिए आवश्यक है कि अभिभावक होने के नाते आप भी दूसरों से प्रभावित होकर अपने बच्चे से उन जैसा बनने की अपेक्षा करने के बजाय उसे समझने पर ध्यान दें। समझें कि वह खुद क्या चाहता है। हो सकता है कि आप भी यह कहें कि आपको भी नहीं समझ में आता कि उसके करियर के लिए कौन-सा क्षेत्र बेहतर होगा। अरे भाई! आप ऐसा कहेंगे, तो भला कैसे चलेगा। जरा सोचें, आपने तो बचपन से अपने बच्चे को पाल पोसकर बड़ा किया है। उसके खाने-पीने, पसंद-नापसंद को बचपन से ही देखते समझते रहे हैं। फिर आपको इस बारे में ज्यादा सोचने की क्या जरूरत है। हां, आप बस किशोर-युवा उम्र में अपनी संतान की बदलती-बढ़ती रुचियों पर और गौर करें। आपके सामने भी सारी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। आप समझ जाएंगे कि उसे क्या पढ़ाना चाहिए।

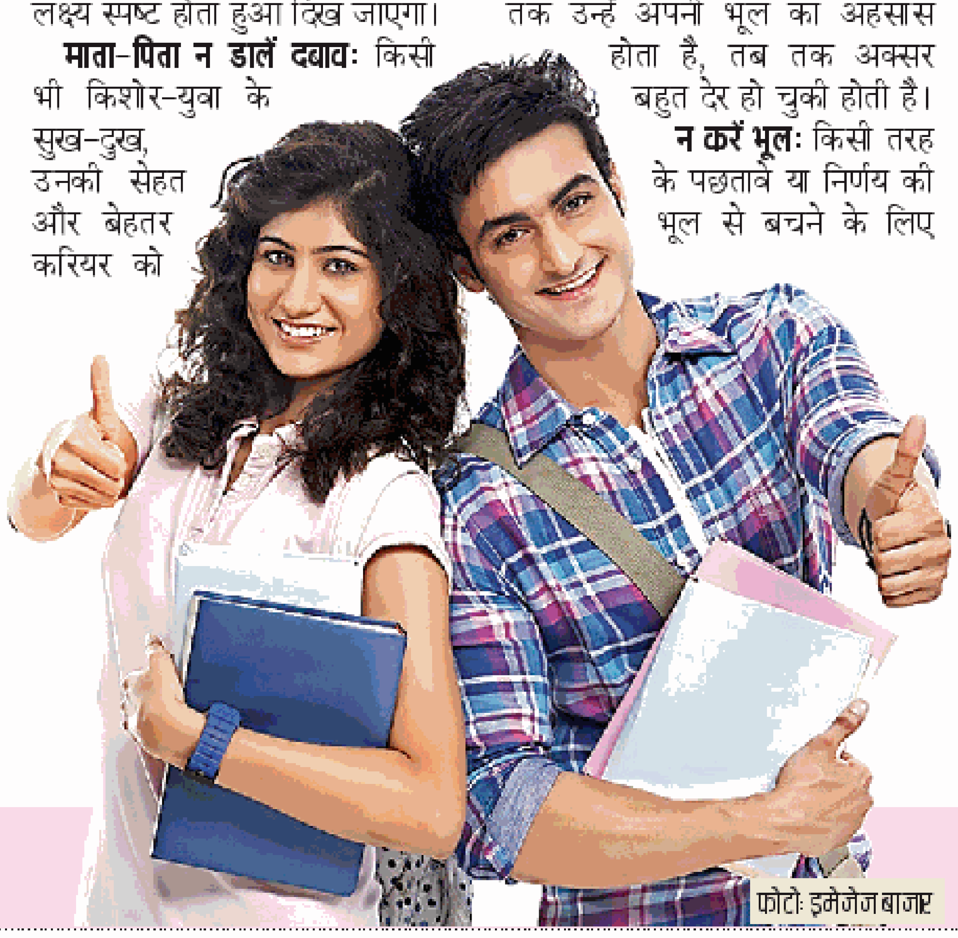

फोटोः इमेजेज बाजार

करते रहें संवाद

इन दिनों ज्यादातर किशोर-युवा इंटरनेट मीडिया पर तो खूब सक्रिय रहते हैं, पर अपने स्वजन से उनका संवाद कम होता जा रहा है। यह स्थिति चिंताजनक है। इससे बचा जा सकता है। इसके लिए घर के बड़ों को ही पहल करते हुए मोबाइल फोन और इंटरनेट मीडिया से भरसक दूरी बनाकर रखनी होगी, ताकि घर के सदस्य एक दूसरे से पर्याप्त संवाद करते रहें। अपने मन की उलझन, खुशी आदि नियमित रूप से साझा करते रहें। इससे परिवार के किशोरों-युवाओं को अपनी दुविधा के बारे में खुलकर बात करने में कभी भी झिझक नहीं महसूस होगी। कहने का मतलब यह कि अपने परिवार के युवाओं के बेहतर करियर की चाबी आपके ही हाथ में ही है।

एसएससी सेलेक्शन पोस्ट

आनलाइन करें स्मार्ट तैयारी और अभ्यास

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से सेलेक्शन पोस्ट फेज-12 के तहत केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों/मंत्रालयों में भर्ती के लिए 2049 पदों पर रिक्तियां निकाली गई हैं। इसके लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा छह से आठ मई, 2024 के बीच प्रस्तावित है। हालांकि लोकसभा चुनावों के चलते यह टल भी सकती है। ऐसे में अभी इस परीक्षा की तैयारी के लिए आपके पास पर्याप्त समय है। आइए जानें, इस परीक्षा की बेहतर तैयारी कैसे की जा सकती है...

पेपर पैटर्न: एसएससी की इस भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित तीन अलग-अलग परीक्षाएं होंगी, जिसमें आब्जेक्टिव टाइप बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। ये प्रश्न पदों के अनुसार हाईस्कूल, हायर सेकंडरी तथा ग्रेजुएशन स्तर के होंगे। प्रश्नपत्र में जनरल इंटेलिजेंस (25 प्रश्न), जनरल अवेयरनेस (25 प्रश्न), क्वांटिटेटिव एप्टिट्यूड (25 प्रश्न) तथा इंग्लिश लैंग्वेज (25 प्रश्न) के बुनियादी ज्ञान से संबंधित प्रश्न आएंगे। सभी पदों के लिए इन्हीं विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे, केवल पदों के अनुसार इन प्रश्नों का कठिनाई स्तर अलग-अलग होगा। इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का भी प्रविधान है यानी गलत उत्तर देने पर आधे अंक काट लिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। इस परीक्षा की मेरिट और कटआफ के आधार पर चयनित उम्मीदवारों को अगले चक्र के स्किल टेस्ट (टाइपिंग/डाटा एंट्री/कंप्यूटर प्रोफिसिएंसी टेस्ट) से गुजरना होगा। यह टेस्ट क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए नोटिफिकेशन https://ssc.gov.in/api/attachment/uploads/masterData/NoticeBoards/Phase-XII_Notification देखें।

प्रैक्टिसमाक

एसएससी तथा बैंकिंग समेत लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में माक टेस्ट की प्रैक्टिस काफी उपयोगी मानी जाती है, क्योंकि इससे परीक्षा जैसे माहौल में प्रश्नों के उत्तर देने का अभ्यास तो होता ही है, साथ में अपनी गलतियों को सुधारने का एक अवसर भी मिल जाता है। ऐसे में आप भी इस एप से परीक्षा का अच्छा अभ्यास कर सकते हैं।

एसएससी एमसीक्यू एग्जाम एप आफलाइन: यह एप एसएससी की सभी तरह की परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी एप है। यहां पर आब्जेक्टिव क्वेश्चंस, हल सहित चैप्टर वाइज और टापिक वाइज क्वेश्चंस भी दिए गए हैं। प्रतिदिन अभ्यास की भी सुविधा इस एप में दी गई है। यह निश्शुल्क उपलब्ध है, जिसे आफलाइन भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एसएससी एग्जाम गाइड एंड टेस्ट प्रेप्स: यदि आप इस परीक्षा के सिलेबस के अनुसार जनरल इंटेलिजेंस, जनरल अवेयरनेस, क्वांटिटेटिव एप्टिट्यूड तथा इंग्लिश से जुड़े विषयों की तैयारी करना चाह रहे हैं, तो यह भी एक अच्छा एप है। इस एप में आपको डेली करेंट अफेयर्स, बेसिक विषयों की अध्ययन सामग्री के अलावा प्रैक्टिस सेट, फ्री लाइव क्लासेज, नोट्स तथा क्वेश्चंस बैंक आदि की भी सुविधाएं दी गई हैं।

वर्ग पहेली-2586

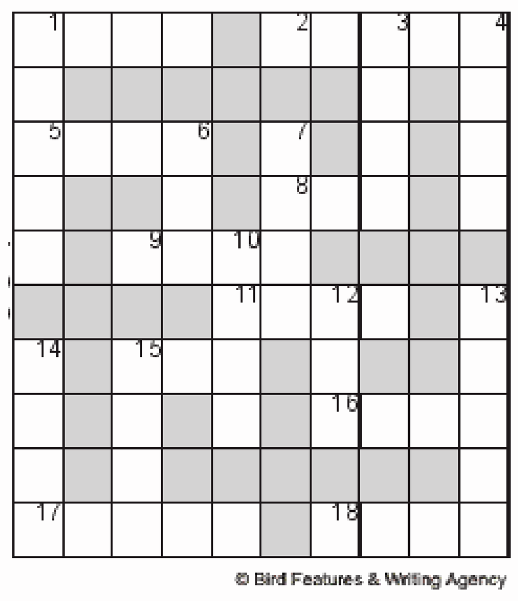

बाएं से दाएं
1 जो दोहराया न गया हो (4)। 2 कलम की कारीगरी (5)। 5 मीठे बोल, मधुर वचन (4)। 8 पाने की इच्छा, बुलावा (3)। 9 नायिका, भूमिका अदा करने वाली (4)। 11 इन्हें 'ओशो' भी कहा जाता है (4)। 15 युग, समय (3)। 16 बरसने वाला बादल, जोर का शब्द (4)। 17 रचने वाला, लेखक, बनाने वाला (5)। 18 देश को चलाने वाला यह कहलाता है (4)।

ऊपर से नीचे
1 जो सुलझ न सका हो (5)। 3 धर्म, संप्रदाय (4)। 4 जामवंत को यह भी कहते हैं (4)। 6 मध्य प्रदेश की एक बड़ी नदी (3)। 7 आपत्ति, विरोध (4)। 10 प्रशंसनीय काम को कहते हैं (4)। 12 नीले रंग का बहुमूल्य रत्न (3)। 13 सहायता करने वाला (5)। 14 तुरंत असर करने वाला (4)। 15 निद्रा भंग करवाना (4)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

दी	प	क	सु	त		स	र	ल	ता
प				ला			ज		ली
शि	ष्ट	ता		श	व		त		ब
खा					न				जा
		आ	न	प	च		पा	ल	ना
स	म	ग्र		स	र	स	री		
मा				र					आ
नु		श		ना	रा		वि	रा	म
पा		ह			जें				र
त	ह	री	र		द्व	बी	क	र	ण

जागरण सुडोकू-2586

		3		7		5		6
8					5			7
		5	8			1		
4			9					3
	1	8			2		7	
9				1				2
5						4	2	
	4	9		3			6	
6			2		1			5

कल का हल

4	8	9	1	2	3	6	7	5
7	3	1	4	5	6	8	9	2
2	5	6	7	8	9	4	1	3
1	6	8	3	7	2	5	4	9
9	4	7	5	6	8	3	2	1
3	2	5	9	4	1	7	6	8
6	9	4	2	3	5	1	8	7
8	1	3	6	9	7	2	5	4
5	7	2	8	1	4	9	3	6

आज का भविष्यफल- 30 मार्च, 2024 शनिवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : चैत्र मास कृष्ण पक्ष पंचमी। राहुकाल : प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल : पूर्व। आज का पर्व एवं त्योहार : रंग पंचमी, श्रीजयंती। विशेष : कानपुर में होली मेला (स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में)।

कल 31 मार्च, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम
पर्व एवं त्योहार : श्री एकनाथ षष्ठी
कल की भद्रा : रात्रि के 09 :32 बजे से 01 अप्रैल को प्रातः 09 : 21 बजे तक। विशेष : शुक्र मीन राशि में उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु चैत्र मास कृष्ण पक्ष की षष्ठी तत्पश्चात सप्तमी ज्येष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात व्यतिपात योग तत्पश्चात वरियान योग वृश्चिक में चंद्रमा 22 घंटे 57 मिनट तक तत्पश्चात धनु में।

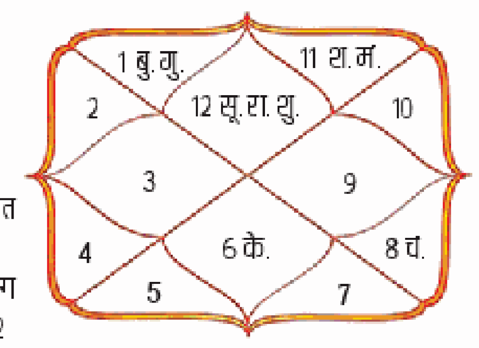

मेष : आर्थिक प्रयास सार्थक होगा। शासनसत्ता का सहयोग मिलेगा।
वृष : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
मिथुन : रिश्तों में निकटता आएगी। आर्थिक प्रयास फलीभूत होगा।
कर्क : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। प्रयास फलीभूत होगा।
सिंह : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कन्या : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
तुला : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक : कार्य संपन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है।
धनु : शिक्षा में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
मकर : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
कुंभ : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। वाणी पर संयम रखें।
मीन : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

राष्ट्रीय फलक

रंगपंचमी पर आज महाकाल मंदिर में रंग-गुलाल पर रहेगा प्रतिबंध

नईदुनिया, उज्जैन

उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में शनिवार को रंगपंचमी का त्योहार प्रतीकात्मक रूप से मनाया जाएगा। तड़के चार बजे भस्म आरती में पुजारी भगवान महाकाल को केसर व टेसू के फूलों से बना केवल एक लोटा रंग अर्पित करेंगे। शाम को परंपरा अनुसार महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह निकाला जाएगा।

उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में बीते सोमवार को भस्म आरती के दौरान केमिकलयुक्त गुलाल के अत्यधिक उपयोग से गर्भगृह में आग लग गई थी। इसमें पुजारियों सहित 14 लोग घायल हो गए थे। हादसे से सबक लेते हुए मंदिर प्रशासन ने रंगपंचमी पर पुजारी, पुरोहित व भक्तों के होली खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया है। भस्म आरती दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थी अपने साथ रंग, गुलाल लेकर नहीं आ सकेंगे। रंगपंचमी की परंपरा निभाने के लिए मंदिर समिति पुजारी, पुरोहितों को एक लोटा प्राकृतिक रंग उपलब्ध कराएगी। बता दें इससे पहले पुजारी रंगपंचमी पर होली खेलने के लिए टेसू के फूलों से दो-दो सौ लीटर के ड्रम भरकर रंग तैयार करते थे। आरती के दौरान गर्भगृह, नंदी हाल व परिसर में जमकर होली खेली जाती थी। प्रशासन ने धमाल पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है।

भगवान महाकाल।

अग्निकांड मामले में जांच जारी : महाकाल मंदिर में लगी आग के मामले की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद फिलहाल मंदिर प्रशासक को बदल दिया गया है। संदीप सोनी के स्थान पर जिपं सीईओ मृणाल मीना को प्रभार दिया है। इस बीच मामले की जांच जारी है। प्रशासन सुरक्षा एजेंसी, मंदिर कर्मचारियों, अधिकारियों सहित कुछ पुजारियों को भी नोटिस देगा।

आइटी और एआइ आधारित होगा उज्जैन का सिंहस्थ

राज्य, भोपाल : महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 वर्ष बाद 2028 में होने वाला सिंहस्थ पूरी तरह से सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक पर आधारित होगा। मध्य प्रदेश सरकार ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत आवश्यक कार्य, सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई व जन सुविधाएं को लेकर आइटी एवं एआइ आधारित सूचना तंत्र विकसित किया जाएगा। इस कार्य के लिए अलग से आइटी परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) का भी गठन किया जाएगा। यह कार्य नगरीय प्रशासन विभाग करेगा।

नगरीय प्रशासन विभाग की ओर से बताया गया कि सिंहस्थ की सुरक्षा व्यवस्था के लिए ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। वहीं, प्रदेश के महत्वपूर्ण विभागों के अस्थायी उपकार्यालय भी संचालित किए जाएंगे। सिंहस्थ के लिए आइएएस, आइपीएस व आइएफएस अधिकारियों सहित राज्य का स्टाफ तैनात किया जाएगा। बता दें कि संस्कृति विभाग का मुख्यालय उज्जैन में स्थानांतरित करने का निर्णय राज्य सरकार ले चुकी है। सिंहस्थ के पहले उज्जैन शहर को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में सांवलिया जी मंदिर में बना चढ़ावे का नया रिकार्ड

करीब 18 करोड़ 37 लाख रुपये का चढ़ावा

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में स्थित सांवलिया जी मंदिर में दान पात्र से मिला 18 करोड़ रुपये से अधिक का चढ़ावा। सौ. मंदिर प्रबंधन

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में स्थित सांवलिया जी मंदिर के दान पात्र में इस बार चढ़ावे का नया रिकार्ड बना है। डेढ़ महीने बाद होली पर चार दिन की गिनती के बाद भंडारा खोला गया तो उसमें करीब 18 करोड़ 37 लाख का चढ़ावा निकाला गया। दान-पात्र में करीब एक क्विंटल चांदी सहित 12 देशों की मुद्राएं भी मिली है।

उल्लेखीय है कि पिछले साल इसी दौरान डेढ़ महीने में दस करोड़ रुपये का चढ़ावा मिला था। सांवलिया जी मंदिर के साथ राजस्थान के अलावा गुजरात और मध्य प्रदेश के लोगों में भी काफी आस्था है। तीनों राज्यों के व्यापारी व्यापार में सांवलिया जी को हिस्सेदार मानकर दान की राशि बिना सार्वजनिक किए दान-पात्र में चढ़ाते हैं। राजस्थान में इस मंदिर में सबसे अधिक चढ़ावा आता है। यहां प्रत्येक एक से डेढ़ महीने में दान-पात्र खोला जाता है। मंदिर मंडल के अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर ने बताया कि डेढ़ महीने बाद खोले गए दान-पात्र से 14 करोड़ 36 हजार 110 रुपये निकले हैं। वहीं आनलाइन माध्यम से चार करोड़ 36 लाख 50 हजार 831 रुपये का चढ़ावा मिला। साथ ही भेंट कक्ष कार्यालय में 304 ग्राम सोना, 82 किलो 16 ग्राम चांदी मिली है। दान-पात्र में 560 ग्राम सोना और 17 किलो 413 ग्राम चांदी निकली है। इस तरह से कुल करीब 18 करोड़ 37 लाख नकद, 99 किलो 573 ग्राम चांदी एवं करीब 830 ग्राम सोने का चढ़ावा मिला है।

काम व इबादत के बीच बनाएं संतुलन

रमजान प्रशिक्षण का महीना है। रोजा रखने के दौरान दैनिक कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए काम एवं इबादत के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। रमजान का रोजा व इबादत केवल अल्लाह के लिए होती है। इसमें दिखावा करने की कहीं से तनिक भी गुंजाइश नहीं होती है। दिल से रब के लिए सजदा करें। जो काम करें, उसमें पूरी ईमानदारी बरतें। एक रोजेदार की यह अदा भी अल्लाह को पसंद है। रोजेदार भूख प्यास के कष्ट को सह कर इस हालात से गुजरने वालों की तकलीफ का एहसास करता है। सुबह जागने से लेकर सोने तक सभी जरूरी कामों को करते हुए अल्लाह की इबादत करें। रोजा झूठ, दिखावा, फरेब समेत सभी तरह की बुराइयों से बचने एवं संयम बरतते हुए गुस्से पर नियंत्रण पाने का प्रशिक्षण देता है। दुनिया के इंसानों के मार्गदर्शन के लिए अल्लाह ने पवित्र आसमानी ग्रंथ कुरानशरीफ धरती पर भेजा। इसे ठीक से समझ कर पढ़ें तथा संदेशों को व्यवहारिकता में लाएं तो जीवन सफल होना तय है। पूर्ण समर्पण, परिश्रम एवं लगन के साथ लड़कियां शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर बनें। इस्लाम व रमजान की रूह को समझ कर उस पर अमल करने में ही सफलता है।

डा. शाइस्ता बेदार,
निदेशक, खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी

ब्रिटेन के स्कूलों में तालिबानी आतंकियों के साथ सिखों की तस्वीरों पर आपत्ति

जासं, अमृतसर : श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने ब्रिटेन के कुछ स्कूलों के धार्मिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में तालिबान जैसे आतंकी समूहों के साथ सिखी स्वरूप वाली तस्वीरें लगाने की घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि तालिबान जैसी ताकतों के साथ सिखों का दूर-दूर तक संबंध नहीं है। इससे सिखों की भावनाएं आहत हुई हैं।

जत्थेदार रघबीर सिंह

जत्थेदार ने कहा कि ब्रिटेन के सिखों के विरोध पर ओएसिस कम्युनिटी लर्निंग ट्रस्ट ने गलती स्वीकार कर माफी मांगने और तस्वीरें हटाने की बात पर प्रसन्नता जताई है। साथ ही उन्होंने एसजीपीसी को आदेश दिया है कि वह विदेश मंत्रालय के माध्यम से ब्रिटेन सरकार से संपर्क कर सिखों की भावनाएं उन तक पहुंचाएं।

पोता होने की खुशी पर दादा ने किन्नरों को दे दिया 100 गज का प्लाट

हरियाणा के रेवाड़ी में किसान शमशेर सिंह ने परिवार की सहमति से की घोषणा

किन्नर बच्चे को गोद में लेकर आशीष देते हुए। जागरण

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी

हरियाणा के रेवाड़ी में एक बड़े किसान परिवार में पहला लड़का होने पर उसके दादा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने घर पर मंगल गीत गाने के लिए आए किन्नरों को 100 गज का प्लाट ही तोहफे में दे दिया। नवजात बच्चे के दादा शमशेर सिंह ने परिवार के सदस्यों की सहमति से यह कदम उठाया। नवजात बच्चे के दादा बड़े किसान हैं और बच्चे के पिता प्रवीन वकालत करते हैं।

दरअसल, किसान शमशेर के परिवार में पहला बेटा हुआ है जिससे उनके परिवार में खुशी का माहौल है। नवजात की दादी सरला देवी कहती हैं कि हमने पोता होने पर पहले ही किन्नरों को प्लाट देने का मन बनाया था। नवजात के पिता प्रवीन का कहना है कि किन्नरों को छोटी सी भेंट देने का प्रयास किया गया है। शुक्रवार को बेटे का जन्म होने की सूचना पर किन्नर हुमा अपने साथियों के साथ मंगल गीत गाते हुए शमशेर सिंह के घर पहुंची थीं। वह मंगल गीत गाने और नृत्य के बाद जाने लगी तो शमशेर ने उनको 100 गज का प्लाट देने की घोषणा की।

कोविड में दर्ज मुकदमे वापस लेने से जाएगा गलत संदेश

राज्य, चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जवाब दायर कर कहा कि कोविड-19 के समय प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के दौरान दर्ज किए गए मुकदमे वापस लेने का कोई भी निर्णय आम लोगों में गलत संदेश प्रसारित करेगा। भविष्य में ऐसी महामारी होने पर लोग अधिकारियों के वैध निर्देशों का पालन भी नहीं करेंगे। राज्य चाहता है कि हाई कोर्ट ऐसे मामलों की संक्षिप्त कार्रवाई का आदेश दे, ताकि इन मामलों के निपटारे में जल्द निर्णय लिया जा सके।

कोविड-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लाकडाउन लगाया गया था और अधिकारियों द्वारा आदेश जारी किए गए थे। हाई कोर्ट ने कहा था कि लोग इन आदेशों का पालन कर रहे थे, लेकिन भोजन, दवा आदि की आवश्यकता होने पर आदेशों का उल्लंघन करते हुए उन्हें घरों से बाहर निकलना पड़ा। पूर्व और मौजूदा सांसदों व विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों के शीघ्र निपटान से संबंधित चल रही याचिका के मद्देनजर यह मामला हाई कोर्ट के समक्ष लंबित है।

सेवानिवृत्ति पर बैंड-बाजों की अनुमति मांगी, अधिकारियों ने खड़े किए हाथ

आयोग की सख्ती

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को लिखा पत्र, साहब 36 वर्ष बेदाग नौकरी की, परिवार चाहता है धूमधाम से हो विदाई

जागरण संवाददाता, रुड़की

'साहब! 36 साल तक शिक्षा विभाग में बेदाग नौकरी की। शनिवार को सेवानिवृत्त हो रहा हूं। बहू-बेटे व पोते समेत रिश्तेदारों की इच्छा है कि गाजे-बाजे के साथ विद्यालय से विदाई हो। ऐसे में पांच गाड़ी व बैंड-बाजों के साथ जुलूस की अनुमति प्रदान कीजिए। मेरे लिए यह बहुत बड़ा दिन है।' मानवीय आधार पर यह अनुरोध शहर में तैनात एक शिक्षक ने प्रशासनिक अधिकारियों से किया, लेकिन अधिकारियों ने आचार संहिता का हवाला देते हुए इससे हाथ खड़े कर दिए।

आचार संहिता लागू होने पर शादी-ब्याह, जागरण, यहां तक कि रोजा इफ्तारी के लिए भी प्रशासन से अनुमति लेना जरूरी है। इसी बीच शुक्रवार को एक शिक्षक रुड़की स्थित ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि वह 30 मार्च को शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 36 साल तक बेदाग नौकरी की है। स्वजन और रिश्तेदारों की इच्छा है कि वह उन्हें बैंड-बाजे व जुलूस के साथ दफ्तर से गांव तक लाएं। इस दौरान आगे खुली जिप्सी में बैंड वाले रहेंगे। साथ में पांच गाड़ी और 30 से 40 लोग होंगे। सेवानिवृत्ति को लेकर बच्चे और परिवार के सदस्य काफी समय से योजना बना रहे थे, लेकिन अब चुनाव आ गए हैं। ऐसे में स्वजन की इच्छा का सम्मान करते हुए उन्हें इसकी अनुमति दी जाए। मगर अधिकारियों ने अनुरोध को ठुकराते हुए अनुमति देने से इन्कार कर दिया। इसके साथ ही सलाह दी कि मतदान के बाद वह कार्यक्रम कर लें या फिर एक जगह की अनुमति मिल सकती है।

एनआइए ने दो वांछित आरोपितों पर घोषित किया 10-10 लाख रुपये इनाम

नई दिल्ली, प्रेट्र : एनआइए ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में दो आरोपितों की नई तस्वीरें जारी कर इन आरोपितों का सुराग देने वाले को 10-10 लाख रुपये इनाम देने की शुक्रवार को घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट के अनुसार एनआइए ने मामले में वांछित मुसाविर हुसैन शाजिब उर्फ शाजेब और अब्दुल मतीन अहमद ताहा उर्फ अब्दुल मतीनन ताहा के बारे में जानकारी के लिए आम जनता से अनुरोध किया।

एनआइए ने इस मामले में बुधवार को एक प्रमुख साजिशकर्ता मुजम्मिल शरीफ को गिरफ्तार किया था। एनआइए इजांच से पता चला है कि मुजम्मिल शरीफ ने एक मार्च को बेंगलुरु के आइटीपीएल रोड, ब्रुकफील्ड स्थित कैफे में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) विस्फोट से जुड़े मामले में दो वांछित आरोपितों को रसद सहायता दी थी। इस धमाके में कई लोग घायल हो गए थे।

****

सत्यजीत राय को मिला आस्कर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

फिल्म निर्देशक सत्यजीत राय को 1992 में आज ही आस्कर लाइफटाइम अचीवमेंट मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसी साल उनको भारत रत्न भी मिला था। सत्यजीत राय ने अपने करियर में कुल 37 फिल्में बनाई। पाथेर पांचाली, अपराजितो, अपुर संसार और चारुलता आदि उनकी यादगार फिल्में हैं।

महात्मा गांधी ने रौलेट एक्ट के विरोध की घोषणा की

1919 में आज ही महात्मा गांधी ने रौलेट एक्ट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी। गांधी जी का मानना था कि रौलेट एक्ट भारतीयों की नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। ब्रिटिश सरकार ने यह कानून पारित किया था।

देशसेवा के लिए सर्वस्व समर्पित करने वाले अप्पा जी जोशी

हरिऔष्ण जोशी का जन्म 1897 में आज ही वर्धा में हुआ था। गरीबी से जूझते हुए कक्षा दस तक पढ़ाई की। 1905 में बंग-भंग आंदोलन से प्रभावित होकर स्वतंत्रता के संघर्ष में कूद गये। आगे चल कर वे अप्पा जी जोशी के नाम से प्रसिद्ध हुए। 1926 में वर्धा में आरएसएस की शाखा प्रारम्भ की। नागपुर के बाहर आरएसएस की यह पहली शाखा थी। डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयं उन्हें वर्धा जिला संघचालक का दायित्व दिया था। 1946 में वे सरकार्यवाह बने। 21 दिसंबर, 1979 को उनका निधन हो गया।

आकाशगंगा के केंद्र में ब्लैकहोल के रहस्य से पर्दा हटा

जागरण संवाददाता, नैनीताल

- गैस उत्सर्जन के विस्फोट की वजह से हिचकी की तरह होती है हलचल
- एरीज के डा. सुवेन्दु रहे अंतरराष्ट्रीय विज्ञानियों की टीम का हिस्सा

खगोलविदों की अंतरराष्ट्रीय टीम ने विशाल ब्लैकहोल में हो रही हिचकी की तरह हलचल के रहस्य से पर्दा उठा दिया है। इसका कारण गैस उत्सर्जन के समय-समय पर यानी आवधिक बिस्फोट है। यह खोज ब्लैकहोल में अब तक अनदेखे व्यवहार को उजागर करने वाली है। इस अभूतपूर्व खोज में आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के विज्ञानी डा. सुवेंदु रक्षित ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विज्ञानी डा. सुवेन्दु रक्षित ने बताया कि इस अभूतपूर्व खोज में खगोलविदों ने एक दूर की आकाशगंगा के केंद्र में एक अनोखी घटना होते देखी, जो भ्रमित करने वाली घटना थी। यह आकाशगंगा पृथ्वी से लगभग 80 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर है। जिसके केंद्र में एक महाविशाल ब्लैक होल है। जिसका व्यवहार हिचकियों के समान था। गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह हिचकियां हर 8.5 दिनों के अंतराल में गैस उत्सर्जन के आवधिक विस्फोट के रूप में प्रकट होती हैं और इसके बाद अपनी सामान्य अवस्था में लौट आती हैं। 2020 से यह आकाशगंगा अपेक्षाकृत शांत थी। बाद में अप्रत्याशित बदलाव ने इस रहस्य से पर्दा हटाने के लिए विज्ञानियों को मजबूर किया। यह खोज पारंपरिक समझ को चुनौती देती है। खोज के मुख्य विज्ञानी कांवली इंस्टीट्यूट फार एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस रिसर्च के डा. धीरज पाशम के अनुसार ब्लैक होल के बारे में हमारी जानकारी आज भी पूरी नही है। यह घटना एक तारे के महाविशाल ब्लैक होल के करीब आने से हुई। जिसमें प्रचंड गुरुत्वाकर्षण ने तारे के टुकड़े कर दिए। यह ज्वारीय व्यवधान घटना होती है, जिसमें ब्लैकहोल की डिस्क को उज्ज्वल कर दिया। इस घटना में चार माह तक महाविशाल ब्लैकहोल तारे के मलबे को खाता रहा।

छोटा ब्लैकहोल कर रहा सुपरमैसिव ब्लैकहोल की परिक्रमा : डा. रक्षित ने बताया कि एक छोटा ब्लैकहोल केंद्र में मौजूद सुपरमैसिव ब्लैकहोल की परिक्रमा कर रहा है। जो समय-समय पर सुपरमैसिव ब्लैकहोल की गैस की डिस्क को बाधित करता है। जिस कारण एक गैस का गुबार उत्पन्न होता है। इस खोज से पता चलता है कि इसकी डिस्क में ब्लैकहोल समेत तारे भी शामिल हैं। यह खोज आटोमेटेड सर्वे फार सुपरनोवा रोबोटिक दूरबीनों के नेटवर्क के जरिए संभव हो सकी।

एरीज के विज्ञानी डा.सुवेंदु रक्षित। सौ. स्वयं

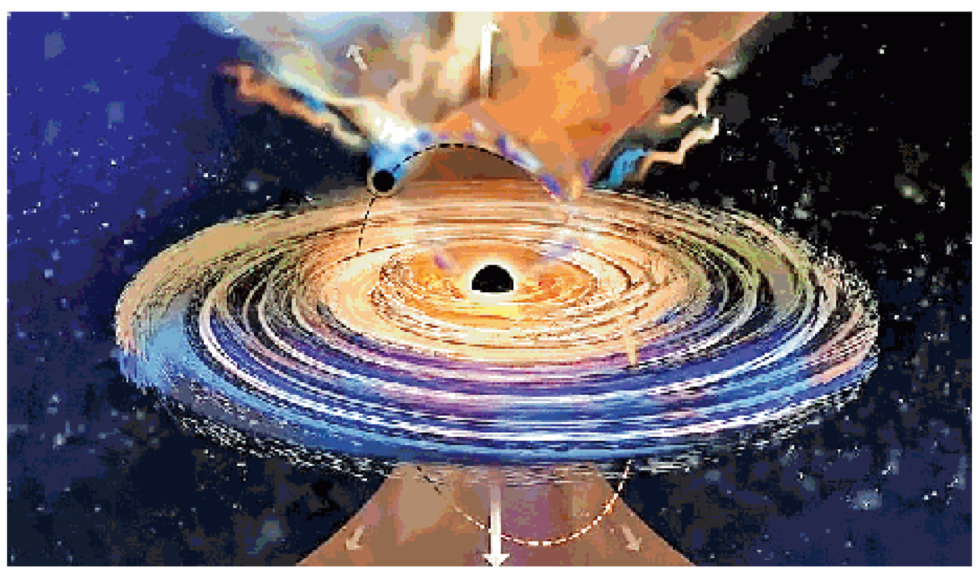

ब्लैकहोल का प्रतीकात्मक फोटो। सौ.गूगल

फिल्म रिव्यू

क्रू ★★½

प्रमुख कलाकार : तब्बू, करीना कपूर, कृति सैनन, कपिल शर्मा, दिलजीत दोसांझ
निर्देशक : राजेश ए कृष्णन **अवधि :** दो घंटे तीन मिनट

उड़ान भरते ही क्रैश हो जाती है फिल्म

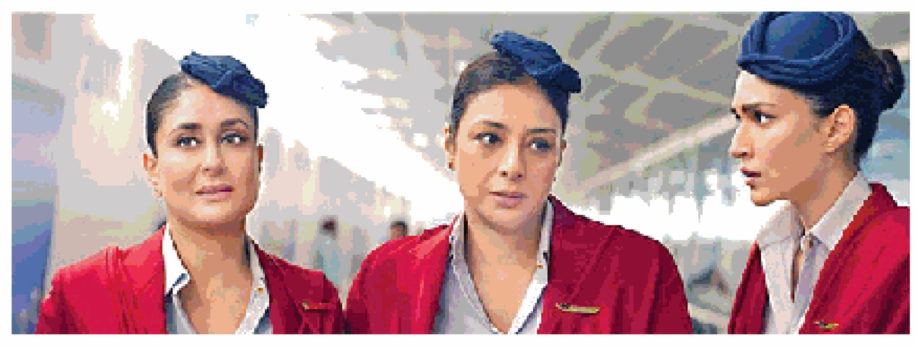

तब्बू, करीना व कृति की तिकड़ी को एक साथ देखना अच्छा लगता है। चि.सौ.:फिल्म टीम

कभी सबसे चर्चित एयरलाइंस कंपनियों में गिनी जाने वाली किंगफिशर के दिवालिया होने के बाद इसका मालिक विजय माल्या लेनदारों से बचने के लिए विदेश भाग गया। इसके पूर्व ही कंपनी के कर्मचारियों के वेतन में कटौती या न मिलने जैसी खबरें आ रही थीं। इसी थीम पर निधि मेहरा और मेहुल सूरी ने 'क्रू' की कहानी, स्क्रीनप्ले और संवाद लिखे हैं।

फिल्म में कोहिनूर एयरलाइंस के मालिक का नाम विजय माल्या की तर्ज पर विजय वालिया रखा गया है। सरकार भले ही विजय माल्या का अभी तक प्रत्यर्पण नहीं करा पाई, लेकिन निर्माता एकता कपूर की तीन एयर होस्टेस वालिया को वापस लाने में कामयाब रहती हैं। उसके साथ हजारों करोड़ का सोना भी लाती हैं।

कोहिनूर एयरलाइंस में कार्यरत गीता सेठी (तब्बू), जैस्मिन (करीना कपूर) और दिव्या राणा (कृति सैनन) से पूछताछ के साथ कहानी आरंभ होती है। उन पर सोने की तस्करी का संदेह है। गीता कंपनी द्वारा पीएफ मिलने के बाद रेस्त्रां खोलना चाहती है। नाना के साथ रह रही जैस्मिन आर्थिक तंगी से परेशान है। दिव्या एयर होस्टेस है, लेकिन घर में बता रखा है कि पायलट है। इन विमान परिचारिकाओं के हाथ जैकपाट लगता है। विमान में वरिष्ठ अधिकारी राजवंशी (रमाकांत दयामा) को हार्ट अटैक होता है। उसके शरीर पर सोना बंधा मिलता है। वे उसकी सूचना देती हैं, लेकिन बाद में तस्करी करने वाले को खोजती हैं और खुद ही तस्करी करने लगती हैं। इस बीच कंपनी दिवालिया हो जाती है। उन्हें चेयरमैन विजय वालिया (शाश्वत चटर्जी) की असलियत पता चलती है कि सोने की तस्करी के पीछे वही है। फिर तीनों, भगोड़े वालिया को पकड़ने और सोना वापस लाने विदेश चल देती हैं। निर्देशक राजेश ए कृष्णन इससे पहले लूटकेस का निर्देशन कर चुके हैं। यहां क्रू के साथ उनकी उड़ान डगमगा गई है। कस्टम अधिकारी जयवीर सिंह (दिलजीत दोसांझ) को संवादों में ईमानदार और साहसी दिखाया है, लेकिन फिल्म में नजर नहीं आता। एचआर हेड मनोज मित्तल (राजेश शर्मा) अकेले ही वालिया के सोने को अल बुर्ज भेज रहा है, यह भी हजम नहीं होता। विदेश में वालिया का पीछा करने से लेकर प्लेन को हाइजैक करते हुए तीनों को देखकर लगता है, इन पर हिंदी फिल्मों का प्रभाव है। शुरुआत रोमांचक तरीके से होती है, लेकिन जैसे ही उड़ान भरने की बारी आती है, फिल्म क्रैश हो जाती है। तब्बू, करीना व कृति की तिकड़ी को साथ देखना अच्छा लगता है। थीम अच्छी है, लेकिन कामेडी के साथ घिसे-पिटे फार्मूले में बंधकर रह गई। स्क्रीनप्ले दमदार होता, तो यह अच्छी फिल्म होती।

स्मिता श्रीवास्तव

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

चिप से सुरक्षित हो सकेगा मोबाइल व लैपटाप का डाटा

आइआइटी कानपुर के सहयोग से विकसित होगी सुरक्षा तकनीक

सी-एचईआरडी और जेआइएसए साफ्टेक के बीच में हुआ करार

जासं, कानपुर

मोबाइल और कंप्यूटर-लैपटाप के डाटा पर होने वाले हमलों से अब हार्डवेयर चिप मुकाबला करेगी। आइआइटी के असिस्टेंट प्रोफेसर देबप्रिया बसु राय के नेतृत्व में हार्डवेयर सिक्योरिटी माड्यूल (एचएसएम) का विकास किया जा रहा है। इसके लिए डीप टेक कंपनी जेआइएसए साफ्टेक ने केंद्र के हार्डवेयर सिक्योरिटी इंटप्रेन्योरशिप रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (सी-एचईआरडी) के साथ एमओयू किया है। प्रोजेक्ट के तहत ऐसी चिप तैयार की जाएगी जिसका प्रयोग लैपटाप-कंप्यूटर व मोबाइल में भी किया जा सकेगा। इसमें जटिल क्रिप्टोग्राफिक तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।

एचएमएस में प्रयोग होने वाले क्रिप्टोग्राफिक एल्गोरिदम के लिए एफपीजीए आधारित हार्डवेयर एक्सेलेरेटर समेत पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, होमोमोर्फिक एन्क्रिप्शन के विशेषज्ञ प्रो. देबप्रिया बसु राय ने बताया कि डीप टेक कंपनी जेआइएसए साफ्टेक ने पहले भी कंप्यूटर सुरक्षा विशेषकर क्रिप्टोग्राफी में उल्लेखनीय कार्य किया है। यह पहली भारतीय कंपनी है, जो कंप्यूटर हार्डवेयर के शुरू से लेकर एप्लिकेशन स्तर तक संपूर्ण हार्डवेयर सिक्योरिटी माड्यूल के लिए टेक्नोलाजी का निर्माण करेगी। क्रिप्टोग्राफी तकनीक और अन्य तकनीकों की मदद से इस एचएसएम चिप तैयार होगा। अभी तक कंप्यूटर सिस्टम, मोबाइल फोन सुरक्षित करने के लिए विभिन्न साफ्टवेयर टूल का प्रयोग करना पड़ता है। चिप कंप्यूटर या मोबाइल फोन में निर्माण के समय ही लगाई जा सकेगी। क्रिप्टोग्राफी आधारित होने की वजह से चिप कंप्यूटर उपकरण के समस्त डाटा को हैकर के हमलों से सुरक्षित रखेगी।

मोबाइल चिप। फाइल

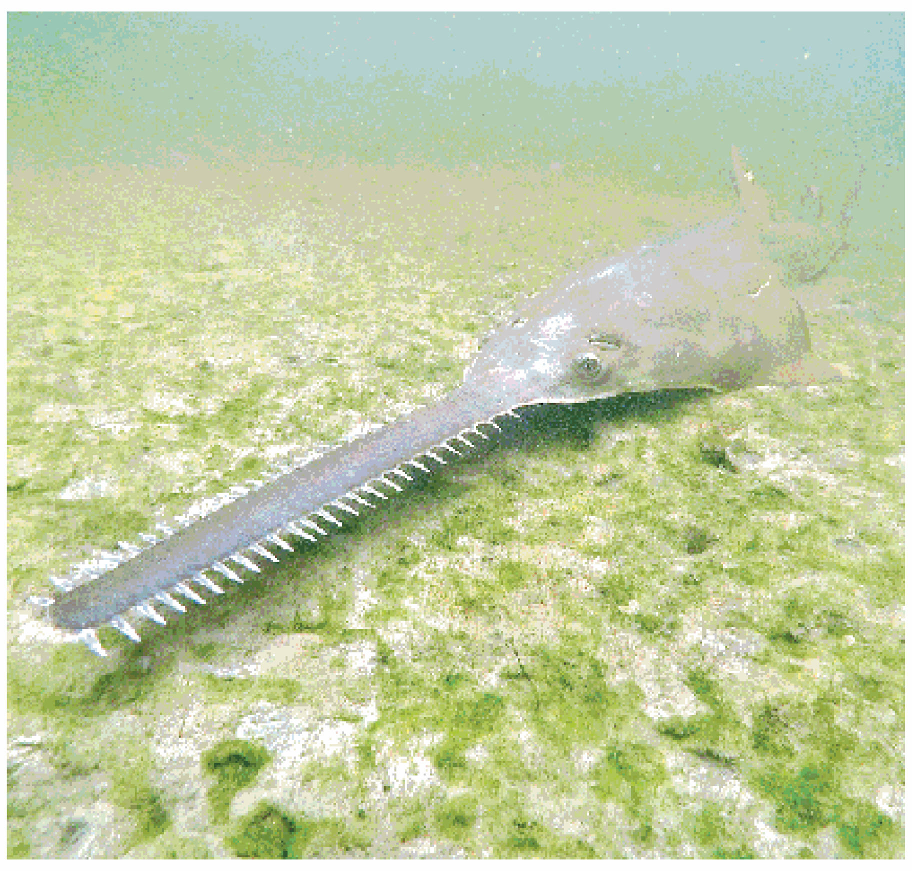

लुप्तप्राय साफिश मछली को बचाने की कोशिश...

अमेरिका के फ्लोरिडा में समुद्र में तैरती छोटे दांत वाली लुप्तप्राय साफिश मछली। पृथ्वी पर यह एकमात्र ऐसा जीव है, जो लाखों वर्षों के जीवनचक्र के बाद भी अपरिपर्तित है। जीव विज्ञानी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इनका व्यवहार लगातार अनियमित है और असामान्य तरीके से यह मर रही हैं। संघीय और राज्य वन्यजीव एजेंसियां इसका कारण जाने के साथ साफिश को बचाने और पुनर्वास करने के काम में जुटी हैं। एपी

इधर-उधर की

कूड़े के ढेर में गया लाखों रुपये का निवेश

निवेश की मौजूदा कीमत करीब 157 अरब रुपये है। इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी : घर की सफाई में ध्यान रखें कि कहीं गलती से कोई कीमती चीज कूड़े में तो नहीं फेंक रहे हैं। ब्रिटेन के साउथ वेल्स में रहने वाले जेम्स हावेल्स के के साथ ऐसा ही हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार हावेल्स ने क्रिप्टोकरंसी में लाखों रुपये का निवेश किया और भूल गए। उन्होंने अकाउंट के सारे पासवर्ड कई छोटी-छोटी हार्ड ड्राइव में रख दिए और भूल गए। महीनों बाद जब बिटकाइन की कीमतें आसमान छूने लगीं तो हावेल्स को उनकी याद आई। हावेल्स ने साथी से हार्डड्राइव के बारे में पूछा तो उसने बताया कि सफाई में गलती से कूड़े में फेंक दिया है। हावेल्स यह सुन कर पागलों की तरह भागते हुए लैंडफिल साइट पर पहुंचे और उसकी सुरक्षा के लिए गार्ड तैनात किए। हावेल्स के मुताबिक, उनके निवेश की मौजूदा कीमत करीब 157 अरब रुपये है।

टीबी रोगियों में परजीवी कृमि संक्रमण से बढ़ता है जोखिम

अनुसंधान

शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में पाया है कि पल्मोनरी टीबी (पीटीबी) के रोगियों में परजीवी कृमि का संक्रमण फेफड़ों की बीमारी को गंभीर बना सकता है। शोधकर्ताओं का यह निष्कर्ष पीटीबी के रोगियों पर स्ट्रांगीलोइड्स स्टेर्कोरेलिस नामक परजीवी कृमि के असर की जांच के दौरान सामने आया। पीटीबी व परजीवी कृमि संक्रमण दोनों ही कम आय वाले देशों में एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या हैं।

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ (एनआइएच) आइसीईआर द्वारा किया गया यह अध्ययन एम विश्वनाथन डायबिटिक रिसर्च सेंटर (एमवीडीआरसी) के सहयोग से चेन्नई में किया गया। यह फेफड़ों के गंभीर रोग पल्मोनरी टीबी पर परजीवी कृमि के संक्रमण के असर और उसके उपचार पर केंद्रित था। अध्ययन में 409 पीटीबी पीड़ितों के उस समूह को शामिल किया गया जो परजीवी कृमि के संक्रमण से भी ग्रसित थे। इसमें प्रतिभागियों की उम्र 30 से 65 वर्ष थी। शोध दल ने इनमें फेफड़ों की क्षति और फिर से टीबी होने का जोखिम पाया। केवल टीबी रोगियों की तुलना में टीबी और कृमि संक्रमण वाले मरीजों में अधिक संख्या में बैक्टीरिया पाए गए। अध्ययन में दोहरे संक्रमण वाले लोगों में कुछ प्रतिरक्षा प्रणाली मार्करों में बदलाव का भी पता चला, जो बढ़ी हुई सूजन प्रतिक्रिया का संकेत देता है। अध्ययन से पता चलता है कि टीबी के साथ परजीवी कृमि संक्रमण होने से फेफड़ों की बीमारी अधिक गंभीर हो जाती है और इसका सफलतापूर्वक इलाज करना कठिन हो जाता है। एनआइएच-आइसीईआर के विज्ञानी निदेशक डा. एस सुभाष बाबू ने सुझाव दिया कि एकल-खुराक, एकल-दवा उपचार से ही इस सह संक्रमण से निपटा जा सकता है। (एएनआइ)

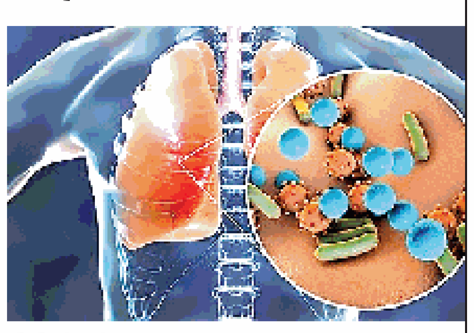

टीबी रोग के लक्षण। फाइल

स्क्रीन शाट

जाली एलएलबी 3 पर काम तेज, मई में शुरू होगी शूटिंग

फ्रेंचाइज फिल्मों के दौर में अभिनेता अक्षय कुमार की कई फिल्मों की कहानी आगे बढ़ रही है। इसमें वेलकम टू द जंगल, हेराफेरी 3, हाउसफुल 5 और जाली एलएलबी 3 शामिल हैं। साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म जाली एलएलबी फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म पर भी शुक्रवार से काम शुरू हो गया है। मुंबई के एक होटल में फिल्म की स्क्रिप्ट रीडिंग का काम शुरू हुआ। इस स्क्रिप्ट रीडिंग सत्र में फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर के साथ फ्रेंचाइज की दोनों फिल्मों में जज की भूमिका निभाने वाले अभिनेता सौरभ शुक्ला भी शामिल हुए। फिल्म से जुड़े कई लोग मौजूद रहे, जिनके लिए लंबी-चौड़ी टेबल और कुर्सियां लगाई गई थीं। हालांकि अक्षय और अरशद वहां नहीं पहुंचे थे। पहले इस फिल्म के दो नाम जाली वर्सेस जाली और जाली एलएलबी 3 सामने आ रहे थे। लेकिन जिस तरह से स्क्रिप्ट रीडिंग वाली जगह पर जाली एलएलबी 3 के नाम की स्टैंडी लगी हुई थी, उससे साफ हो गया कि फिल्म का शीर्षक तय हो चुका है। खबरें हैं कि मई से इस फिल्म के शूटिंग शुरू हो सकती है। जाली एलएलबी में वकील जगदीश त्यागी उर्फ जाली की भूमिका निभा चुके अरशद पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि तीसरे पार्ट में अक्षय और उनका पात्र एकदूसरे के विरुद्ध होंगे। फिर सच की लड़ाई में दोनों साथ आ जाएंगे।

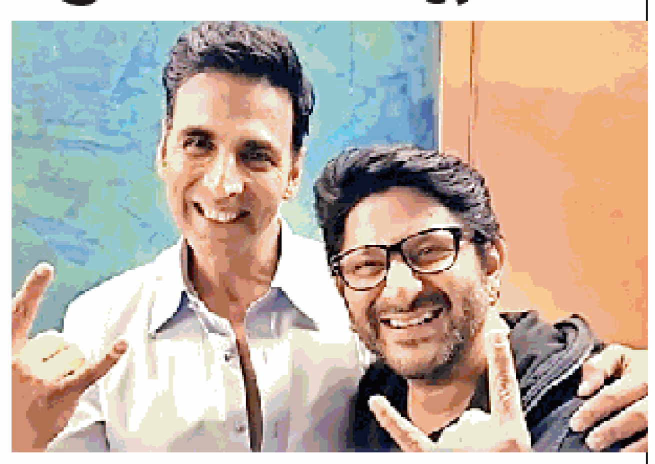

फिल्म में अक्षय और अरशद होंगे आमने-सामने। फाइल

अभिषेक बच्चन को रास आ रही हैं पिता की भूमिकाएं!

बदलते वक्त के साथ कलाकारों के पात्रों को चुनने की पसंद भी बदल रही है। अभिनेता अभिषेक बच्चन भी वैरायटी किरदारों को वरीयता दे रहे हैं। हालांकि यह महज इत्तेफाक है कि अपनी आने वाली दो फिल्मों में वह पिता की भूमिका में होंगे। इसमें शूजित सरकार के साथ एक फिल्म है। शूजित ने उनके पिता अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म पीकू, गुलाबो सिताबो बनाई है। अब वह जूनियर बच्चन के साथ फिल्म बना रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक फिल्म की कुछ दिनों की शूटिंग बाकी रह गई है। फिल्म जल्द ही पोस्ट प्रोडक्शन में जाएगी। शूजित कहानी के बारे में ज्यादा बताना पसंद नहीं करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर कहानी पता चल गई, तो फिल्म देखने में क्या मजा आएगा। उनके ज्यादातर किरदार ऐसे रहे हैं, जिससे वह परिचित रहे हैं। वह आम जीवन के किरदारों को आसाधारण बनाते हैं। बहरहाल, अभिषेक की अनाम फिल्म की कहानी उनके दोस्त की जिंदगी से जुड़ी हुई है। यह मुख्य रूप से एक पिता और बेटी की कहानी है। इसके अलावा अभिषेक बच्चन फिल्म बी हैप्पी में भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन रेमो डिसूजा ने किया है। इसमें भी अभिषेक एक बेटी के पिता की भूमिका में होंगे, जिसका सपना रियलिटी शो में हिस्सा लेने का है।

बी हैप्पी फिल्म में बेटी के सपने को पूरा करते दिखेंगे अभिषेक। फाइल

...तो कृति को चाहिए ऐसा लड़का जिसे आती हो हिंदी

पिछले दिनों होली के मौके पर अभिनेत्री कृति सैनन की एक तस्वीर खूब वायरल हुई थी, जिसमें वह एक लड़के का हाथ पकड़े हुए लंदन की सड़कों पर घूम रही थीं। वहां से कयास लगाए जाने लगे कि कृति किसी को डेट कर रही हैं। अब कृति ने खुद इस रहस्य से पर्दा उठा दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में बता दिया है कि वह सिंगल हैं।

कृति कहती हैं कि मैं किसी को डेट नहीं कर रही हूं। मुझे रोमांस पसंद है, लेकिन लगता है कि डेटिंग एप्स और लोगों का एक रिश्ते से निकलकर आसानी से दूसरे रिश्ते में चले जाने के कारण रोमांस खत्म होता जा रहा है। अब लोग रिश्ते में एकदूसरे को खुश रखने के लिए छोटी-छोटी कोशिशें भी नहीं करते हैं। आगे जब कृति से पूछा गया कि उन्हें कैसा लड़का चाहिए? इस पर कृति ने पूरी लिस्ट बताते हुए कहा कि मैं कभी किसी फिरंगी की तरफ आकर्षित ही नहीं हुई। लड़का तो देसी ही होना चाहिए, क्योंकि मैं बहुत देसी हूं। उसे हिंदी समझ में आनी चाहिए, क्योंकि मेरे मुंह से तो हिंदी ही निकलेगी। मैं अंग्रेजी में बहुत देर तक बात नहीं कर सकती हूं। मैं हिंदी ही बोलूंगी, पंजाबी और हिंदी गाने ही बजाऊंगी। मेरा डांस हिंदी और पंजाबी गानों पर ही निकलता है।

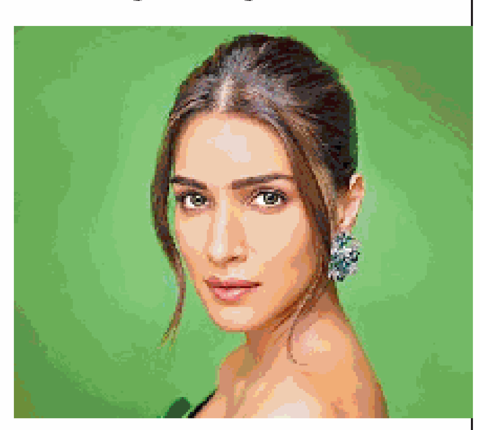

फिलहाल सिंगल हैं कृति सैनन - इंस्टाग्राम - @kritisanon

ओपेनहाइमर के निर्देशक क्रिस्टोफर को नाइटहुड की उपाधि, पत्नी एम्मा थामस को भी डेमहुड

लंदन, एपी : ओपेनहाइमर के लिए आस्कर पाने वाले निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन और उनकी पत्नी और निर्माता एम्मा थामस को नाइटहुड और डेमहुड से सम्मानित किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित सात आस्कर जीते थे।

उन्हें सम्मान दिए जाने की खबर थोड़ी आश्चर्यचकित करने वाली है, क्योंकि ये आम तौर पर साल में दो बार दिए जाते हैं। एक बार नए साल के मौके पर और दूसरी बार किंग चार्ल्स तृतीय के जन्मदिन पर। कभी-कभी विशेष उपलब्धियों के बाद सम्मानित किया जाता है, जो अक्सर खेल और कला से संबंधित होती हैं। यह सम्मान औपचारिक रूप से बकिंघम पैलेस में एक समारोह में प्रदान किया जाता है।

इसे अक्सर ब्रिटेन के सम्राट द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रदान किया जाता है। हालांकि, किंग चार्ल्स फिलहाल कोई शाही कर्तव्य नहीं निभा रहे हैं, क्योंकि उनका कैंसर का इलाज चल रहा है।

जापान में रिलीज हुई 'ओपेनहाइमर' : सात आस्कर पुरस्कार जीतने वाली चर्चित फिल्म 'ओपेनहाइमर' अंतत जापान में शुक्रवार को रिलीज हो गई। राजधानी टोक्यो में फिल्म के पोस्टर के सामने से गुजरती महिला। परमाणु बम के जनक ओपेनहाइमर के जीवन पर आधारित इस फिल्म की विषयवस्तु बेहद संवेदनशील और भावनात्मक है। छह जुलाई 1945 को ओपेनहाइमर ने पहले प्लूटोनियम परमाणु बम का परीक्षण किया था, जिसे ट्रिनिटी परीक्षण नाम दिया गया था। फिर 'लिटिल बाय' और 'फैट मैन' को हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराया गया। इन दो परमाणु बम विस्फोटों में लगभग दो लाख लोग मारे गए थे। एएफपी

डबल रोल में अर्जुन, वरुण व दिलजीत

वेलकम, सिंह इज किंग, भूल भुलैया 2 जैसी कामडी फिल्मों के निर्देशक अनीस बज्मी अपनी फिल्मों में कंफ्यूजन या परिस्थितियों से हास्य पैदा करने में माहिर हैं। पिछले काफी अर्से से उनकी फिल्म नो एंट्री की सीक्वल नो एंट्री में एंट्री बनने की खबरें आ रही है। अनीस ने उस पर काम करने की बात भी कही है। साथ ही अगले साल इसे शुरू करने की योजना भी है। बीते दिनों आई खबरों में कहा गया कि इसमें मूल फिल्म के कलाकार सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान की बजाय वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ होंगे। यह तिकड़ी सिल्वर स्क्रीन पर पहली बार एकसाथ नजर आएगी। ताजा खबर यह है कि सीक्वल में दोहरी मुसीबत का मामला होगा यानी वरुण, अर्जुन और दिलजीत दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो कहानी में भ्रम और कामेडी का स्रोत होगा। निर्माता बोनी कपूर और निर्देशक ने साल 2019 की शुरुआत में ही नो एंट्री में एंट्री की स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे दिया था। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में कास्टिंग और डेट्स के मुद्दों के कारण दोनों इस कामेडी फिल्म को धरातल पर उतारने में असमर्थ रहे। सूत्रों का दावा है कि यह कहानी पूरी तरह से नई होगी। वरुण, अर्जुन और दिलजीत को स्क्रिप्ट पसंद आई और वे इस फिल्म को करने को लेकर उत्सुक हैं। फिलहाल अनीस भूल भुलैया 3 की शूटिंग अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ कर रहे हैं।

अर्जुन कपूर - इंस्टाग्राम - @arjunkapoor

वरुण धवन - इंस्टाग्राम - @varundvn

दिलजीत दोसांझ - इंस्टाग्राम - @diljitdosanjh

****

📰 👇 PREMIUM NEWSPAPERS 👇 📰
👉 IF YOU WANT TO GET EARLY MORNING FAST UPDATE OF NEWSPAPERS JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL.
👇 ENGLISH NEWSPAPER 👇
The Hindu, Business Line,Times of India,The Economic Times,Economic Times Wealth, Mirror,Maharashtra Times,Hindustan Times, Mint,Indian Express,
Financial Express, New IndianExpress,Business Standard(Hindi English),Mid-Day(English Gujarati),Deccan Chronicle,The Tribune,Brill Express, The Asian Age, The Telegraph,Hans India,The Gaon,The Statesman,Employment News, English Editorial
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/MagzNewspaper

👇 INTERNATIONAL NEWSPAPER 👇
Gulf of Times,The New York Times, Financial Times, The Washington Post,New York Post, Los Angeles Times, USA Today,The Wall Street Journal, The Guardian,The Times,The New Yorker, Youth Ink
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/PaperMagzine
👇 राष्ट्रीय हिन्दी न्यूजपेपर 👇
दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर ,दिव्य भास्कर,हिंदुस्तान ,नवभारत टाइम्स,अमर उजाला,पजाब केसरी,लोकमत,जनसत्ता, लोकसत्ता,दैनिक ट्रिब्यून,राष्ट्रीय सहारा,इंडिया न्यूज,दिल्ली राजस्थान पत्रिका,रोजगार समाचार, हिंदी एडिटोरियल
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/HuB_Newss
👇 राजस्थान न्यूजपेपर 👇
सच कहूं,सीमा संदेश,पंजाब केसरी,इंडिया न्यूज़,
👇 ਪੰਜਾਬੀ ਪੇਪਰ 👇
ਸੱਚ ਕਹੂੰ,ਪੰਜਾਬੀ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ
👇 हरियाणा न्यूजपेपर 👇
👇 हरियाणा मुख्य 👇
ट्रिब्यून,सच कहूं,उत्तम हिंदू,एक्शन इंडिया,पायनियर,देश रोजाना,जागरण,भास्कर,पंजाब केसरी,हरिभूमि,जगत क्रांति,दैनिक सवेरा, हिन्दुस्तान,हरियाणा वाटिका,आज समाज,Hindustan Times,The Tribune,Vatika Times
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/MagzNewspaper
👇 हरियाणा लोकल 👇
अमर उजाला,भास्कर,जागरण,हरिभूमि,पंजाब केसरी,दैनिक सवेरा
👇 TAMIL & TELUGU NEWSPAPER 👇
Eenadu ap ts Telangana Today Hyderabad Telangana ts prajaskthi ts ts Sakshi ts Surya ts Jyoti ts vaartha dinamani tiruchy madurai coimbatore chennai Ap Surya vaartha Sakshi Jyothi andhraprabha Janmabhumi Kottayam Kochi Kannur Bangalore Kozhikode Thrissur Deshabhimani Thrissur palakkad Kannur Kottayam ernakulam Kozhikode
👇 JOIN BACKUP CHANNEL 👇
👉 https://t.me/BackUPTeleg
SEARCH ON TELEGRAM TO JOIN PREMIUM GROUP
👉 @VB25000

CONTACT https://t.me/ 919024825000

🙏

👇📚 ENGLISH MAGAZINE 📚👇

👉 GET ALL FAST UPDATE OF ALL HINDI ENGLISH MAGAZINE JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL.

Frontline,SportStar,Business India,Banking Finance,Cricket Today,Mutual Fund Insight,Wealth insight,Indian Economy & Market,The Insurance Times,Electronics For You,Open Source For You,Mathematics Today,Biology Today,Chemistry Today,Physics For You,Business Today,Woman Fitness India,Grazia India,Filmfare India,Femina India,India Legal,Rolling Stone India,Bombay Filmfame,Outlook,Outlook Money,Careers 360,Outlook Traveller,India Strategic,Entertainment Updates,Outlook Business,Open,Investors India,Law Teller,Global Movie,The Week India,Indian Management,Fortune India,Dalal Street Investmemt Journal,Scientfic India,India Today,HT Brunch,Yoga and Total Health,BW BusinessWorld,Leisure India Today,Down To Earth,Pratiyogita Darpan,Marwar India,Champak,Woman's Era,The Caravan,Travel Liesure India,Business Traveller,Rishi Prasad,Smart investment,Economic and political weekly,Forbes india,Health The Week, Josh Government JOBS,Josh Current Affairs,Josh General Knowledge,Electronic For You Express,Josh Banking And SSC,Highlights Genius,Highlights Champ,Global Spa,Bio Spectrum,Uday India,Spice India Today,India Business Journal,Conde Nast Traveller,AD Architectural Digest,Man's world,Smart Photography India,Banking Frontiers,Hashtag,India Book Of Records,ET Wealth,Vogue india,Yojana,Kurukshetra

👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/MagzNewspaper

👇📚 हिन्दी मैगजीन 📚👇

समय पत्रिका,साधना पथ,गृहलक्ष्मी,उदय इंडिया,निरोगधाम,मॉडर्न खेती ,इंडिया टुडे,देवपुत्र,क्रिकेट टुडे,गृहशोभा,अनोखी हिन्दुस्तान,मुक्ता,सरिता,चंपक,प्रतियोगिता दर्पण,सक्सेस मिरर,सामान्य ज्ञान दर्पण,फार्म एवं फूड,मनोहर कहानियां,सत्यकथा,सरस सलिल,स्वतंत्र वार्ता लाजवाब,आउटलुक,सच्ची शिक्षा,वनिता,मायापुरी,इंडिया हेल्थ,रूपायन उजाला,ऋषि प्रसाद,जोश रोजगार समाचार,जोश करेंट अफेयर्स,जोश सामान्य ज्ञान,जोश बैंकिंग और एसएससी,इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,राजस्थान रोजगार संदेश,राजस्थान सूजस,सखी जागरण,अहा! जिंदगी,बाल भास्कर,योजना,कुरूक्षेत्र,हिन्दुस्तान जॉब्स

👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/PaperMagzine

Like other groups, this list is not just written, we will make these magazine available to you with 100% guarantee.

👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/HuB_Newss

You will get the updates of all these magazines first in the premium group.

👇 JOIN BACKUP CHANNEL 👇
👉 https://t.me/BackUPTeleg

SEARCH ON TELEGRAM TO JOIN PREMIUM GROUP
👉 @VB25000
Contact 👉 https://t.me/ 919024825000

🙏